# Mitch an Using The Gazette of India

SUBLISHED BY AUTHORITY

378/11

सं० 34] No. 34] नई बिस्स्री, शनिवार, अगस्त 25, 1984 (भाद्रपद 3, 1906)

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1984 (BHADRA 3, 1906)

इस माग में श्रिन्त पृष्ठ संख्या वी जाती है जितसे कि यह अलग संज्ञतन के क्य में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation)

# भाव III-खन्द 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरोक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

मई दिल्लो-110011, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-II--इस कार्यालय के समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-3-1983 के अतिक्रमण में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एनद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 5-4-82 से आगामी आदेशों नेक अधाक्षक (न० सं०) के उन्नत किय गए पद (६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री एम० एम० शर्मा
- 2. श्री जगदीश लाल
- 8. श्रीमतो डा० जे० लाल वानी
- श्रीमती राज सेठी
- 5. कु. सुदर्शन हांडा
- श्री आर० आर० भारद्वाज

यह संघ लीक सेवा आयोग के अनुमोदन से देखिए उनका पत्न एफ० 4/28(1)/82-नि० ए०-IV, दिनांक 5-7-1984 जारी किया गर्या है।

विजय भरुला, अनुभाग अधिकारी संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक श्रौर प्रशासनिक मुघार विभाग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मंसूरी, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 2/7/8 निस्थापना—इस कार्यालय सम संख्यक अधि-भूचना दिनांक मार्च 19,1984 को जारी रखने हुए श्रोमती मंजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक आचार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनांक अगस्त, 1984 से आगामी छ: मास के लिए नियमित रूप में नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

> ए० के० दास उप निर्देशक

(19467)

# केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

# न ई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० ए/19036/15/79-प्रशासन-5—निवर्तन होने पर श्री एम० एन० मायुर, पुलिस उपाधाक्षक, केन्द्रीय अस्वेषण ब्यूरो, विशेष एकक, नई दिल्ला ने दिनांक 31 जुलाई, 1984 के अपराह्म से पुलिस उपाधाक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के कार्यालय का कार्यभार त्यांग दिया।

सं० ए-19017/2/84-प्रशासन-5-श्री काली चरण, अपराध सहायक केन्द्रीय अन्वेषण, ब्यूरो को दिनांक 28 जुलाई, 1984 के पूर्वाक्ष से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में स्थानापन्न कार्यालय अधाक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

### दिनांक 6 अगस्त 1984

सं० ए-19035/4/79-प्रशासन-5---नियर्तन हो जाने पर, श्री तिलक राज ने दिनांक 31 जुलाई, 1984 के अपराह्म से कार्यालय अधीक्षक किन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली का कार्यभार त्याग दिया ।

> आर० एंस० नागपाल प्रशासनिक अधिक री (स्था०) केन्द्रीय/अन्वेषण ब्युरी

# महानिदेशालय के० रि०पु० बस

नई दिल्लों-110003, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं शि एक-30/83(स्था०-1)—के रि पु० बल के निम्मिलिखित उपअधीक्षकों को सेवायें, उन के नाम आगे दर्शाई गई तारीख से आसाम सरकार को डेपुटेशन आधार पर सौंपी जाती है:-

श्री टी० एम० बक्सला
 श्री वरयाल डो० सेना
 श्री जे० एस० सन्धू,
 श्री जे० एस० सन्धू,
 श्री जे० सि० मिली
 श्री कासम खान
 १६८ अपराह्म
 १५७ १८० अपराह्म
 १५० १८० अपराह्म
 १५० १८० अपराह्म

दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० डी० एक० 34/83-स्थापना---श्री शामशेर सिंह सिन्धू के आसाम पुलिस से प्रत्यावासन होने पर, 44 वाहिनी, के० रि० पु० बल में दिनांक 17-7-1984 (पूर्वाह्न) की पुलिस उप-अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया है।

> ्म० पी० जखमीका सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्याल|य

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 अगस्य 1984

मं ० 10/13/१४-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, केन्द्रीय सम्बन्धय राजमाचा सेवा के ग्रेड-४ के अधिकारी श्री जीत सिंह को भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 30 जून, 1984 के पूर्वाह्न मे, जब तक उक्त पद नियमित आधार पर भरा जाए पूर्णतः अस्याय। ग्रीर तदर्व आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वो० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

# महानिवेशालय केन्द्रोय **भौद्यो**गिक सुरक्षा बल नई दिल्लो-110003, दिनांक 4 अगस्त 1984

सं० ई-29020/6/83-सा० प्रशां०-1---राष्ट्रपति, श्रीपी० एन० पंचाल, को 20-8-1981 से केन्द्रोय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से सहायक महानिरीक्षक (फायर) नियुक्त करते हैं।

> एस० आनन्द राम महा निदेशक

# वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्यं विभाग चलार्थं पत्र मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 28 जून 1984

सं० एन-77-एन/38/एस०---महा प्रबन्धक चलार्थ पन्न मुद्रणालय, श्री ए म० एल० सोनवणे, अनुभाग अधिकारी, चलार्थ पन्न मुद्रणालय, को नियमित प्रतिनियुक्ति के आधार पर तीन वर्षकी अवधि के लिये दिनांक 2 जून, 1981 से 1 जून, 1984 तक क्रय अधिकारों के पद परनियुक्त करते हैं।

> सु० द० **इंडगुं**जी, महा प्र**बन्ध**क

# वित्त वर्ष में परिवर्तन समिति नई विल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(2)/ए/84—भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक, नई दिख्ली के कार्यालय से स्थानान्तरण होने पर ग्रेड "बाँ आगुलिपिक श्री एच० आर० गर्मा को विस्त वर्ष में, परिवर्तन समिति में पहली अगस्स, 1984 के अपराह्न से अगला आग्रेश होने तक 775—1200 रु० के वेतनमान में निजी सिखद नियुक्त किया गया है।

सं० मी० सी० एफ० वाई०-2(2)-ए/84—आठवें वित्त आयोग के समापन एकक, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर अधीक्षक, श्री जे० पी० मिश्र को पहली जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक विन्न वर्ष में परिवर्तन समिति में 700-1300 रु० के वेतनमान में प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी नियुक्त कियागया है।

> ए० आर० शिराची, सदस्य संचित्र

# भारतीय लेखापरीका तथा लेखा विभाग कार्यालय महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) गुजरात अहमवाबाद-380001, विनाक 20 जुलाई 1984

सं० स्था० (प०)/जी०श्रो०/3/(39)/960— महा-लेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी (लेखापरीक्षा) की कार्याक्षय, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद/राजकोट में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

40		
1. श्री बी० विजयकुमारत	25-6-84	अहमदाबाद
	(पूर्वाह्स)	
2. श्रीपी० एन० पुरोहित	25- <del>6-</del> 84	अहमदाबाद
	(पूर्वाह्न)	
3. श्रीपी० एन० पण्डया	25-6-84	राजकोट
	(अपराह्न)	
4. श्री के ं के ० मेट्टीगर	25-6-84	अहमदाबाद
•	(पूर्वाह्न)	
5. श्रीएम०एम० वैश्णव	25-6-84	राजकोट
	(अपराह्न)	
6. श्री एम० के० मेहसा	25-6-84	अहमदाबाव
	(पूर्वाह्न)	
7. श्रीवी०एम० जाडेजा	25-6-84	गजकोट
•	(अपराह्म)	

2. उपरोक्त नियुक्ति अस्थायी है ग्रीर 1984 का विशेष सिविल आवेदनपत्र सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायासय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है।

> (ह)अपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

### रक्षा लेखा विभाग

# कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 जुलाई 1984 सं प्रमा | 1/1419/4/जिल्द-I--श्री वी०पी० जैन की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' के कनिष्ठ समयमान में दिनांक 1 अक्तूबर, 1981 से पुष्टि की गयी है।

इस विभाग की पहले की अधिसूचना सं ० प्रशा०/1/1419/4/ जिल्द-1, दिनांक 29-9-1982 एतद् द्वारा रह की जार्ता है।

# दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० बी० स्रो० प्रशा०/11/2603/84--रक्षा लेखा महा-नियन्त्रक, नई दिल्ली कार्यालय में सेवारत श्री टी०जी० वेंकटसुबामणियम, स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी को दिनांक 1 अप्रैल, 1982 से मुल प्रधारी के रूप में एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

> वी० एस० जफा रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रकः

# रक्षा मंद्रालय भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां, सेवा आ**र्ड**नैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, विनांकं 27 जुलाई 1984

सं० 37/जो/84--श्री कें० एम० सम्पत, स्थानापन्न वर्क्स मैनेजर (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन). दिनांक 14 अप्रैल, 1984 (अपराह्म) से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता, नि**देश**क

# श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

# स्नान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० 7(2)84-प्रमासन-I/11/338—श्री एस० भट्टाचार्जी स्थायी अधीक्षक, को श्री ए० एम० घोष के दिनांक 31-5-84 (अपराह्म से सेवा निवृत्त होने के कारण रिकंत पद पर दिनांक 1-6-84 (पूर्वाह्म) से इस महा निदेशालय में सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी के पद पर स्थानायन्त पदोन्नस किया जाता है।

ह० स० आहुजा महा निदेशक, खान सुरक्षा

# वाणिध्य मन्नालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984 आयात श्रीर निर्यात ज्यापार नियन्त्रण

# (स्थापना)

सं० 9/6/82-प्रशासन (राजं०)/6098—राष्ट्रपति, आयात भौर निर्यात व्यापार नियन्त्रण संगठन में आयात-निर्यात के निम्नलिखित नियन्त्रकों (वर्ग "ख"-गैर केन्द्रीय सिविल सेवा) को केन्द्रीय व्यापार सेवा को श्रेणी 3(सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात) में 700~40—900—द०रो०—40—1100—50—1300 रु० के वेतनमान में 18-6-1984 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं --

- 1. श्री ए० के० नुरमोहम्मद
- 2. श्री एस०के० प्रसाद
- 3. श्रीमती शशी बालासुन्नामनियन,
- 4. श्री पी० बालाकृष्णन,
- 5. श्री एम० बालागंगाधरन,
- 6. श्री एस० राजन
- 7. श्री ए० के० तनेजा,
- 8. श्रीए० कोम्
- 9. श्रीवी०के० गुप्ता,
- 10. श्री एस० के० महाचार्य
- 11. श्री टी० आर० शशीधरन,

- 12. श्री फसिश एंटोनी,
- 13. श्री आर० एस० सिंघल
- 14. श्री पी० गणेशन (अनुसूचित जाति)
- 15. श्री डी०के० भट्टाचार्य
- 16. श्री: मुकेश भटनागर
- 17. श्री ग्रो०पी० गहलौत
- 18. श्री एस० के० मजूमवार (अनुसूचित जाति)
- 19. श्री जी० एस० जाखेरे (अनुसूचित जाति)
- 20. श्री एस० एस० रापा (अनुसूचित जाति)
- 21. श्री महेरा चंदर, (अनुसूचित जाति)
- 22. श्री सैमुक्ल हनेडा (अनुसूचित जाति)

एम० एल० जयन्त, उप् मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात कृत, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

# इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 5329 बी/ए-19012(1-एस० जी०)/83-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण के महा निदेशक, श्री शुभाशिष
घोष को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारताय भूवैज्ञानिक
सबैक्षण में 650 ६० प्रति माह के प्रारम्भिक बेतन पर 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 ६० के बेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी
आदेश होने तक 30-6-84 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे

अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) कृते महा निदेशक

# कलकत्ता-70016,दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० 5244 पी/ए-19012 (4-आर०एम०ए०) 84-19 बौं-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, भारतीय भू-बैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री आर०एन० अग्रवाल, को क्रिलर के पद पर नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 मई, 1984 के पूर्वाह्म से पक्षोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

> अमित कुशारो निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

# भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० ए-19012(198)/84-स्था० ए०-विभागीय, पदोन्नति समिति को सिफारिश पर श्री आर० एस० जेस्वाल, स्थानापन्न अधीक्षक को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 27 जुलाई, 1984 के अपराह्म से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए-19012(196)/84-स्था० ए--- विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० एम० पतकी, स्थानापत्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय खान ब्यूरो में थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर दिनांक 25 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं ए-19012(197)/84-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर श्रोमती एच० सी० देशपांडे, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनिवद के पद पर दिनांक 25 जुलाई, 1984 के पूर्वीह्न से पदोन्नित प्रदान की गई है।

# दिनाक 4 अगस्त, 1984

सं० ए-19012(202)/84-स्था० ए०—विभागीय पर्वान्नित समिति की सिफारिश पर श्री डी० वी० तांबेकर, स्थानापन्न अधीक्षक, को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रणासन अधिकारी के पद पर दिनांक 30 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से पदोन्नित प्रदान को गई है।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महा नियन्त्रक
भारतोय खान स्यूरो

# भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहास्य

कलकसा, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० 4-201/84-स्थापना--भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री एस० के० भट्टाचार्य, अनुसंघान सहायक (शारीरिक) 31 मई, 1984 पूर्वाह्म से, अगला आदेश तक इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र शिलांग में सह मानव विज्ञानी (शारीरिक) ग्रुप 'बी' (राजपितत) के पद पर पदोन्नित हुई है।

ए० के० दास गुआ प्रशासनिक अधिकारी

# राष्ट्रीय अभिलखागार नई दिल्ली, दिनांक ४ अगस्त, 1984

संवृ फावा 20(सी)-14-94/70ए- 1(स्थापना)—संभ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, श्री नवरत्न सिंह, अस्था यी सहायन अधिसेखा धिकारी ग्रेड-1 (सामान्य), को 31 जुलाई, 1984 से अगले आदेश होने तक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्लो में नियमित अस्थायी आधार पर, अधिलेखाधिकारी (सामान्य) (ग्रुप "वी" राजपत्रित) के पद पर एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

राजेश परती अभिलेख निदेशक

# भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 1 अगस्त 1984

सं० एफ-9-1/82-स्था०/4454—वरिष्ठ प्राणी विज्ञान सहायक, श्री ए०के० पोदार को मुख्यालय, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कलकता में ६० 650-1200 के वेतनमान में, सहायक, प्राणिविज्ञानी, (समूह 'ख') के पद पर, 9 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप में तदर्ध आधार पर नियुक्त किया गया।

ए० के० मंडल वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विर्ला, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं ए-12025/31/78-(ए०आई०आई०एच० एंड पी० एच०)/प्रका०-/पि०एच० (सी०डी० एंड एल०)—-राष्ट्रपति ने डा० एस० आर० दत्ता को 13 मार्च, 1982 से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान श्रीर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में, व्यावसायिक स्वास्थ्य के सहायक प्रोफेसर क पद पर स्थायो श्राधार पर नियुक्त किया है।

नारायण सिंह उप निवेशक प्रशासन (एन०)

# खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) - शर्करा निदेशालय

नई विल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई 1984

सं० ए-19012/82/84-स्था०--- उद्योग मंत्रालय (ग्रीद्यो-गिक विकास विभाग) के केन्द्रीय मचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के आशुलिपिक ग्रेड "सी" श्री श्याम लाल झांत्र की इस निदेशालय में अस्थायी स्थानान्तरण पर ग्रुप "बी" राजपत्रित लागत लेखाकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-6-1984 (ग्रपरान्ह) से प्रतिनियुक्ति की जाती है।

> वी० लक्ष्मी रतन मुख्य निदेशक

# भाभाषरमाणु अबुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

तम्बई-400 085, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० पी०ए०/80(10)/82-आर-III-1392—-नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री एन० के० प्रभाकरन, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (सलै० ग्रेड) की दिनांक 1 जुलाई, 1984 (पूर्याह्न) से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं बी० सी० पाल

बा०सा० पाल उपस्थापना अघिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं० एस०/1937/स्था०-II/3777---श्री पून्गावनथ मुकुमारन ने सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का पदभार दिनांक 19-4-1984 पूर्वाह्न को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर छोड दिया ।

> आर० सी० कोटियंकर उप स्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400 094, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं शी र ई० डी ०/ए/2(7)/4960—निर्देशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एस० आर० रेडीज, प्रवरण लिपिक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, को श्री एस० वेणु-गोपालन, जोकि प्रणिक्षण प्राप्त करने के लिए गये हुए हैं, के स्थान पर निर्माण एवं सेवा वर्ग में दिनांक 7-7-84 से 18-8-84 (अपराह्म) तक तवर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० यी० धत्ते प्रशासन अधिकारी

# न्यूक्लोअर विद्युत बोर्ड वम्बई-5,दिनाँक 20 जुलाई 1984

सं० एन० पी० बी०/3(283)/83-स्थापना-6812— निदेशक, (अभियांतिकी) न्यूक्सीअर विश्वत बोर्ड बम्बई एतद्-हारा इस बोर्ड के एक सहायक लेखा अधिकारी श्री की० बी० व्यापारी को 23 मई, 1984 के पूर्वीह्न से 22 जून, 1984 के अपराह्म तक के लिये उसी बोर्ड में लेखा अधिकारी II के पद पर अस्यायो रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति लेखां अधिकारी श्री आर० जी० ममूरकर के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए थे।

> आर० व्ही० बाजपेयी सामान्य प्रणासन अधिकारी

# परमाणु खनिज प्रभाग

# हैदराबाद-16, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० प० खा० प्र०-51/28/83-पेंशन—~परमाण् ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग, स्थायी सर्वेक्षक और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी "एस० बी०" श्री जी० पी० मार्म ने सरकारी सेवा से स्वैच्छिक, सेवा-निवृत्ति के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार 1 मई, 1984 के पूर्वाह्न की छोड़ दिया है।

> टो॰ डी॰ घाडेगे, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

# भारी पानी परियोजनाएं

# बम्बई-400 008, दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० 05012/फर० 84/3041—भारी पानी परियोजनाम्नों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयन्त्र , (बड़ौदा) के श्री किनथी सूर्यनारायण, वैज्ञानिक सहायक 'बी' को इसी संयन्त्र में फरवरी 1, 1984 पूर्वीह्न में आगे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/फर० 84/3042—भारी पानी परियोजनाम्रों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र, (बड़ौदा) के श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, वैज्ञानिक सहायक, "सी" को इसी संयंत्र में पूर्वाह्न 1 फरवरी, 198/4 से भागे म्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक स्रधिकारी/म्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/ब्रार-7/स्था० पदी०/3043—भारी पानी पित्योजनाध्रों के, प्रधान कार्यकारी, श्री रेवाना डोरास्वामी, सहायक सुरक्षा प्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (मनुगुरु) को इसी परियोजना में श्री वी० के० हीरेमथ, सुरक्षा श्रधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर मई 19, 1984 (पूर्वा०) से 19 जून, 1984 (ग्रप०) तक के लिये स्थानापन्न सुरक्षा ध्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती कं०पी० कल्याणी कुट्टी प्रशासन श्रधिकारी

# श्रन्तरिक्ष विभाग

# इसरो उपगृह केन्द्र

# बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई, 1984

सं० 020/3(061)/84--इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक निम्निखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शाई तिथियों पूर्वाह्व से अगले आदेश

प्राप्त होने तक बिल्कुल प्रनंतिम एवं ग्रस्थायी भाषार पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

क्रम नाम सं०	पदनांम	दिनांकं
श्रीमती/श्री/कु०		
1. के० ऊषा	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	21-1-84
2. जे० सुञ्जलक्ष्मी	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० <b>वी</b> ०	23-1-84
3. पी० <b>वी० कृष्ण</b> कुमार	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	27-1-84
4. ग्रार० वी० भारती	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	13-2-84
5. एस० मोहन	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	15-2-84

# दिनांक 30 जुलाई, 1984

सं० 20/3(61)/84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्नलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्यागपत्र उनके नाम के सामने दिशाई तिथि से सहर्ष स्वीकार करते हैं:

क्रम नाम मंख्या	पदनाम .	दिनांक
सर्वश्री		
1. एन० एस० कुमार	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	20-7-84
2. टी० वामुदेवन	वैज्ञानिक/स्रभियन्ता- एस० बी०	20-7-84
3. एन० तंगम	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	20-7-84
4. एल० जी० हरिषा	वैज्ञानिक/ग्रिभयन्ता- एस० बी०	16-7-84

एव० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी- /

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय दिनांक 21 जुलाई, 1984

सं० ए०-35018/6/79-ई-I—इस विभाग के विनांक 1-9-1983 की ग्रधिसूचना संख्या ए-35018/6/79-ई-1 के कम में, राष्ट्रपति ने, ग्रासूचना विभाग के एक ग्रधिकारी श्री के० के० नागर की नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में सहायक निदंशक, नागर विमान सुरक्षा (वेतनमास रु० 1200—1800 + रु० 300/- विशाय वेतन प्रतिमान) के पद पर की गई प्रतिनियुक्ति की ग्रविध को विनांक 20-7-1984 से 31-10-84 तक की ग्रविध के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है।

# दिनांक 23 जुलाई, 1984

मं० ए०-32013/13/82-ई-1—इस कार्यालय की दिनांक 18-7-83, 9-8-1983 तथा 22-6-1984 की ग्रिधसूचना सं० ए०-32013/13/82-ई 1 के कम में, राष्ट्रपति, ने निम्नलिखित श्रिधकारियों की निदेशक विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र/निदेशक, विमान क्षेत्र के ग्रेष्ट में की गई तदर्थ नियुक्ति उनके नाम के नामने दी गई श्रवधि के लिये ग्रथवा

पदों के नियमित श्राधार पर भरें जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी हैं:---

नाम	<b>ग्र</b> र्वाध			
1. श्री प्रेम नाथ	1-6-84 से 30-11-84			
2. श्री एस० एच० सोनटेक	1-6-84से 30-11-84			
<ol> <li>श्री जार्ज लाकड़ा</li> </ol>	1-6-84 से 30-11-84			

दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० ए-32013/1/84-६० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक संचार श्रधिकारियों को उनके उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की नारीख से छः मास की अवधि के लिए संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैन/त किया है :---

ऋ० सं०	नाम	वर्तमान तेन स्टेशन	ाती	नया तैनार स्टेगन		कार्यंभार ग्रहण करनेकीतारीख
	सर्वंश्री					
1.	एस० मजूमदार	वैमानिक संचार स्टेशन,	दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन	विल्ली	29-6-84
2.	ए० के० ग <del>ोस्</del> वामी	<del></del> वही	कलकत्ता	वही	कलकत्ता	2-6-84
3.	<b>ড্ল০ স্তী০ खे</b> ड़ा	वही	दिल्ली	<b>~-व</b> हीं	दिल्ली	1-6-84
4.	एम० एस० नायर	वही	क्षिवेन्द्रम	व <b>ही</b>	ब्रिची	30-6-84
5.	जे० एस० संधु	ना० वि० प्र० के०	इलाहाबाद	वही	दिल्ली	7-6-84
6.	जी० मधुलिंगम	वै० सं० स्टेशन,	बम्बई	—- <del>वही</del>	बम्बई	2-6-84
7.	एम० सी० श्रंतानी	वही	सम्बई	वही	बम्बई	2-6-84
8.	एम० एल० घोपड़ा	ना० वि० मुख्यालय,	नई दिल्ली	ऽ <b>~~वही</b> ~~	दिल्ली (भ्रप०)	4-6-84
9.	एस० बी० चकवर्ती	वै० सं० स्टेशन	लखनऊ	व <b>ह</b> ी	जयपुर	30-6-84
10.	बी० एस० गुसाई	ना० वि० प्र० के०	इला <b>हा</b> बाद	ना० वि० प्र० के०	इलाहाबादं (भ्रप०	8-6-84
11.	एस० एन० भागवत	वै० सं० स्टेशन	वम्बई	वै ० सं ० स्टेशन	बम्बई	2-6-84
12.	जे० एस० मागस्टस	<b>वहीं</b> -	मद्रास	वही	मद्रास	5-6-84
13.	वी० वी० पांटकर	वही	भम्बई	<del>वही</del>	बम्बई	2-6-84
14.	के० पी० स्वामी	वही	बम्ब <b>ई</b>	—-वही	बम्बई	2-6-84
15.	ए० के० बनर्जी	<b>वही</b>	कलकत्ता	वही	कलकत्ता	2-6-84
16.	एस० के० दास	<b>वहां-</b>	<b>भुवनेश्</b> वर	वही	भुवनेक्वर	2-6-84
17.	एल० एस० गोविला.	बर्ही	दिल्ली	बही	दिल्ली	1-6-84
18.	डी० के० चौधरी	- <b>-</b> वही	<b>कलक</b> त्ता	वही	कलकत्ता	2-6-84
19.	बी० ग्राई० रामामूर्ति	<del></del> वही	विवेन्द्रम	वही- <del></del>	मद्रास	30-6-84
20.	बी० एन० सरकार	<del>वही</del>	सिलचर	—वही <b>—</b>	कलकत्ता	28-6-84
21.	ए० एन० विश्वास	वही	कलकत्ता	वही	कलकसा	1-7-84
		·		~	(গ্নদ৹)	

# विनांक 1 भ्रगस्त, 1984

सं० ए०-32013/1/83-ई-I---राष्ट्रपति ने श्री श्रार०पी० सिंह, उप सिदेशक, विमान सुरक्षा (परिचालन) को 30-7-84 (पूर्वाह्म) से तथा श्रन्य श्रादेश होने पतक मुख्यालय में नियमित ग्राधार पर निदेशक, प्रशिक्षण श्रौर श्रनुकापन के पद पर नियुक्त किया है ।

> श्रो०पी० श्रग्रवाल सहायक निदेशक (प्रजासन)

# नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई, 1984

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०---क्षेतीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री जे० एत० कपूर, विमान क्षेत्र श्रधिकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०-नियन्तक, विमान क्षेत्र, लखनक के कार्यालय के श्री डी० एन० गुप्ता, नियन्त्रक विमान क्षेत्र निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

मं० ए-38013/1/84-ई० ए०—क्षेतीय निदेशक दिल्ली के कार्यालय के श्री गुरमुख सिंह, विमान, क्षेत्र ग्रधिकारी निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवत्त हो गए हैं।

जी० बी० लाल सहायक निदेशक (प्रशासन)

# विदेश संचार सेवा

वम्बई, दिनांक 30 जुलाई, 1984 ्

मं० 1/20/84-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री बी० एष० खेमचन्दानी को तदर्थ ग्राधार पर ग्रीर स्थानीय व्यवस्थाग्री के रूप में ग्रह्पकालीन रिक्तियों पर नीचे लिखी ग्रवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं:—

- 1. 11-7-1983 से 25-7-83
- 2. 7-11-83 से 26-11-83
- 3- 12-12-83 से 28-1-84

र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1984

सं०  $11/3\xi(v)2/77$ -पार्ट-II—श्री बी० जी० घड़ियार, विरत श्रेणी, निरीक्षक ने प्रोन्नित पर दिनांक 6-7-1984

पूर्वा० से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-1 में प्राधीक्षक समृह "ख" के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 11/3ई (ए) 2/77 पार्टII—श्री डी॰ बी॰ जोशी, प्रशासनिक ग्रिधकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समृह "ख", केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-1 दिनांक 1-7-84 को स्वेच्छया सेवा निवृत हो गए हैं।

# दिनांक 28 जुलाई, 1984

मं० एस० टी॰ 1/84-85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232ए के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व लवण श्रिधनियम, 1944 की धारा 9 के श्रिधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों श्रीर श्रिधिनियम की धारा 33 में संदर्भित श्रिधिकारी द्वारा ६० 10,000/- या उससे श्रिधिक की राशि के लिए दण्डित व्यक्तियों के नाम व पते उप नियम-2 में उल्लिखित श्रन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से श्रकाशित किये जाते हैं।

# ा. न्यायालय के मामले

# 31 मार्च , 1984 को समाप्त तिमाही का विवरण

ऋम व्यक्तिकानाम सं०	पता	वे प्रावधान जिनका उल्लंघन किया गया	म्रधिरोपित <sub>ः</sub> वण्ड राशि
1. श्री डी० एच० वोरा	26 जनसुख निवास कस्तूरबा मार्ग कांदीयली (पश्चिम) बम्बई-400 069	<ul> <li>(क) धारा 9(1) (बी.) के ग्रधीन</li> <li>(ख) धारा 9(1) (बी.बी.) के ग्रधीन</li> <li>(ग) धारा 9(1) (बी.बी.बी) के ग्रधीन</li> </ul>	कुल २० 7,500 राशि का श्रर्थ- दंड/या इसे न भरने पर 3 मास का साधारण कारावास।
2. श्रीद्रपार० पी० शयवाला	204 जय जलाराम बिल्डिंग, ' वडाला 'रोड, ' बम्बई-400 031	य <b>थो</b> परि <del>-</del> -	यथोपरि
3. श्रीटी०जी० एन० मेनत	•	(क), बारा 9(1) (1) के स्रधीन]	कुल २० 27,000/- रामि का श्रर्थदंड/या इसे ेन भरने ेपर,6 मासका कठोर कारावास ।
	ग्रब वह कालगैस बार्टालग, कम्पनी लिमिटेड, डुबई, में कार्यरत बताये जाते हैं।		

			II. विभागीय न्या	य निर्णयन		-
कम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	श्रधिनियम के प्रावधान या इसके श्रंतर्गत बने नियम जिनका उल्लंघन किया गया	भ्रधिरोपित दण्ड राशि	धारा 33 के स्रंतर्गत जब्स किये जाने वाले शुल्क्य माल का स्रधि- कारी द्वारा न्याय निणित मूल्य ।	34 के भ्रधीन जब्ती के स्थान पर ग्रर्थ दंड की
1	2	3	4	5	6	7

----श्रम्य----

एच० एम० सिंह, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, बम्बई-1

# केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० ए-19012/1011/82-स्था० पाच---- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री पी० के० सेन, पर्यवेक्षक को श्रितिय्कत सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810--व० रो०-- 35-880-40-1000-व० रो०-1200 रुपए के वेतनमान में पूर्णतः श्रस्थायी तथा तदर्थ ग्राधार पर एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, 25-1-1983 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी श्ररोड़ा ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

# निर्माण महानिवेशालय

# केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई विल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 1/278/69-ई० सी०-9—इस विभाग के वास्तुक श्री बाई० पी० पोपली वार्धक्य की स्रायु प्राप्त करने पर 31-7-84 (भ्रपराह्र) को संरकारी सेवा मे निवृत्त होते हैं।

सं० 33/7/82-ई० सी०-9--निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, सहर्ष मंघ लोक सेवा ग्रायोग के एक नामित श्री - सुखवीर सिंह को सहायक उद्यान निदेशक के ग्रस्थायी पद पर सामान्य फेन्द्रीय सेवा (ग्रुप "ख") में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में उद्यान निदेशालय में 21-6-84 (ग्रपराह्न) से नए श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

(2) श्री सिंह को सहायक उद्यान निदेशक के नाते उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की श्रवधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है। 2—206GI/84

(3) उनका प्रारम्भिक वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा ।

> पृथ्वी पाल सिंह प्रशासन उप निवेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 30/29/83-ई० सी०-राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल) को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में तदर्य प्राधार पर उनके नामों के प्रागे दिखाई गई तारीखों से प्रगले प्रादेशों तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के नाते नियुक्त करते हैं:-

•
14-6-84
5-7-84
23-6-84
20-6-84
4-6-84
13-6-84
30-6-84

नानक सिंह प्रशासन उपनिदेशक

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई विल्ली-110066, दिनांक 2 श्रगस्त 1984

सं 0-22/4/83-प्रशासन-J(ब)-श्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्द्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायको/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (समूह"ख") सेवा के श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीमयन्ता

के	ग्रेड मे	स्थानापन्न क्षमता	में प्रत्येंक के नाम के श्रागेदी गई
ताः	रीख से	नियुक्त करते हैं	<del></del>

क० नाम व पदनाम	भ्रति	रिक्त	सहायक निदेशक के
सं०	ऋप्	में	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1. वी० के० भ्रानन्द, तकनीकी	सहाय	क	10-7-84
2. श्री बी० पी० गर्मा, पर्यवेध	तक		10-7-84
<ol> <li>बलवीर सिंह, पर्यवेक्षक</li> </ol>			10-7-84
4. श्री जे० के० भास्कर, पर्य	विकास		11-7-84
			(ग्रपराह्र)
5. श्री ग्रार० सी० टंडन, प	र्ययेक्ष व	5	11-7-84
			. (भ्रपराह्र)
			क्षी० एम० लाल
			ग्रवर सचि

# चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना चित्तरंजन, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8(प्रशासन)—निम्नलिखित स्थानापन्न द्वितीय श्रेणी ग्रधिकारियों को जिनका इस प्रशासन में तृतीय श्रेणी के पद पर लियन है, उन्हें चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के कार्मिक विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी वेतनमान में उनके नाम के सामने ग्रंकित स्थायीपद पर तथा ग्रंकित तिथि से स्थायी किया जाता है :—

ক০	ग्रधिकारियों का	स्थायी पद	स्थायी करने	रिक्त पद
सं०	नाम तथा	जिस पर स्थायी	की तारीख	जिस पर
5	र्तिमान पदनाम	किया गया		स्थायी किया
				गया ।

वतमान पदनाम	(कया गया	रपापा । गणा
		गया ।
सर्वश्री		
1. डी० एन०	सहायक कार्मिक 0 1-0 1-8 3	एस • लक्ष्मनन
चटर्जी,	प्रधिकारी ( 2) (पूर्वाह्न)	के रेलवे सेवा
स्थानापन्न प्रवर	(श्रेणी-2)	से निवृति
कार्मिक मधिकार	ी े	होने के
(प्रशासन)		फलस्वरूप
,		रिक्त पद
		हुए ।
2. के०के० मंडल,	सहायक कल्याण 0 4-0 3-8	33 श्रीपी०सी <i>०</i>
स्थानापन्न	ग्रधिकारी (पूर्वाह्न <u>)</u>	घोष के
महायक कार्मिक	(श्रेणी-2)	ग्रवर वेतन-
ग्रधिकारी (2)	,	मान (प्रथम
,		श्रेणी) पद
		पर स्थायी
	•	होने के
		फलस्व रूप
		हुए रिक्त ५द
	<del></del>	<del></del>

ए० ए० हट्टंगडी.

महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स लखनऊ पावर रिक्शा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में !

ग्वालियर-471009, दिनौंक 30 जुबाई 1984

सं० 1381/पी० एस०/सी० पी०/3749—कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० लखनऊ पावर रिक्शा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट विया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं म० गीतान्जली धन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर के विषय में । ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1564/पी० एस०/सी० पी०/3750—कम्पनी श्रिष्ठिन्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के विनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० गीतान्जली इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पती धर्धितियम, 1956 एवं मैं० दिव्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर के विषय में । ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1563/पी० एस०/सी० पी०/3751—कम्पनी श्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एद्तक्षारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० दिख्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम, यि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मे० दी देवास सीर्नियर ट्रांसपोर्ट सर्विमेज प्रा० लि० के विषय में । ग्वालियर-474009, विनांक 30 जुलाई 1984

सं० 753/पी० एस०/सी० पी०/3752—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत एतव्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के विनाक से तीन मास की समाप्ति पर, मे० दी० वेवास सीनियर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज प्रा० लि० का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई. कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी ।

> . **ए**स० करमाकर, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर विवेक सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कम्पनी प्रा० लि० के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० (1174) 560/2636—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विवेक सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० प्रा० लि० का नाम ग्राज़ कम्यनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उन्त कम्पनी विचटित हो गई है।

> ए० वहाब श्रम्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रीर सीतककाति मरैन इण्डस्ट्रीज प्रावेइध लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 1 अगस्त 1984

सं० 5905/560/84—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सीतक्काति मरेंग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्तित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

त्रि०ए० विजयन मेनन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड्

# प्रकृप बाद' दी . एस . एस . ------

भागवाप् वाधिनियम्, 1961 (196। का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4286/84-85--अत: मुझें, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विस्का उद्वित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 601, बिल्डिंग नं० 2, यूनिट 'एस' सुन्दर नगर, एस० बी० रोड, मालांड (पिन्स), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचः में भीर पूर्ण रूप से बिणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्द्री हैतारी ख 1 तबम्बर,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितंपल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ➡ स्थीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) श्रीमती शोभा राम हेमलानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साविर्द्धा मूलचन्द जैसवानी ।

(अन्तरितो)

कार्यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्पत्ति के वर्षन् के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही कर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# वन्स्सी

प्लैट नं० 601, बिल्डिंग नं० 2, यूनिट 'एस' सुखर नगर एस० बी० रोड, मालाड (पिचमा), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1637/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नथम्बर, 1983 को रजिस्टइं कियागया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 14-7-1984

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज→3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेण सं० आई०-3/37 ईई०/4252/84-85—अतः मुझें, ए० लहिरो

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, प्लाट नं० 66, न्यू बसन्त अपार्टमेंट गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खु के अधान, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने, का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जीर्थानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना जाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

नतः नगः, उत्तत मधिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकत व्यक्तियों, नथीत् ः— (1) श्रीप्रवीण चन्द्र यी० भोजानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारुलता एम० पारेखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मभृस्ची

फ्लैट नं० 32, प्लाट नं० 66, न्यू वसन्त अपार्टमेंट गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1643/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहरः

्प्रकष कार्षः, टी., एत., एस.,-------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के संधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं. अई०-3/37 ईई०/4144/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 431, शालिनी, धौथी मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, शब्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के वधीन, निम्निजितिक अधितयों, अर्थातः (1) मै॰ लेंठ इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीरश्मी रमेश सावंत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना अपरी करके पूर्वोक्त स्म्मित के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन के भीता उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन सची

पलैट न० 431, शालिनी, चौथी मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37 ईई०/1587/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1 नवम्बर, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीचे : 13-7-1984

मोहरः

प्रारूप आहं, टी. एन. एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37 ईई०/4162/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 33, बिल्डिंग नं० सी० मनीष विजय को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, बसाय नाका, वेंबूर बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एन्स ह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उकत अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोंने के अन्तरक के प्रायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भास्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः तव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अभितः— (1) श्री विद्यानन्दन माधवन ।

(अन्तरक)

(2) श्री पारसमल जे० परमार।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुष्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकी।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# **नन्त्**ची

फ्लैट नं० 33, बिल्डिंग नं० मी० मनीय विजय को० आपरेटिब हार्ऊसिंग सीताइटी वसाय नाकाइ चेंबूर बम्बई में स्थित है।

अतुमूची जैमा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1650/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारो सहाप्रक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बस्सई

तारीख : 13-7-1984

मोहर:

प्रक्रम काइं. टी. एन. एव.----

(1) श्रो अजय कुमार पंचेरी याला।

(अन्तरक)

(2) मै० कपूर कैमिला द्रस्ट ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनोक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4230/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 106, पहली मंजिल, 'सी' विम 'वीना नगर' मालाइ (पिश्चम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की यावस उक्त विधिनियम के अधीन थर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) एमी किसी आप या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- को यह मुचना धारी करके पृथींकत संपरित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां कारता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 विन की व्यक्तियों जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकारत की तार्डीक के 45 दिन के भीतर क्वत स्थावर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं पर्य होगा जो उस ग्रष्टयाय में विया स्था है।

### अमृत्वी

पत्रैट तं० 106, पहलो मंजिल,सी विंग, 'बीना नगर'; मालाड (पश्चिम), अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1607/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा तारीख 1 नवश्वर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर श्रायुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13--7 -1984

मोहर े

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, चिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4272/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 119 और 120, पहली मंजिल न्यू सतगुरु नानकीय इण्डस्ट्रोयल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस, हाईवे गोरे गांव, बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल में, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं शुर्ड किसी आग की बाबत उपकत श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/मा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः वस, उस्त शाँधानियम, की धारा 269-व को बनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 3--206 G1/34 (L) मैं ॰ एक्सेन प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मैं० काप बूड आर्टस।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं संभी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्मान्दीकरणाः—स्हममें प्रयुक्त शान्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्यात 20-क में परिमाणित है, वही धर्ष होगा, का उम्र अध्याय में विया गजा है।

# **मन्**स्ची

यूतिट नं ६19 और 120, पहली मंजिल, न्यू सतगुरु नानीक इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगाव, बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/1584/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनोक 1 नवम्बर, 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सदाम प्राधिकारी सह। यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. वस्वद

सारीख: 13-7-1984

मोहर:

प्ररूप आहें.टी.एंने,एसं. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्वीन सुवना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०--3/37 ईई०/4256/84--85---अत: मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- राज्या से अधिक है

और जिसकी सं गाप नं 9, बाकोला पंक्रज को 0 आपरेटिव हार्डीसग मांसाइटां, नेहरू पोड, वाकोरा ब्रिज, सांताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) और जिको करारनामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है सारीख 1 नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर वोने के अंतरक के श्रीयत्व के कभी करने या उपसे बचने में सुविधा की जिल्; कीपान
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करा, जिन्हें भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चहिए था, कियाने में सुविधा धे निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ⇒ क्षीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमतो सुनन्दी वाई खटावकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीटी० के० सी० वैधन मून रेफिजरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आंक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में विका गया इं!

### भगसंची

शाप नं० 9, वाकोला पंकज की० आपरेटिय हार्ऊसिंग सोसाइटी, नेहरू रोड, वाकोला क्रिज, साताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37 ईई०/1644/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 1-11-83 रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मजन प्राधिकारी सहायक आयक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप. बाहै. टी. एन. एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुब्ता

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बग्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० अई-3/37ईई/4201/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. स अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 15, मालाङ जागृति प्रिमायसेस को-आप० हाउसिंग लिभिटेड, 1 ली मंजिल, मालाड (प०), सम्बई, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालयमें रिजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि युवाप्योंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण निम्तिकत से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन काए दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान ने सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अभित् :--- 1. श्री रिवण कुमार कांतगलाल दोशी।

(अन्तरक)

2. श्रीनिपून जसवंतलाल -शहा।

(अन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त स्वदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वग्स्ची

णाप नं० 15, वि मालाड जागृति प्रिमायसेस कौ-आप० हाउसिंग लिमिटेड, 1 लो मंजिल, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37 ईई/1583/84-85और जो सक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 3,बस्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर ३

प्रकण नाहर् , टी., एनः एसः -----

मत्यक्र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

# भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-३, बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/3961/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च को अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसको मं० लोखित की-आप० हा उसिंग सोसायटो लिमिटेड. 2री मंझिल, फ्लेट नं० 85 घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका कराव्यामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारोख 11 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्द सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक हम से किथा गरी फिया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मं कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/थ।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती राधाबेन माधवजी ठक्कर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नैनाबेन देवजी काटिरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्वी

पलेट नं ० 85, 2री मंझिल, लोखित को-आप० हार्जासग सोसायटो लिमिटेड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37 ईई/1611/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3,बस्ब**र्ध**

विनांक: 13-7-1984

महिर :

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधितिसम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-3, वम्बई

बम्बई दिनौंक, 13 जुलाई 1984 निर्देण सं० प्रार्ट-3/37ईई/4262/84-85 अतः, मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अंपितः, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एम० न० 537, हिस्सा नं० 186, 186-1, 1-ए श्रौर 1-बी, विलेख वालनाय, माला, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसाका कारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिक उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्तियक स्प से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से शुद्ध किसी साय की वाबता, उनता अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; और/या
- (म) एंसी किली आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग बाहर था, क्याने में तुनिया के सिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् .... श्री थामस जिलिमा,
 ग्रीर श्री ग्रलान जिलिमा

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स अलपिन बिल्डर्स

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अभीभ भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति मों किए वा सकारी।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदां का, जो उनत अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्वी

सं े टी॰ नं॰ 537, हिस्सा नं॰ 186, 186-1, 1-ए और 1-थी, बिलेज वालनाय, मालाज, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/1636/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजंन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

# प्ररूपं नार्वं, टी., एन्., एस्.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन समना

### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई--3/37ई ई/1168/84-85--श्रतः मुझे. ए० लाहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० ए-28, 5वी मंजिल, न भारत अपार्टमेंट्स को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रार०सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबद ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनायम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधींन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रीर तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के सिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार ब्रुख, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया पया प्रति-कल निक्मिलिंद्त उद्दोक्त से उक्त अन्तरण कि चित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया सीअधा के सिए:

अतः अवः अवत अधिनियमः की भारा 269-य के अनुसरण में, कें, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :-- 1. श्रोमती सीताबाई एन० भीजवानीकृज

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पोपरी एर० मोटवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्होकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवां का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैटनं० ए-28, 5वो मंजिल, नवभारत श्रपार्टमेंट्स को श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, श्रार० सी० मार्ग, चेंबर बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सि श्र $\frac{1}{3}$  श्र्मिन $\frac{3}{3}$  श्रैं श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक  $\frac{1-1}{8}$  की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, वस्बई

विनांक: 13-7-1984

मोहर 👙

**प्रकृष कार्य हो**. एन. एस.---

मायकार नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा १६५-थ (1) को त्रधीत स्चता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/4231/84-85---ग्रनः मुझे. ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पलैट नं० 301, 3री मंजिल. ई-र्षिग, 'बिना नगर'' मालाड (पिष्मिम), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में मृजिभा को किए; और/गा
- (क्र) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ∴ ——

1. श्री कनयालाल के० भगतानी

(अन्तरक)

2. मेमर्स कपुर फेमिली दुग्ट

(अन्तरिती)

क्ष्में यह सृपाना जारी करके पृत्रों क्ष्य सम्पृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनकि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत करिनता में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबक्ष फिसी मन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वमा हैं।

# नन्स्ची

फ्लैट नं० 301, 3री मंजिल, ई-विंग, "विना नगर", मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० भ्रई-3/37ईई/1632/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🐞

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस .-----

श्रो राहुल बिल्डमं

(भ्रन्तरक)

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुभना 2. श्री वर्गत वेतीराम विवेदी

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्र**ई**-4/37ईई/2722/84-85—-ग्रनः म्झे. ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन ए ल० टी० रोष, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विधित है), श्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-11-83

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण ने हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या एमसे बचने में सविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आसित्यों की जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था एक किया अपना द्वीयम था, कियाने से सरितन के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस प्रचान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मुम्मित से हित्यदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 'लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हों, बही अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **बन्स्पी**

शाँप नं० 3, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन, एल० टी० र्रोड, बोबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क०सं० श्वर्ड-4/37ईई/ /84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-83 की रजिस्टुर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम र्रेज-4 बस्बई

विनोक: 13-7-1984

माहर :

प्रकम आही. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-11, बम्बर्ध

बम्बर्ड दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश मं० ग्रई--2/37ईई/9108/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

आयकर अणिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति; जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी नं यूनिट नं 217/बी, 2री भंजिल, हिंट मौराष्ट्र इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी:कुर्ली रोड, अंधेरी (पूर्व), वस्बई-59 में स्थित है तथा जो बस्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कालालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियंग की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थाम् :----4---206 G1/84 1. श्रीमती पृष्पा डी० गाषाक

(अन्तरक)

श्री कवर भान मिलक,
 श्री ग्रीम प्रकाण मिलक,
 श्रीर श्रीमती निलम कपिल

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसक ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्मेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशने की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्यी

यूनिट नं० 217/बी, 2री मंजिल' हिंद सौराष्ट्र इण्डस्ट्रि-यल इस्टेट, अंधेरी कुली रोड़, अंधेरी (पूर्व). बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/9108/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, वस्बई द्वारा दिनांक 12-11-1983 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 17-7-1984

मोहर:

प्रस्य मार्ड, टी, एन, एस,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर बायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 46 है तथा जो सर्वोदया इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केह्नस रोड़, चक्काला, बम्बई-400 093 श्रंधेरी (पू०) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वणित् करें), रिजस्ट्रोकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम श्रिधकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कन) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों सुविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था उप्रवान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री कैलाश नाथ एच० जैन।

(अन्तरक)

 मेसर्स विजयकुमार जैन (एच० यू० एफ०) और अशोक कुमार जैन (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बक्भ किसी जन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

यूनिट तं० 46, सर्वोदया इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली। केव्हस रोड़, चक्काला. अंधेरी (पूर्व). बम्बई-400093 । अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-2/37–ईई/8692/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25–11–1983 को रिजम्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-2, अस्बई

तारी**ख**: 10-7-1984

मोहर 🕽

प्ररूप आहर्षः, ट्रीत एनः, पुसः, वरवरणवरवरवर

नायुक्तद्र निधिन्यमं / 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नधीत् स्पना

नारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2 सम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांफ 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० मई-2/37-ईई/86 37/83-84--- म्रत; मुझे, लक्ष्मणदास.

मायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्त, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं किमल कुंज धोवीघाट लेन, जय प्रकाण रोड़, श्रंधेरी
बम्बई 400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूणं रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता स्रक्षिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908
का 16) के श्रधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की 1961 की धारा 269 के खे के अधीन सक्षस प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 19-11-1983
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिघत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बंतरण संहुद्ध किती जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/बा
- (क) एसी किसी भाव वा किसी धन सा अन्य आस्तियों को, धिनहाँ भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त जिथितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, जर्भात्:— 1. श्री श्रीमल विल्डर्स ।

(अन्तरक)

 श्री नरेन्द्र माधुराजजी जमावत,
 श्री सुरेण माधुराजजी जमावत मोहनकुमारी म० अमावत।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करकें पूर्वेक्त सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विनृ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकीये।

स्यव्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होंगा जो उस अध्याय में दिया गंथा है।

# अनुसूची

पता--कमल कुंज, धोबीबाट लेन, जयप्रकाश रोड़, मन्धेरी (प॰), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37—ईई/8637/1983-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बाई द्वारा दिनांक 19-11-1983 की रिजस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई,

तारीख: 10-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एच्. एच्. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर माय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश **प्रार्थ-22/3**7-ईई/8503/83-84---श्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, ह्बीब पार्क को-ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, जोगेण्वरो (प०) स्टेंणन के सामने, बम्बई न् 400102 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ध्रौर जिसका करारनामा ध्रायकर प्रिचिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बल्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और जंतरिक (जंतरिकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर्ण के बिए तय पाया गृथा प्रति-फल, निम्निनिचित उद्वेदिय से उक्त ब्लारण लिखित में बास्तिक क्ष्म हो की जा ग्रा है के

- (क) कल्लरण सं हुई किसी अाय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अल्लरक को दायित्य में कमी करने या उससे अध्यय में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बारिस्तयों की जिन्ही भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भणकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा या या विद्या जाना जाहिए था, किया में स्विभा के लिए;

नतः सम, उक्त सिधिनयम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अभीम किस्तिसिंक स्पृतिसमा, सर्थात् :--- 1. मैसर्स नीबल कन्स्ट्रक्शन कं०

(ध्रन्तरक)

2. श्री झुबेर प्रब्दुल हमीव धोपायकर

(ग्रन्सरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन कु लिए कार्यनाहियां करता हूं। बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सुभाना की तामील से 30 विन की अप्रीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 बिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पत्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था जकत बिधिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका नवा है।

### नग्स्की

फ्लैट नं० 304, हबीज पार्क, को-माप० हाउसिंग सीसायटी, जोगेंग्बरी (प०) स्टेशन के सामने, बम्बई-400 102

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-2/37–ईई/850383-84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टरई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

नारोख: 13-7-1984

मोहर:

प्रस्य साइ'. टी. एन. प्स.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निर्देश मं ० श्रर्ड-- 22/37--ईई/9135/83-- 84--- ग्रतः मुसे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राध्यकारी करें, यह जिल्लास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

थ्रौर जिसको स० फ्लैट नं० 502, कविता ध्रगार्टमेंट्स, सि० टी० एस० नं० 1030. यारी रोड़, वार्सीवा, प्रधेरी (प०) वस्बई-400061 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रिधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-11-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़े हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाधार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिखों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिबिक्त उद्देष्य से उन्तरण के लिए तम की बाहत में बाहतिक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरम से हुए किसी आयुक्ती आध्यं, रीक्स अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी कारने या सससे मचने में सुविधा के किए; जीव/भा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या जन्य आरिसयाँ की, किसी आप या किसी भन या जन्य आरिसयाँ की, किसी आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

मत: सब. उन्त अभिनियम की भारा 269-ए के समुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिविक्ति व्यक्तियों, अभिति :--- 1. श्री विजय कुमार मेहरा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नेरेसा गाँटिंग्ज

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन-की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्स्**ची

फ्लैंट न० 502, कविता श्रपार्टमेंट्म सि० टी० एस० नं० 1030, यारी रोड़, वसींबा, श्रंधेर्ग (५०) बम्बई-400061 श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/9135/83-84/श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर :

प्रसम् भाइ. टी. एव., एस्. -----

नायक इ. म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) ने मधीन सुबना

### माडल परकाड

कार्यांस्य, सहायक बायक र भागवत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई॰

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/8586/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य े5,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पर्लंट नंव 505, विद्यादिनी को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपायब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-11-83 को

भा पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए सय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण सं हुइ किसी नाय की नावस उन्तर अधि-निवस के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दलने में सुविधा के नियं; अहर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य बास्तिकों को, विनह भारतीय बायकर मधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा दा किया जाना काहिए था, खिपान में सुर्विभा के शिष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) मेससें इंडिको कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कारमिन कॅस्टेलिनो ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन् के नियः कार्यवाहियां कारुता हुन्।

उक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की सविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अविधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

# मनुसूची

फ्लैट नं० 505, विश्वादनी को ऑप हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है :

श्रनुसूची जैसाकी क० में श्र\$-2/37\$\$/83-84श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :-- 5-7-1984 -मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० धर्द-2/37 ईई/8788/83-84--ध्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं इंडस्ट्रियल मैंड नं जी, ग्रा० फ्लोर, बिं वं 23, श्री लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विरा देमाई रोड के सामने, श्रोणियरा रोड, श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, विनांक 28-11-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे कर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, ष्टिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित स्थिक्तयों, अर्थात् :——

- (1) श्री लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्ट्रेट।
- (भ्रन्तरक)
- (2) भेसर्स ग्राफिक पेपर कन्त्रर्टर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्ष) इस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्मुची**

्र इण्डस्त्र्रियल ग्रैंड नं० जी ग्राऊण्ड फ्लोर, बि० नं० 23 श्री श्री लक्ष्मी इंड० इस्टेंट, विरा देसाई रोड के समाने, ग्रोगिवरा रोड, ग्रंधेरी (प०) बम्बई—58।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37 ईई/8788/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

दि २'व **मोहर** ध प्ररूप जाई. टी.एन.एस -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई त्रम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्रर्ध-2/37 ईई/3792/83-84--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास, ,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह िस्ट्राय करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, तलमाला, बान्द्रा, को-ग्रापरे-टिव हाऊसिंग सोसायटी, 382, समर श्रीक्ष, रोड नं० 15. टी० पी० एस०-3 बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-11-83

की पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त से गायनिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविध्य के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आपकार टीधिंद्यम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया आता आहिए था छिपाने में मुखिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्रे ् (1) जादीर ए**रामण ग**रेक।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. नरगीम एच० मिस्त्री,
2. श्रीमती रोमन एफ० दाख्याला श्रीर
3. एस० के० घाडीयाली

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रंतरक । (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग स सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित की अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त-होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तियों में से किसी स्पिक्त दुवारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### ननस्थी

पलैट नं० 2. जो नलमाला, बान्द्रा की-धापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी, 382, समर बीझ, रोड नं० 15, टी० पी० एस०-3 बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\hat{\mathbf{x}} = 2/37$  हैई/3792/83 = 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 27 = 11 = 83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, यम्बई

दिनांक : 11-7-1984

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . ------

आयंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारत सरकार

# कार्कन्न, सहान्क नायकड नायुक्त (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ईई/9103/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 25,000 रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, चेतना, 142/143 जय प्रकाश रोडअंघेरी (प०), बम्बई-4 58 में स्थित है भौर जिसका करारनामा भायकर भौधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 15-11-1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम की दक्समान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास कारने की कारण है कि यथाभूवींक्त सम्पत्ति की उन्चित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल के पन्त्रहप्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उत्रत अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की नायत, जनत बिधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने मा जससे अवने में सुविधा के लिए; बॉट/बा
- (व) एसी किसी या किसी अन या बन्य बास्सियों को जिल्ही भारतीय अध्यक्तर विश्वनिषय, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विश्वनिषय, या अन-कर विश्वनिषय, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के लिए।

(1) मेसर्स ग्रशीश डेक्लपमेन्ट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जन्दन उर्फ जन्द्रभान पी० स्वरूप। (भन्तरिती)
- (3) वर्सीवा चेतना प्रिमीसेस को-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह तुचना बारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के वर्धन के लिक्ष कार्यगाहियां करता हुं ।

सकत सम्मति के कर्चन के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीध या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी बन्य स्थावत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पात जिस्ति में किए वा तकी।

स्वक्रिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम, जे बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुस्वी

प्लीट नं॰ 2 'नेतना' 142/143 जय प्रकाश रोड, धन्धेरी (प॰), सम्बई-400058

भनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37ईई/9103/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> . लक्ष्मण बाल सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजीन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🗀

जरूप वाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-2-37 ईई/3794/83-84-- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 9, दूसरी मंजील, कमल कुज विल्डिंग, सब पोस्ट, नं० -6, नार्थं ग्राफ इरला ताला, नेक्हीपीडी स्कीम, बम्बई-400048 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की ग्रारा 269 क,ख के श्रिप्ठीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-83

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः वर्षः, उस्त अधिनियम कौ भारा 269-म के अन्सरण भौ, मौ, उक्त अधिमियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीमती ईश्वरी देवी ठाकूरदार कूदेजा

(मन्तरक)

(2) श्री किरण प्रभुदास मानवीय

(ग्रन्तरिती)

(3) बन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिमोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पता फलैट नं० 9, कमल कुंज बिल्डींग, नार्यं धाफ इरला ताला, जेव्हीपीडी-स्कीम, बम्बई-400049।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3794/83-84 भौर जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनोक : 7-7-984

मोहर 🕄

प्ररूप आहर्र. टी . एन . एस 🗧 -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) औ भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) धर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984 निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/8604/83-84--- प्रतः "मुझे, लक्ष्मण वास

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रह. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं भाप नं 1 बीच भ्रपार्टमेंट प्लाट नं 25, वर्सीवा रोड, भ्रन्धेरी (पिच्स), बम्बई 400061 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-11-83

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पावा ग्या प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि सिम्मिचल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियां की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अन. अज, उक्त जीवनियम की भारा 269-भ की जनसरण में, मैं उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिष व्यक्तियों, अभीत् ६—

(1) बा॰ रुमी फारदुन बेरामजी श्रीमती दिलनवाज खोश्रु केलाई वाला श्रीमती बेहनाज श्रस्पी बिलिमोरिया कु॰ फरनाज कैंखोश्रफ जेहान

(ग्रम्सरक)

- (2) श्री धरोक श्रीनिवास नायडू व श्रीमती वंजा धरोक नायडू। (धन्तरिती)
- (3) भन्तरिती (बहु व्यक्ति, जिसके भक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्यत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (६) भ्य स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **प्रनुसूची**

शाप नं० 1, बीच भ्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 25, कसौंबा रोड, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बस्बई-400061।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37 ईई/8604/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर श्रापृक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-7-1984

मोहर:

प्रकथ बाही हों, पुन्न ह्वा क्रान्य

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269=भ (1) के भाषीन सुभा

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (मिर्रीक्रण) धर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निर्वेश सं ॰ घई-2/37 ईई/3774/83-84—मत: मुझे, लक्ष्मण दास

अयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् वाचार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 3, 12 माला, बी विंग, कान्सी अपार्ट-बेंट, माउन्ट मेरी रोख, बान्द्रा, बस्वई-400050 में स्थित हैं (और इससे उपाबक्क प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका धरारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के ज के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हो, तारीख 25 नवस्बर 1983

जी पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचितः बाजार मूस्य से कम के क्यमान अतिकल के लिए अन्तिहित की पहिं हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य एन्द्राह प्रतिकत्त से विभक्त हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिजित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण विजित्त निम्नलिजित से वास्तिविक रूप से किंपत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरन से हुई किसीं नान की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा से सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी भग वा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

भतः नव, उक्त न्यिनियम की भारा 269-म के अनुसरण के, भें, उक्त निर्धानयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, नर्भात् :--- 1. श्रीमती पुष्पा बालिया।

(भन्तरक)

2. श्री कार्ल---किलर।

(भन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृतित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्यान के राजवन में प्रकाशन की तारीश से 45 हिन की जम्मि ना त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की जन्धि, को भी तर पूर्वोक्त नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के हाज्यम में प्रकाशन की तारींच से
  45 दिन के मीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्दभ किसी मृन्य स्थित दुवारा मुधोहस्ताकरी के
  वास मिस्ति में किए का करोंने।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्यों और पत्तों का, को सक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभाषिक हैं, यहीं अर्थ होगा को सस् अध्यास में विया गया हैं।

# वन्त्र्यो

पलैट नं० 3, 12 माला, 'बी' विंग, कांती अपार्ट-मेंट, माउन्ट मेरी रोड, बाम्बा, बम्बई-400050। अनुसूची जैसा की कि० सं० आई-2/37 ईई/3774/83-84 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारी**य**: 7-7-1984

मोहर 🗈

# प्रकल् बाह्री दी पुरु पुरु :-----

जायकर् अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे व्योग स्वा

कार्यालय, सहायक शायकतु बायुक्त (निद्धक्तिण) ग्रजैन रेंज 2, बस्यई बस्यई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्रई-2/37 ईई/3706/83-84—भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, 2रा माला-स्मृति—भट्टे सदर को० ऑ० हौसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 421-15 रोड़, खार-बम्बई-400052 में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है). भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्दिह के उपित बाजार मृत्य से कम के स्रमान पितफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापकें ज्ञा सम्पित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्रमान प्रतिफल से, एसे स्रमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरित दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतर्ण से सिए एस श्या गया प्रतिफल निम्नितियत उपविध्य से उपत अंतरण निष्ति में बास्तिक स्म से स्विप्त महीं किया गया है ---

- (क) बन्दारण से हुन्दे किसी जान की नासरा, उनस्य वृत्तिसम्बद्धः के क्योंन कर बणे के बन्दारक के वानित्य में क्यों करने या उससे बचने में हुन्या के लिए; और/या
- (क) देशे किसी आव ना किसी पथ ना नन्य वास्तिकों को जिन्हों भाउतीय नामकर विधिनन्त्र, 1922 विश्व नामकर विधिनन्त्र, 1922 विश्व का 11) ना उपत विधिनन्त्र, सा मुद्र- कृष विधिनन्त्र, 1957 (1957 का 27) की प्रवोधनार्थ वृत्वरिती बुबाइन मुक्त मृहीं किया दवा ना ना किया वाना चाहिए था, कियाने में जुनिका से लिए;

जतः जबः उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण बें, कें, उक्त विधिनियम की बाद्य 269-म की स्पृथाय (1) के जभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, नभीन् :--- 1. श्रीमती भेंने हिसलवा।

(मन्तरक)

 ध्यानेश शंकरराव हेमाडी भौर श्रीमती लीला ज्ञानेश हेमाडी।

(ग्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिव

उनत सम्पत्ति को मुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष्ठ सूचना की तासील ते 30 दिन की अवधि, को भी नविध या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्द किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकरों के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

## बन्स्ची

फ्लैट नं० 7, 2रा माला-स्मृति बिल्डिंग----भट्टे सरद की-ग्राप हार्जिसम सोसामटी लि० प्लॉट नं० 421, 15 रोड़ खार बेस्ट---बम्बई-400052।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37 ईई/3706/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 10-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज-2, बम्बई

तारीख: 6-7-1984

मीहरः

प्ररूप कार्युं, टी., एन्., एस., ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहस्यक बायकर जायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० 2 अई-2/37 ईई/8611/83-84--- अत: मुझे लक्ष्मण दास

णावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से विभिक है

भीर जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल शेंड नं० 56, 3, शिवशक्ती इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, मरोल विलेज, ग्राफ श्रंधेरी कुर्ला रोड़--श्रंघेरी (ईस्ट), बम्बई -400059 में स्थित है (भीर इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर श्रिष्ठितियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 14 नवम्बर 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उपनत बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) बलाह्रम् से हुन्दै किसी आव की बावत्, उक्त क्रिपितिकाम के बनीन कर दोने के मनदूरक के वायित्व में कभी करने या उपसे बचने में ब्विभा के लिए; और/या
- (बा) एरे**नी मिल्ली जाय वा कि**ली भन मा जन्य जास्तियाँ को जिल्हा भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त विधिनियम्, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भादाकिया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा ने लिए।

मत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसहन नी, मी, जनत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 👪 नवीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद 🖫

1. मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स।

(मन्तरक)

2. मेसर्स शक्ती इजि० एण्ड डाईग कास्टींग। (भन्तरिती)

को यह सूचना बार्टी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध को कोई भी कक्षोप हन्न

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्रियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींयत म्युक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के युवपत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृतित में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधिहस्ताक्षदी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थलकरणः ---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पृद्यों का, वो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## नग्त्वी

इन्डस्ट्रीयल शेंड नं० 56, फासे नं० 3, शिवशक्ति इन्डस्ट्रीयल इस्टेंट, मरोल विलेज, अन्धेरी कुर्ला रोड- अंधेरी (ईस्ट), बम्बई-400059

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/33 ईई/8611/1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संज्ञायक आयुक्त (निरीक्षण) भायकर श्चर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1984

मोहर 🧓

प्रसम् नाष्ट्रीत दीत प्रस्तात प्रस्तात व्यक्त

# बावकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बचीन क्षमा

भारत तरकार

कार्यांतव, सहायक बायकार वायुक्त (निरीक्ण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 11 जुलाई 1984 निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/8668/83-84—-ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर बाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, 4थी मंझील, निर्माण काटेज, यारी रोड़ वर्सीथा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

में रजिस्ट्री है, तारीख 21 नवम्बर 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाम नया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

- (का) लागरण ने इप्तं िकती काय की वावध उच्छ अधि-निवम के अधीन कर दोने के जन्तरक की वाधित्व में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये; और/या
- (प) एसी किसी बार या किसी धन बन्य कास्तियां की, बिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था जियाने में स्विधा के लिख;

अतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-म के अन्सरक में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिवित स्पिक्तमों, अर्थातः— 1. मैससं निर्माण विल्डसं।

(ग्रस्तरक)

2. श्री विधिस पाल ठेक्कैकरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पर्हित के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप 🗈 🖚

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात. लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

# जन<del>ुस्यी</del>

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विभाक : 11-7-84

मोहरः

# त्रस्य नाव<sup>र</sup>. टी.: एत्. एत.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर बायूक्त (निरक्तिष)
ग्रर्जन रेंज-2 बस्बई
बस्बई, दिनांक 6 जुलाई 84
निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/3723/-83-84--ग्रतः
मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर छिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, बृदांबन, टागोर रोड, सान्ताकूझ (पिष्चम), बम्बई-400054 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रुप से विणत है), भौर जिसका करारनामा धायकर अधिनियम1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-11-83 को

को पृथोंक्त सम्पत्ति के धियत माजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकाश के लिए बन्तर्रित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तर्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए स्य बावा गया प्रतिकास निम्निकिचित उद्योध से उन्त अंतरण निवाद में साम्बादिक कम् से काँचतु मुझी किना ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई कियी बाद की वावत, कवत अधिनियम के अभीन कर दोने के बस्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सिवधा के निए;

अस्त अस्त अस्त अस्ति अस्ति भारा 269-म के जन्नरण के, में उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीसिवित स्पृतित्वों, क्यांत् हिल्ल (1) श्रीमती नंदिनी सुरेशशंब केकरे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्द्र वसन्तराय मेहता श्रीमती सुधा सुरेशचन्द्र मेहता

(भ्रन्तरिता)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिमोग में सम्पत्ति है ),

को वह ब्यान जारी कट्रके पूर्वीक्त सम्पृति के वर्षन के जिए भार्यवाहियां शुरू करता हो।

सम्बद्ध सम्पत्तिः में वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के टावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की व्यविध मा त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की व्यक्ति जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बृद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थ्यक्रिक्र क् :--- इसमें प्रयुक्त ख्यां आहे. पूर्वे का, वहें उनस स्विधितयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृता हैं।

## वनसर्वी

पर्लंट नं० 9. वृदांबन, टागोर, रोड़, सॉन्ताकूझ (पश्चिम) बम्बई-400054

धनुसूची जैसा कि कि सं धई-2/37 ईई/3723/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) भर्जन रेंज→2 बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहर 🏻

# वस्य नार्षेत्र दीत्र प्रस्ता प्रस्तान्यान्यान्य

आमनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-म (1) के सभीन स्वमा

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2. बस्बई

वम्बई, विनांक 7 जुलाई 84

निदेश सं अर्ह-2/37 ईई/8490-83-84--अतः सक्षेत्र लक्ष्मण, वास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10,4 माला, 'बी' विंग, श्रदित्य प्रपार्टमेंट, श्रोल्ड नागरदाम रोड़ श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई— 400069 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, 'बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-11-83

को पूर्वित सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निसित उद्येदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात क्रिक्ट 6—206G1/84 (1) मैसर्स गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राषारानी भ्रार० टन्डन ग्रौर श्री सुनिल श्रार० टंडन

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्मन्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## सन्द सुन्गारत के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चभा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औं पास सिवित में किए या सकरेंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

## ननसूची

पलैट नं 10, 4 माला-भी विंग स्नादित्या स्नपार्ट-मेंट, स्नोल्ड नागरदार रोड, स्नन्धेरी (इस्ट बम्बई 400069 स्ननुसूची जैसा कि ऋ० सं ध्राई-2/37 ईई/8490/ 1983-84 श्रीर जो सक्षम द्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ृतक्षमण दास संक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई,

विनांक: 7-7-84

मोहर 🛢

# प्रकार नाही. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1983 निदेश सं० श्चर्ड-22/37 ईई/9101/83-84--श्चतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजाए मृज्य 25,000/-तः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 6 बि० नं० 4 तिसरी मंजिल मनील दर्णन, राजेंद्र कृपा को श्रापरेटिय हार्जिसग सोसायटी लि० सहार रोड़, श्रंधरी (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्नी में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-11-83

को प्वेंगित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दंगे के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती कुसूम बी० गांधी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भावेश विनोदराय दोशी

(भ्रन्तरिली)

(3) ट्रान्सफरर (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है),

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्परितः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करायों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए था सकेंगे।

स्थध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्र्यो

फ्लैट नं० 6, तिसरी मंजलि, बिर्ल्डिंग नं० 4 मनीष दर्शन, राजेन्द्र कृपा को प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०, सहार रोड, श्रंघेरी (पूर्व) बस्बई—59 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई—2/37 ई/9101/83—84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 111—83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास'
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त(निरोक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 13-7-84

मोहर 🛭

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रश्-2/37 ईई/3703/83-84-प्रतः मुझे; सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 15, मुरलीगोविन्द कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं० 427-15 रोड़, खार अस्वर्द-400052 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-11-83 को पूर्वोक्स संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करारे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और मृत्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्विश्य से उसते अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से करिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाजत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और्रिया
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री विहारीलाल टी० एल० दास और जगदःश दी० बजाज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री० विजय एन० रहेजा श्रीमती दूर एन० रहेजा

(प्रन्तरती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के मास ज्लिखित में किए जा सके गं

स्यप्दिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रमस्त्री

पलैंट नं० 15, मुरली गोबिन्द को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटो लि० प्लाट नं० 427, 15 रोड़, खार बम्बई--400052

श्रनुमूची जैसा कि कि सै० ई-2/37 ईई/3703 1984 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोक : 6-7-84

# प्रस्प सार्'ं दी प्रस् प्रस् ।

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के नधीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यांलय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई·

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 84

निवेण सं० ग्रई-2/37 ईई/3756/83-84--ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, पहिली, मंजील, माहिम मेरी निकेतन को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, बंजा- वाडी, एफ० पी० नं० 689, माहिम बम्बई 400016 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठिनयम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 21-11-1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दरयमान्
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने
का कारण है कि मथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण की लिए तम् पामा गया
प्रतिकल, निम्नुलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक क्यू से कृषित नृहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जाव की वाब्त्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी अधुने या उस्ते व्यव में सुविधा के दिन्द; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी भन ना नस्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्मित्वम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्यम, या भन-कर नृभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तिया, अधृति क्ष--- (1) श्री गिरधारीलाल टी॰ हरिसिंगानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० मोहम्मद श्रली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आड़ी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण ः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

## वन्स्ची

फ्लैट नं० 4, पहली मंजील महीम मेरी निकेतन को-स्राप० हाउंसिंग सोसायटी लि०, वंजा वाडी, एफ० पी०, नं० 689 माहिम, बम्बई-400016

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37—ईई/3756/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्ट्रई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहरू 🛭

प्रस्प **आर्ड**्टी एन एस ,-----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुम्बना

#### HISTO STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984 निर्देश सं० ग्रई-11/37 ईई/8620/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसको उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० यूनिट नं० 103, कांचन इंडस्ट्रिल इस्टेट, अंबेरो कुर्ला रोड मोहिल विलेज बम्बई-400072 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 19-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में वास्त्रिक रूप में किश्त रहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण के हुई जिल्ली जाव की जावत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्थ में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काम या किसी भन मा अन्य आसित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना जाहिए भा, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उथत अभिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में , में , उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों , अर्थात ः—

- (1) मेसर्स पैरामा अन्ट पैके जिंग इन्डस्ट्रीज
- (मन्तरिक)
- (2) मेसर्स बेन्टली टेबसटाईल इन्डस्टीज प्रा० लि॰ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षुप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकींगी।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही,

# **मनुसूची**

पताः यूनिट नं० 103, कांचन इंडस्ट्रिल इस्टेट श्रंधेरी कुर्ला रोड मोहिली विलेज, बम्बई-400072 ।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-II/37 ईई/8620/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-II, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

भोहर 🥲

प्रस्प बाह्र ही. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन सुखना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज—II वस्यर्थ बस्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निर्देश सं० अई—II/37 ईई/33/8805—83/84—— अतः मुझे, लक्ष्नणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं 8 तल मंजिल श्रवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्सीवा-ग्रन्धेरी, (वेस्ट) वस्यई— 400061 में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करण्यनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वस्वर्ष स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29—11-1983

को पूर्वा नित संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे नित सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाव की बावस, उचक जिथिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाह 8—— (1) नाहारणेठ एण्ड जोगान श्रसोसिएटस

(धन्तरक)

(2) श्री सुरदर्शन ग्रानंदजी रासपुता

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य स्थावत वृदारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अक्त अभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया ग्या है।

# बन्स्ची

शाप नं० 8, तल मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड़, वसींबा, ग्रंधेरो (पश्चिम), बम्बई-400061!

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-II/37 **१** $\xi$ /8805/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डारा दिनांक 29-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज--\[! बम्बई

दिनांक : 13~7~84

प्ररूप बाहुँ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II धम्बई

बम्बई, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ग्रई-11/37 ईई/8800/83-84--- ग्रत:, मुझे, लक्ष्मणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पश्चात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भल्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1102, 11वीं मंजिल, एथरेस्ट, जय प्रकाश रोड़, वसीवा, बम्बई 400061 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपंति को उचित बाजार मुल्य, उसके धरमान प्रतिफल से एसे धरममान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के क्यीन, निस्तिलिश्वत व्यक्तियों, वर्षात :--

'1) श्रीमती शांतिवाई एस० जैन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चमनलाल कौस ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवसि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुर्भ 🗀 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास-लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ~~इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्रुची

फ्लैट नं० 1102 जो 11वीं मंजिल एवरेस्ट, जब प्रकाश रोड़, वसीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राईर—[I/37 ईर्दी/8800/ 83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-II, बम्बई

दिनांक : 11-7-84

भोहर 🖫

प्ररूप आई..टी..एन..एस. -----

नाम्भर निर्मित् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्मा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका -- 2, यम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० 22/37 ईई/8792/83-84→-यतः मुझें लक्ष्मण दास

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिन्नकी सं० पलैट नं० 307, "बी" विग, तीसरी मंजिल, पंचशीन, अथुरादास वासनजी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई — 400 069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधि- नियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधित री के कार्यात्रय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29—11—1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृष्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्थिक का वे कवित वहीं किया नवा है द—

- (क) जन्यरम हे हुई फिली बाद की बाबत उपत करिय-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्विद्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री खेमचन्द बी० कोठारी
  क्ति खेमचन्द बी० कोठारी (एच० यू० एफ०)
  (अन्तर्य)
- (2) डा० बंडू एन० पामडी श्रीमती विजया बी० पामडी

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स विजय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्युत्ति, वी अर्थन, वह निर्ष कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपन में प्रकावन की तारीब है 45 दिन के भीतुर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्यव्योकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विष्कृतियम के भूष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सम्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

पर्लंड नं० 307, "बी" विंग, तीसरी मंजिल, "पंचशील", मधुरादास वासनजी रोड, अन्छेरी (पूर्व), बस्बई-400 069। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/8792/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 क) रजिस्टर्ड किया गया है।

> . लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका~2, बम्बई ।

दिनांश: 13-7-1984

बस्भ काई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलक्ति-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/9144/83-84---यतः, मुझे. लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसको सं० भ्लैट नं० 502, 5-माला, तलाठी अपार्टमेंट, बम्बई ~58 नियर इंग्ला बिंग, एस० बी० रोड अंधेरी (पश्चिम), बम्बई ~58 में स्थित हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 वाख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारे कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री अत्रु एम० जाम एण्ड श्रीमती पी० एम० नास्ता

(अन्तरक)

(2) श्री स्थाती भरत दलाल

(अन्तरि**ती**)

(3) मेसर्स सिक्को डेवलपमेंटर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं ० 502, 5 माला. तलाठी अपार्टभेंट निअर इरला भिज, एस० बी० रोड, अन्धेरी (वेस्ट)—सम्बई-400 058 । अनुसूची जैला शि क० मं ० जई-2/37ईई/9144/83-84 और जी पक्षम प्राधितारी, सम्बई द्वारा दिनांच 17-11-1983 को रजिस्टई स्थि। गया है।

> लक्ष्मण दाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ठवारा -2, बम्बई

दिनांश : 13 -7 -1984

1983.

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।। बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1984 निदेश मं० अई-2/37ईई/3773/83-84--अतः मुझे, सक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं और जिन्नकी सं० साप नं० 1, प्राउंड फ्लोअर, प्लाट नं० 376, एट दि जंक्शन आफ 16 और 33 रोड, टी० पी० एस० ।।। आंद्रा, बम्बई-50 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष संविणत है), और जिसवा 2। अराग्नामा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रं है, दिनांक 24-11-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृष्ट्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की याबत, उक्त बिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/ए।
- (ध) ऐसे किसी आय या किसी धन या कन्य व्यक्तियों कारे. पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जा-का अपिनियम, या जा-का अपिनियम, या जा-का अपिनियम, 1907 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा मा किया जाना चाहिए भा, क्रिपाने में स्विधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स के० जे० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री नन्दलाल गोवालदास तोलानी ।

(अन्तरिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकारी।

स्पन्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्ची

णाप नं राज्ञ प्रसोधर , प्लाट नं ० 376 एट वि० जंक्शन आफ 16और 33 रोड, टी०पी० एस० जाता, बांबा, बस्बई-50 में स्थित है ।

अतुस्क जैता ति कि० सं० अई-2/37ईई/3773/83+84 और जो सक्षम प्राधिणारी, बम्बई द्वारा दिनांण 24-11-83 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) धर्मन रेंज-11, बम्बई

दिनां ह : 17-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका--2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई--22, 37ईई/8678/83~84---अत:मुझे. लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं०पलैट नं० 303 अनुपम, तीसरी मंजिल, दादाभाई कास लेन नं० 2, वसींवा रोड, अंधेरी (प०) वस्बई—58 में स्थित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. दिनांक 25—11—1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मुणीला निरंजन टापीवाला एवं श्री निरंजन रतीलाल टापीवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेव रामचन्द्र श्वम एवं श्रीमती मालती महादेव कदम

(अन्तरिक्षः)

कां यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

पतंट नं 303, अनुपम, तीसरी मंजिल, दादाभाई कास लेन नं 2, वसोंवां रोड, अंघीरी (प०) बम्बई-400 058 । अनुसूचो जैसा कि क सं अई-2/37ईई/8678/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स्रहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन इलाका-2, बस्बई

दिनोकः : 13--7-1984

हरू, नाइ<sup>र</sup>ः डी. प्रा<sub>ट</sub> एवं : -----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्ण्ना

#### भारत बरकार

कार्यास्त्रय, सष्टायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रजंन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रर्ह-11/37ईई/38उप/83-84—यतः मुझे, लक्ष्मणदास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूस्य 25,000/~ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ला माला, सुधा बिल्डिंग, पिलाट नं० 605, खार, बम्बई-400052 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल कि श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में, रिजस्ट्री है, दिनांक 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान ब्रितिफ के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिख उच्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, सबक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कभी करने या उससं अभने में सुविधा के निम्नः और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में विषया के विषया

वर्षः वय स्थल अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री चतरमल भरीतमल

(मन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम सी० मनवाणी, श्री मनोहर सी० मनवाणी।

(अन्तरिती)

को यह जुमना भारी करके पृशास्त सम्मत्ति से वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मौत के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## न्त्रस्यी

पलैटनं० 4, 1लामाला, सुधा बिल्डिंग, प्लाट नं० 605, 15वां रोड, खार, बम्बई-5400 052 ।

प्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-II/37ईई/3834/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, बस्बई

दिनांक : 13-7-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज-II, बंग्जई अम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

नि दें स सं० प्रई-/37ईई/8667/83-84--यतः, मुझे, लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 611, 65ी मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण ोड, वसोंवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई 400 061 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण कप से बिणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 289 कख के श्रधीन बम्बई स्थित संश्रम प्राधिकानी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 22-11-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य धाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वोह्य से उक्त अन्तरण बिखत में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आम की बाबस , सक्त समिनियम के अभीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री निर्मेख जैन

(मन्तरक)

(2) श्री इस्माइल धन्युल हुसैन कायावाला

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त संपति के गर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ते।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### न संची

पर्लंट नं० 611, एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा , ग्रंधेरी (प०), बम्बई 400 061 में स्थित है । ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-II/37ईई/8667/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सक्ष्मणवास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निशीक्षण) ग्रजेंन रेंज-II, सम्बद्ध ।

विनांक : 13-7-1984

# मक्त बादीत हों. एक. एक.-----

बायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

## माइट ब्रुक्टर

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्रई-II/37ईई/8651/83-84--यत:, मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्स 25,000/- रु. से सिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-49 ए बी-48, सुनील निवास को०-श्राप० हार्जीमंग सोसा० लि० चार बंगला, जै० पो० रोड, वर्सीवा, अन्धेरी, बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, ' दिनांक 21-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरित के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण जिल्दित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है हिन्स

- (क्र) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीमबन्न के अधीन कर दोने के बन्तरक के खायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भून या भून्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकर अधिनियम, या भूनकर विभिनियम, या भूनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना भाडिए था कियान में विविधा में निए;

नतः नव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-त की अनुसरक् में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, नवाँक व्यक्त (1) श्री किशन पेस्मल जापानी

(प्रन्तरक)

(2) श्री नरसिंह गगनवास सचानन्दामी

(भन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीमती सी० एन० करमचन्दानी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पृत्रा क्या सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त ब्रम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकारी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभागित, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना जो उस अध्याय में दिया सवा है।

## अमृत्जी

पलैट नं वी-48, सुनील निवास की०-म्राप० हाउँस्गि सोसायटी लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड०, म्रन्धेरी, बम्बई-4000581 म्रनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-II/37 ईई/8651/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टबं किया गया है ।

> सक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

मोहर ः

प्ररूप **बाई**. दी. **एस**् ए**स**्न----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-<sup>II</sup>/37ईई/9099/83-84--यतः, मुझे, लक्ष्मणदास,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उपत अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, ए विंग सुनील निवास की-प्राप० हाउ० सोसा० लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड, भन्धेरी (प०), बम्बई-400 058। में स्थित है मौर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्त्रम में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तिरितिबों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे ज्ञाने में सुविधा -हे भन्ता; और/धा
- (स) गोनी किसी आय या किसी धन या अस्य अतित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम गा अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६── (1) श्री सी० पी० धनामी

(भ्रसरक)

(2) श्रीमती दुर्गा एल० दीपचंदानी

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपं :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 4/5 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि को में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्परक्षिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मनुसुची

पर्लंट नं 17, ए-विग, सुनील निवास को-प्राप हांउसिंग सोसायटी लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड ग्रन्थ्रेरी (प०), अम्बई-58।

त्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई—II/37ईई/9099/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, बस्बई

विनांक : 13-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. ५स. ---- ---

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ग्रई—<sup>I</sup>I/37ईई/8608/83—84—-यतः, मुझे, लक्ष्मणदास.

नायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. में अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, रोकाडीया निकेतन, पारसी पैचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई—69 में स्थित हैं (श्रीर इससे उनावत अनुसूवों में प्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-11-83,

करो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विषयास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उज्त अन्तरण लिश्वित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नितित व्यक्तियों, बर्धात् :---

(1) रोकाडीया एण्टरप्राईझेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विपुल म० संजनवाला श्रीर श्रीमती सरयू विपुल संजनवाला ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगै।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैंट नं ० 12, जो पहली मंजिल, ''रोकाडीया निकेतन', सो० टो० एस० नं ० 141-बी, एस० नं ० 50, हिस्सा नं ० 3-एफ-मोजे मोग्रा, पारसीपंचायत रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-II/37ईई/8608/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मणदास .सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🕫

प्ररूप आहें टी.एन.एस. -----

भाग कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/3708/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उक्ष अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 202, विवाल श्रपार्टमेंट, जानकी-कुटीर, बम्बई-400 054, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के ग्रीधीन संभम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-11 12-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्सिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण किचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के जधीन कर दोने के अंतरक के बाधिएक में कभी करने या उससे ककने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्षा को लिए;

जत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन किल्लिन व्यक्तियों, अधीत:----8--20601[84 (1) डा॰ मनोज बेल्भाई पटेल,

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स गोल्डन टॉबैको कम्पनी लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) भन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🎞 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गुवाह ।

# अगृज्यी

पत्तैट नं॰ 202, विशाल अपार्टमेंट, जानकी कुटीर, बम्बई-400 054 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/37082/1983-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1983ं को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : ] 6-7-1984 मोहर : प्ररूप आर्ड. टी. एम. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० श्रई-22/37ईई/8793/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार स्स्थ 25,000/- रा. से अधिक हैं:

ग्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल यूनिट नं० एल-फेंग नं० 8/ इण्डिस्ट्रियल एरिया लक्ष्मी इण्डस्ट्रियन इस्टेट-ब्लाक इ, सर्वे नं० 41, विलेज ग्रोशिवरा ग्रेटर बम्बई में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-11-1983

को पूर्वेविस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेविस सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्ब, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के बुल्ब, प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में कुलिश के लिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

गत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुमरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निसिसिस स्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र- (1) श्री शब्बीश शेखा फखारुद्दीन

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सायकृत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्छ किरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्तुची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० एल-फेज नं० 8, आप दि इण्डस्ट्रियल एरिया औफ लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट-ब्लाक इ- सर्वे नं० 41, विलेज श्रीशिवरा -ग्रेटर आम्बे।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं ्र प्रई-2/37ईई/8705/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 26-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन इलाका–2, अम्बर्ड

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🕄

प्रकृष वाद् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सुचना

#### हारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/3666/83-84-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पक्षात् 'जनत प्रधिनियम' नहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहिली मंजिल, श्रमीत श्रपार्टमेंट विंग 'ए' दादाभाई कास रोजन ं० 3, विलेपार्लें (पश्चिम), बम्बई— 400 056 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1983

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डर्
प्रतिकृत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) घोर भन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के भ्रशीत कर देने के शस्तरक के दायिस्व में कमी करते ा उनमे बचने में मुविधा के सिए। और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें घारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अस, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात क्ष्म (1) मेसर्स कान्ति बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमणीक लाल डी० मेहता तरला ग्रार० मेहता

(बन्तरिती)

को यह स्वेता चारी करके पूर्वोंक्त स्म्पतित् के वर्षत् के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की ताजील से 30 दिन की अविध्, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, वो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया बुबा हैं।

# मन्त्रभी

पलैट नं० 101, पहिली मंजिल, ग्रमित ग्रपार्टमेंट विंग 'ए' वादाभाई कास रोड नं० 3, विले पार्ले (पश्चिम.) बम्बई—400056 ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई—2/37ईई/3666/83—84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1—11—1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-दितीय, बम्बई

विनांक : 7-7-84

मोहर 🚁

प्ररूपः आर्ड्, टरी. धृन . एस् . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

## भारत तरकार

कार्यालम, तल्लायक मायकार मायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज -2, नई दिल्ली

बम्बई, विवांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-22/37ईई/8530/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 114, विश्ववाई इण्डस्ट्रीज इस्टेट साक्षीनिका अंधेरी कुर्ला रोड, बम्बई-400059 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और वूर्णरूप से विणित है) है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर धर्धिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 8-11-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा नया अधिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (कि) बंतरण् से हुई किसी भागकी शासत, उनत अभिनियम् के अधीन कर दोने के श्रंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे सुष्में में स्विधा के लिए; और√सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वैका के सिए;

जत: क्षत्र , उक्त संधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे अधीन : निम्नलिधित व्यक्तियों, अधीन हरू (1) श्री श्रवतार सिंग ए० श्ररोरा एण्ड रामधन्द्र जी० छावरिश्रा

(प्रन्तरक)

(2) माजदा एक्सपोर्ट एण्ड मशनरिज प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है) को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की अविध या क्ल्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की जविध जो भी
  अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीत द उक्त स्थानर सम्मति में हितबद्ध किसी कृष व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नन्त्रची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 114, शिवाई इण्डस्ट्रीज, इस्टेट, साकीनाका अधेरी कुर्ली रोड, बम्बई-400 059 । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/8530/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 8-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन इलाका-2, बम्बई

विनक्ति : 13-8-1984

मोहर 🖫

प्रकृष् वार्षं ,दी . एन् .एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सुमृत

#### भारत सरकार

अज्ञायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, बम्बई
 बम्बई, विनांक 13 जलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-22/37ईई/8534/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मुल्य श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, बांदिवली, हबीब पार्क, को० ग्राप० हाउसिंग सोमा० लि० जोगेश्वरी (प०) बम्बई 400102, में स्थित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्रा है दिनांक 11-11-1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है धौर मुझे वह विश्वास करते का कारण है कि ययापूर्वीक्त सभ्यत्ति का ्रभुल्य, उत्तके बुरुपमान प्रतिकत से, ऐसे उचित गाभार वश्यमान प्रतिकल का पत्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकां) भीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच पेसे अम्तरण 🛊 लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिब्बित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की ब्युत्, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अभ्युरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व ते अयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा अवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्थान के खिया के खिया

. अत् अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स नोबल कन्स्ट्रवशन कं०

(भ्रन्तरक)

(2) नवी रहम इन्नाहिम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस युनना के राजपत्र में उपण्यात की तामीख से 48 विन की अवधि या तस्तंत्रं तो व्यक्तियाँ पर युन्त (किं। तामील से 30 दिन की खबिंग, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर प्वींक्त व्यक्तियों में ने किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पाम विकित में किये जा सकेंगे।

स्वध्होक्ररण . ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्में का, जो उन्स शिश्व नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है. वहीं सर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**त्र्यो

प्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, बांदिवली, ह्बीब पार्क को० प्राप० हार्जीसग सोसायटी लि० बांदिवली, जोगेक्यरी (प०), बम्बई-400102।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/8534/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोह्य ॥

प्रकप बाहें.टी.एन.एस.-----

भायकर ब्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984 निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/8454/83-84--श्रतः मुझे, सक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 6 माला, थकरस श्रपार्टमेंट, 203, सी० डी० वर्फीवाला मार्ग श्रधेरी (पश्चिम) बस्बई (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो, बस्बई के कार्यालय में र्राजर्स्ट्रा है, विनांक 1-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक इप से अधिक क्ष्म गया है:—

- (क) बुन्तरूप ते हुई किसीं बाब की बाबत, उक्त भृषिनियम के अभीन कर दोने के बुन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अतः अतः अवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) मुख्यान, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, सर्थातः :--- (1) मास्टर निमम के० पाटेल मिस निना के पाटेल 4

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश एम० कापडीय

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के मूर्वन के निए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी गाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (क) इस स्वना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्यष्टक्रिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननसभी

फ्लैट नं० 4, 6 माला टाकरस श्रपार्टमेंट, 203 सी० डी० वर्फीवाला मार्ग, श्रंधेरी (प०)--4 वम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8454/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को र्राजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनर्रेज-2, बम्बई

दिनोक : 7-7-1984

सोहर:

प्रकष् गार्दं. टी. एन. एसं.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्पना

## प्रारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/,8808/83-84--ऋतः मुझे,---लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स फें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,004/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० शाप नं० 1, बिडिल्ग "जे", श्रा० फ्लोग्नर, सकेरिया श्राघाडी—नगर, गुलमोहोर श्रार्डन, यारी रोड, वर्सोवा, सम्बई 400 060 में स्थित है (श्रीर इससे उपासद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णस्प से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारं, सम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 19−11-1983, को पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्प्यमान श्रीफिल के लिए सन्तरित की गई है और मुन्ने यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार

प्रिशिष्टल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपर्शित का उचित बाजार मुल्ब, उन के दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्केश्य से उक्त अन्तरण सिवित के बास्तिक क्ष्म से किंगत महीं किया गया है "---

- (क) बलारण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत अधिनियम के ज्यौन कर दोने के जन्तरफ के बायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए; बडि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1) डे बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) झकेरिया ग्राचाडी बिल्डर्स

(मन्तरक)

(2) श्री राम श्रीचरण यादव

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त, संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, आं भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाझ निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थळिकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृसूची

णाप नं० 1, बि० "जे", ग्रा० फ्लोर, झकेरिया श्राघाडी नगर, गुलमोहोर गार्डन, यारी रोड, वर्सीवा, बम्बई-400060

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र  $\frac{1}{2}$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 19-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 8-7-1984

प्ररूप आहर . टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन इलाका—2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निदेश सं० अई—2/37ईई/8558/83—84~श्रतः मुझे,

अग्रयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, तिवीली टावर्स, (निर्माणाधीन) स्राफ जे० पी० रोड, संधेरी (प०), बम्बई में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत है——

(1) तुलसीयनी बिल्डर्स एण्ड टैक्टाइल्स, प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण सी० दोवानी ग्रौर संगिता धार० दोदानी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी व वे 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभी स से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि, बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिका गया है।

#### मन्स्यी

फ्लैट नं० 604 जो, 'तियोशी टावर्स' (निर्माणाधीन), प्लाट नं० 22, ग्रयना घर को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी के पास, ग्राफ जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/8558/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बंई द्वारा दिनांक 10-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन इलाका – 2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप काई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के बधीन स्चना

## भारत बुरकार

स्थातिय, सहायक बायकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलका-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं ० मर्थ-22/37ईई/8463-83-84--म्रत: मुझे, लक्ष्मण वास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-बी, 5वीं मंजिल, सब-प्लाट नं० 1 (प्लाट नं० 5 में से) स० नं० 287, श्रंधेरी (पिष्ट्यम), बम्बई 400049 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिन्तियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिष्टकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2-11-1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रतिफल के लिए बंतरित की गई ही और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बधि-निवय के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में नृविधा के लिए: 'और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सवक में. में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :----9----206GI/84

- (1) श्री क्वैद जोहर बुरहानुद्दीन साहेब
- (अन्तरफ)
- (2) श्री विजय कुमार एस० जैन

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सुचना के राजवंत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी वदिष बाद में संजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिक रण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम के तथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य द्वेगा जो उस अध्याय में दिशा मया हैं।

## नन्त्रची

फ्लैंट नं० 12-बी, 5वीं मंजिल, सब-प्लाट नं० 1, (प्लाट नं० 5 का) स० नं० 287, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400049 श्रनुसूची जैसा कि त्र० मं० श्रई-2/37ईई/8463/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1983 को रिल्स्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलाका – 2, बस्बई

विनांक: 13-7-1984

भूक्ष्य बाह<sup>\*</sup>, टी. एन्. एस्.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के निधीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, बहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

. भ्रजेंन रंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/3702/83-84--श्रतः मुझे, सक्मण दास.

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत्य (जिसे इसमें इसके पर्वत्य (जिसे इसमें इसके पर्वत्य (जिसे इसमें 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० ''ए'' कोझीहोम को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० 251, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई—400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से बणित है), श्रीर जिसका क्रारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10/11/1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त (1) श्रीमती फिरवोस जेहन चुनू खान

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीतू प्रताप तेजसिंघानी

(भ्रन्तरितीं)

(3) श्रीमती नीतू प्रताप तेजसिंहधानी

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोकत संपत्ति को अर्जन ये तिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पञ्चीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, विल्डिंग नं० ''ए'', कोझीहोम को० श्राप० हार्जींसग सोसायटी लि०, 251 पालि हिल, वान्द्रा, बम्बई 400050

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\xi-2/37$  $\xi\xi/3702/83-84$  और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब्र्ड द्वारा विनांक 10-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--ाा, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984 निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/9151/83-84—श्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास.

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रो. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, पहली भंजिल, बी-2, बिल्डिंग विद्यादिनी को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार, विहलेज, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई 69 में स्थित है श्रौर जिसका करार नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारों 269 के, ख के श्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-11-1983,

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार भृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्मिलिक उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विया के सिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्— (1) मेसर्स इंडिको० कंस्ट्रक्शन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फ्रान्सिस क्षेबीयर एक्रीयो ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कांध्र भी बास्तेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे

स्पर्क्षीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहैर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृसुधी

फ्लैट नं ० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग—बी, विधादिनी को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 400069 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/9151/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर ः

# प्रक्ष नार्द<sub>ि</sub>दी. **एन्**, एक्<sub>ड</sub> ८ ८ ८ ८ ४

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 84

भायकर म्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पजैट नं० 213, बिहिंडग नं० एफ-2 इ० एफ०एफ० जम्बी दर्शन को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रंधेरी (पू०), बम्बई 400069 में स्थित है भीर जिसका करारनामा द्यायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की एहं है और मुभे यह विद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की एहं है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च का उपधारा (1) के जधीन, निम्मसिवित व्यक्तियाँ, वर्षात्ः—

- (1) श्री जसवंतराव दामोदरराव संधवी
- (भन्तरक)
- (2) 1. रणजीत अमनादास कनकीया
  - 2. जमनादास झात्माराम कनकीया
  - हिना रणजीत कनकीया

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(वह ज्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में स म्पत्ति )

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पृति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खं 45 दिन की अविधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कृत में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

पलैट नं० 213, बिल्डिंग नं० एफ०-2, इ०एफ०एफ० जंबो दर्णन को-प्रापरेटिय हार्जिसग सोसायटी लिमिटेंड, वेस्टर्म एक्सप्रेस हाय वे, गोल्ड स्पाट फैक्टरी के सामने, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई 400069,

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-2/37ईई/8695/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24/11/83 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-7-84.

**इक्रेंग** आहु<sup>®</sup>् टो<sub>ल</sub> एव , एव , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन स्पना

## भारत सहकार

कार्याज्ञम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई--22/37--ईई/5705/83-84-- तः मुझे, लक्ष्मणदासः

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 203 ''सी ०'' ब्लाक, सभीर को आप० हो ० सोसा ० लि ० सात बंगला जे ० पी० रोड अन्धेरी प० अम्बई-409 058 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिमका करारनामा आदकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में २ जीस्टी है विनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिशत से अधिक ही और असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्सरण के लिए तय पाया गया शित्फल, निम्नलिबिस उद्देशों से उक्त अंतरण लिबित में आस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाय की शावत , उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

नतः नव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में. उक्त निभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कें अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री अब्दुल रक्षाक मोहम्मद अली भीरान (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मीनाक्षी एन० शेटटी

(अन्तर्गरर्तः)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिद में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वश्सूची

फ्लॉट नं० 203, ''सी' ब्लाक, समीर की-आपरेटिय हौसिंग सोसायर्टा, सातबंगला, जे०पी० रोड, अन्धेरी (प०). बम्बई-400 058।

अनुसूची जैसा की कल्सी० अई-2/37ईई/5765/87-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 14/11 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन इलाका-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रक्य वार्ड .टी .एन .एस् . ------

नायकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-मु (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ३ 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई -22/37ईई/9106/83-84--- अक्षः मुझे. सक्मनदास.

नायकर मिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम्' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिन्नकी मं० पलेट नं० 301 ए०--मिन्य नगर, बस्क ई-400058 प्नांट नं० 25-26, 4 बंगलों, औफ जे०पी० रोड.
अन्धेरी (बेस्ट) में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूर्चा
में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका कर रनामा
आयकर अधिनियम 1961 की बारा 269 ं, ख के अधीन
बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजास्ट्री
ह तारीख 11 अक्टूबर 1983

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गृइं हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्धरण वं हुइ किसी जाव की वावधा, जबका अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्सरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के सिए; बीर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुदिशा के निए;

जतः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, स्वत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती पृथा हाणानंद राजानी और श्री हाणानंद एल० राजानी

range in the control of the first control

(अन्तरका)

(2) श्रीमती आरती ईंपचंद बाधशणी

(अन्तर्गरती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों यों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर अन्तर स्थानर संपोल में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए वा सकेंगे।

स्थास्त्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रेक्ष और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## अतसधी

पलेट नं० 301-ए, मनिष तगर, प्लांट नं० 25-26, ऑफ जे॰पी० देख: य वंगलो, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-

अनुसूची जैमा की फि०सं० अई-2/37ईई/9106/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हार दिनांक 11 नवम्बर 83 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आधवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -2, बम्बई

तारीखः : 13--7--1984

प्ररूप् आहा. टी एन. एस.- - - ----

The second of th

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरक्षिण) अर्जन रिंज-2 अम्बर्ध

बम्बर्ड, दिलांक ७ जुलाई 1984

निदेश मृञ्जई -2/37--ईई/3707/83--84--- अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्प्रांत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

और विनिधी मं० फ्लैट नं० 5, बुंा अपार्टमेन्ट स्टेट हाला-पोर्ट गांड, अम्बाक्त (ऑपचम), बम्बई-400 654 अफ्ताक्त (विक्रिश) में स्थित है (और उनसे उपाबद अनुम्बी से और पूर्ण कर के विभिन्न है), और किसार अगरमामा आयरण अधिनिक्स 1961 को धार्य 260 के से अधिन विभन्न प्राचिक्तिक स्वाहित के प्राचिक्त में स्वाहत, के दिलांक 10 भवस्य 1983

मारे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए उन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित दाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफाल के, एंस द्रयमान प्रतिफाल के पंदह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तर्य (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नविद्धित उद्युक्तिय में उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोगे के अगतरक के बाधित्व में किसी करने या गणश उचने में पुणिया के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्याच किया गया ए। या किया पाता साहिए एवं, विकास है। विकास विकास

अत ता कि जोधितियम की भाग १६९-४ तो अनसरण मों, मों, उक्त अधितियम की भाग १६९-घ की अग्धांग (1) अधीन, निम्नितिखिन व्यक्तियों, अथित :—— (1) श्रा नरेन्द्र भाटिया

(अन्तरक्)

(2) श्रामती वर्षा धवल जोशी

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकान की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकी

स्पट्टोक रण :---इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### भनसची

पता-पलेट नं : 5. तल मंजला-बुसा अपार्टमेन्ट, स्टेट टान्पपोर्ट रोड, पान प्रकृत (पण्डिम)--बम्बर्ड-400054 पतुस्वी जैया की कामं : अर्ड-2/37 ईई/3707/83-84 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 10 प्रवस्तार 1983 को स्थिन्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहाबर' आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेजिन2. सम्बर्ध

নার্যাক্ত: 7--7--1984

प्रकप् वाद्रौ, टी. एवं. एस., -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. वस्मई

भम्बई, विनांक 12 ज्लाई 1984

निदेश सं अई-2/37ईई/8618/83-84--अतः मुक्षे, लक्ष्मणवास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदयास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ाँ रिजिसकी स० इन्डस्ट्रीयल गेंड न० 3, शिवशिक्त इण्डस्ट्री-यत इस्टेट, मरील किल्लेज, अंधेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिपजा करारनामा जायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिगत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देष्य से उयत अंतरण लिबित मूं बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्म ट्रायस्टार इन्जीनियरम । 🕆

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास ति विवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण: इसमें प्रमुक्त ब्राब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अग्राची

इण्डस्ट्रीयल गोड नं० 3, णियणिकत इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एस न० 79, एच०नं० 15, एस०नं० 80, एच०न० 1, मरोल किल्लेज, आफ अधेरी कूर्ला रोड, अधेरी (पू), वस्बई-69। अनुसूची जैसा की क०स० अई-2/37ईई/8618/83-84 और को सक्षम प्राधिदारी, वस्बई द्वारा विनांत 18-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मणचास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बस्बई

नारीख: 12-7-1984

प्ररूपः, अरर्षः, टी. एन. एसः, -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

🦥 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं०अई--2/37ईई/8613/83--84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 4, 502, 5वी मंजिल, निर्माण काटेंज, यारो रोड, वर्सोवा. अन्धेरी बम्बई-400061 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, दिनांच 17 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरित्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की दावत उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
10--206GI/84

(1) मेससं निर्माण विल्डसं

(असारक)

(2) श्री रत्नाकर एल० मेंट्टी

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जीरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहियां चुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, छे भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यगसर्थी

पलेट नं० 502, 5वीं मंजिल, निर्माण काटेज, यारो रोड, वसींवा, अन्धेरी (प०); बम्बई-400 061। अनुसूची जैसा को ऋ०सं० अई-2/37-ईई/8613/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर 1983 को रजिस्टई किया। गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्बर्ध

तारीख: 10-7-84 मोहर 8 प्रकल् जाईं. टी. एन्. एस्. - वंत्र वतः बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनौंक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/8484/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज पलेट नंज 502, कोहिनूर बीज बिल्डिंग जोगेश्वरी (पश्चिम) हंजर सिनेमा के पास, बम्बई में स्थित, है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर 1983 को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वदेशों से उक्स अन्तरण लिसित के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की वाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में जुनिधा के लिए; और/याः
- (क) एसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों का. किस अपर्धिय आज्ञान आर्थिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के चधीन, निस्निसिचित व्यक्तियों, जर्थात् ः—

- (1) मेसर्स होरिझोन कस्स्ट्रक्शन कं प्रा०लि० (अन्तरक)
- (2) श्री एवं श्रीमती बुरजोर होर्मोसजी बाजीना (श्रंतरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इति, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगं।

स्पद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्यों और प्रयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सम्ब

फ्लेट नं० 502, कोहिन् बी बिल्डिंग, जोगेश्वरी (पश्-चम) हंजर सिनेमा के पास, बम्बई।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37ईई/8484/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीखाः 13-7-1984 ।

मोहर 🗷

प्ररूप आई..टी.एन.एस.। -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालग्न, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० अई $-2/\Im(-37/3582/83-84-3)$ तः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं०सीटी सर्वे नं० 769, बान्द्रा टी पो एस 3 है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है बार मूक्ष यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त बरिभनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त मधिनियम कर्रिधारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 विशानभ्य खेमचंद ल० दास मेहरोझा

(अन्तरक)

 श्री सुन्दर दयाराम सजनानी भौर श्रीमती ईश्वरीबाई दयाराम सजनानी।

(अन्तरितो)

अन्बरिति

े (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित ब्रह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० वाम एस-2855/80 श्रीर जो उपर रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा विनांक 19 नवम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकाच्छी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13 जुलाई 1984

मोहरः

# प्रकृष बाइ ्टी . एवं . एवं . ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### बारत बडकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्वेश सं०अई-2/37-ईई/3718/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं वुडलैंड अपार्टमेन्ट फाइनल प्लाट नं 577, टिपीएस-3, तथा जो महिम, बम्बई-400016 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-निषम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ण की उपधादा (1) को जधीन, निस्तितिक व्यक्तियों जिस्सित् ह— 1. श्री प्रेम एच० ललवाणी,

(अन्तरक)

2. श्री मुरारी किशानलाल धिनगाजेरीया

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।]

## वन्स्ची

बुडलैंड अपार्टमेन्ट, फाईनल प्लाट नं० 577, टीपीएस-3, माहिम, अम्बई-400 016।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37ईई/3718/1983-84 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 14-11-1983 को रिषस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारोख: 7 जुलाई 1984

'इस्प' आर्च' . टी . एन . एस . ------

**कायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश स॰ अई-2/37-ईई/8578/83-84---अत: मुझें; लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 10, 11-ए दाऊदबार रोड, सी व्हीं व्हार के अन्धेरी पा दम्बाई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), अधीन ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बाई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, दिनांक 13-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंत्रण के लिए तय पाया भया पतिफल, लिम्नेलिस्ति उद्देश्य से उक्त बंतरण लिस्ति में नास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) बंधरण ते हुई किसी बाय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय का किसी धन या बन्स आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अंतः अद, अक्त अधिनियम को गाप 269-म के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती सोहीनी महेन्द्र शाह

(अन्तरक)

2. श्री दिपक कुमार मान्तीलाल बदियानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कड़कें पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पृत्सि के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा करों है।

स्वध्वीकरण:—-इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग़ा जो उस अध्याय में दिया मवा है।

## वनुसूची

फ्लैट नं० 10, 11-ए, दाऊद बाग रोड, सी०टी०एस० नं०, 94, अन्धेरी (प०) बम्बई।

अनुसूची जैसा की क०सं०, अई-2/37-ईई 8578/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 7-7-84

माहर 🖫

प्रक्ष भाषी हो। एतु , एस , ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश स॰आई-2/37-ईई/3731/83-84--अतः मुझे, ् लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

्रभौर जिसको सं० फ्लैंट नं० 1, एफ०पा० नं० 688, टोपीएस-3, बाझंवाडा, ऑफ एल०जे०, रोड, नाहिन बम्बई-400016, माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के का यीलय में रिजस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्परित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीफ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में बृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वर्व-कर अधिनियम, या वर्व-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविशा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मलीसाहेब अ। दुल रहीम गावे इत्राहाम अ। दुल रहीम गावें नाजमुनिसा आदुल रहीम गावें सैराभ्द आदुल रहीम गावें (म्रन्तरक)
- (2) मोहम्मद अनीस सन्स आफ हबीब कुरेसी (अन्तरिती)

को यह स्चना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बस्थ किसी जन्म व्यक्ति स्वारा, अशोहस्ताकारी के पाल लिखित में किए वा सकींगे !

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, तहीं अर्थ द्वांगा. जो उस अध्याय में दिया गय। है।

#### नगुस्की

पता—पर्लंट न० 1, एफ० न०, 688 टोपीएस-3, बानझावाडी, आफ एल० जे० रोड, महिम, बम्बई-400 016। अनुसूची जैसा को ऋ०स० अई-2/37/ईई/3731/83-84

अनुसूचा जेसा का कै०स० अई-2/37/इंड/3731/83-84 श्रोर जो संख्या प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

नारीखा: 7-7-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निवेश म॰ 2अई-2/37ईई/8467/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण द्वास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० इन्डस्ट्रीयल शेंड न० 61, तल मजला, फेंज 3, शिवशक्ती इन्डस्ट्रीयल इस्टेट-एस०न० 79, एच० एच० न० 15, एस० न० 80, एच० न० 1 मरोल व्हिलेज, अन्धेरी कुर्ली रोड, अन्धेरी (पूर्व०) बम्बई, 400 059 ल० में स्थित है० श्रीर इससे उपाद्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 3 नवम्बर 1983

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते का विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण संहुई जिसी साव की वाबत, उक्त विधिनयम में वधीन कर दोने के अन्तरक के वाक्ति में क्यी करने वा उक्को क्यूने में सुविधा में सिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया भग्न था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के विष्

यतः अस. उसस सिधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, स्थिति :---

1 मेसर्स शिवशकती बिल्डर्स,

(अन्तरक)

2 श्री अभेदुनीमा मोहम्मद अहमद लात

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीय है 45 दिन की अवृष्टि या तत्सम्बन्धी न्या क्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृष्टि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रगुक्त धन्यों और पद्यों का, जो जनत् विधिनियम्, के बुध्वाय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं वर्ष क्रोगा जो उस विध्याय में दिखा नवा है।

#### बन्सची

ईन्डस्ट्रीज गोड नं 61, फैज 3, शिवशकती इन्डस्ट्रीयल इस्टेट मरोल व्हिलेज आफ अन्धेरी कुर्ला रोड--- प्रधेर इस्ट बम्बई-400 059।

अनुसूची जैसा की कि०सं० अई-2/37-ईई/8467/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ताऱीखा: 5 जुलाई 1984

प्ररूप आहें, टी, एन, एस्. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०अई-22/37-ईई/3800--83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं) फ्लैट नं० 13, 3री माला, 74 सरस्करी रोड, सान्ताकूज (वेस्ट०, बम्बई-400 054 में स्थित है धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1965 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है विनांक 29 नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और वेत्रांति (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उलसे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के रिएए;

बतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1), के अभीग; विभन्निविद्या व्यक्तियों हा अर्थात् क्षाना

(1) श्री कानजोमई रामजोगई पांचाल,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा सतीशगई शहा श्री सतीशभाई अरविन्दगई शाह

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक वह व्यक्ति, पजसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फलेट न० 13, 3 रा माला, 74 सरस्वती रोड, सांताकृक्ष (बेस्ट), बम्बई-400 054।

अनुसूची जैसा की ऋ०स० अई-2/37ईई/3800/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुफ्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∽2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

प्रक्ष आह्र टी. एन्. एस. -----

बायकर अभिनेयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के करीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश स० आई-22/37-ईई/8489/83-84--अत: मुर्झे, मुझे, लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' बहु नथा हैं), की बार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उलित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, वि०नं० 5, मनीषदर्शन, सहार पाईप लाईन रोड, स्रधेरी कुर्ला रोड के सामने, बम्बई 400 059 में स्थित हैं, स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, का आर्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसने करवमान प्रतिफस है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक स्म से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुन्तिया के सिष्ट: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती साविशी हिरालाल लालवानी

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्त एन० दिक्षित

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वनिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस स्वा के राष्ट्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा लघोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

ल्याकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो सक्त विधिनयम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा. जो उस सभ्याय में विदा पूर्वा है।

#### वन्स्ची

फ्लैंट नं० 5, पहिली मंजिल, वि०नं० 5, मनीष दर्शन, सहार पाईप लाईन रोड, म्रंधेरी कुर्ला रोड के सामने, अम्बई-400 059 ।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

्तारो**ख** : 13—7—1984

्रशस्य बाह्री, दी, एन्, एव्,-----

बायकर श्रीभनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन शुक्ता

#### थारक सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांस 6 जुलाई 1984 निदेश सं० अई-2/37-ईई/8477/83--84---अतः मृझे सन्भण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी—601, तुलसीयानी कम्लेक्स, जार बंगला, वर्सीवा अन्धेरी (पिश्चम) बम्बई तथा जो 400058 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, दिनांक 12 नवम्बर 1983 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अपने से सुविधा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्रीमती कोकिसा बी० कंछारी

(अन्तरक)

(2) श्री बेहराम एम० देवू

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों का संपृत्ति के अर्जुन के सिए कार्यसिहर्यों कारता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या शत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वाकत स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### भनुसुची

फ्लेट नं०बो-601, तुलसियानो काम्प्लेक्स, चार बंगला, वर्सोवा, अन्धेरो पश्चिम०, (बम्बई)।

अनुसूचो जैसा को क०सं० अई-2/37-ईई/83-84 स्रौर सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज्र∼2, बम्बई

नारोख: 6 ज्लाई 1984

मोहर 🌣

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धाण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984 निदेश सं० अई-2/37-ईई/3691/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिन्नकी सं० पलेट नं० 17, श्रुषीराक की-आप० हीसिंग मो आइटो जिमिटेख पोहार, स्ट्रीट, मान्ताकूस (पिश्चम) है तथा जो बम्बई 400054 में स्थित है) और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका स्रारनामा आधवर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित मजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 3 नवम्बर 1983

को पूर्भोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेमचद भरनाल गुटका

(अन्तरक)

(2) श्री निरन्जन अवलराम उपकर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृश्तिकत् सम्मृतित के वर्जन् के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्स स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयूक्त काकों और पदौ का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

पलेट नं 17, ऋषीराज की-आप हीसिंग सोसाईटी लिनिडेड, (राजर्थी), पोहार स्ट्रीट, सान्ताऋझ (पश्चिम) बम्बई-400 054।

अनुसूची जैज्ञा की क०मं० अई-2/37 ईई/3691/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांव 3-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5 जुलाई 1984

प्रकृत नार्यात द्रीत एकत एक ......

# भायकडु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) से विभीन शूचना

#### मारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशिका) अर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं०अई-2/37ईई/3673/83-84--अत: मुझे, जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उन्तित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेंट नं० जी/3, तल मंजला, ए विग सर्व्हें नं०-218, हिस्सा न० 4, किले पार्ले (प०), है तथा जो बम्बई 400 056, किने पार्ले (पिएचम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आवकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ल.ख के अबीत सक्षम प्राविकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए क्लिरित की बुद है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एस पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिविवत में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) बालाइल के हुई किसी आव की बाबता, उपस् वाधितिसम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सृतिभा के सिए; वादि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, भिम्मलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) मेर्सस भंघवी कन्स्ट्रवशन,

(अन्तरक)

(2) श्री छोटेलाल चतुर्भेज णाह और पुष्पा छोटालाल भाह

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिस के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की समित, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकव्थ किसी जन्म स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग !

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

## मन्स्ची

पता--प्लेट नं० जो-3, तल मंजला, जे विम. सर्वे नं० 218, हिस्सा नं० 4, विले पार्ले (पश्चिम), बम्बई--400 056।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37 ईई/3673/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

गागीख: 10~7-1984

प्रकार बाह् , टी., इन्, एस्,,,,,,,,,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर स्वेना

#### नारत परचार

कार्यालय, सहायक बायकर मायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई०/2/37जी/3597/83-84—म्ब्रनः मुझे, श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिथिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 21 जी० एस० रोड, अन्धेरी, (ईस्ट),फ०सं० 50 ए, (पार्ट) 50 बी० (पार्ट), सी० एस० न० 121, व्हीले पार्ले, विल्लेज, तालुका अन्धेरी है तथा जो अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मून्य से कम के स्थानन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तक पाना नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्यों से उक्स अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से क्रिंगत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग का बाबत, उक्त बिधिनियम् के बधीन कहा दौने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने मध उससे ब्चने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/बा
- (स) एसं किसी साय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की किए:

बतः अवः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, गक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के विभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतिलाल मगनलाल पारिख

(भ्रम्तरक)

2. शीरीन मुल्ला, ताहेरअल्ली, पाठणवाला,

(अन्तरिती)

करायेदार

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संजंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य स्वाम की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्यष्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## वनसर्चे

, धनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम /एस०-1968/79, भ्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-7-198**4** 

मोहर 🕃

प्ररूप माइ. टी. एन. एस.----

मायकार बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

म्रजन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्रई-2/37(जी)/83-84---भ्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० ई/361, प्लाट नं० 356, लिकिंग रोष्ठ, खार है तथा जो बम्बई-52 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बम्बई, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908(1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 9-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कमित नहीं किया यया है र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; अरि/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-मृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र---  श्री श्रार० ग्रार० कणिक, एस० ग्रार० कणिक, सी० श्रार० कणिक, व्ही० श्रार० कणिक, पी० श्रार० कणिक श्रीर श्रार० श्रार० कणिक।

(ब्रन्तरक)

- राम-जानकी को-श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लि॰ (श्रन्तरिती)
- (1) श्री एस० झार० दवे,
   श्रीमती सुशीला आर. दवे
  - (2) श्री ए० एस० वैद्य ।
  - (3) श्री ग्रार० एस० राव।
  - (4) डॉ॰ पी॰ डी॰ मधोक।
  - (5) मिस लिनानाईक ।
  - (6) श्री पी० ग्रार० कर्णिक।
  - (7) श्री एम० ग्रार० कर्णिक।
  - (8) श्री म्रार० म्रार० कणिक। श्री ए० म्रार० कणिक।
  - (9) श्री पी० एन० मजूमदार। श्रीमती एल० मजूमदार।
  - (10) एन० सी० कर्णिक। श्री यु० सी० कर्णिक।
  - (11) श्री म्रार० म्रार० कर्णिक ।
  - (12) श्रीमती सी० म्रार० मेहता।
  - (13) श्रीटी० एम० नाईका

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

श्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 990/78 उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

श्रक्य आहाँ . टी . एम् . एक - परमन्द्रपादवत्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक '10 जुलाई 1984

निर्देश सं० ध्रई-2/37(जी)/3584/83-84--- भ्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 129, एच० नं० 3, 5, 11 श्रौर 12 सर्वे नं० 143, हिस्सा नं० 2-4-5-6 श्रौर 3, सर्वे नं० 314, हिस्सा नं० 6-10 श्रौर 13 सर्वे नं० 315, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 72, 80, 81, 82, 84, 86 श्रौर 93 खार (इस्ट), गांव बन्दरा, तालुक श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-11-83

को पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिधिनियंत्र, के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1 मैसर्स इस्टर्न बैंक ट्रस्टी, एण्ड एक्जोक्यूटर कंपनी (इन्डिया), प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

2. जवाहर नगर, सोशल बैलफेयर मोमायटी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा वशोहस्ताक्षरी के पत्रक निवित में किए जा सकूँगें 1

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा नुवा है।

#### अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम/एस-395/83 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-7-1984

प्रकृष आहें, टी. एन्. एस्. ----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक कायकर आमृक्त (निरोक्तण)

ध्रर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० धाई-2/37ईई/8593/84-84-- मतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० बी-14/507, ग्रपना घर, नं० 9, को-ग्रापं० हाउसिंग मोसायटी लि० ग्रोशिवरा, जे० पी० रोड, के सामने, ग्रन्धेरी, (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्क यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से क्रियुद्ध नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से द्वार्ष किसी जाब की बाब्द, उक्स निभानियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भन्दतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अधिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिशित व्यक्तियों, अथाति :-- 1. श्रीमती सुनीता श्रार० जोतवानी

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ग्रारती जे० वासवानी, कुमारी लितका श्रार० जोनवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभाहरताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-14/507. श्रपना घर यूनिट नं० 9, की-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, श्रोशिवरा, जे० पी० रोड, कें सामने, श्रन्धेरी, (पं०), बम्बई-400058

श्रृतुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/237ईई/8593/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 17-11-83 को रजिस्टर्ड किथा गया।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक 5-7-1984 **मोहर** ४ प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यां सुगु, सहायक भायकर आयुक्त (निद्धीक्षण)

्रिं भ्रजेन रेंज-2, बुबस्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० प्रई०-2/37ईई/8794/83-84—प्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसगकी सं० फ्लैंट नं० 48, चौश्वी मंजिल, बिल्डिंग "बी" भन्धेरी गुरु छाया को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मनीष नगर, चार बंगला, भ्रन्धेरी (प०) बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देवयमान प्रतिफल से, ऐसे देवयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तारण से हुई किसी जाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; जार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिहित व्यक्तिस्कीत अर्थात है

12-206GI/84

- 1. कैप्टन करण विटठल बोलार.
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सईद झरीना पुत्री सईद मीर हुसनुल नईब (ग्रन्सरिती)
- 3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### nered .

फ्लैट नं 48, चौथी मंजिल, बिल्डिंग, "बी" श्रन्धेरी गुरुछाया, को-भापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि॰ मनीषनगर, चार बंगला, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8794/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 13-7-1984

मोहर 🛭

प्रस्थ बाहै, टी, एन्, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ब्राई-22/37ईई/8675/83-84:--- ब्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातू 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, दूसरी मंजिल, साजिद टावर, 58/59, मोगरे बिहलेज, एस० बी० रोड़, अन्धेरी, बम्बई-400058 में स्थित है (भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-11-1983

को पूर्वीयस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियसान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेदय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृविधा के सिए;

जताः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौं,, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् धे— (1) मैसर्स चौहान भण्ड बदर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहम्मद युसुफ घ्र० करीम खोकर , श्रीमती खैरुश्निसा बेवा एम० वाई० खोकर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### वनसूची

फ्लाट नं० 1, दूसरी मंजिल, साजिद टावर, 58/59, मोगरे विलेज, एस० वी० रोड़, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/8675/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23/11/1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन इलाका-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रकृप बाइ टी. एन. एस . -----

# नायकर स्पिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स् (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निर्वेश सं ० श्रई-2/37ईई/3736/83-84:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० श्री श्रमिता कोश्राप० हौसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 141-ई-प्ले ग्राऊड रोड़, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-11-1983

को पूर्वावस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से ग्राधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित मे बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किनी आप की बाबत, उक्त धिन्न नियम के अधीत कर देते के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने बजने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिव्या गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म् के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्न की उपधारा (१) के अधीन, निम्हिलिखित अधिकतयों, अर्थात्:—— (1) मैसर्स राठोड् ग्रन्ड परमार ।

(भन्तरक)

(2) श्री कश्यम चन्द्रलाल शाह धौर, श्रीमति धुर्ती के० शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्स्ची

पता—-श्री श्रमिता को०-प्राप० हौसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 141-ई प्ले ग्राऊंड रोड़, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई— 400057।

श्रनुसूची जैसा कि कि में श्राई-2/37/ईई/3736 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सिहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-2, बम्बई।

नारीख: 7~7~1984.

प्ररूप आर्थ. टी. एव. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रर्श-2/37ईई/3771/83-84:---श्रतः मुझे, लक्ष्मणवास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 149, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (ईस्ट), मालविय रोड़, विले पार्ले (ईस्ट) बम्बई—400057 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णि णत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24—11—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नोलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बारिशक रूप से कार्य कर से सामानिक का

- (क) अन्तरण सं हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधातः :--- (1) मैसर्स जयश्री बिल्डर्स (इन्डिया)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुणविती लाल जै० दमली, श्रीमती श्ररविदावेन जी० दामली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांचित सम्परित के मूर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

पता—एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्लें (पूर्व), मालवीय रोड़, बम्बई-400057 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2237/ईई/3771/1983-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीखा: 10-7-1984.

# प्रकृष् वार्षं ही एवं एक् -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-2/37 ईई/8498/83-84:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० सो०-42, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 26, श्रवत हौम सोसायटी, सहकार नगर, जे० पी० रोड़, श्रन्धेरी (प०) बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्ट्री है तारीख 4-11-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाब की वाबत, अक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के वस्तरक के दारित्य में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा वी निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अभृत्रिः (1) श्रो सन्तोषकुमार तिवारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुलराज स्पराज मेहता , श्रीमती सुमित्रा गुलराज मेहता ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपत्ति के सर्मन के संबंध में काई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकी।

स्पक्किरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० सी०-42, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 26, श्रवर होम सोसायटी, सहकार नगर, जे० पी० रोड़, श्रन्धेरी (बेस्ट), बम्बई। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8498/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1984

प्रकप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### HIST ESPES

# कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984 निर्देश सं० ग्राई०-2/37 ईई/3802/83-84:--ग्रतः, मझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० शापनं ० 4, धरम प्रेम श्रपार्टमेन्टस, सि०टी० एस० नं ० 1354-ए, तथा 1354ए-2 से 12, 75-नेहरु रीड़, विलेपार्ले (पूर्व) बम्बई-400057 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मीनयम के अभीन कार दोने के जन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अस्य जारितकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृत्या के लिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स ठक्कर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खिमजी भोजाभाई शाह।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पति है)

कायह सूचना जारी करको पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## क्षत्रत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोद:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्विसयों यें से किसी व्यक्ति ख्वाश;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भग्स्ची

शाप नं० 4, "धरम प्रेम श्रपार्टमेन्टस्", सिं० टी० एस० नं० 1354-ए तथा 1354ए-2 से 12, 75-नेहरु रोड़, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई-400057।

श्रानुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-2/37ईई/3802/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 5-7-1984

# प्रकृष बाह् न ही न प्रकृत हुन न्यानाया

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के मधीन सुमनः

#### प्राप्त चंडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्रई०-2/37ईई/3683/83-84:—ग्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (पूर्व), मालवीय रोड़, विलेपार्ले (ईस्ट), बम्बई—400057 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रौर जिसका कारारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4~11~1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किरी गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त अशिक्तयों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स जयश्री ब्रिल्डर्स (इंडिया)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त व्रयांबक मोहिदेकर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वों कर सम्पृतित के वर्षन के हिन्द् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत् सम्पृत्ति के वर्षत् के सम्बन्ध् में कोई भी वासेप्ः न

- (क) इश्रुं सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज है 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (ज) इब सूचना के राज्यम में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितअव्य किसी सम्य व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निध्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

पता—एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, बिलेपार्ले (ईस्ट), मालबीय रोड़, विलेपार्ले (ईस्ट)-4, बम्बई-400057। प्रमुस्ची जैसा कि क० सं०—2 प्रई-2/37ईई/3683/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम् प्राधिकारी स**हायक आयक्षर आयुक्त** (निरीक्षण) **धर्जन रेंज**—2, **बम्बई** 

ता**रीख**: 10—7—1984।

मोहर 🗧

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निर्धाक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ईई/3769/83-84:--ग्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० शाप तं ० 7, लार्डस हेवन, को-ग्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-11-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का रचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सो, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण निश्चत में भासाविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उन्स प्रधिनियम के संधीत कर देने के प्रस्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्निचित्रिक व्यक्तियों, जर्भात् क्र— (1) श्री प्रभाकर एस॰ राव और श्री शामलाल जी॰ मखीजा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उस्मान भ्रहमद चष्मावाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गै।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

# वन्स्की

णाप नं ० 7, बान्द्रा लार्डेस हेवन की-प्राप० सोसाइटी लिमिटेड, प्लोट नं ० 647-648 जं० थ्राफ अम्बेडकर रोड़, 30वीं रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400050।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई-2/37ईई-3769/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984.

## प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज→2, बस्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37 र्डर्श/9040/83-84:—--ग्रात:, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 11-ए, पांचवीं मंजिल, प्लाट नं ०- 5, स० नं ० 283, श्रन्धेरी (पिष्टिम), बम्बई-400 049 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कामी कारने या उससे वचने मों सृविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विषय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निचिश्वक व्यक्तियों, अधीतः :—
13—206GI/84

(1) श्री क्षैद जोहर सुरहान्हीन साहेव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सत्यवन्ती मादीलाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु संपरितु के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्य

पलैटन । 11-ए, पाचवों मंजिल, प्लाट नं०-5. म०नं० 283. ग्रन्धेरी (पश्चिम), वस्बई-400 049।

अनुसूची जैसा कि कर संर आई-2/37ईई/9040/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 13-7-1984.

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3712/83-84:--अत: मुझे, लक्ष्मणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है <sup>-</sup>ग्नौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी०/4, नीरा को०आप सो० लि० प्लाट नं ० 397, 15 रोड , बान्द्रा-बम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी. वम्बई के कायांलय में रिजस्टो है, तारोख 10-11-1983 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रुपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिरात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री भालचंद हरिकशनदास चेलाणी।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश डूलहानूमल रानाणी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

पर्लं ट नं ० की /4, मीरा को ० आप ० हाऊसिंग सोसायटी प्लाट नं ० 397, 15वीं रोड़ बान्द्रा—सम्मई-400050।

अनुसूच। जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/3712/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 10-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारें, सहायक आयकर आयुपत (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 9-7-1984.

प्रकल काइ . टी . एन् . एस . ------

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8457/83-84:--यतः मुझे, लक्ष्मणवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गांति सदन, 4था माला, प्लाट नं० 1, टेली गली श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई—400069 में स्थित हैं (श्रीर जिसका, करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति- दक्ष निम्नितिद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्ता बीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्दरक की बाबिस्त में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; बीप/बा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया धना था वा का बा किया धाना आहिए था, कियाने में सुनिका के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् ह— (1) श्रो भास्कर लक्ष्मक्कराने।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्री हिनेष परीख, श्रीमती हाना जयंत कनानी।

(अन्तरितो)

(3) ट्रान्सफेरी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

च्छे यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

## चनक सम्पृतिक के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्ऽ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भात र उक्त स्थानर सम्पोल्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्युक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो स्वस्त अभिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## नमृत्यी

प्लाट नं० 1, शांति सक्दन, टेली गली सी० एस० नं० 45 एच० नं० 2, म्युनिसिपल "के" वार्ड नं० 2776/(20)/श्रंधेरी (पूर्व), बम्ब-400069।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/8457/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख: 13-7-1984

मोहर 😕

प्रकल काही., टी. एन , एक . 🗠 - - 😁

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, यहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3158/83~84:--यतः मुझे,

लक्ष्मणदास,

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. **से अधिक हैं** 

ग्रीर जिसको सं० दुकान नं० 10. मालीमार बिल्डींग, टैंगोर रोड. सान्ता क्रज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य कों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है<sup>\*</sup>:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त लिधिनियम के लंधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/वा
- (स) ए<sup>भ</sup>सी किसी अगय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः वय, उक्त वीधीनसम की भारा 269-ग के जनुसरगः **बॅ, मॅं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)** कुं अधीन, निम्नलिकित स्पवितयों, अर्थात ६---

(1) मैसर्स निपको ।

(अन्तरक)

(2) ई० एम० राजेश एन्ड कम्पनी, प्रो० एम० जी० भाटिया ।

(अन्तरिती)

को यह सुखना आरी करके पूर्वीक्ट संपति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्धू व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं) 10, शालीमार बिरुडींग, टैगार रोड़, सान्ता कुज (पश्चिम) बम्बई, 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3158/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, वस्बई

तारीख : 11--7--1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड्. टी. एन. एस. - - - --

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निर्याक्षण)

अर्जन रेंज-2. बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निदंश सं० अई--2/37 **ईई**/8496/83-84:--यतः मुझें, लक्ष्मण दास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, कोहिनूर बो० बिल्डिंग, सी० टी० एसं० नं० 184, बिल्वली विलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—400060 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम अ 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश से उकत अन्तरण विकित में वास्तिक हम ने किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उक्तः बिधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधील, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थीत् ः—

- (1) मैसर्स होरिजन कन्स्ट्रक्णन कंपनी प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री टी० जी० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्ची

भाप नं० 4. कोहितूर बी० बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 184, बांदिवली बिलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400060।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37 ईई/8496/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख : 6-7-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यात्त्व, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र-2. बम्बई

वम्बई, दिनांक 11 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8518/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 307, निर्माण काटेज, यारी रोड़ वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई – 61 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-11-83 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में बास्तिनक रूप में क्षियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उबस अधिनियम् के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए।

कतः पन उक्त नींधनियम को भारा 269-ग को नमूसरण में, में, उक्त निधनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तित्यों, नथीन ह

(1) मैसर्स निर्माण बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरुशीसा अंसारी, श्रीमती समाना आर० अडी एचा और श्री अन्सारी अयाझ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुई होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्की

पर्संट नं० 307, जो 3री मंजिल "निर्माण काटेज, यारी रोड़, वर्सीवा अधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है। अनुचची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/8518/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास,, स्थाम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

तारी**स** : 11,--7--1984. मोडड **थ**े

# प्रस्तु बार्ड् डी. हर. एक. ----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई--2/37 ईई/8453/83-84:--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास, अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल इस्टेट शेड नं० 138, फासे-3, शिवणकती इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस० नं० 79, मरोल विलेज, अन्धेरी कुर्ला रोड-अन्धेरी (ईस्ट), बम्बई-400059 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 30-11-1983

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यापान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्कें स्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेषयों से सक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्सरण से शुक्ष किसी अंत्र की बायस, अपस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य मों कभी करने या उसते यमने में सृथिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय साय-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स शिवशक्ती बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्भ तानझीम प्रिन्टर्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के नर्वन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी मन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकींगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रवृक्त सन्यों और पर्दों का, वा उलक विधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं मुर्थ होगा वो उस सम्बाय में दिया गुवा हाँ।

#### अनस्ची

इन्डस्ट्रियल शेष्ठ नं० 138, पासे-3 णिवशक्ति इन्डस्ट्रिल इस्टेट एस० नं० 79, मरोल विलेज अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400059।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/3कई ई/8453/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽2, बम्ब ई

तारीखाः: 5--7--1984

## प्रकार बाह्र . टी . एन . एस , -------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

ब्रिटेंश सं० अई-4/47 ईई/2847/84-85:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3-ए, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग, आदित्य पार्क, छन्नपित शिवाजी रोड़, बहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) बीर मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफस, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में आस्तुविक रूप से कर्तिए त्य पाया गया

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आब की बावत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।
  - (अन्तरकः)
- (2) श्री अभय हरीण्चन्द्र णिंदे।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास लिकित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

## मन्सूची

फ्लेट नं > 3-ए, ग्राउट फ्लोअर, ए-विंग, आदित्य पार्क, छत्राति शित्राजो रोड्र, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/2847/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन र्रेज-4, बस्बर्ड

तारीखा: 13~7~1984

# श्रुक्य बाह्". टी...एन्..एव .....

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देण मं० अई-4/37 ईई/2846/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाव,

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विंग, अदित्य पार्क, छत्नपति शिवाजी रोड़, दिहसर (पूर्व), वस्वई-68 में स्थित है। (और इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्वई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सपित्त को उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिक्षण को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिक्षण से एसे द्रश्यमान प्रतिक्षण का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैंसर्स गोयल बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री णिया विश्वनाथ प्रभू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पर्तिस के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# क्ष्मक बुज्युरित की बर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## भगसूची

पलैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विग, आदित्य पार्क, छत्रपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37 ईई/2846/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984

मोहार अ

# प्ररूप बाइ े टी एन एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के जभीन मुचना

# (1) श्री युमुफ दाउद कपार्ड ।

(अन्तरक)

(2) श्री उमर सहदीन काझी, और श्रीमती नजमुनिसा उगर काझी।

(अन्तरिती)

#### भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देण सं० अर्ह-।/37 ईई/2405/83-84--अत: **मुने**, ए० नहिरी,

कायकार विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषयास करने कर कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार जुल्ब 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 104, इण्टरनल दोस्ती अपार्टमेंट, नाइंकणीं मार्ग अन्टशाप हिल, वाडाला (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिषस्ट्री है, तारीख 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित माजार मृस्य असके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का प्रतिपति (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से उपत अन्तरण मिनित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबिह्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं विकास गदा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बगुसरण मी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति को अर्थन को लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण ६—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### ननसूची

फ्लैट नं ० 104, इण्टरनल दोस्ती अपार्टमेंट, नाडकर्णी मार्ग, अन्टाप हिल, वडाला (पूर्व), बम्बई- 37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37 ईई/1314/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी,बस्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅंज-1, बम्बई ।

**सारोस्त्र** : 9-7-1984

प्रकम बाह्रौ, टी<sub>ं</sub> एन् ्र **एह**ुन्य--अन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निर्दोक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश मं० ए० पी० 5479---यत:, **मुझे**, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से बीधक है

भौर जिसकी सं० जैंसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उच्चदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सूर्रिनभा के लिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी साम मा किसी धन या अस्य जास्तिनी को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपन में सुनिभा के लिए;

कतः लव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के जनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीग, निकालिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती करमजीत कौर पत्नी सोहन सिंह, वासी 370/7 सेन्ट्रल टाऊन जालन्धर, मुख्तयार खास, जगजीत सिंह पुत्र केसर सिंह, 307 लाजपत नगर, जालन्धर ।

(मस्तरक)

- (2) श्री मलकायत सिंह पुत्र खुशाल सिंह, बासी सोहल जगीर तहसील नकोदर, जिला जालन्धर ।
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जाडी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के भिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्थान के ग्रंथपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की खनीभ, जो भी बनीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों की पदों का, जो उक्त कीश्निमम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याद में दिना गया हैं!

#### जनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5201 विनाक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्खर

विनांक: 11-7-1984

महिर १

प्ररूप बाइं दी, एन एस 👉 🕒 🗓

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5480—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जुन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे ब्लाने में सूविधा के लिए; जीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए;

भतः जयः, उक्त वीर्धीनयम् की धारा 269-ए के अनुस्रक्त वी, मी, उक्त वीर्धीनयम् की धारा 269-च की उपधारा (१) वी नभीन, निम्मुलियित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्मान (1) श्री पथ्वीपाल सिंह पुत इन्द्र सिंह, वासी किंगरा तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरक )

(2) श्रीमती जसिवन्द्र कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह, वासी 455-सामने ए० ग्राई० ग्रार०, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्र है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टींकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वाहीं।

## मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4787 दिनांक नवम्बर 1983 में राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

मोह्रर 🥹

# प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5481--- यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् ु~~ (1) श्री कैलांग चन्द्र पुत्र लाल चंद, मुखत्यार खास राज बहादुर पुत्र हंस राज, वासी उब्ल्यू टी-314 मोहल्ला कोट बस्ती, शेख, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक )

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र राज बहादुर, वासी डब्ल्यूटी-314, बस्ती शेख, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति )।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4756 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप आहे .टी .एन .एस : --=----

# नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ए० पी० 5482---यत:, मुझे, जे० एल० गिरधर:

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने कारण है कि स्थावर संपील, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिमांक नवम्बर 1983

को पृषांकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफत के सिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृक्ष, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य, निम्निसिक्त उप्रदेश्य से उक्त कृत्यरण निष्ट्रत में बास्तिक क्ष्य से क्षित नहीं किया नया है रू—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उन्कर जीभनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा से बिस्।

श्वतः श्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकालिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) श्री राम श्रवतार पुत्र भगवान दास, वासी जालन्धर छावनी, मुखत्यार श्राम सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह, गांव किंगरा तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री श्रण्वनी कुमार, विकास कुमार, पुत्र सरदारी लाल, 300, वासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर ।

(भन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके आरे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता ∠ है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर, सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणं स्मानं प्रयुक्त सब्दों नींद्र पद्यों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया ग्या है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4834 दिनांक नवस्त्रर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

# प्रका बार्ड . टी . एन् . एस . ------

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की चार। 269-च (1) के वभीन सूचना

# नारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश मं० ए० पी० 5483--यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर.

्कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

. भ्रौर जिसकी सं० जूँमा श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो मकसूद
पुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण
रूप में बर्णित है)रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेशय से उच्त अंतरण लिखित में वास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) णंकर दास पुत्र नथा सिंह, द्वारा ग्रनिल चोपड़ा शिशु माडल स्कूल नया आजार जालन्धर ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्द्र कौर पत्नी तारा सिंह श्रीर प्रकाश कौर पत्नी हरदयाल सिंह, वासी 267-भगन सिंह नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, यो भी बनी बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिसा स्या है।

#### जनसर्घी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5053 दिनांक नगम्बर 1983 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 11-7-1984

हक्ष आई. टी. एन . एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए० पी० 5484--यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्तित का उक्ति बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बार नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइं किसी जाय का बाबस, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने में तिवधा के निए:

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री प्रजीत सिंह सपुत्र रतन सिंह, फगवाड़ा पोस्ट श्राफिस पेष्यसू इंडस्ट्रीज, फगवाड़ा । (श्रन्तरक)
- (2) श्रजन्ता इंटरप्राहजेज, जी० टी० रोड, फगवाजा।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हैवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण ?— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1758 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

अस्प आइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5486—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कनने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारं मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्षत सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (शन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे उचने में सविधः के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

15--206GI/84

(1) श्री विक्रम लाल सुपुत्र कोणीराम धीर, कपूरयला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कीमती लाल सुपुत्र हुनी चन्द, बी-XII-60 सराय दिवान, कपुरथला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रेवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन की जबिंच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वायः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो जक्त विधिनियम के तथ्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2261 विनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृभना

भारत सर्द्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए० पी० 5487—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नभीन सुक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिपाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से ऐसे दश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अभिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राजवंत सिंह पुत्र दातार सिंह, वासी गढ़ा वाहीनदा तहसील जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री णाम मसीह पुत्र खैमा मल, वासी गढ़ा बदीनदा तहसील जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4938 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

# प्रकृष वार्ष .दी . एम् . एम् . ना प्रान्ताना

# भावधन्य विभिनियम 1961 (1961 का 43) की भावधन्य विभिन्न विभाग के न्यांत्र स्थापन स्थापन

#### भारत तरकार

# कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5488—यतः मुझें, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मैं ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अभिन्न, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क ल निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) काराएक संध्या किसी बाव का बावसः, समस् विभिन्निक की वधीन कार दोने के अन्तरक की वाकित्य में कारी करने या कक्कसे वचने में स्विधा को विषय; करि./वा
- (क) श्रोती किसी आयं या किसी भन मा अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतील आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, पा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना आहिए था कियाने में स्विभा के जिए;

बतः वन, उस्त विभिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण में, में, उस्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, वर्षात कु---  श्री चंचल सिंह पुत्र भान सिंह, वासी पीली कोठा, गढ़ा रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री बखगोण सिंह भोगल पुत्र वजीर सिंह श्रीर परिमन्द्र सिंह पुत्र सतनाम सिंह, वासो 174 डिफेंस कालोनी, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मैं रूचे रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

स्त्रे यह सुचना जारी करके पृत्रों क्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थिकता में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगम जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुज्ञी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5042 विनांक नवम्बर 1983 में रिज्स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जासन्धर ने लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्छर

दिनांक: 11-7-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् : दी : एन् : एस् :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पा० नं० 5489--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूर्च: मैं लिखा है तथा जो जालन्धर मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई ही और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः अवसः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

 श्रीमती तारा देवी बेटी टेक चन्द, पत्नी हरोबंश लाल, वासी 8 बी शनगन नगर लखनऊ, हारा दुनी चंद ।

(अन्तरक)

 श्री हरपाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह ग्रीर राजिन्द्र पाल सिंह, रणजीत सिंह, जगजीत सिंह, पुत्र महिन्द्र सिंह, वासी काजमपुर, तहसील बटाला ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत मम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहियां श्रूष्ट करता हुं !

उन्त सम्पन्ति सं गर्जन कं संबंध में काहि भी ग्राक्षप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स ज्यित्वर्धों में में किसी ज्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर राष्ट्रित में हित-बद्ध रेकसी बन्ट व्यक्ति द्यारा, अधोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्यं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5162 दिनांक नवस्वर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 11-7-1984

प्रारुप आहे, दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5490 से 5493 तक — यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर ग्रीर दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्ड हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

सतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु—

- 1. श्री बखतावर सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी 180 सिविल लाईन्ज, जालन्धर। (अन्सरक)
- 2. श्रीमती सतवंत कौर बसी पत्नो रदीप सिंह, श्रीर कंवलजोत कौर पत्नी जसु सिंह, वासी 2503 सैक्टर 35—सी चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यत्ति में हितब इहै)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकों।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय नमें विया गया है।

# वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नें० 5111 विनांक नवम्बर 1983 ग्रीर 5581, 5591 ग्रीर 5691 विनांक विसम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जें० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालम्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस. -----.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ (1) के प्रधीन सुचनः

#### भारत सरकार

कार्यात्म्य, **सङ्गायक भागकार भाग्यना** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5494---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पृष्ट्व प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की मानत उनत अधि-निवम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों स्थाने में तुनिधा को लिए; बौर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य गास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म  श्री बखतावर सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी 180 सिविल लाइन्स जालन्धर, मुखतियार आम श्रामतः जगदाण कार, परेमी बखतावर सिंह।

(अन्तरक)

श्रीमतो सतवंत कौर बसो पत्नो गुरदाप सिंह, श्रीर कमलजात कौर पत्ना जसु सिंह, वासी 2503, सैक्टर 35 सी चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर न० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितक्द है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सृषान के उपजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगराची

सम्पेशि तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5144 दिनांक नवम्बर 1983 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 11-7-1984

पुरुष सार्थं, ती., धनं, स्म. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के शमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश स० ए० पी० न० 5495, 5496 श्रीर 5497—यतः मुझे, जे० एन० गिरवर,

षायकर कृषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी गं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) रिजम्झीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक निसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कार। है कि यथाए बेंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उराने दरयमान प्रतिफल में, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल 'निमालिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; जरिंग था
- (का) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपारी में मुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त लिपिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीस ६—

 श्री मिनदर पास सिंह पुत्र बखतावर सिंह, वासः 180 निवित लाइन्स, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रोमतो सतवंत कौर बसो पत्नी गुरदीप सिंह, ग्रीर कमलजीत कौर पत्नी जसु सिंह, 2503 सैक्टर 35-सी चडीगढ़।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में क्वि रखता है।
   वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5582, 5592 श्रौर 5618 दिनांक दिसम्बर 1983 में रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. -----

लामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5498---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नामकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया है), की भारा 269-स के जवीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

- को प्रवेक्ति संपत्ति को अभित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है :---
  - (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बामत उक्त अभिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के निष्, और/बा
  - (स) एसी किसी जाय या धन या जन्य सास्तियों की, जिन्ह भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 1) या उक्त निधिनयम, या धन-कर नोधिनयम, या धन-कर नोधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा औ निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः  श्रीमित जसवीर कौर पत्नि श्री हरभजन सिंह वासी टैगोर नगर जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्री चमन लाल सपुत्र ससार चन्द, वासी ६० एच० 149, गांतिपुरा, लाडोबालो रोड, जालन्धर ।

(अन्तरितो)

- जैसा कि ऊपर न० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता है।

# उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी के बदिए बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रांचिक स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मिद्धि में हिएबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किस जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क रें हिंदिन के अध्याय 20-क में परिशादित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### वन्त्वी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 4935 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 17-7-1984

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर नामक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5499---यतः मुझें, जें० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं॰ जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नथम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक हुए से कृषित नहीं किया गया है । ——

- (भा) अन्तरण सं हुई जिसी जान की बाबत, जला अभिनियम के अभीन कर दोने औं अन्तरक को शामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर आधीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 271 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना साहिए था, छिपान में मुखिया के लिए;

 श्रीमता जसवीर कौर पत्नी हरभजन सिंह, वासी टैगीर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती राम प्यारी पत्नी चमन लाल, वासी ई० एच० 149, शांतिपुरा, लाडोवाली रोड, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोकत संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यत्राहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एक स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्काकरणः इसमें प्रयुक्त कथा और पर्वो का, जो अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विवा गंवा हैं।

## जन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 4751 दिनांक नवम्बर 1983 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 17-7-1984

मोहर अ

# त्रास्य बाहे ही.एन.एस्.========

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पा० नं० 5500—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० जैसा अनुसूचो में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इस्प्से उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रांकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वायत, उकत अधिनयम के अभीन कर धने के बस्तरक के वायत्स में कभी करने या उससे वकने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था कियाने में माक्या औं लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- शे जोगिन्द्र सिंह पुत्र डा० कै० फर्कार सिंह, वासी 582, सै० 10-डी चंडीगढ़, अब वासी एस-248 इंडिस्ट्रियल एरिया जालन्धर खुद श्रीर मुख्तयार आम गुरवचन कौर पुत्रो फर्कोर सिंह पत्नी भूपिन्द्र सिंह श्रीर सितन्त्र कौर पुत्रो फर्कोर सिंह पत्नी गुरदर्शन सिंह, वासी बो एक्स एक्स 537, गुरद्वारा भाई नन्दकौर रोड, लुधियाना ।
  (अन्तरक)
- श्री लखविन्द्र पाल सिंह पुत्र दिदार सिंह वासी 2247 मोहल्ला मखदूमपुरा जालन्धर । (अन्तरिता)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके कारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बहु सूचना चारी करके पृत्राचित सञ्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बाक्कीय ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्का की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वापा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वसे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्कीकरण:--इसमें प्रध्वत कव्यों और पर्वों का, जो उकत विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

## जन की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5000 दिनांक नवम्बर 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर जो लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-7-1984

सारर :

प्ररूप आहुर, ट्रा. एन . एस . ------

भायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पं:० नं० 5485—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेषय से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आव की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिन्नाने में स्विधा की किए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— पेप्पसृ इंडस्ट्रोज, फगवाज्ञा,
 द्वारा श्रोमती निरजन कौर विधवा रतन सिंह,
 द्विस्सेदार।

(अन्तरक)

एसोसिएटड इंडस्ट्रोज (इडिया),
 52, इंडस्ट्रोज एरिया,
 फगवाडा ।

(अन्तरिसी)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2360 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनोक: 11-7-1984

मोहर 😉 🤺

# प्रकृष वाद् .टी. एत्. एत्. ------

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुबना

## भारत धरकार

# कार्यश्चिम, बहामक भागकार नागुक्त (निद्धौक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 24 जुलाई 1984

ं निर्देश सं० ए० पी० नं० 5501—यंतः मुझे, जे० एल० रधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा अनुसूर्चा में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है०, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्त ज़िप्नियम के ज़्धीन कर दोने के ज़न्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुद्धिभा के ितए; आर्डि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तिरती द्वारा व्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया को लिए;

बता शव, उनते अभिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण में, मी, उनते अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—  श्री दिनेशं कुमार सपुल श्री मुनि लाल, वासी फौजी रोड, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2 श्री आत्मा सिंह, अर्जंब सिंह श्रीर साधु सिंह, सपुत बजीर सिंह, वासी फौजी रोड, सतल्ज आटोमोबाईज, कोटकपुरा, • जिला फरीदर्कीट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूठी रखता है। (वह व्यति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को कह्य सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

# क नर्द संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध मा स्त्रांबंधी ध्यावित्यों पर चूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी मुबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशों कर च्यावित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्चित में किए जा सकत्वे।

्रमच्छाकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदों का, को जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्भ होगा वो उस् अध्याय में दिया विश्व हों।

#### मन्स ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3419 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे॰एल॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 24-7-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5502---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण - हैं कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ले विणित है), रजिस्ट्रीकत्त अधिकारी के कार्यालय फरादकोट में रजिस्ट्राशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अस्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा के सिए; आंट्र/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग् के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---  श्रीमती हनसा पुत्री मुनी लास, वासी फौजी रोड, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(प्रन्तरक)

 श्री अर्जंब सिंह सपुत वजीर सिंह, वासी फौजी रोड, सतल्ज आटोमोबाईलज, कोटकपुरा, जिला फरीवकोट।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है०।

 जो व्यति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

## **अनुसूची**

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसािक विलेख नं० 3421 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फरीदकीट ने लिखा है।

जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्क्षर

दिनांक: 24-7-1984

मोह्द 🖟

प्ररूप माई.टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश स० ए० पो० नं० 5503—~यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं जैसा अनुसूचों में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में धौर पूर्ण रूप ले विणित है), रिजस्ट्रोजर्सा अधिकारों के कार्यालय फरादकोट में रिजस्ट्रोक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति ने उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार रूल्य, इसके इन्यमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ष से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बंशपण से हुई किती नाम की गामत, उक्त ब्राधितियस के नधीन कर दोने के अंतरक वें शाबित्य में कभी करने या उत्तसे मचने में सुनिधा के लिए; और/ना
- (क) एरेती किसी बाव या किसी धन या वन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने से सविभा के लिए;

सतः श्रव, रक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) हो अधीम, निम्नलिबित न्यक्तियाँ, मुक्तिः—  श्रीमतो रेखा पुत्री मुनीकाल, वासी फौषी रोड, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

 श्र्वं। साधु सिंह स्पुत्र वजीर सिंह वासी फौजी रोड, सतलुज आटोमोबाईलज, कोटकपुरा, जिला फरीइकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वंह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- यो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा मकींगे।

स्पष्टीकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# मनसर्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3424 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-7-1984

# प्रकल आहं . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धय, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5504—स्वतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूचो में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयन्ता अधिकारी के कार्यालय फरादकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृष में कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दासित्व में कभी अपने ना उक्त वक्त में सुनिधा के जिए; सुद्र/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का (1) या उकते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्त्रीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के बिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसःण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन्। निकारितकिय व्यक्तियों। अभीत् हि—  श्र्री मुनालाल बासी फौजी रोप, कोटकपुरा जिला फरादकोट।

(अन्तरक)

 श्रो आत्मा सिंह सपुक्ष वर्जार सिंह, वासी फौजो रोड, सतल्ज आटोमोबाईलज, कोटकपुरा जिला फरोदकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह तुषमा बारी करके पूनोंकत सम्पन्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्द सम्परित के बर्चन भी सम्बन्ध में कोई भी आधीद अन्न

- (क) इस स्वना के राजप्त में प्रकादन की तारील के 45 विन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए का मुक्तिंगे।

स्वक्षित्रणः --इसमें प्रयुक्तः सब्दों और वयों का, को उद्यक्ष निविद्यम के अध्याय 20-क में विरिभाषित है, बहुत कुर्य होगा को उस अध्याय में विषया गया है।

## मगसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3426 विनांक नवम्बर 1983 को राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फरीवकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-7~1984

प्ररूप आई. टी. पुन. एस., - - -

भायकर अधिनियम, \*1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## प्रारत सरकार

कार्यांचय, सहायक भायकर माय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी. ए. 66/84-85/एसएल 888 आई० ए०सी०/एसीक्यू/रेंज-1/कल०-यत: मुझे, एस० के० बैनर्जी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क यो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक हैं
भर जिसकी सं० 12 सि० हैं तथा जो क्यामाक स्ट्रीट,
कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि०
ए० कल० अर्जन रेंज-1 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 5-11-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान करने का कारण है कि यथापूर्विक् संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नितिकृत उद्देषिण में उक्त अन्तरण में निचित्त व्यक्ति। वर्ष क्या से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्यक्षण से हुई जिल्ली अल की बाबस उक्त विधिनियम से वधीन कर दोने से अन्तरक को अधित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन्या अन्य वास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ जन्मियों स्थार एकट नवा किया जाना चाहिए था, किया में सृविधा के लिए;

1. सुबिमल कृष्ण दत्त

(अन्तरक)

2. श्रो राकेण कपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविधि. थी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इद स्वान के राज्यम के प्रकाशन की तारीय थे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिदित में किए जा सके में

ह्यव्यक्तिरण्ह-इसमें प्रयूक्त वस्यों और पूर्वों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हौ, वहीं अर्थ द्वांगा को उस कृष्याय में दिया गवा हौं!

# अन्त्रज्ञी

12 सि॰ क्यमाक, स्ट्रीट सी॰ अवस्थित, सम्पत्ति जो 5-11-83 तारीख में सि॰ ए॰ अर्जन रेंज-1 दफ्तर में सि॰ न॰ सि॰ ए॰-66 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० **बैनर्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

अतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

तारीख: 11-7-1984

प्ररूप बाह्रं. टी. एन. एस. -----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सी० ए० 71/84-85/888/आई०ए०सी०/ए०सी० क्यु अार o-I/कलकत्ता यत: मुझे, एस० के० बैनर्जी, नामकर निभनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), को धारा

269-व को नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० 17 है, तथा जो कयामाक स्ट्रोट में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार के कार्यालय, सि० ए० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रिजस्दोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन तारोख 8⊸11--83

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित आजार भूल्य उत्तको दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ए----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्ह भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सविधाके लिए:

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीत निक्तिसि**सित व्यक्तियों, अर्थात्** हि**---**-17-206 GI 84

। पियेश जिल्लाक्षिमा खक्षा

(अन्तरक)

2. मिसेस उवा मन्ड जन राबर्ट पितारसन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथाँक्त सम्पत्ति के मर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

# उच्छ सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई जाकोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 विम की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीष्टस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण :---इसमें प्रवृक्त सब्दों और पदों का, জাত কর अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अमुसुची

17 नं० कयामाक स्ट्रोट कलकत्ता में अवस्थित फ्लोर० पलाट नं० 8 सि० जी० 8-11-83 तारीख में अर्जन रेंज-1 दक्तर में मि० नं० 71 अनुसार रिजस्ट्री हुआ ।

> एस० के० बैमर्जी सक्षम प्रधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अजैन रेंज-1, कलकता-16

तारीख: 11-7-1984

प्ररूप वाहुः टी. पुन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी०-73/84-85/890/आई० ए० सी०/एक्यू० रेंज-I कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० वैनार्जी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रोट, कलकता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचे। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय सौ० ए० अर्जन रेंज-1 में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नह है और मुक्के बह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत उनत अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कथी करने या उससे अभने में सुनिधा के सिथ; और या/
- ्ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अत्य गांशायों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- 1. मैं ० रूबी पार्क प्रयादिस (प्रायवेट) लि॰ । (अन्तरक)
- 2. मैं० रणजोन एक्सपोर्टम प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कर के पूर्वीक्त संपरित के वर्णन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गण हैं।

# अनुसूची

75 सी० पार्क स्ट्रेंट, कलकत्ता में अवस्थित, प्लाट न० 2/2 (2 फ्लोर० जो) 11-11-83 तार्य में सी० ए० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता दक्तर में सी० न० सी० ए० 72 अनुसार रिजस्ट्रें। हुआ।

एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

नारीखा: 11-7-1984

मोहर 🖫

ध्यम बाई .टी . एव . एस . -----

बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश स० सो० ए०/74/84-85/891/आई० ए० सी०/ एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रोट, कलकत्ता प्लाट न० 2/पी० में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है०, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय सी० ए० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तार्ख 11-11-1983

को प्याँक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बलारण वे हुई विश्ती बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कालए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं रुखो पार्क प्रपादिस प्रा० लि ।

(अन्तरक)

 मै० णिव प्रसाद, सुरेन्द्र कुमार प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उसल सधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया सूरा है।

#### araruff

75 सी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता मे अवस्थित 2 पलोर में प्लाट न० 2/1 जो 11-11-83 सारीख में सी० ए० अर्जन रेंज-1 दफ्तर में सी० न० 74 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-1, कलकत्ता

सारी**ख**: 11-7-1984

मोहरु 🕹

**भूकप**्र आहें , टी , एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यातम, सहाधक जायकर भाग्नत (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984 निर्देश स०सी०ए०/75/84-85/892/आई० ए०सी०/ एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता —यतः मुझे, एस० के० **वै**नार्जी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 4 है तथा जो शेक्सपियर सरणी, क्लकला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० (अर्जन रेंज-1) में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त संपस्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमाम प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत सं अधिक है और अंतर्थ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतर्गरीतयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिशित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक हए में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण मं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के सुधीन कर दीने के अन्तरक के यायित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

बतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती अनिमा सरकार ।

(अन्तरक)

2. मै० के० सी० ईयाप् एन्ड

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी कार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्म किसी अन्य व्यक्ति स्थाय, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो अक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

4 सेक्सपियर सर्गा। कल-1 हू अवस्थित ,मकान का 8 फ्लोर० प्लाट न० 8वी जो सी० न० 75 अनुसार सी० ए० अर्जन् रिंज-1) कलकत्ता दपतर में 11-11-83 सारीख में रिजस्ट्री हुआ है।

एस० के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंग्न-1, कलकत्ता

तारोख: 11-7-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश सं० सी० ए०/84-85/893/आई० ए० सी०/ एक्यू० आर०-1/कलकता--यत:, मुझे, एस० के० बैनार्जी,

- नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं० 26 है, तथा जो एक्सिप्यर सरणी, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, सी० ए० कलकत्ता (ग्रजिंन रेंज-1) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्वित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-11-83 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूख्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकाँ) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफन, निम्निसित उद्देष्य से उक्त कन्तरण लिखित में क्लितिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्षिभा के लिए।

कतः नव, उक्त मधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) के नशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान अ--- 1. श्री विजय कुमार सुराना ।

(श्रन्सरक)

 श्रीमती कान्ता अग्रवाला एन्ड भ्रशोक ट्युब्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, मो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

26 गैक्सपियर सरणी, कलकत्ता मे भ्रयस्थित, मकान का छठा फ्लोर में फ्लाट नं० "बी" सी० नं० 76 अनुसार 11-11-83 तारीख में सी० ए० (भ्रजन रेंज-1) कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनाजां सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख 11-7-1984 मोहर: प्ररूप बाहें. टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

## भारत बरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1. कलकत्ता . कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० टी०आर०-7/84-85/894/आई०ए०सी०/ एक्य०/रेंज-I/कलकत्ता—यतः, मुझे, एस०के० बैनार्जीः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो रामकुमार रक्षित लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रार० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्वा कत संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नतिविद्य उद्दर्विय से उक्त अन्तरण सिवित् वे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कहुने या उससे बचने में सूविधा के निष्; बाँड/बा
- (थ) एसी किसी जान या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजता अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्रीमती सत्यवाला दासी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दुर्गा प्रसाद नेवार।

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत् सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त प्रज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# मन सुची

7 रामकुमार रक्षित लेन, कलकत्ता में भ्रवस्थित 1 कट्टा 7 छटांक 15 वर्ग फिट पर मकान जो 8-11-83 तारीख में डीड नं० 1-11/40 भ्रनुसार भ्रार० ए०, कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० **बेना**र्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-7-1984

प्रकृप काइ. टी. प्त. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 ज्लाई 1984

निर्देग सं० टी० आर०-21/84-85/895/आई० ए० सी०/ एन्य० रेंज-1/कलकत्ता—यत: , मुझे एस० के० बैनार्जी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 20ए श्रीर 20वी है तथा जो कनमेंट रोइ, कलकत्ता-14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध-- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-11-1983

को पूर्वेक्ति संस्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया सम्भ प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उपत विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के ितए; सौर/या
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

नतः अर, उक्त निधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० पुर्व भारती समबाभ म्नावासन् लि०। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रारित बोग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप "--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्त्ची

20ए एन्ड 20बी कनमेंट रोड़, कलकत्ता-14 में श्रवस्थित सम्पत्ति जो डीड नं० 1-11881 श्रनुसार 25-11-83 तारीख में सब रस्ट्रिंगर श्राफ एस्ट्रेन्स का दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० वैनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, कलकत्ता

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

- · ·

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुमना

## भारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुवाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 82/84-85/896/आई० ए० सी०/ एक्यू रेंज-1/कलकता—यत:, मुझें, एस०. के० बैनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 61 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकरा-16 में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ धनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1983

को पूर्वोक्त संस्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान इतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल सा पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः, नव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै ननुसरण कौ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कौ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— 1. श्री सन्तोष कुमार दाम् एन्ड ग्रदर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती विजय लक्ष्मी सिहानिया ।

(अन्सरिती)

को यह सुवाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागर;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सुधी

61 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित, सूट नं० 23 जो 19-11-83 तारीख में सी० ए० (श्रर्जन रेंज-1), कलकत्ता दफ्तर में सी० नं० 82 श्रमुसार रजिस्ट्री हुन्ना।

> एस० के० बैनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-7-1984

मोहर 🗯

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूजना

## भारत सरकार

कार्थालय, सहायक कायकर आमृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० मी० ए० 78/84-85/897/श्राई० ए० सी०/एक्यू रेंज कलकत्ता, 1-यत: मुझे, एम० के० बैनार्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

ष्ठार जिसकी मं० 7/1ए है तथा जो ई० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता-17 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपावड श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सी० ए० (श्रर्जन रेंज-1), कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल भी, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निलिख में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म आधीनयम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनयम, अन्ति नाम देशार अन्य नाम दिन्या गरा पर या जिल्हा कर अधिन अस्ति नाम देशार अन्य नाम दिन्या गरा पर या जिल्हा कर से नाम देशार कर है लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----18—206GI/84 1. भेसमं परी इन्टरप्राइज।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती देवी दागा एन्ड मनोज दागा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकादियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है

# वनस्या

7/1ए डी० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रबस्थित सम्पत्ति जो 15-11-1983 तारीख में सी० नं० 78 श्रनुसार मी० ए० (श्रर्जन रेंग-1), कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा।

> एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

नारीख: 11--7-1984

मोहर 🖫

प्रकार आहा. हेरे . एवं . एक .

1. मै० पर्ना एन्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

कायकर किंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रदीप जडीन

(अन्गरिती)

#### जारत सरकार

कार्गालय महायक आयकर आय्वत (निर्धिण) अर्जन रेज, जलकत्ता कलकत्ता; दिनांक 11 जलाई 1984

निर्देण सं० सी ०ए० 68/84-85/एस०एन० 898— यनः मुझे, एस० के० बैनार्जी

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 7/1ए है तथा जो ड० ईउ० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रांट, कलकता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सि० ए०, कलकता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1983

की प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कम निम्निलिखित उद्यंष्य से सकत अन्तरण निचित में बास्तिषक कम से किया नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व में कमी अरने या उदसे अपने में सुविधा के सिए; गरि/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने ये सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। स्वतः सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आलोद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, वो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

7/1ए डं० ईउ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में (4 फ्लोर० फ्लेट न० 4ए जो सि० न० 68 अनुसार 7-11-83 तारीख में सि० ए० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता दफ्तर में रिजर्स्टा हुआ।

एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निर्राक्षण), व अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् है——

नारीख: 11−7−1984

मोहर 🖫

प्ररूप भार्द् टी. एन. एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० मा० ए०-69/84-85/एस०एल० 899— यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रू. मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/10 है तथा जो ड० ईउ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रांट, कलकता में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि० ए० (अर्जन रेज-1) कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मै० परी इन्टरप्राईजस

(अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार मेथिया

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निल्लिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया हो।

# **न**न्स्यी

7/1ए ड० ईंड एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अव-स्थित (5 पलोर० पलैट नं० 5 मि० जो 8-11-83 तारीख में सि० ए० (अर्जन रेज-1) कलकत्ता दफ्तर में मि० न० 69 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेज-1, कलकत्ता

नार्राख: 11-7-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस.-----

**गायक** ह **गी** भी नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत सरकार

**धार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए०-70/84-85/5/900/आई०---यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 7/10 है तथा जो ड० ईउ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है मैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-83

1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 8-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- को एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए ना, छिपान में मूर्विधा के लिए।

जतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जाधीन, निम्निलिश्वित स्थिवित्यों. अर्थीत :— 1. मेसर्स परी एन्टरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्रा खेमचांद संधिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सर्वाग।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिस्पर गया है।

## जनसूची

7/1ए ड॰ ईउं एन॰ ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित (5 फ्लोर॰ फ्लैट नं॰ 5ए जो 8-11-83 तारीख में सि॰ ए॰ (अर्जन रेज-1) कलकत्ता मि॰ न॰ 70 अनुसार रजिस्ट्रो हुआ।

> एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 11-7-1984

मोहर ः

प्ररूप काइ रे. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकता

बालकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 67/84-85/51· 90/आई ए० स.०/ रेंज-1/कल $\circ/19$ —यतः मुद्दी, एस० के० बैनार्जी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित श्राजार मृत्य 25,000/-से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 7/1ए है तथा जो ड० ईउ एत० ब्रह्मवारी स्टोट, कलकत्ता में स्थित है में श्रोर इसल उपावद्ध अनमूच। में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारः के कार्यालय, सि॰ ए॰ अर्जन रेंज-1 में, रजिस्ट्र,जरण अधिनिशम, 1908 (1908 का 16) के अधान, वारीख 7-11-1983

का प्राक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है, और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपरित का उचित् यादार मृल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्त्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उच्चेष्य से उजत बन्तरण निर्विकत में बास्तविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुष से हुई किसी बाय की बावत उक्त अध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या जन्य आस्तियो को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

**अत: अब,** उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

मेसर्स परी एन्टरप्राईजेज

(अन्तरक)

2. श्रांमती ऊपा जईन

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

न्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा क्ष्रे ।

# मन्सूची

7/10 ड० ईउ एन० ब्रह्मज्ञारी स्ट्रीट, कलकत्ता -17में अवस्थित सम्पत्ति मैंफ्लैट न० 4वी, 4 फ्लोर). 7--11--83 तारीख में सि० ए० (अर्जन रेंज-1) कलकला दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ सि० न० 67 अनुसार।

> एस० के० बैनार्जी स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता-16

नारीय: 11-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूपः आइरैं. टी. एतः एस्. + - - - -

जायकर गॉंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा<u>रा</u> 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भौयकर वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2433—अतः मुझे, मोहन सिंह.

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा कि 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 1 मकान न० 739 है तथा जो जयपुर में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा मैं श्रीर पूर्ण रूप से बणित है, रिजस्ट्रोकार्ता अधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 वा 16) के अधीन, तारीख 7 नवस्वर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियारे में स्किन से सिंगु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भी अधीत. निम्निलिसित स्थितनारों, अधीत् :---

 श्रीमती मुमिला कंवर पत्नी श्री श्री नरेन्द्र नाथ कंवर निवासी प्लाट नं० 739, आदर्श नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

श्रं झम्मूमल क्वपलानी
पुत श्रो बुद्धमल क्वपलानी
म० न० 739,
आचार्य क्वपलानी मार्ग,
आदर्शनगर,
जयपुर।

(अन्तरिती)

भौ यह स्थाना जारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्परित में हितकद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वत सर्ची

मकान न० 739, क्रपलानो मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 2547 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

नारीख: 18 ज्लाई 1984

प्ररूप आह् . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंग, असप्र

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेण म० राज०/सहा० आ० अर्जन/243 :- —अत मुझे मोहन सिंह,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी, मं० एकान नं० 739 है तथा जो जनपुर में स्थित है, (और इनसे उपाबद्ध अनुभूची में और धूर्ण चन्न में विगत है) रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, जनपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, तारोख 7-11-1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उपित पाषार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इच्छमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्धेश्य में उकत अन्तरण निश्वित में बान्तिवक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामिस्य में कमी करने या उसने बचने के मृदिधा के निए: और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, जिपान में स्विधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंगित व्यक्तियों , अर्थात :--

- श्रीमतः सुभिवा कंबर पत्नः
   श्री सरेन्द्र नाथ फंबर
   तियामी 739, आदर्ण नगर, अब्धूर । (धन्तरक्त)
- अभिनं वर्षा पत्नी श्रं झम्मूमल हपलानी, महान नं 739, कुपलानी मार्ग, आदर्श नगर, जदपुर।

(अन्तरिनं()

का यह सुधना जारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के वर्णन के विष्ट कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी संबध्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकोंग ।

स्पष्टीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

## मण्सची

म तान नं ० 739, तपलानी मार्ग, आटर्ग नगर, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2548 दिनांक 7-11-83 परपंजी अबद्ध विकय पत में और विस्तृत कप में विवरणीत है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारा सहायक आयक्षर कायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

नारीख: 18-7-1984

मोहर ः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, महायक शायकर आयक्त (निरीक्षण)

अजीन रोज. जयपुर

वयपुर, दिनां । 18 जुलाई 1984

निदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्धन/२४३५-- यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तकित वाजर महार 25,000/- रहै से अधिक है

और जिसको मं० म मन नं० 739 है तथा हो। स्थिपुर में म्थित है, (और इनसे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री(स्ती अधिकारी के कार्यालय जनपूर में, रिजिस्ट्री(करण अधितियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, नाराख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृन्य से कम के रूपमार प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विष्टाण करने का कारण है कि मश्राप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निषित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  आगर्त सुभित्रा स्थल प्रति श्री अरेन्द्रनाथ क्वेंग स्थलिर प्रति चित्र चै० 739, आदर्भ क्लेंग, असपुर ।

(अन्तर्क)

 त. मना पार्वनी देवी विजया श्री जुद्धमल अपलानी निवास, गाप्तन नं १८८० अपनाना सार्थः अपनाना सार्थः

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्तिः के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति के दिस प्राप्त के प्राप्त के

स्पष्टीकारण:---इगर्गे प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

गाउँ नं 739, ्पलानी मार्ग, आदर्शनगर, अक्पुर ला भचाग की उप पंज्ञान, जक्युर द्वारा त्रथ संख्या 2561 दिलां 8 रा 1-83 पर पंज्ञाब्य विकय पत में और विस्तृत का ने विकरणित है।

> योहन पिह अक्षम प्राधि हारो नहायन आययर आयुक्त (निरक्षण) अचीन रोंग, जयपुर

दिगांक : 18-7-1984

माहर 🙄

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

ायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2436~-अतः मुझे, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्रमान नं 739 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्मृति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से वृधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबए, उक्क वीगीन्यम के अभीन कर केने के जंतरक के बायरल में कभी करने वा उक्क बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

भतः, अवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:——
19—20 6 GI/84

श्रीमती सुमिला कंवर पत्नी
श्री नरेन्द्र नाथ कंवर
निवासी मकान नं० 739.
आदर्ण नगर, जयपुर । (ग्रान्तरक)

शिमती मोनिका पुत्री श्री झम्भूमल कृपलानी द्वारा पिता श्री झम्म्मल निवासी 739, कुपलानी मार्ग, आदर्शनगर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### तत सर्ची

मकान नं० 739 का भाग, क्रुपलानी मार्ग, आदर्णनगर, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2560 दिनांक 8-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

ॄंमोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख**़े 18 जुलाई 1984 मोहर: प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश मं० : राज०/महा० आ० अर्जन/2437--अनः मुझे, मोहन सिंह.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी प्लाट नं० ए-2/3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है). रिजस्क्षोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1983

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्दे, भें, अस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनतिस्ति व्यक्तियों अधित् :---

 श्री प्रभुदयाल पुत
 श्री नारायण जी। वैष्य खण्डेलवाल तिवासी प्लाट नं० सीं - 7, अर्जुनलाल सेठी। कालोनी, जयपुर।

(अन्तरक)

श्रीमती भगवती देवी
पत्नी श्री रामनारायण,
देहली गेट, ग्रजमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अमलची

्लाट नं॰ ए-2/3 स्थित युधिष्ठिर मार्ग, सी-स्कीम जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2535 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 18 जुलाई 1984

महिरः

प्ररूप बार्च हो . एन् एस्य =====

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 ज्लाई 1984

श्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/2438—यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-2/3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सघीन, तारीख 7-11-1983

काँ पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरक से हुई किसी बाब की बाबस, करका बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं बादित्व में कमी करने वा उत्तरों कुनने में सुविधा में बिद्दा और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सबः, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--  श्री प्रभु दयाल पुत्र श्री नारायण जी वैण्य खंडेलवाल, निवासी प्लाट नं० सी—7, श्रजीनलाल सेठी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरक)

 श्री मदनलाल खण्डेलवाल, पुत्र श्री रामस्वस्य खण्डेलवाल, निवासी रामगंज, ग्रजमेरं।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० ए-2/3, स्थिन युधिष्ठिर मार्ग, सीस्बकीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2533 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर 🤃

# प्रकृत नाइं 🖯 यो 🗸 एक् 🗷 एक्

# नावकर नर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुश्ति युच्ना

## शाउत सरकार

कार्यां तय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

म्रावेश सं० : राज०/सहा० म्रा० श्रर्जन/2439--यतः मुझे भोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य दे उक्त बन्तरण सिवित् में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नगरण चे हुई किया बाय की वायत्, उनत् अनिष्युष् चे अपीत कर दोने में अन्युरक के वादित्य में कमी करने वा उन्ते बुग्ने में सुनिधा चे जिल्हा अकि/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया आना चाहिए था, छिपाने में स्रिया के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिकत व्यक्तित्यों अर्थात—॥  श्री रामस्वरूप पुत्त श्री रेवड्मल श्रग्रवाल निवासी प्रतापगढ़ जिला जिला श्रलवर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजय सिंह मथुरिया
 निवासी श्री जगदीश प्रसाद मथुरियो
 निवासी 2 ए, जे० पी० कालोनी,
 टोंक फाटक,
 जयपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारों करके प्रविवत संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

# उच्छ सुन्दृत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालोद्ध--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की जनिष्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध को भी अवृष्टि नाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यक्सियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिलास में किए जा सकेंगे।

स्पष्डोकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियमः, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

# जन्सूची

प्लाट नं० 2 ए स्थित जे० पी० कालोनी, टोंक फाटक, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 2668 दिनोंक 25-11-83 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपूर

सारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर 🖫

मुक्य नार्ष<sub>ः</sub> द्वीः, एवः, एस<sub>न्-स-स-स-स्</sub>

नायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीन सुव्या

भारत सरकार

कार्णासब्, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

भ्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० भ्रजन/2440—श्रतः मुक्ते, भोहन सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवित्त जिसका उचित शाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-8 है तथा जो जयपुर स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 19-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

मतः अस, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की अनुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री ठाकुर भग्त सिंह पुत स्व० श्री देवी सिंह निवासी चोमू हाउस, अयपुर।

(श्रन्तरक)

2 श्री उमेश चन्द्र माथुर पुत श्री एम० एल० माथुर निवासी बी-8, परिवहन मार्ग, वीम् हाउस, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क़ पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्हर्भ अधिनियम के सध्याय 20-क में पीरुभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

प्लाट नं० बी-8, परिवहन मार्ग, चोमू हाउस, जयपुर भो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2649 दिनांक 29-11-1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर ७

प्ररूप आहर्तः, टी., एन्., एस,य------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के वभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3; नई दिल्ली जयपुर, दिनांच 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2441—अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं क्यान नं बी-145 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नावस, अक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के सिष्टु; जांडु/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने में सृविधा के सिए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ कर अपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् क्ष्र-- (1) श्री रामनारायण मायुर, पुत्र श्री क्याम नारायण माथुर, निवासी मकान नं० 145, मंगल मार्ग, बापूनगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णदास मालपाणी, पुत्र श्री द्वारकादास मालपाणी, निवासी फिल्म कालोनी, चौड़ारास्ता, जयपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो.भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्षितरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनस्यों

मकान नं बी-145 ए, मंगलमार्ग, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजीयका, जयपुर द्वारा कम संख्या 2673 दिनांकः 25-11-1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1983 ·

मोहर 🛭

# प्रकृष् वार्त्रे, टी. एन्, एस्,न्यान्य

# नाथकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्यीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर नायुक्त (निद्रीक्न्) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2442—अतः ्मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित बाजार ब्रूब्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए क्न्त्रित की गई है और मूझे वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा क्या प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उसत बन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है है——

- (क), क्रम्यरण, ये हुन्दं किसी जान की बायब सम्बद्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दारक के सम्बद्ध में कमी कर्याया उससे ब्लाने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा खन-कर अधिनियम, धा खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पर्यट न्हीं विक्रय को भा या किया जाना चाहिए था क्रिपान में सुनिधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /(1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री विष्णुलाल पुत्र श्री नवनितलाक्ष जी पानिरी, निवासी दुर्गा नसीरीरोड़, उदयपुर।

(अन्सरक)

(2) श्री बंगोलाल पुत्र श्री हरनारायण जी पालीधाल, श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र जगतार सिंह बेदी, श्रीमती कौंगल्या दुश्तर पत्नि श्री रूपचन्द पाहूजा, श्रीमती विजयलक्ष्मी पत्नि श्री रमेशचन्द जी, श्रीमती सुरेन्द्र कुमारी पत्नि श्री गोविन्द स्वरूप, श्रीमती संतोष कुमारी पत्नि श्री गमेश्वर कुमार, नि० उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्नत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्च 45 दिन की जनीं भाग तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतार;
- (क) इतं स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मस्ति में हितबबुध किसी बन्ध व्यक्ति बुदारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

# ग्रनुसूची

आराजी नम्बर 980, क्षेत्रफल ग्यारह बिस्या जो तहसील गिर्वाजिला उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा विकय कम संख्या 2560 दिनांक 14-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ , टी., एन., एस. \*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2443—अतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 रे(961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं भकान नं 16 का भाग है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983

की प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चल से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अभिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए श्रीह्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा •प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में सुविभा के सिए;

(1) श्री निरंजन दास पुत्र श्री परमानन्द अरोड़ा, निवासी 16, थर्ड ब्लाक्ष, ओल्ड आबादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पत्नि श्री सोहन लाल, 16 थर्ड ब्लाक, ओल्ड आबादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जम्स्ची

मकान नं० 16, तृतीय ब्लाक, पुरानी आबादी, गंगानगर जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 2385 दिनांक 15-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलि कित व्यक्तिकां अभित् हिन्स

दिनांक: 18-7-1984

मोहर ₿

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

# नासफर निधितियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2444---अतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सन्दित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मिकान नं 16 है तथा जो श्रीगंगानगर भें स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नोलिचित बहुदोश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिक क्या से किया वहीं किया गया है :---

- (क) अम्परण से हुप किसी जाय की वाबत प्रवल विधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/ा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धन का का का जाना चाहिए था, छिकों में मुलिया के लिए;

अतः अवः, उवतः यधिनियमं की धारा 269-मं के अनुमरणं माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीनः जिल्लीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :--20-206G1/84

(1) श्रो निरंजन दास पुत्र श्रो परमानन्द अरोड़ा, 16 यर्ड ब्लाक, ओल्ड आबादी, श्रोगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल पुत श्री रला राम राजपूत, 16 थर्ड ब्लाक, ओल्ड आबादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

सा यह सूचना बारी करके पृथां पत सम्मरित के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्विट ब्यारा अधेष्ठस्ताक्षरी कें पास जिस्ति में किए जा सकरें।

स्थल्डीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

## अनुसूची

मकात नं व 16 का भाग, थर्ड ब्लाक, पुरानी आबादी, श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 2586 दिनांक 18-11-1983पर पंजाबद्ध विक्रयपत्र में और विस्तृत . क्य से विवर्णित है।

> मोहत सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यक्त अतुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोह्यु 🖫

प्ररूप् आइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सेहायक आयकार अध्युक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्गन/2445-- अतः मुझे, मोहा सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1175 है सथा जो उदयपुर में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवितः, दिलांक 14 मार्च 1983।

को पूर्विक्त सम्पित्त के जीवत बाजार मूल्य में करा के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नूफे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्विक्त संपत्ति का जिप्त बाजार मूल्य उसके छश्यमान प्रतिफल से ऐसे छश्यमान प्रतिफल का कारणह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित जब्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए: और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिया को, जिन्हां भारतीय आयकर प्रथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनदार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविका के लिए;

(1) श्री मनसुखलाल पुत्र श्री वरदी जन्द जी धानमंडी, उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम नाल पुत्र थाः मोहनलाल जाः, प्लाट नं० 1175, सैक्टर 11, हिरणमगरी, उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के समध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समान्त होती हो, की भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर ईम्पित्त में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के ,पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

## नगुसूची

प्ताट तंश 1175, सैन्डर तंश 11, हिरगमगरी, उदयपुर जो उप पंजियत, उदयपुर द्वारा कम संद्या 2589 दिनांक 14-11-1983 पर पंजीवद्ध विकय पत्र में और विस्तृह रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह यज्ञम प्राधिकारी सहायक आयक्षर अध्युक्तं (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

भतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अगुमरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित स्पिक्तायों, सर्थात् :---

বিনাক: 18-7-1984

मोहर 😹

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. =====

**कायंकर अधिनियमं**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2446---अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० महार सन्पति है तथा जो जीधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची) में और पूर्ण रूप से विणित की स्विक्तीस्ट्रिक्ट स्थापन के स्वामित की स्विक्ती

है) रजिस्ट्रोक्त्र्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दरगमान प्रतिके के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चोद्य से उक्त अन्तरण निचित्त में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी प्राय की बायत, उपकी अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांकित में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा न दिलए: मॉर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्दा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्ति रिती युवारा प्रकट नहीं किया गया धा आ किया जाना चाहिए था, छिपान में भूविधा को शिक्टा

अतः श्राम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री धर्मवीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूर, निवासी रोहिट, जिला, पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय मेनन पुत्र श्री राजन मेनन, धर्मनारायणका हाता, जौधपुर ।

(अन्सर्रितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# **अम्**स्ची

मकान सम्पत्ति, पी० डब्लयू० डी० कालोनी, रातानाड़ा, जीधपुर जो उप पंजीयक, जीधपुर द्वारा कम संख्या 3364 दिनांक 18 नवस्वर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पद्ध में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोह्न सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-7-1984

प्ररूप बाईं. टी. एव. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2447--अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं विश्याग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः नग, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री धर्मबीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी रोहिट जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी विजयलक्ष्मी पुत्री श्री यू० पी० आर० मेनन, धर्मनारायण का हाला, जीधपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावतीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धा का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20 क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा विया गया है।

### नमुस्पी

मकान सम्पत्ति का भाग,पो० डब्ल्यू० डी० कालोनी, राता-नाड़ा,जौधपुर जो उपपंजीयक,जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3365 दिनांक 18-11-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भोरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2448--अतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव मकान सम्पत्ति है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय जौधपुर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवस्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह पिश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एये अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा कें सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज सार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:— (1) श्रोधर्मवीर सिंह पुत्रश्री विरेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी रोहिट जिला पाली।

(अन्सरकः)

(2) श्रांमती निलनी आर० मेनन, पत्निश्रीपी० आर० एस० मेनन, निवासी धर्मनारायण जीका हाता, जौधपुर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त ज्ञान्यों आर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्सूची

मकान सम्पत्ति स्थित पी० डब्यू० डी० कालोनी, राता-नाड़ा,जौधपुर जो उपपंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 3366 दिनांक 18-11-83 पर पंजिबद्ध विकयपत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-7-1984

> थारा 269-ष (1) के सधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984 निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2449—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राम्थिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकापी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरण सह्य किसी अप की बाबत, उक्त अधिनयन के अधीन कर बाने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने ना उसते वनने में सुविधा की कि श्रीका
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

> (1) श्री मीठा लाल, जगवीण चन्द्र व, चमनलाल पुत्र श्री भंवरलाल जी माली व श्रीमती गंगाबाई बेवा श्री भंवरलाल, नि० एम० बी० कालेज के पास, उदयपुर ।

> > (मन्तरक)

(2) 1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चतरलाल जी जोशी नि॰ श्रायड, उदयपुर।

- श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री चतरलाल जी दोशी निवासी ग्रायड, उदयपुर
- श्री जगदीश लाल पुत्र श्री गोपीलाल जी भट निवासी हजारेण्वर कालोनी, उदयपुर ।
- श्री नन्द लाल पुक्ष श्री लालचन्द जी पामेचा नि० श्रायड जिला जयपुर ।
- श्री भवरलाल पुत्र श्री हीरालाल जी कुम्हार
   नि० उदयपुर ।
- 6. श्रीमती रतन वेबी पत्नि श्री मोहनलाल जैन नि० उदयपुर ।
- श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री मांगीलाल चित्तोड़ा, निवासी अशोक नगर, उदयपुर ।
- 8. श्री गणपतलाल पुत्र नन्दलाल जी तलेसरा निवासी श्राङ्ग तह० नाथद्वारा ।
- श्रीमती कुसुम लता पत्नि श्री सुरेश कुमार जैन निवासी ध्रशोकनगर, उदयपुर ।
- 10. श्री बालजी भाई निकरू पुत्र नारायण जी पटेल निवासी उदीयापोल, उदयपुर ।
- 11. श्री भैरूलाल पुक्ष मोडीलाल जी नरसिंहपुरा निवासी मंडी, उदयपुर ।
- 12. श्री राजकुमार पुत्र श्री लक्ष्मीलालजी चित्तोड़ा निवासी मंडी, उदयपुर ।
- 13. श्री सोहन लाल पुत्र श्री खेमराज गर्मा निवासी उदयपुर ।
- 14. श्रीमती दुर्गावेबी पत्नि श्री गिरीराज गर्मा निवासी उदयपुर।
- 15. श्री सज्जन मल पुत्र श्री माणकचन्द जी मेगावत निवासी नयापुरा, उदयपुर ।
- 16. श्री लक्ष्मीदेवी परिन कालूलालजी मोली, निवासी आयड जिला उदयपुर ।
- 17. श्री मोहत कुमार पुत्र श्री श्यामसुन्वर शर्मा निवासी फतेहपुरा, उदयपुर ।
- श्री भंतरलाल पुत्र श्री छोगालाल जी सिगबी निवासी ग्रायङ, उदयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्थन् के ट्रिसए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायीश से 30 दिन की जनिय, जो भी सन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायद्व संपत्ति में हितवक्ष

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जीधीनयम, के अध्याय 20 क गें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

कृषि भूमि ग्राराजी नम्बर 1057 व 1058 क्षेतफल 1 बीधा 3 बिस्वा स्थित उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2714 दिनांक 29-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहर:

. **प्ररूप आइ**ं.टरे.एन.**ए**स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2ू69-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय<sup>\*</sup>, सहायक बायकर राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2550—ग्रतः मुझे, ~ मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पन्ति, जिसका उचिन बाजार सन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 112 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का लीचत वाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में बास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के उत्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में मिलिका के लिए; और/या ्थ) तमी किर्मा प्रतियो प्रक्रियो पन या अव् आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुदिधा के लिए:

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> (1) श्रीमती ग्रचल बाई विधवा स्व० श्री होतचन्द, श्री किशनचन्द्र व श्री तेजुमल उपनाम कारूमल, पुतान श्री होतचन्द, निवासी 332 सैक्टर 2 जवाहरनगर, जयपुर।

> > (ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री किशनचन्द, निवासी प्लाट नं० 172 सिधी कालोनी, बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शास्त्र करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता की
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमे प्रतृता कव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकात नं० 112, वापूबाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कप संख्या 2583 दिनांक 10-11-1983 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायक:र अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1984

. निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2451—अतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं कान नं 3768 से 3779 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक 25 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उद्देश से उच्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त निवस के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य में कनी करने वा उत्तरे वचने में तृत्या के लिए: और/या
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन था अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एकोधनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सृविधा के सिए;

कतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्री मोहनलाल पुत्र श्री हजारी साल जी गोयल, गोयल भवन लंगर के बालाजी का रास्ता, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माणक चन्द पुत्र श्री हजारी लाल जी, निवासी गोयलभवन लंगर के बालाजी का रास्ता, जयपुर।

(ब्रन्तरिती)

करे यह सुचना जारी करके प्योक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियों करदा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी काओड़ ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन-की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंने।

स्यव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, भी उथत जिथिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं भूथ होगा जो उस मध्याय में वियान गमा है।

# वन्स्पी

मकान नं० 3768 से 3779, सिवाड़ हाउस, गणगीरी बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2664 दिनांक 25-11-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में घ्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 18-7-1984

प्ररूप आहे: टी. एन. एस., रन्टान्टरन्टर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2452—अतः भुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं बुकान नं 20/1 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हाँ और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रक्ष्यमान प्रतिफल से, एंमें रक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षण निम्मीकियत उद्वर्ष से उक्त बंतरण मिचित में बास्तिक क्षण से किथत नहीं जिया गया है:---

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उचल जिल्लीन्यम के जभीत कार बोने के जंतरक के बासित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवित्त व्यक्तियों, अधीत, :---21--206GI|84

(1) श्री राम शिक्ष पुल श्री लक्ष्मीनारायण सिंह, श्रीमती शांति देवी पत्ति श्री राम सिंह, निवामी भगवान भवन, जाट के कुवे का रास्ता, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीनारायण खण्डेवाल पुत्र श्री छोटूलाल, निवासी 7, सीकर हाउस, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त स्मित्तयों में से किसी स्मित्त द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्यों और पद्धों का, वो उन्ह अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित इ., वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया पद्मा इ.

## नन्स्ची

दुकान नं 20/1 का श्राधा भाग, चान्स्पोल बाजार, जयपुर छोटी कौपड़ के पास जो ऊण पंजियक, जयनूर द्वारा कम संख्या 2596 विनांक 14-11-83 पर पंजिबद विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, जयपुर

विनाम: 18-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्वेश सं० राज०/महा० ग्रा० श्रर्जन/2453—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 20/1 है नथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 सबस्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सिंह, एवं श्रीमित णान्ति देवो पत्नि श्री राम सिंह वगरा, भगवान भवन, चान्द्रपोल बाजार, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रानन्दी देवी पत्नि श्री विजय नारायण खंडेवाल. निवासी तालुका भवन, मिश्र राजा जी का रास्ता, चान्दपील ब्राजार, जयपूर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक गै।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्स्ची

दुकान नं 20/1 का ग्राधा भाग, शान्यपोल बाजार, छोटी चौपड़ के पास, जथपुर जो उप पंजियक, जथपुर द्वारा कम संख्या 2595 दिनांक 14-11-83 पर पंजिबद्ध विकथ पक्ष श्रीर विस्तत रूप से त्रिवर्णित है।

> मोहन सिह, सक्षा प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 18--7-19**8**4

# प्रकृत बाह्य, टी.. एत्., एस. ------

मायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ण (1) को अभीन स्थना

#### भारत बरकाड

कार्यालय, शहायक आयकार वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4871—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1172 है तथा जो गंजीपुरा, जबलपुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक नवम्बर 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गवा प्रतिफल, भिम्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित् के बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गवा है है

- (क) अन्यत्रण सं हुद्दं किसी बाग की वावस्त, स्वतः अधितित्वम के अधीन कुट्ट दोने के अन्यरक के दामित्व में कभी करने वा उससे न्यूमें में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के तिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सुधीन, निम्निसिक्क स्थितवर्गों स्थित :--- (1) श्री ज्ञानचंद संतोष कुमार एवम् सुभाषचन्द्र गुप्ता, सभी पुत्र रामगोपाल गुप्ता, 1173, गंजीपुरा, जबलपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्री फूलचंद सेठ पिता श्री कन्हैयालाल सेठ, एवम् श्रीमती शशिप्रभा सेठ, साउभ मिलनगंज, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथींकतः संस्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाश्रंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनिश्च या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म क्यक्ति हवारा अभाहस्ताक्षरी के पाक सिक्ति में किए का सकति।

स्पस्टीकरण.---इसमें प्रयूथित शब्दों और पदों का, वा उवस अभिनयम के अभ्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हांगर, जो उस अभ्याय में दिया प्रमा

## वनसूची

मकान नंबर 1172, गंजीपुरा जबलपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार धरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🛭

# प्रकण बाह्री.टी.एन.एस. -------

# नायकार मृत्पित्यम्, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

### भारत सरकार

न्सार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4872—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संब्दुमंजिला मकान है तथा जो समाधान बिल्डिंग, गंकर नगर, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवस्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूख्य सं कम कं रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्के यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूख्य उसके रश्यमान प्रतिफल के एसे ध्यममान प्रतिफल का पन्तृ प्रतिस्त सं अधिक है और जंतरका (जंतरका) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का , मिक्निसिद उद्देश्य से उस्त अन्तरण निचित में बास्तिक क्य सं करिशत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संदुर्घ किसी नाय की वाबत, बक्त अधिनियम के सधीन कर वोने के अन्तरक के दासिएन में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (व) ऐसी किसी भाग ना किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत जीधिनियम, या धनकर जिथिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनी किसीरिती क्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किसी की सीहर का किसीने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मनीरमा दाँदेकर, पत्नी श्री गोविन्द गनेश दांदेकर, निवासी-शांतिनगर, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मनोज कुमार मित्तल (ग्रग्नवाल), पिता महादैव लाल मित्तल (अग्नवाल) निवासी जवाहर नगर, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

भी यह बुचना चारौ फरके पृश्नोंक सम्परित के अर्चन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## मन संची

दुर्माजला मकान (समाधान) जिसका नाम है, शांतिनगर रायपुर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम<sup>्</sup>प्राधिकारी, सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

विष: वर्ष, वक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक भी, मी, सक्त विधिनियम की भारा 269-व की स्टमाप (1) भी अभीन, नियमिनिक्रिय व्यक्तियों, अथित :---

विनांक : 6-7-1984

प्रक्ष मार्च . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सं:०/अर्जन/भोपाल/4873---यतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसके। स० दुमिजला मकान (समाधान) है तथा जो शांतिनगर, रायपुर में स्थित है मैं श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्राकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ:---- 1० श्रीमतः मनोरमा वादेकर, पत्ना श्री गोविन्द गनेण दादेकर, निवासी-णातिनगर, रायपुर ।

(अन्तरक)

2० श्रं। विजय कुमार अग्रवाल, पिता श्रं: भार० जी० अग्रवाल, निवासी—समाधान० विल्डिंग, रायपुर ।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पृष्ठित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जाहियां करता हुए।

उक्त रापोत्त क अजन के सब्बंध मा कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस स्चना के राज्यक्ष मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि कात्र मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तिए में में किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मो हितयद्वध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — प्रससं प्रयुक्त शक्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विवा गया

#### मम् स्वी

दुमजिला मकान (समाधान) बिल्डिंग का भाग, शांतिनगर, रायपुर में स्थित है ।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयु त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-19**8**4

मोहर 🖫

प्रकप् आहुँ ही एन् , एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4874---यतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका स० भूमि है तथा जो मौजा सेकाखेड़ा, रायपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से व्यक्ति है) रजिस्ट्रोकक्ती अधिकारों के कायलिय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कि कारण है कि अधानुर्विकत संपत्ति का जीचन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित के वास्तविक स्थ से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण क्रं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—⊶

1 श्री धीरेन्द्र कुमार पिता श्री कबूलचन्द गर्ग, एव अन्य०, निवासी मौदाहापारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

2 श्रो श्रोपेश कुमार, पिता श्रो कवरलाल गुप्ता, निवासी 75/11, पटेलनगर, लुखियामा (पजाब०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं सूर्य होगा जो उस अध्याम में विया नया है।

# नन्त्रची

भूमि मौजा सेड़ीखेड़ी, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यक्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार धरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक्र,) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

् निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4875--यतः मुझे, धीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो मौजा सेडिखेंड़ी, रायपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दल्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्निलियित उद्दोष्य से स्वत्त अन्तरण निचित्त में वास्तर-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना वर्गहुए था छिपाने में स्विपा के लिए;

अत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  1 अत् धंतरेन्द्र कुमार बल्द कब्लल्ब गर्ग अगैरह, निवामो-मौदहापारा, रायपुर ।

(अन्तर्यः)

2 श्रामता मुशाला पति स्व० धर्मप्रकाश गुप्ता, निवासं।-ल्रिधयाना (पजाब) ।

(अन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वीयक्ष सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्पृतित को अर्जन को सम्बन्ध मी काई भी गाओंच :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या क्तियों में से किसी क्या चित्र द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## समस्यी

भूमि, मौजा ने ड्रिक्वेड्रि, रायपुर मे स्थित है जिसका बियरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण,) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 6-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप कार्ड. टी. एन , एस . - - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन मुखन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4876--अतः, मुझे, बीरेन्द्र कुमार बनरवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि ख० न० 386 का भाग है तथा जो मौजा सेरोखंडी, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे ज्ञपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है० रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योध्य से उकत अन्तरण जिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण पं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधील :---

 श्रा धारेन्द्र कुमार वस्य कबूलहुट गर्म वगैरह. निवास, भीदहायाम, त्रायपुर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती अनाता पति राकेश कुमार गुप्ता, निवासी-लुधियाना पंजाब ।

(अन्स(रती)

को यह स्चना जारी करके पृथेकितः सम्पत्ति के अर्जन के लिए । कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किमी क्यक्ति बुवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिनबद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया क्षे

#### अन्स्ची

भूमि ख० न० 386 का भाग, मौजा मौदहापारा, रायपुर में स्थित है। यह वहं स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>र</u>ा 269-म् (1) के अधीन तुम्ना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4877--म्रतः ममे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० भूमि ख० नं० 621 है तथा जो मौजा तिफरा जिला बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बिलामपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 19 08 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बूट्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुए अिसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्हों का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में वृष्या के तिहर;

(1) श्रो लिलत कुमार पिता शिराती मास्टर, निवासो-मंगेली जिला बिलासपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सी० दी० लाल पिता श्री डो० जी० लाल. निवासो-मगरपारा, बिलासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस स्वाना के ऱ्राजयत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। नमा है।

## अनसची

भूमि, ख० नं० 621, मौजा तिफरा जिला बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपान

दिनांक: 6-7-1984

प्ररूप : आहुर . दी . एव . एस . ------

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4879—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० प्लाट, ख० नं० 499/18 है तथा जो बिन्द्रवन बार्ड, सागर में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नथम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी बायः की बाबतः, सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में मुक्किश के लिए; बर्रिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्त भीतिए ता जिल्ला के सिक्षा के सिक्षा

कताः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्री पीतोम्बर प्रमाद वस्द श्री शिवप्रसाद पाठक, निवासी—गोपालगंज, सागर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो गायतो यादव पत्नो श्री लक्ष्मीनारायण यादव, निवासो-परकोटा बार्ड सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन से लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य स्थितित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनसूत्री

प्लाट, ख $\circ$  नं $\circ$  499/18, विन्द्रायन वार्ड सागर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

प्रथम बाह्र . टी . एन . एस . .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपास

भोपाल, विनाक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4879—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- फ. से अधिक हैं

जिसकी सं० प्लाट, ख० नं० 499/8 है, तथा जो विन्द्रावन वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गहाँ हैं और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निलिदित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसीं भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/ या
- ह) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विभिन्नम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मृन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूर्विधा वे सिए;

मतः जब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अधीत ु--- (1) श्री पीताम्बर प्रसाद बल्द श्री शिवप्रसाद पाठक, निवासी-गोपालगंज वार्ड, सागर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार बल्द श्री छोटेलाल जैन, निवासी-अरियाघाट, सागर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इद सुमता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (च) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी कन्म स्थित ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निभित्त मों किए जा सकोंने।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## **बन्**त्रजी

प्लाट, ख॰ नं० 499/18, बिन्द्रावन वार्ड सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका छः विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 6-7-1984

मोहर्ः

# प्रकृष मार्च, टी. एक् अस्,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4880—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 37/1, 37/2 है तथा जो गुरू गोविन्दिसह वार्ड सागर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकत्ति श्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी काय या किसी अन या कला आहितयों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिभा के जिन्हों;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् हु— (1) श्रीमती भागवंती बाई पत्नी परमानंद चौबे, निवासी-परकोटा वार्ड, सागर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल वल्द क्यामजी भाई पटेल गुजराती, निवासी-भगवानगंज वार्ड, सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कहुके पूर्वोक्त संपरित के जर्बन के हैं कप कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुल्यो

भूमि खा० नं० 37/1, 37/2, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा स्त्यापित फार्म नंबर 37 में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 6-7-1984

माहर 🛭

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/4881---श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सूमि ख० नं० 37/1, 37/2 तथा जो गुरू गोबिन्द सिंह बार्ड, सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रांकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय सागर में रिजिस्ट्रांकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधेन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त सिधिनयम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती भागवतीबाई पत्नी परमानंद चौबे, निवासी-परकोटा वार्ड, सागर ।

(श्रन्तरक)

(2) न्यू गनेश सा मिल सागर, प्रो० हीरालाल बल्द श्यामजी भाई पटेल, निवासी-भगवानगंज वार्ड, सागर।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# जनसूची

भूमि ख० नं० 37/1, 37/2, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती क्षारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जो में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🏻

# प्रस्थ बाइँ ु टीं ु एन ⊴ एस ५ ल - - ----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्वता

### भारत सहकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4882—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का लारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान एवंम् गोदांम है तथा जो मौजा डुमर-तालाव, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकक्तां श्रीधकारों के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वागत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कभी करने या उत्तर्ध वचने में सुविधा के दिनए जार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा अहे सिए#

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निस्नितिश्वत अधिनायों, वर्षात् ह— (1) श्री हरीग्रोमप्रकाश वल्द हुकुमचंद वर्गैरह, निवासी—सीताबाड़ी, नागपुर हाल, मुकाम रायपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार वह्द सम्पतलाल कोठारी, निवासी-शंकर नगर, रायपुर।

(भन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परितृ के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अन्सूची

भवन एवंम् गोदाम, प्लाट परिवर्तित भूमि ख० नं० 3 पर, मौजा डुमरतालाब, रायपुर में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायंक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

# प्रकृष बाहु 🖫 हरित पुर्व 🖟 प्रकृतन्त्रन्तन्त्रन्त

भागकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के स्थीन स्थान

## ब्राइक ब्रह्मार

कार्यातय, सहायक आयकतु आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, मोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4883—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 221 है, तथा जो ग्राम तिलीगॉफी तह० सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पृथांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्पेमार प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इस्पेमान प्रतिकास से, एसे इस्पेमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तम पाया गया प्रतिकास, निम्निनिक्त उद्योचन से उस्त अन्तरण सिचित के बास्तिक सम्भ से किथत नहीं किया ग्या मृतका के सम्मान करा से किया स्था से किथत नहीं किया ग्या मृतका करा से किया स्था से किया नहीं सिचा ग्या मृतका करा से किया स्था से किया नहीं सिचा ग्या मृतका स्था से किया करा से किया स्था से किया नहीं सिचा ग्या मृतका स्था से किया से किया स्था से किया से किया स्था से किया स्था से किया से किया स्था से किया से किया स्था से किया सिका से किया से कि

- (क) अन्तरण से शुंह किसी आय की बाबता, उक्त क्रिभियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीवत्य में कभी करने वा उससे यचने में श्रुविधा के शिए; आदि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना भाष्टिए था कियाने से सुविधा के सिए;

ब्रहः ब्रबः, सक्त क्रीविनियम की भारा 269-म के कन्नरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की भारा 269-म की सपभारा (1) वे अभीन, मिस्निन्छित व्यक्तिमों, जर्थात् ह— (1) श्री देव हनुमानजी सार्वजनिक न्यास वृन्दावन सागर द्वारा महत्त हरभजनदास चेला प्रमदास वृन्दावन बाग, सागर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विन्द्रावन धाम गृह निर्माण सहकारी संस्था बड़ा बाजार सागर द्वारा श्रद्ध्यक्ष प्रकाश वाड़िया वस्त्व रामप्रसाद वाडिया, सागर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपृतित के वर्षन के निष् कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों नष् सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबव्ध फिसी अन्य व्यक्ति इवारा क्योहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

इपक्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूषे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## जन्सची

भूमि ख॰ नं॰ 221, ग्राम तिलीमोंकी तह । सागर में स्थित है। जिसका विवरण श्रम्तरिती द्वारा सस्यापित कार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रावुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रेंज, भोगाल गंगोस्री बिल्डिंग, भौगी मंजिल टी० टी० नगर, भोगाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4884--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

ौर जिसकी सं ० भूमि ख ० नं ० 230 है, तथा जो मौजा तिली माकी तह ० सागर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल्त में बास्तिक क्यू से किवल नहीं किया ग्या है है——

- (क) जनतरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्री देव हनुमान जो सार्वजितिक न्यास वृन्दावन बाग, सागर द्वारा महंत हरभजनदास चेला ग्रेमदास वृन्दावन सागर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सागर कृषि गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित मोहन वार्ड सागर द्वारा श्रश्यक्ष रिवर्णकर बल्द नाथू राम सिश्रा मोहन नगर वार्ड, सागर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त 'सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप ु--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहम्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मनसंची

भूमि ख॰ नं॰ 230, ग्राम तिली मॉफी जला सागर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पन्ति है, जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहिस है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-198**4** 

मोह्यु 🛭

# थक्य नाहाँ टौं. एम्. एस .----

नापकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक) प्रजेन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रांई० ए० सी०/श्रर्जन/मोपाल/4885—ग्रतः मुझे, नीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 189 है, तथा जो ग्राम तिलीमाफी तह० सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का प्रसुद्ध प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कीक्स मही किया नवा है :——

- (क) नन्तरण सं हुद् किती जाव की वावत उबत जीध-नियंत के ज्थीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कभी करने या उबसे वचने में सुविधा के किए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय पा किसी भन मा जन्म नास्तिनों कारे, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत :— 23—206GI/84

- (1) श्री महन्त हरी भजन दास चेला महन्त प्रेमदास मुहाचेतकार श्री देवहनुमान जी सार्वजनिक न्यास वृन्दावन वाग, सागर ट्रस्ट नं० स/252 ।
  - (अन्तरक)
- (2) संगूम गृह निर्माण सहकारो समिति मर्याधित सागर (श्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षियान 🦿

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वलीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवासित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिट-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रूप: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 189, ग्राम तिलीमाफी, सागर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति में जिसका विवरण ग्रस्तरिती द्वारा सत्या-पिक्ष फार्म नं॰ 37 जी में भी निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त श्रजंन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-84

प्ररूप आहें.टी.एन,एस.-----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4886—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर मिपिनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिपिनमम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 8/2 व 9/3 है, तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० व जिला इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद स्रानुसूची में श्रीर पूर्णेहप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुक्रिश के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिश्वित अपिन्तिमों, अर्थात् ॥——

(1) श्री लक्ष्मीनारायण पिता गोविन्द खाली निवासी---विजलपूर, इंदौर ।

(श्रन्तरक)

(2) म० ग्रहिल्या माता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, इंदौर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ज़बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ कोगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

# अगृत्यी

भूमि ख॰ नं॰ 8/2 व 9/3, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह व॰ जिला इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7~1984

प्ररूप कार्च .टी .एन् .एस .; - - --

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण), श्रापंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० माई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपास/4887—न्न्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट्स है, तथा जो ग्राम रायपुरा तह० शाह नगर, जिला पन्ना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नयी दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जान की वानत, उनक जीर्थीनयम के जंधीन कर दोने के जुन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जंपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध (1) श्रीमती मान्ती भर्मा पन्ना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रघु हरी डालिमया (एच० यू० एफ०) 4, सिंधी हाउस, नयी विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औा भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर वृजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्ज्यी

भूमि, प्लाट नम्बरसं 512/2, 513/517, 518, 526/1, 527/3 527/4, 528/8 ख० नं० 596 ग्राम रायपुरा तह० शाह नगर जिला पन्ना में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्थापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित हैं।

त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल
ं सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राथकर घायुक्त (निरोक्षण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल
गंगोती बिल्डिंग, बौथी मीजल
टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-19**8**4

माहर 🕄

प्रकण आहें 🖟 ट्रीज एन 🖰 एस 🚉 --------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/ 4888—-प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर्स 509, 510, 511, 512/3, 518/3, 519/520,526/1 है, तथा जो ग्राम रायपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय, नयी दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा 'पन्ना।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रजय हरी डालमिया, 4, सिधी हाउस, नयी दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वों क्स सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दाँ और पर्दों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्तित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

भूमि, प्लाट नम्बर्स 509, 510, 511, 512/3, 518/3, 519/520, 526/1 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🐠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4889--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० भूमि, प्लाट नम्बर्स 514/532/3, 533/3, खाला नम्बर 596 ग्राम रायपुरा तह.० शाहनगर जिला पन्ना है, तथा जो पन्ना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रकृ्यों में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, नयी दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती शान्ती जर्मा पन्ना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री यदु हरी डालिमया, (एच० यू० एक०) 4, सिधी हाउस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

भूमि, प्लाट नम्बर्स, 514, 532/3, 533/3, खाता नम्बर 596 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिनी बारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक, घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, भोषाल), गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषास

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्ता कार्यः, क्षीः, **एम्. एस्**,--------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4890—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० भूमि, प्लाट नम्बर्भ 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 है, तथा जो ग्राम माहनगर जिला पन्ना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, नयो दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं हुं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फम्, निम्म्मिचित उद्वेद्य से उच्च अन्तरण लिचित में वास्त्विक क्य से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचले में सुविधा के सिए; बीट/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या जन्य आस्तियों अर्ग जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप्धारा (1) के अधीन, जिम्मिलिकित स्थिक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा जिला----पन्ना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो एच० एम० डालिमया (एच० यू० एफ०), ए० एच० डालिमया (एच० यू० एफ०), श्री वाय० एच० डालिमया, 4 सिंघी हाउस नयी दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन जो लिए कार्यवाहियां करता हुं।) जकत सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों करा, अपनित देवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हित्यवृथ् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे;

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत विधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गमा है।

#### अवसंची

भूमि, प्लाट नम्बर्स, 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 ग्राम रायपुरा तह० गाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्प्रति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टो० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🛭

# प्रस्क नाइ . सी . इन . एस . -----

बाबकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4891—-ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० मकान है, तथा जो श्रधरताल, जवलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके रब्धमान प्रतिफाल से, एसे उत्पादन प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण कि स्वित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है एन

- हैंका) जन्तरक से हुइ किसी जाय की वाबतः, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्ताः, ज्व , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग की जन्मरण में , में , एक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्निसिखित व्यक्तिस्यों , अधीत् ः— (1) मेसर्स हिन्द कापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० प्रध्यक्ष श्री राजेश श्रग्रावाल, 173 सराफा वार्ड, जबलपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र भार्गव पिता श्रीचन्द भार्गव 11, एम० श्राई० जी० आनन्द नगर, जबलपूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

मकान, कारपोरेशन नम्बर 182/1 एवम् भूमि, ग्रधरतला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकार। (निरीक्षी महायक श्रायकर ब्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मजिल टी० टी० नगर, भोपाल ।

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप. मार्च. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/ 4892--श्रतः मुक्को, वीरेव्य कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० डायवरमन प्लाट नम्बर 49 का हिस्सा, मकान नम्बर 1160 की है, तथा जो गुप्तेश्वर वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्रप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेक्ष प्रतिस्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः। अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, बीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीम, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती माया मुखर्जी जोजे श्री ग्रार० मुखर्जी द्वारा मु०खास बो० ग्रार० मुखर्जी वल्द स्व० श्री हरिसाधन मुखर्जी निवासी—टाईप-5 बंगला टेलीकाम फॅक्टरो टाउन, शिव वेवनार, बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमलाल भल्ला धारमा श्री लाला देगामित भल्ला , निवासो—नागपुर रोड, प्रेमनगर, जबलपुर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्तं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की उपरिकास के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

# मन्सूची

डायवरसन प्लाट नम्बर 49 का हिस्सा मकान नम्बर 1160/ बो/बो/ए, गुप्तेक्वर वार्ड जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण भन्तरितो द्वारा सत्वाणित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो (निरोक्षी सहायक मायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोवी विल्डिंग, चौथी मंजिल टी०टो०नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-1984

मोहरः

प्रकप बार्ष, दी, एन, एस, -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्र (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

े भोषाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सो०/म्रर्जन/भोपाल/4893--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ही

श्रीर जिसकी म'० प्लाट नम्बर 62 पर बना हुन्ना मकान है, तथा जो इंबीर विकास प्राधिकरण स्कोम नम्बर 31, सर्वोदय नगर, इंदौर में स्थित हैं (ग्रोर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण स्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नथम्बर 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बहुयद्वान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्दोश्य से उस्त अंतरण लिखित में थास्त्रविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए`सी किसी अस्य या किसी धन् या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधीनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

- (1) श्रोमती पूनमदेवी पति विशनदास **४द्रपुरी** कालोनी, म० न० 323 , **इंदौर** । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती साधु वासवाणी को० भ्रापरेटिव हाउसिंग सोम(यट) मयोदित इंदौर तरफे अध्यक्ष अहबदास पिता तृलसीदास मुंजवानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पुर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 विन की अविधि या तत्सम्धन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित∽ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पण्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागमा है।

# बन्द्रवा

प्लाट नम्बर 62 पर बना हुन्ना मकान, इदौर विकास प्राधि-करण स्कीम कमांक 31, सर्वोदय नगर इदीर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षो सहायक भ्रायकर आयुक्त म्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोक्षो बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो० टो० नगर, भोप∷न

विनांक : 12 -7-1984

मोहर:

24-206GI/84

प्रदाह हो है एवं. एस . -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## BISE STREET

...

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्राजैन/भा पाल/4894--ग्रतः, मुझे, बीरेन्द्र क्मार वरननाल,

आयाजर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसको संज जाट जम्बर एस-72 पर बना हुन्या मकान है, तथा जो सर्वोदय नगर, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्या ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदोर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

कर पूर्वेक्त सम्पित के उजित बाजार मृत्य में कम के रूर्यमान भौतिक के लिए अंतरिश की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथाप्त्रेंक्ट संपित्त का उचित बाजार बुक्य, उल्के रूर्यमान प्रिक्ति से, एसे रूप्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिशत उद्देश्य से एक्त बन्तरण सिचित में बास्तिक स्थ में किथत नहीं किया गया है:--

- (क्ष्र) व्यस्तरण से हुई किसी काब की बाबल. उक्ष्म अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के वायित्व में कनी करने वा उक्षक बजाने में सुविधा जी किय; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना चाहिए था, जिल्लाने के स्विभा के लिए।

ं अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्भरण में, मैं, उक्ष अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो परमानन्द पिता श्रो लखमीचन्द जी, तरफे श्राम मु० शंकरलाल पिता, नेवन्दरामजी निवासी——बी—58, बी० के० सिधीकालोनी, गली नम्बर 2, इंदौर ।

(प्रन्तरक)

(2) साधू वासवाणी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी मर्यादित 367/368, साधू वासवाणी, इदौर तरफे) श्रम्यक्ष श्री उद्भवदास मंजवानी ।

(भ्रन्तरिती

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भे अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वाब्तयों में से किसी स्पृतित इवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति मों हितवस्थ किसी बन्ध व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी की पास जिल्ला मों किस वा सकोंगे।

स्वाधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्वी

प्लाट नम्बर एस∽72 पर बना हुआ मकान, सर्वोदय नगर इंदौर में स्थित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल गगोती बिल्डिंग, चौथो मजिल टी० टी० नगर भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अजन/भोपाल/4895--अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं म्यु पा नं 40 है, तथा जो साउथ हाथोपाला रोड इंबीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांका नवस्वर 1983

को प्योंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्र्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से ऐसे द्र्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो सुलेमान पिता रसूल बक्ष व अब्दुल रहमान पिता सुलेमान जी ।
  निवासी → 40, हाथीपाला रोड, इंदौर ।
  (अन्तरक)
- (2) फारुख एण्ड कम्पनी 40 साउथ हार्थापाला गोड, इंदौर तप्फे पार्टनर मोहम्मद हारून पिता मोह० फारूख ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाहांप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी ज्योक्तवा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, ओं उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसुची**

म्यु पार्वा ४०, मकान साउय हाथीपाला रोड, इंदोर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षेम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भाषाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल दों० टों० नगर, भोषाल

विनांक: 12-7-1984

प्ररूप नाही, टी : प्रना, प्रसार का का कारक

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4896---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रुक्त सं अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 174 बी है, तथा जो संगम नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रामबाबू नन्नूलाल शर्मा7, भोंसले की गोठनया बाजार, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता परनी श्री मदनलाल जी शर्मा निवासी--44, मेन स्ट्रीट, इंदौर ।

(अन्ततिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननसची

मकान नम्बर 174, बी संगम नगर इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सर्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु---

विनोक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ<sup>5</sup>. टी: एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल विनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोगाल/ 4897--अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ह. से अधिक है

और जिसकी संज मकान नम्बर 174 बी का भाग है, तथा जो संगन नगर कालोंनी, इंदौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनं मे सूविधा के लिए; और/या
- (ष) गृनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिन? को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रामबाबू नन्तूवलाल शर्मा7, भींसले की गोठ, नया बाजार,ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमदनलालजी कस्तूरचन्दजी शर्मा 44, मेन स्ट्रोट, इंदौर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तथों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास सिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सन्धाय में दिया। यस है।

## अनुसूची

मकान नम्बर 174 थी का भाग, संगम नगर कालोनी, इंदीर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

दिनोंक : 12-7-1984'

# प्रस्य आहें, टॉ. एव. एए.-----

बायकर बिधुनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेण सं० आई ए० सी०/ अर्जन / भोपाल/4898 --- अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवालं,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 174 पर बना हुआ मकान का भाग है, तथा जो जवाहर नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है ), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

को पूर्वाक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिभीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; जाँद/या
- (ख) एरिन किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1)। के सभीन मिम्मसिसिस व्यक्तियों, क्यांत ढ़—

- (1) 1 श्री मनमोहन पिता माधव राव मुंशी
  - 2. श्री अरविंद कुमार
  - 3. श्री क्याम कुमार पिता माधवराव मुंशी
  - मनोरमा बाई पित माधव राव मुंशी निवासी-294/2 जवाहर मार्ग इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० जाप हुसैन पिता सैफुद्दीनजी, निवासी 3/1, दीलतगंज, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्पित्तयों में से किसी स्पित्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पन्धिकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा हैं।

#### संत्राची

प्लाटनस्वर 724 पर बना हुआ मकान,का भाग जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथो मंजित्र टी॰टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-84

प्रूरूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचनां

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्वेष सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4899 খন: मुझे, विरिन्न कुमार वरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड कमांक 210 बंब नंव 55 है तथा जो में दिन है (और इाथे उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 11) के प्रधीन, दिनांक नमस्वर 1983,

को पुनो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिष्णल से, एसे दश्यमान प्रतिष्णल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अन्तने या उसमें बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राष्ट्र अभिनयम, राष्ट्र अधिनियम, राष्ट्र अधिनियम, राष्ट्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सिन्न के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) 1. श्री कमल कुमार
  2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्री भोजराजजी जैन, ग्रग्नवाल,
  नीमच-2 जिर्मे म० ग्रा० श्री ग्रगोक कुमार पिता
  श्री भोजराजजी जैन ग्रग्नवाल, नीमच-2 (म०प्र०)
  (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण अवतार पिता श्री रामकिणन जी गोयल, निवासी -नीमव केण्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध , जो नभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदा स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

# **अनुसुधी**

भूषण्ड कमांक 210, बंबनंब 55, नीमच-2 में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्या-पित फार्म नम्बर 37-जी में स्थित है।

> बीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहुदु 🛭

प्ररूप आइ. दी. एन. एस.----

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/4900—-श्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से मधिक है

द्यौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 45 का दक्षिणी भाग बं० नं० 55 है, तथा जो नीमच-2 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्प से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिभा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अत्र , एनर्ल आस्तिय आयक्तर अध्योनवम् , 1000 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-क्दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ः प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया । गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते से स्विधा के निए;

खतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) 1 श्री कमल कुमार,
  - 2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्रीभोजराज जी जैन श्रग्रवाल नीमच कैंट; जिंग्ये मु० श्राम श्रशोक कुमार पिता श्री भोजराज जैन, नीमच कैंण्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मत्यनारायण पिता शिवकरण अग्रवाल नीमच कैण्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन क कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखिल में किये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### अगसची

मकान प्लाट नम्बर 45 का दक्षिणी भाग, बंब नंब 55, नीमच-2 में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-1984

# प्रस्प वार्च : दौ : एन : एस् : ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, महासक आसकार आसुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4901—श्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 45 का उत्तरी भाग, बंगला नं० 55 है, तथा जो नीमचकैण्ट नं मच में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुं किसी आप की बाबत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी अन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निर्धानयम, या अन-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुधिधा की लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलिखित न्यक्तियों, अर्थातु:—— 25—206 GII84

- (1) 1. श्रीकमल कुमार
  - 2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता भोजराजजी जैन अग्रवाल. नीमच कैण्ट, जिर्पये मु० ग्रा० ग्रशोक कुमार पिता श्री भोजराजजी जैन ग्रग्रवाल, नीमच कैण्ट । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रोम प्रकाण पिता श्री णिवकरण जी ग्रग्नवाल, नीमच कैण्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं कर्यहांगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

# **ब**न्स्थी

प्लाट नम्बर 45 का उत्तरी भाग, बंगला नं० 55, नीमच कैण्ट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्सरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, **चौथी** मंजिल टी० टी० नगर, भोपास

विनांक : 12-7-1984

प्ररूप आहें.टी.पुन.एस..-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के अभीन सुम्ला

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्क)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4902—अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य से अधिक है

प्रौर जिसकी सं भूमि खं नं 97/1/1, 94, 96 है, तथा जो ग्राम छोटी खरगोन, तह् महेश्वर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याजय, महेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983

की पृष्णिकत संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिवक स्प्र से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण तं हुई किसी आस की बाबत, उचक अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दर्गयत्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग जी अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन,, निम्निसित व्यक्तिसों, जभीत ६── (1) श्री नत्थू सिंह पिता भुवानी सिंह, ग्राम धरगांव, तह० महेश्वर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सनाउद्दीन पिता श्रीखसीर खां, ग्राम करोदिया, तहु० महेण्यर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेशिक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्ते अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ख० नं० 97/1/1, 94, 96, ग्राम छोटी खरगोन, तह० महेश्वर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रम्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार क्ष्यत्वाल सक्षम सहायक श्रायकर श्रायकत (निरं क्रिजेन श्रजेन रेंज, भे तेज गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० गनर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्रस्प आहे. टी. एत्. एस. - - - - - -

कायकर किपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोगाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4903--अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर किधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- स्त. स आधक हा ग्रीर जिसकी स० प्लाट नम्बर 47 पर बना हुआ मकान, है, तथा जो इदौर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 47 इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुचो में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारो के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास महन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को स्वर्ण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पूर्वे क्रियमान के क्रियमान प्रतिफल को पूर्वे क्रियमान के क्रियमान के क्रियमान प्रतिफल को पूर्वे क्रियमान के क्रियमान के क्रियमान प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त कन्तरण लिकित में वास्तिक रूप में क्रियन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बानते, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- ्श्रं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्मरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जयपालदास पिता श्री समतरामजी वजाज निवामी—24, छोटी ग्वाल टोली, इंदीर । (अन्तरक)
- (2) 1. श्रोमती गिताबाई पति श्री राजारामजी बजाज 2. श्री धनराज पिता श्री राजाराम जी बजाज निवासी—-8/2, उषागंज, छाबना, इंदौर । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्परित के अर्थन क लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेतिस स्विसा में से फिसी स्थित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिनबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधाहरताक्षरी के पास किसिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याम में देख्या गया हैं।

## **मन्**स्ची

प्लाट नम्बर 128 व उस पर बना हुआ मकान, इंदौर विकास प्राधिकरण योजना कमांक 47, इदौर में स्थित है।

> योरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4904—अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव मकान म्युव गृव कव 4/1233/3 नया नंव 8 है, तथा जो शंकराचार्य मार्ग गला क्रमांक 6, कलालसेरी, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारों के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्द्रदेय से उक्त अन्तर्ण निस्तित में धास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रो रामचन्द्र कुमावत आत्मज श्रो धूलजी निवासो—म० नं० 8, कलालसेरी, उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रो जुगोल किशोर मेड्तवाल आत्मज श्री कल्हैयालालजा
2. श्रीमती कंचनबाई मेड्तवाल पत्ना
श्री जुगलिकशोर जी
निवासी— फट्यारा चीक, उज्जीन ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>3</sup>।

#### मन्सूची

मकान म्यु० गृ० ऋ० 4/1233/3, नया नम्बर 8, शंकराचार्य मार्ग, गलो ऋमांक 6, कलालसेरी उज्जैन में स्थित है।

> वोरेन्द्र कुमार यर सक्षम प्रा सहायक आयकर 'आयुक्त (निर् अर्जन रेज, भाषाल गंगोलो बिस्डिंग, वौथा मंजिल टो० टो० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोह्रुर ∄

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्याच्य, सह्यक भाषकर जायुक्त (निरीक्षक) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोगान, दिनाक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भाषाल/4905---अतः, मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं व खण्डहर है, तथा जो मंदसीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजिस्ट्रोक्तर्रि अधिकारी के कार्यालय मंदसीर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्ध न, दिनांक नवम्बर 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) बन्तरण संहुई किंसी बाय की बाबस, संक्त बिधिनियम के जधीन कार दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के बिए; बार्ट/या
- (या) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर्शनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः क्षभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) दि मंदसौर डलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पना लिमि०, मंदमौर; द्वारा सज्जनलाल पिता श्रो रखवचन्दजी भिण्डा डायरेक्टर, मंदसौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रामना खनाजाबाई पिता हाजा फिदाहुसैन पिति मुज्जकर हुसैन, निवासी—-मंदसीर ।

(अन्तरितो)

को यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मय्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### वनस्थी

खण्डहर मन्दसीर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगीली बिल्डिंग चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोगाल

दिनाँक : 12-7-1984

सहर:

प्ररूप नाईं, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 ज्लाई 1984

तिदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4906---अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव खुलो भूमि, खण्डहर है, तथा जो बार्ड नम्बर 17, म्युव कमेटी नंव 1 का भाग, मंदसौर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकार। के कार्यीलय, मदसौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के निए; और/या
- (म) एंसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुचिधा के लिए;

जतः व्यन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकायों, न्यांत्:— (1) तो मंदसीर इले० सप्लाई कम्पनी लिमि०, मंदसीर सज्जनलाल पिता श्रा रखबचन्दजी भिण्डा, डायरेक्टर मन्दसीर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो कुतुबुद्दीन पिता श्री मुज्जफर हुसैन, निवासी---मदसौर।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की वाबीक या तत्सम्बन्धी क्यित्यों पर स्वना कि सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुला भूमि खण्डहर, बार्ड नं० 17, म्यु० कमेटी नं० 1 का धाग, मदसौर में स्थित है।

> वीरेन प्राधिकारी प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल, गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो० टा० नगर भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्रक्य आर्ड् टी. एस. एस. ≈ - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/अजन/भोषाल/4907--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्नित बुब्बार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसकी संग्या जो 54, आई॰

और जिसकी सं थ में नं जो जी जी नि है, तथा जो 54, आई जिल्हा जो 54, आई जिल्हा है। एं , इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्थर 1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिबक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य अन्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 की का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजप्रार्थ कन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए?

. अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राधवेहुद्र कृष्णाचार्य तरके आम मु० श्री प्रकाण कन्ह्रैयालांल गुप्ता निवासी----6/3, रेस कोस रोड, इंदौर । (अन्तरक)
- (2) श्री सत्यनारायण आत्मज गीसिमिह् राजावत निवासी:----330, श्वानगर, इंदौर, । (अस्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भी शकाशन की मारीका में 45 दिन के भीतर उकत स्थातर सम्पत्ति भी हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाकाकरण ---इसमें अयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० जी० जी०-1, आई० डी० ए०, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधितारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रॉज, भोगाल), गंगोबी विरिड्ण, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोगाल

दिनांक: 12-7-1984

मोहर् 🤉

ं प्ररूप आहें . टी . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्थना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4908---अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, प्लाट नम्बर 138/2 पर बना हुआ है, तथा जो वाउदपुरा, बुरहानपुर में स्थित है (और इसमे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहमाअपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयभान श्रितिफल से, ऐसे इर्यमान श्रितिफल का पन्तृह श्रितिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे क्यने में सूबिधा के लिए; बॉर/वा
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को धिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अहः अव, उक्त अधिनियम की .धारा 269-ग के जन्मरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री आवतराम केवलराम सिंधी

  2. श्रीमती ईश्वरबा पुर्वती आवतराम सिंधी

  निवासी -- वादपुरा, बुरहानपुर ।
- (2) श्री गोधीनाथ पिता टीकमवास शाह निवासी—पुजराती माड, राजपुरा, बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्वना जारी करके प्रवॉकत सम्परित के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से ● 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी अयुक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति इयारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनस्य

मकात प्लाट नं० 38/2 पर वता हुआ, ब्लाक नं० 13, दाउदपुरा बुरहागपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

> वीरेन्द्र पर वरमवाल गणिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण अजंन रेंज, भोपाल गंगोती विल्डिंग, चौथी मं जिल टी० टी० नगर; भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन ु एस. \*\*\*\*\*\*\*

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4909—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्ब 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 200/1 है, तथा जो ग्राम लालबाग तह० बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को प्रोधित सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पद्दे हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिकल से, एसे द्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-ित्यम औं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उन्से बचने में स्विधा के लिए; बीर्/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिर्दी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री द्वृकुमसिंह वरूद दीलतसिंह उाकुर. निवासी----णाह वल।र, तह० युरहानपुर। (अम्सरक)
- (2) गांधीनगर को०-आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमि०, वहादरपुर रोज-बुरहानपुर की ओर से अध्यक्ष मधुभाई वल्द चदूभाई पटेल। निवासी---चौक बाजार, बुरहानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सध्यसि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

## नगस्पी

भूमि ख॰ नं॰ 200/1, ग्राम लालबाग सह० बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जी में निहित है।

> विरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहार ;

# प्र**रूप कार्ड**ंटी एन: एस्.---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत बदकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भीपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई० ए० + 40/अर्जन/भोपाल/4910---अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 283 है, तथा जो कस्वा रतलाम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायरव में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्ये, फिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किला गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

अत अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (ग) अ अभीन विकालिया करिक्तण अधीत :--- (1) श्री बढ्रुल मजीद पिता गुलखाजी, सरीनी मरोबीपुरा, रत्लाम ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमर्ना प्रभा नूरी पत्नी श्री फकरादीन्जी आत्मज अह्ने अलीजी बोहरा
  - निवासी---टी० आई० टी० रोड, रतलाम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी जाकोए**:---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के एित्रपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पापी लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस। अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसंधी

भूमि खा० नं० 283, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मस्यार्पित फार्म नं० 37 जी में तिहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी कहायक आधकर आधुका (िरीक्षण) अर्जन रेंग, भौपाल

विसंक : 12-7-1984

प्ररूप आहे. टी. एन: एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सृचना

# भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भाषाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेण मं० आई० ए० मी ०/अर्जन/भोपाल -- 4911--अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 257/3 है, तथा जा काश्तकब्जा, रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

की प्वेंक्सि सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्स्रोध्य से उक्त अन्तरण जिसित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उथत अधि-नियम के अधीन कहर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपन में मृतिधा के लिए;

अतः जन, जक्त अधिनियम की धारा-269-र के अपूररण मों, मीं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाराः (1) दें क्षीन, निस्तिचित व्यक्तिस्त्यों, वर्धात् ∷— (1) श्रं। लक्ष्मीनारायण पिता श्री भागजा मोहल्ला खातापुरा, आनन्द कालोनी, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पोखरना अवर्स, भांदनो कीक, र्तलाम, द्वारा श्रा शान्तिलाल पिता श्री रतनलाल पोखरना रतलाम ।

(अन्तरित्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास निक्षित में किए जा नकींगे।

स्पट्टींकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्स्**ची

भूमि: मकान नं० 257/3, खाती कब्जा; रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सर्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग चौथो मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-84

प्रकण आहें, टी. एस . एस 🚊 ------

भाषकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नेथीन स्थला

## भारत सहस्रार

कार्यालय तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4912--अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/-तः से अधिक हैं

और जिसको सं० प्लाट नं० 267 है, तथा जो अनुपनगर, इदीर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, इंदीर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिस्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित जाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (वंतरकों) और संतरिकी (वंतरितयों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पावा गया प्रसिक्षण कि निम्मलिशित उष्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिषक स्प से किंगत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्ण से हुए किसी आम की बादत, उक्त अभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा के लिए? अदि/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा कम्य जास्तिमें की किसी भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा त्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रोमतो उषा पति जयराम खटवानी निवासी—142, पलसीकर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री संकर्षण प्रसाद पिता श्री कुलपित रामजी निकासी---नवरतनवाग, इंदौर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध थे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिसरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और ६ भों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगृक्षी

प्लाट नम्धर 267, अनुप नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

बतः सब उक्त जिथिनियम की धारी 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, जिल्लीजित व्यक्तियों अधीर :----

विनांक : 12-7-1984

प्ररूप्, बार्षः टो, एन. एत्, -----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुबना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सं[o]अर्जन[H]पाल[4913--36]: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको मं० प्लाट है, तथा जो (कटनो स्थित है में और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण में रूप से विणित है) रिजस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, कटनो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिसित में बास्तिक रूप में किंधत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकल्पार्थ अंतिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, छिपाने में मुप्रिधा के सिए;

(1) मेसर्स एस० एत० सुदर्शन एण्ड कम्पनो वेशवन्धु गुप्ता रोड, नयं: दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार जैन पिता श्री मुन्दरलाल जैन, कटनी ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संस्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **बनुस्**ची

प्लाट, राना प्रताप वार्ड, कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

मतः नवः, उनतं विधिनियमं की धारा 269-वं की अनुसरणं मों, मौं, उकतं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

दिमांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्य बाइ . की. एत. एस. ----

मायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

## भारत सरकार्

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4914--अतः ममे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९० स्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो राना प्रताप वार्ड, कटनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कटना में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को प्रवेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का शृंद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचं ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिक अधीन, निम्निकित स्वितिकारी, वर्णात् (1) मेसर्स सुदर्शन एण्ड कम्पनो देशबन्धु गुप्ता रोड, नयी दिल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती चन्द्रप्रभा पत्नी श्री सुभाष चन्द मण्डा बाजार, कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सबध मां कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ हाका जा उस अध्याय मां दिया गया है।

## अनुस्ची

प्लाट, 3000 स्के॰ फीट, राना प्रताप वार्ड, कटनो में स्थित है ।

> योरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो० टो० नगर, भोपाल

दिर्माक : 12-7-1984

मोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन क्षेत्र, भोषाल

भीपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4915 अ**तः** मुझे, वे<sup>7िन्</sup>य कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका रुचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लाट है, तथा जो कटनी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची भेंऔर पूर्ण च्या से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के दायांत , कटनी में रिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधिन, दिनांच नसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य , उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से एमें दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिवृत्त अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्निलिखित उद्बेश्य में उचित अन्तरण निस्तरित में बास्तिविक रूप में क्रीधत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृद्धारा एकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिणाने में मुनिषा के लिए।

 (1) भेटात एस० एस० सुवर्गन एण्ड अम्पनी देणवन्य, गुण्या भोड, नई विल्ला।

(अस्तरक)

(2) ধা সহৰেন বিহা पिता भगवानदास वैञ শুলুনা ।

(अस्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोयस संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस शुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकीये।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ब्रहरा भी

प्लाट, राना प्रताप वार्ड, कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल डो० डी० नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अभितः:—

दिशाँग : 12-7-1984

माहर :

प्रक्प कार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4916—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आर जिसकी मं० प्लाट है, तथा जो कटनो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप में विणय है), रिजस्ट्रीयर्जा अधि हारी के कार्यालय, कटनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित क्षाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के बासिस्य के कमी करने या उससे वचने में स्ंयका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा चें सिहर;

अतः अव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण अर्म, में, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) सुविधा के लिए;  (1) मैला एक एक एक कुर्यान एण्ड कम्पनी, देशक्क मुक्ता रोड, निमि दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीप्रसाद शुक्ला पिता गया प्रसाद शुक्ला कटनी ।

(अस्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के वर्षन के हैं यह कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में माई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्मतित में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और देदों का, जो उनके अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्**ची**

प्लाट, राणाप्रताप वार्ड कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिहिंडग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

दिनांच : 12-7-1984

मोहर 😗

प्ररूप . आई. टी. एन . एस . -----

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, भोपाल

भोपाल; दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4917---अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उनत निधानियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिस्का उणित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी ए० प्लाट है, तथा जो राणा प्रतप वार्ड, कटनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूक से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्थर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ्यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है द्र--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए:

नतः नम्, उक्त जिभिनयम की भारा 269-ग के नन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित क्योंक्समों, नर्थात् :--- 27--206GI 84

 (1) मेसर्स सुदर्शन एण्ड कम्पनी देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली।

(अन्हरक्)

(2) श्री सुधीर कुमार जैन पिता सुन्दरलाल जैन झण्डाबाजार, कडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट, राणा प्रताप वार्ड कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गेगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप **जाह**ै, टी. एन . एस ू =========

जायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भीपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984 -

निदेशसं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4918——अतः मुझो, वीरेन्द्र कुमार घरनवाल.

कायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसको सं ० मकान नम्बर 61/3 है, तथा जो बीर सावरकर मार्केट, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण निकित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूर्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री मनोहर यशवन्त चुनेकर 37, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर।

(अन्तरकः)

(2) श्री मोहम्मद
2. श्री गुलाम,
3. श्री हनीफ पिता श्री युसुफ ।
निवासी—10, सियागंज, इन्दौर ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्तर संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नन्त्रची

कच्च। माल तम्बर 61/3, वीर सावरकर मार्केट, इस्सीर में स्थित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जल रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, बौंथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-19**8**4

प्रकप् माई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सहकार

# कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/4919--अतः मुझो, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1/1555 का भाग है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूचो मेंस्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अँतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण सं हुर्द किसी नान की बाबत, उनक निधिनयम के नधीन कर दोने के जन्तर्क की वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन्-कर् बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्यार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ।

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिश्वत व्यक्तित्वारों, वर्षात् ह— (1) पिकीबाई पुत्री रामदेवजी अग्रवास निवासी-—दादाभाई नारोजी मार्ग, उज्जैन ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कैलाश नारायण,
  - 2. श्री रमेशचन्द्र,
  - 3. श्री राजेन्द्र कुमार,
  - 4. श्री संजय कुमार एवं मनोज कुमार पिता श्री बद्रीप्रसादजी जीशी नगर, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति को वर्णन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेड्स्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्याव्यक्रित्यः :-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या हैं।

# नन्त्री

मकान नम्बर 1/1555 का भाग, कण्याल उज्जैन में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्रकथ बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व्य (1) के प्रधीन सूचना

## भारत बहुकार

# कार्यास्त्र , सहायक बायकर बायक्त (निडींकण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आप० ए० सी० नं० 107/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 26 क्या के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/- व० से मिनिक है

और जिसकी सं ० पलैट है, जो वैझाग में स्थितहै (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनब दिनांक नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक, रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी का या बन्ध जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्मारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

अपतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स पैरामोऊंट कन्स्ट्रक्शन्स, ह्याहै मैनेजिंग पाटंनर, सेंट बि० लक्ष्मी, दासपल्ली, हील्स, बैजाग ।

(अनतरक)

(2) श्रीमती डॉ॰ कें॰ मंजूला बानी, पित के॰ व्ही॰ सी॰ कें॰ तिलक डी॰ नं॰ 15-12-7, क्रुप्णनगर, वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए शार्मवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई! भी मान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीया से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सस्पत्ति में हितवड़ किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रितिसर के प्रशास 20-क में परिभाषित हैं। बही यर्थ को मा, जी उस प्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट, विशाखापटनम, म्युमिपल मूंजीसीपाल परीसर, महाराणीपेट बोर्ड, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12939/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैद्याग ।

> ैए**म० जेगन मोह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

त्ररूप बाह्र : टी., एन., एक.,------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

# भारत सरकारु

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंश, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० 108/84/85--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० पनैट है, जो माहारानीपेट बाई बैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष में बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बैजाग में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिखल उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लि में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की वावत, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी अब या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

कतः नवः, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के, नन्सरग में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अधीतः ---

- (1) मेसर्स पैरामाऊंट कन्स्ट्रक्शाडुसन, वाई श्री बी० प्रभातकुमार (जो० पी० ए०) दासपकली हिल सा**ईंड वैझाग**। (अन्तरक)
- (2) श्री डी० वेंकट शास्त्री, प्लाट नं० 42, टी० पी० टी० कालोनी, विशाखापटनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

तकत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल के किए जा सकींगे।

स्पर्कांकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट महारानीपेट, बैजाग, स्तिर्ण 1300 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 13127/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैजाग ।

> एस० जेगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक : 10-7-1984

भृरूप<sub>ः</sub> बा<u>र्ह</u>्य टी. एन्<u>.</u> एस्. - - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

## भारत संयुक्तर

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन क्षेत्र, राबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 109/84-85---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैटहै, जो माहारानीपेट वार्ड वैझाग में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का बदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की व्यवंत, उक्त जीपीत्यम के जभीन कर दोने के ब्रुक्टरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वक्ते के सुविधा की सिए; बीट्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

बत: अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) अ ब्रिभीन, निस्निसिवित व्यक्तियों, अभित् क्ष-

- (1) मैंसर्स पैरामां उंट कहुस्ट्रणन्स, बाई श्री बी० प्रभात कुमार (जी० पी० ए०) दासपल्ली हीलसै भवैद्याक । (अन्तरक)
- (2) श्री वेपा कृष्णामूतन माहाराणिपेट, वार्ड, ब्लाक नं० 7 टी० यस० 155, नीयर कोस्टल बैटरी, जंक्शन, विणाखापटनम ।

ं (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ॥

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट माहरानीमेपेट वैझाग, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 13128/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोहर 🎮

प्ररूप् बार्ड .टी. एन्.एस् ,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदरावाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

न्नार० ये० सी० नं० 110/84-85---यन : मुझे एम० जेगन मोहरा,

पायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्तम प्राविकारी को; यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से प्रविक्ष है श्रीर जिसकी स० माइट, है, जो बैक्षा स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बैक्षाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुखे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गरा प्रतिकल, निस्तिविधित हैं अन्तरित से उसत भन्तरण लिखित में बासाविक कप से किथा गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजता, उक्स, अभिनियम के अभीन कर दोने के अभ्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अत् अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुस्र्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री बाई रामा राव भौर अन्य डी० नं ० 32-1-207/1 आलीपुरम, वैज्ञाग ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० श्रार० मीट्टल पिता बी० राम मीड्ल, इी० न० 31-31-17, साईबाबा स्ट्रीट, वैभाग-20 ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजरा में पकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तस्यंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी क्यकित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपण्टी शरण । — इसमें प्रयुक्त गर्थों और पर्दों का, जो उश्ल पश्चि-नियम के अध्याय 20-क में परिमापित है, वहीं अर्थ होता, जो उर्दाय में दिस गरा है।

# नग्त्रजी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 690 चौ० गज, विशाखापटनम, मारेकेट वार्ड, ब्लाक न० 1, डी० एम० न० 2ए~1, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 13378/83, रजिस्ट्रोकक प्रधिकारी, वैमाग ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 10-7-1984

नोहरु 🕊

प्ररूप मार्ड .टी .एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

श्रार<sup>्</sup>ये० सी० नं० 111/84-85--थनः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं:

स्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो महारानीपेट वार्ड वैद्याग स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में भीर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्गालय, बैसाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनांक नवभवर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम श्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित के बास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में अभी करने या उससे बचने में नृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिनित व्यक्तियों, अर्थात् उ—

(1) गेमर्स पैरामाऊन्ड कस्ट्रक्शन्म. वाई श्री बी० प्रभातकुमार (जी० पी० ए) दासवल्ली हिल्स, वैज्ञाग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यस० कोकोलवानी पति डा० ग्स० श्रीनिवास गृध्यमाद गोलपण् ईन्ट गोदावरी जिला। (अन्तरिती)

को यह स्थान औरों करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध िकसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासक लिखित में किए जा सकींगे।

स्परकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्त्रनी

फ्लैट महारानोपेट, वार्ड ब्लाक न० 7, त्रिस्तीर्ण 1100 ची० फुट रिजस्ट्रीकृत जिलेख न० 12938/83 स्रधिकारी, वैझाग

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

वित्रोक : 10-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. इन. एस्.-----

## नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के न्यीन स्पना

#### मारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रमेन क्षेत्र, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

भारत येत मीत नंत 112/84-85--यन मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी में ० फ्वैट है, जो बैझाग स्थित है (श्रीर इसमे उपायह श्रतुसूची में श्रीर पूर्णहप स विध्यत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, वैझान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नव-वर 1983,

की पूर्वीव संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वाब करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उनके श्रवमान प्रतिफल से ऐसे श्रवमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति। गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लि में बास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुक्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपल अधिनियम के ब्रुपीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉड/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में अधिधा के लिए;

- (1) मेसर्भ पैरामांक्रन्य कन्स्ट्रवणस्य बाई श्री बी० प्रभापकृमार (जी० सि० ए०) दास्तत्ली हिल्स, बैटाग । (यन्तरक)
- (2) श्रीमती ब्हीं राजलक्ष्मी पति रामपूर्ति, ध्रम अपार्टमेंटम, कोम्टल बटरी जवलन, . महाराणीपेट, विशाक्षापटनम-530002 । (श्रन्यरिनी)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अन्धि नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन संची

पर्नेट महाराणीपेट, वार्ड वंसाम विस्तीर्ण 1100 वी० ५८, रजिस्ट्रोकन विकेख २० 13129/83, रजिस्ट्रोकर्ना प्रधिकारो विभाखापटनम् ।

> ्रम० जेगन मोहत सक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सें, उक्त अभिनियम की भारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीतः निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

मोहर :

विनांक . 19-7-1984

28-206 GI 84

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

भारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिसाक 10 जुआई 1984

श्रार्थे थे रुमी वर्षे व 113/84-85~-अस् मु≅े, एम व जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जियको सं १ घर है. को भीमावश्म स्थित है (ग्रीह इसमें जणाबंड प्रनृत्वी में श्रीर पूर्णका में विधान है), रिजस्ट्रीकर्ग अधि-कारी के कार्याल्य, भीमावश्म में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीविस्थिम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीनः दिनाक नवम्बर, 1985.

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिवक रूप में किया गर्स. हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई जिन्नी आय की बाबत, उन्तत अधिनियम के अपेन कर धीने के अन्तरक के - वायित्य भी कभी कराया उससे अवने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

- (1) श्री के० अवस्ता तिता गुरुषा, 14थ वार्थ, भीमावरम, बेस्ट पोदावरो जिला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वे : चन्द्र मा पति गूरन्ता, 134 वाई, भोशावरम, तेस्र गोवावरो जिला । (सन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस भूचना के राजपत को प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उका स्थानर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का ओ उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्सूची

घर समिति, भीमावरम, विस्तीर्ण 386 चौ० गज, भूमि श्रीर 1316 भी० भट, लोंब, रिजस्ट्रीकृत विजेख ने० 3707/ 83. रिजस्ट्रोकर्त अधिकारी मीमावरम ।

> ाम० जेगन पोहन सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्राप्तकार प्रायक्त (निरोक्षण) प्रजन रोज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्तत व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक : 10-7-1984

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक गायकर नामुक्त (निराक्षण)

ग्रजन रंज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनांक 10 जुला€ 1984

द्राक्ष मेर मीर नंर 114/84−35---सन. मुझे, एमर अंगन मोहन,

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं विषय है, जो 54 लाइन चन्द्रमीवजीनगर, गृंदूर स्थित है (श्रीर इसस उपाबड़ सन्धुनी में श्रीर पूर्णका से विणय है), रजिस्ट्रीकिकी अधिकारों के कार्यालय गृंदूर में भगरतीय रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन, दिनाक सबस्बर 1983,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकास मं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उब्दोश्य से उच्स अन्तरण ≯लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा क लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, सर्वात् हरू— (1) भी एम० मनावाजस्या पिता वरदाराण नाङ्क चन्द्रमीलीनगर, गुंदूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गी० बेंकटरत्मम्मा पति डा० भी० भगवन्ताः रायन्ताः

> डी० न० 4-1-43, रामस्नापट, गुंटूर । (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्रवेषित सम्परित के अर्जन के लिए कायंगहियां करता हुं।

जनल सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी नाक्ष्में :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रोंस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उपस स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य स्थापित चुनारा अभोहस्ताक्षरी के नास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों।

#### वगल की

घर सम्बद्धिः, 5य लाइन, बन्द्रमीलीनगर, गुरूर, सिस्तीणे 792 ची० गज, जमीन, और 1890 ची० फूट, प्लीय एरिया, रिजस्ट्रोकृत विनेच त० 9451/83 रजिस्ट्रोकर्ना प्रधिकारी गुरूर 1

> एम० जेगन भोहन सम्रम ऽाधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) सर्जन रेंग, हैदरासाद

दिनांक : 10- 7-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

वाककर किंपिनिकस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के कभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, हंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984 श्रार्व येव ने<sup>व</sup>व ४० 115/84-35--यतः मुझे, एमव जेगन मोहन,

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर किसके से अधिक है और इसमें स्थावत

श्रीर जिसको सं ० घर है, जो काकोतारा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण ध्या से वर्णित हैं), रिक्ट्रीकर्ता श्रोधेकारी के कार्यालय, काकीनाटा में भारतीय रिक्ट्रीकरण श्रिधित्तियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रिधीत दिनकि नयस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रमिकल, निम्निलिशत उद्वादय से उक्त अन्तरण लिक्ति म

- (क) अप्तरम सं हुइ किसी नाम की गांधत उक्त मिंश-नियम में अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा आना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अतः अत्र, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, जवन अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (!) के अधीन, निकालियित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती एम० पूट्टम्मा प्रांर प्रन्य तुरलापल्लाबारी विदी, काकीनाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० श्रीरामचन्द्र विस्वेश्वर राव, घर न० 49-33-ए, मोनाम्साधरा, वेशाग : (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन् के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पृत्रित में से किसी स्पृतित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाखन की तारीब है
  45 विन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
  पास सिचित् में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुखी

घर सम्पत्ति काकीनाइ। डी० न० 2-59-1/2, विस्तीणे 347 चौ०ुगज, भूमी श्रीर 893 जो० फ़ुट प्लींग रजिस्ट्रीकत वितेषा न० 10045/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रंज, हेदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोतर :

प्रकृप नाह्". टो. एन. एस. ५------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के सभीत सुचना

#### भारत सरकार

कर्ष्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाब, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देण सं० आर० ये० मी० न० 116/81-85-यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर क्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त क्रिभिनयम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० घर है, जो विजयबाड़ा स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अबंन, दिनांक नवम्बर 1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यास उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाधत आयकर बिभीनयम के जभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय दायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

चतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री राम मूर्ती पिता बूल्लय्या, विजयवाडा----।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटराधाक्कृष्णाम्ति ग्रौर अन्य ङी० न० 11-25-274, 11थ वार्ड, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथानित संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोड भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा पत हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### जन्त्वी

घर सम्पति, विजयवाङा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6789/ 83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाङा ।

> एम० जेगन मोहैन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

### प्ररूप मार्च , टी. एन्. एस्.,-----

# मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० मी० न० 117/84-85--यतः मुझे, एम० जेगत मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० घर है, जो कृष्ण।लंका विजयवाडा में स्थित है (स्रो इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्णच्य से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथत अधिनियम के अधीन कार्दने के अस्टरक के दायित्व मा कमी कारने या उससे स्थाने भी सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा औ तिहा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के गीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० सुम्बाराव ग्रौर अन्य, ड्रायबर पेट फ़ुष्णा लंका विजयवाडा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० यूडाबनी पति रामा राव कृष्णा ग्रहारम कृष्णा लंका विजयवडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जक्त संपत्ति के कर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त म्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टार्रीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मकाँगे।

स्वाका रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्ची

भर सम्पत जी डि० त० 47-27~35 ए, कुष्णा, लका, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 112 ची० गज, भूमि ग्रीर 892 ची० फुट, दूसरा मजला 4 रजिस्ट्रीकृत विलेख त० 6883/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-7-1984

मोहर ।

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . ------

**बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 260 ा (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

द्यायांचिया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदशासाद

हैदरावाद, दिनांक 12 जुलाई 1981

निर्देश मं० और ए गे० मे० न० 118/84-85-पनः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है, जो पाटामाटा विववाण में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारों के कार्यालय विजयवाण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1983.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दरयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय गा िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमं की भाग 269-गं के अनूसरणं में, मैं, द्ववसं अधिनियमं की भाग 269-मं की उपधारा (1) के अभीनः निम्निलिणित व्यक्तियों, अर्थास्ः⊶ - (1) श्रीमती एल० निरमला पति वेंकटैस्वर राव. विजयवाङ्ग ।

(अनारक)

(2) श्री एम० ऊदयकुमार पिता सुब्बय्या पी० व्ही० राज् विधि, रामनगरम, विजयवाडा—3 ।

.(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित्र जो भी समित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दृोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### क्रमची

सम्पत्ति, भूमि, विस्तोर्ण 40 सेंटस्, पाटामाटा, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख त० 7054/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर्ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

### नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

मं० आर० ये० सी० नं० 119/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है श्रीर इसमे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिश्वित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी स्विधा के लिए:

ब्रतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रा गा० लक्ष्मी ताम्पतीम्मा पति नरिसम्हा राव, पाटामाटा लंका, विजयवाङ्गा ।

(अन्तरक)

(२० श्रामतः सो० एच० विजया कुमारी पति सत्यनारायणा विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्तुची

भूमि विस्सीर्ण 40, सेंट्स पाटामाटः, विजयवाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0.7060/83, रजिष्ट्रीकर्ती अधिक री विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. =======

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन मृचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र्</u>यक्षिण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० ये० मी० नं० 120/84-85—-थन: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि है, जो खम्मभ में स्थित है (और इसमें उपा-बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के जार्यालय, खम्भम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983, को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण जिसका में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) नम्तरण व हुई किसी बाब की बाबत अवस अधि-नियम के नभीन कर दोने के नम्तरक के वाजित्स की कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; वरि/वा
- (ण) एसी किसी नाम ना किसी धन या जन्य नास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के सिए;

जतः अक, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन. निम्निर्लि**खत व्यक्तियों, अर्थात् ध**—— 29—20 31|84

 श्री व्ही श्रीतिवासा पात और अन्य, खम्मम

(अन्तरक)

- (2) किराना एण्ड जेगारी मरचेंट्स एसीशीएशन बार्ड श्री ह्वी० नरगभूपनम, प्रेसाडेंट, खम्भम ए० पी० (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

### अन्सूची

खुली जमोन विस्तीर्ण 69, जी० गज, वाटर टैन्बः रोड, खम्भम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2316, 4035, और 3723/83 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी खम्भम।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिः परी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप बाइ े. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चमा

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराधाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं अ। र वे वे वि नं । 121/84-85--यतः सुझे, एम० जोगन मोहन.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिप्तको सं ० भूमि है, जो पताटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक नवस्वर, 1983,

की प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करें का कारण है कि एथाएगेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
सृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशियों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिक एए से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हार्ड किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 अगारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 अगारतीय आयंकर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्याननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिलाने में स्विधा की लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उल्ल अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) भें अधीन, निम्निविस्ति व्यक्तियों, अर्थास् ---- (1) श्रीमती ह्वीं ० निरमाला देवी पति सुष्रभन्यस्थामी, वरप्रसाद, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री सी० एच० कामेश्वर राव विजयवाङ्ग। (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि विस्तीण 50 सेंटस् पाटामाँटा, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीइत विलेख नं० 7125/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्दरऊ।युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद 🗵

हैवराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 355/84-85--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो बलागोंडा, कारीमनगर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर, में भारतीय, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्नोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजूने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना डाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः अथ, उचत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम॰ दशरथ रेड्रडी और अन्य,पासालापल्ली, करीमनगर जिला।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स श्रोनियासा पार बोइल्ड राइस एण्ड आइल इंडस्ट्रीज नलागोंडा, करीमनगर, जिला । (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्यव्यक्तिस्यः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

भूमि विस्तीर्ण 5 एकड़ 4 नलागोंडा, रजिस्ट्री हत विलेख नं० 4026/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करीमनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोह्नर 🖫

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये०सी० सं० नं० 356/84-85---यतः मुझे,एम० जेगन मोहन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जितको सं० गैरीयज, है, जो सहफाबाद, रदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रोकती अधिकारी के कायलिय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाव नवम्बर 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण निकित में बास्तिक अप से कथिन नहीं किया गया है:

- . (क) जन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
  - (ख) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स धनजय होटल्स प्रा० लि० हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए०वें कटाराव, प्लांट नं० 115, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाध ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारिख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्</sup>, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>र</sup>।

#### अनुसूची

गैरीयज 1 ० 12, ग्राउंड पलोअर, सइफापबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 263 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5608/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक 12-7-1984

माहर:

प्रकृषः बाद्दः, टी., एनः, एस.,; ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

म्रार्० ये० सी० नं० 357/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि है, जो येमुनापेट स्थित है (श्रौर इसमें उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, ऊपल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

को पूर्णेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्सरण संहुई किसी भाय की वाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरायों, अर्थात् ु— (1) श्री पी० म्रानन्द, गवलीगुंडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एल० रामभद्रय्या, घटकेम्बर, नलगोंडा, जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनसूची

भूमि, विस्तीर्ण 12 एकड़, येमनापेट, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीक्वत विलेख नं० 4290/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी अपल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🖟

### प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

श्रार० ये० सी० नं० 358/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो घटकेश्वर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊपल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्द सम्परित के उचित बाधार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उस्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः नम्भ, उक्त किभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को नभीन, जिस्तिविश्वस व्यक्तियों, जर्भात् हि—— (1) श्री पी० बलराम, ग्रोवलीगुंडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० सोजा पति एल० रामभय्याढ घटकेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-, बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसची

भूमि विस्तीर्ण 10 एकड़, नियर घटकेश्वर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4291/83, रजिस्ट्रीकर्ता ऊपल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🔞

### प्रकृत कार्डुं टी<sub>य</sub> एन . एस . - - -

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) को अधीन मुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० भ्राप्त ये० सी० नं० 359/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रंड. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० घर है, जो कोषापेट, रंगारेड्डी में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी) कार्यालय, ऊपल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983, को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः : —— (1) श्री ह्वी० श्रीरामल्, पिता ह्वी० रंगय्या, त्रीपुरंमाकम ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ रामलू पिता लक्ष्मीय्या.घर नं॰ 19-3-423, जेहानूमा, हैदराबाद ।(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृतिस् के क्षान के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्दे संस्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा?
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य स्थावर इवारा अधाहस्ताकारी को शब्द लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दवा हैं।

#### अनुसूची

घर कोथापेट, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4137/ 83, रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी ऊप्पल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 12-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप **आह**ै. टी., एन., एस.,,,,,,,,,,,,,

आयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

श्रार० सं० सी० नं० 360/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25.000/- रा. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो मारेडंपल्ली स्थित हैं (ग्रीर इससे
उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्णच्य से बॉणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडंपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवस्बर 1983,
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुमें यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
भवा प्रतिफल निम्निलिखत उद्वर्षिय से उक्त अंतरण लिखित
धैं वास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण ते हुन्दं किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिसा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० श्रीनित्रामा हाउसिंग सोसायटी लिए हैदराबाद ।
- (श्रन्तरक)
  (2) मेसर्स शोभना को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
  लि०, 9-2-605, रेजीमेंटेल श्राक्षार.

सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें
  45 विन की अविध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्
  स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
  स्यिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपश्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गबा है।

#### **भन्स्ची**

भूमि , विस्तीर्ण 20 गूंठे, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2020/83, रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी मारेडपल्ली ।

> एम० जेगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

ग्रार० ये० सी० नं० /84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची के ग्रौर पूर्णच्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भौरतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िकपाने में सूविधा के लिए:

मत: अब:, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—— 30 —206—GI|84

- (1) श्रीमती जी० लक्ष्मी तिरुपतम्मा पति श्री जी० नरसिम्हाराव, पाटामाटालंका, विजयवाङ्ग, कृष्णा जिला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री णी० रामबाबू ग्रौर ग्रन्य विजयवाड़ा, क्रुष्णा जिला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में मोर्ड भी बाक्षपे ह

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### मन्स्भी

भूमि विस्तीर्ण 40 सेंटस्, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7055/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्रकृप आहुर, टी. एत. एस. -----

नायक द निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प् (1) के अभीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायक र नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० द्यार० ये० सी० नं० 123/84~85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि है, जो पाटामाटा विजयवाड़ा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दितांक नवस्वर 1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से धृदं किसी बाय की बादस सकत निध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; वर्षर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा वे सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष निरमला पति एल० वेंकटेश्वरराव, विजयवाडा ।

(धन्तरक)

(2) श्री डी० साम्बाणिव राव ग्रीर ग्रन्य. विजयबाङ्गः ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यजाहियां कारता हुए।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अन्स्ची

भूमि , विस्तीर्ण । एकड़ 4 मेंटम पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नंऽ 7053/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त) निरीक्षण श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिन<sup>न्</sup>क 13 जुलाई 1984 ग्रार० यें० सो० नं० 124/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं वार है, जो चीराला स्थित है (ग्रीर इसने उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक नवस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीप्ट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जी निए;

कतः वयः, उनतः अधिनियमः, की धारा 269-म के जनुसरण मों, मों.. उनत अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन.. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री ही० वेंकट मुख्या राव ग्रौर ग्रन्य,चीराला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चंग्र रामचन्द्राराव पिता रामाकोटी, चीराला, प्रकाशम जिला ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित <mark>के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता **ह**ूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

भगव्योकर गरू---इतमें प्रपृक्त शग्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गपा है।

### नम्स्यी

धर सम्पत्नजी, चीराला विस्तीर्ण 284 ची० गज, भूमि श्रौर 1105 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख ने० 4215/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चीराला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) निरीक्षण श्रजेन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 13-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रशीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० आर० ये० म्।० नं० 125/84-85——अतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० घर है, जो गूडूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में भारतीय राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान 19 नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निजियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की धावत, उन्तत अधि-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे मजने में सुविधा के निए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बौधनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

अक्षः अज, उन्तत अधिनिष्म की भारा 269-ग के अनुसरण में. में., उन्त अधिनियम की धारा 269 व की उपभारा (1) स्टेब्सीन, निकालिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्रीमती सीएच० सूब्बम्मा पतिराधा रेड्डी, आय्यावारी पालम, नेलोटजिक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती व्ही० पद्मावतम्मा पति वशरथरामी रेड्डी, राजा विधी, गूसूर नेलीर जीला।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थीन।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका गया है।

#### मन्सूची

घर संपतो, इल्लाबारी विधो, नेलौर, जीला, विस्तीर्ण 168 बौ० गत्र० भूमी, 864 बौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1614/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलौर,

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 13-7~184 माहर : प्रकृष बाह्र , टी. एत्, एस्,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आए० ये० सं१० नं० 126/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह किन्द्राम कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उन्चित बाबार मृस्य 25,000/- रहे. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो विट दो विलेज, नेलीर स्थित है (ब्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) राजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 नयम्बर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करले का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अनसरण से द्वार्ष किसी जाय की बाक्त, उत्तर करियानियम के अभीन कर वोने के जन्तरक के शायित्व में कभी करने या उत्तर वचने में सुविधा के लिए; सौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मुख्याय्या सेट्टी, पिता वेंकट मुबेय्या, नेलीर ।

(अन्तर्क)

(2) श्री यन० रामश्रीष्णया भ्रीर अन्य बालाजीनगर; नेलीर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>4</sup>।

### मन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़, 15 सेंटस, बिट -11 गाव नेलीर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6054/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अधिकारी नेलीर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक **अ**धिकर **आ**युवत (गिरीअण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

विनांक :- 13-7-84

प्रकृप आहें. दी. एन. एस.-----

नामकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुबना

#### भारत बहुका

कार्यालय, सहायक मायकर नायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देण सं० आए० ये० सी० नं० 127/84--85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह जिश्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक है

स्रीर जिसका सं० भूमि है तथा जो नेलौर, में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्सर्ता अधिकारी के कार्याक्षय नेलौर में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 नत्रम्बर 1983

को पूर्वीयत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश्य (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्गदेख्य से उक्त अन्तरण विस्ति से वास्तिक रूप से किथा गया है हिला

- हैंक) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधः के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम के सिए;

 श्रीमती वॅक्ट सूक्वय्या पिता सूब्बय्या सेट्टी, कूंक्टूड्पूराम, नवाबपेट नेलीर,

(अन्तरकः)

.(2) श्री पी० चेंचू रेड्रडी ग्रीर अन्य, 16~1829,श्रीनिधासाआग्रहारम. नेलौर-525001,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ठि ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची:

श्रसूमर, बिस्तीर्ण 2एकड़ 8 सेंट, बिट -11, गाँव, नेलौर रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6053/83, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी नेलौर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

अतः अब, **अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण** कों, मैं, उक्त अधिनियम की <mark>धारा 269-च की उपभारा (1)</mark> कों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

दिनांक :-13-7-84 मोहर :- प्रकृषु आहर्ं, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सा० नं० 128/84-85--प्रतः मुझे, एम जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो काकानाडा तालूक रामेनयापेटा विलेख में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्प से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकानाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8 11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतैरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिभ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमालिश्विस व्यक्तियों. अर्थात्:—

- श्री एस० कुष्णा पिता एस० सत्यन, काकीनाडा। (अन्तरक)
- मैसर्म धनलक्ष्मी मोडर्न राइम मीलस्, बाई श्री पी० सत्तप्पानाइडू, मैनेजींग पार्टनर, प्लाट नं० 22, इन्डस्ट्रीबल इस्टेट, काकीनाडा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा ग्या हैं।

#### मम्सूची

भूमि विस्तीर्ण 1504, चौ० गज राममेनयापेटा विलेज, काकोनाडा, तालूक जिला इस्टगोदावरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9499/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

🔍 प्ररूप आर्डी, टी. एन ुएस, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 129/84-85--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 ⊋-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000 ∕- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो बेलमपल्ली विलेज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यलय नूझविड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी माय की ग्राथत, उक्त मिधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मियभाको लिए:

1. श्रा बोम्बा नागम्बर राव श्रीर अन्य विलमपलली, नुझविड तालूफ, कुष्णा जिला।

(अन्तरक)

 मैसर्स कृष्णा जिला सेडूलम् कस्टस का-आपरेट)व सोसायटो, बाई थ्रो। डो० एस० एन० वो० प्रसाद, एक्जोक्यूंटोव आफिसर, मछलोपटनम, कुष्णा जिला। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खे 45 दिन क्रे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्यी

भूमि विस्तीर्ण 66-50 एकड़, बिलमपल्ली, नूझबिड तालक, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 3967, 3968, ग्रौर 3001/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नूझविड।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरोक्षण अर्जन रेंज,हैदराबाद

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🚁

प्रकृष बा**र**्य दी<sub>ल</sub> एतः एसः ------

जायकार अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) को अभीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1984

निर्देण मं० ग्रार० ए० सी० नं० 130/84-85- -यत भूसे, एम० जेगन मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 35,000/-रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसको मं० भूमि है जो भीमूनी टनम विजान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसन्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विजान है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय, विजान में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्श्य निम्नितिवित उद्वेष्ट्य से उक्त जम्तरण किवित में वास्त- विक कप से अधित नहीं किया गया क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-चित्रण में अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में क्की करूने वा कथ्य क्यमें में सुविधा के लिए; गौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आगितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त मीश्रीनयम की भाषा 269-ग के बन्सरक के, में, अक्त अधिनियम की भाषा 269-व की अपभाषा (१) के बधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् १—— 31—206 GII84 ा श्री की० बुचो वेंकहा बोजगीरी राज स्पीप अन्य एस. सोटा, सिजीसानगरम जिला।

(श्रन्तरक)

2. श्री सांतारामा स्रासोसीयट्स आई मैनेजींग पार्टनर श्री बाई० विवेकानंवा पिता बाई० सीतारामा मुर्ती, सी० बी० एम० कम्पाऋंड, विशाखापटनमः

( अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में निहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

### मन्सूची

भूमि विस्थीर्ण 17-49 एकड् गोधीनगरम विलेज, पटनम तालुक, बिजाग जिला, रिपस्ट्रीकृत विलेख तं० 12562/83, रजिस्ट्रोकर्जा प्रधिकारी, विणाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, हैक्साबाव

तारील: 13-7-1984

### प्रकथ आहु . दी . एम . एस . ---------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराधाद, दिनांक 13 जुलाई 1981

् निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० न० 131/84-85---अनः मुझे, एस० जेमम मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि बर है, जो नरसापूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावह ग्रावृत्वों में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्ड्र-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वेल्र में रिजस्ड्रोकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, नवस्वर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के रूपमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है दै—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के निए: बीर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्हीं रती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए भा, स्थिनाने में स्विभा की लिए;

श्वतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (f) के अधीन, निम्निविधित ध्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रो बी० हेमसूंकरा गांधी, नरसापुरम, बेस्ट गोदाबरी जिला।

(ग्रन्तरक)

 श्री पी० वी० वेंक्कन्ना एण्ड को०, 11थ वार्ड, पालेकाकलू बेस्ट गोदावरी जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वीध या तत्संदंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वीध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ननसर्ची

घर सम्पत्ति जो डी॰ नं॰ 10-7-10, विस्तीर्ण 1130 चौ॰ पुट, प्लोंथ एरीया 303 चौ॰ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 6100, 6318, 6320 और 6206/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी येलक।

एम**ं जेगन मोहन** पक्षम प्रशिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984 <sup>-</sup>

भोत्रर :

प्ररूप 'बाइ : दी ्एन . यस .-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सुचना

#### प्रारत सरकार

### कार्यालय, सहायक मायकडु बायुक्त (निरुक्षिण)

ग्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० 132/84-85—-श्रतः मुझे, एम० जैगन मीहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० भूमि है, जो मारतूर विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मारतूर में रिजस्ट्रीकणर श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कृतिया गया है :--

- (क) वंतरण सं हुइं किसी आयेकी बाबत, उत्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः वय, उत्तर जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जं, में, उत्तर अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थास्  श्रीमती जी० पेरम्मा श्रीरं ग्रन्य, जीनाशलीपेट, जीलकाल्रीपेट तालूक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो० के० श्रीनिवासा राव, डायरेक्टर, ग्रामरवसी टेक्स्टाइल प्रा० लि०, चीलकालूरीपेट, गृंटर जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मित के अर्जन के जिए कार्यभ्यक्षियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपल में भक्ताशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीलर अकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरों के शाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### an ar all

भूमि विस्तीर्ण 8 एकड़ 91,-1/2 संटस, मारनूर गाव श्वाडंकी तालूक प्रकाग जिला रजिस्द्रीकृत विलेख न० 2349, 2343, 2364 2356ग्रीर 2355/83 रजीस्ट्रीकतां ग्रिधकारो मारसूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैटराबाद

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🛭

धारा 269 व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरिक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० धार० नं० सी० न०133/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो रामान यापेटा विलेज, काकीनाडालूक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रदुमूर्च। में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विकास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बुस्तरण संहुई किसी शाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या जससे बचने में सुविधा के सिए; औट/बा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) श्रोमती के० वेंकटरस्तमा पिता के० के० रामात्लसम्मा, गांश्रीनगर में, सूर्यारायपेटा, काकीपाङा ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमनी बाई जयालक्ष्मी भीर अन्य डो० न० 13-1-23, सूर्यारायपेटा, काकीपाड: ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृष्ठिकत संपरित के अर्जन के लिंं। कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### wa wah

भूमि विस्तीर्ण 1332 और गज, रामानयापेटा, विलेज काकीनाडा, तालुक, ईस्ट गोवाबरी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10102/83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी काकीमाडा ।

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्रविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः स्व, उक्तं अभिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरणं भा, मा, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को कुभीन, निम्नसिक्तियं स्वक्तियाँ, अधितः :----

विनांक : 13-7-1984

मोहर.-

प्ररूप काई, टी. एन. एस्. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीर सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विमांघ 13 ज्लाई 84

निवश सं० आर०ये० सं100 नं134/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वार करने का कारण हो कि स्थावर संस्थित जिल्का जिल्ला बाहार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्ववास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चदेश से उनत अन्तरण निम्नलिचत अव्वदेश से उनत अन्तरण निम्नलिचत अव्वदेश से उनते अन्तरण निम्नलिचत

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाथ की वाबत उक्त श्रीध-नियम के श्रीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे वचने में सुविधा के लिए, श्रीद/मा
- (क) ऐसी किसी आय क किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सूर्तिधा के एकए;

चतः वव, उच्न अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्स अधिनयम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को भीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रं एन० केशवा राव पिता अचूतरामय्या, दोलसूख नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डॉ॰ अभम पेदापूरला राव पिता अंजय्या, 7थ लाइन आरुण दलपेटा, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के निष् का ंग्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्छ, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धर संपत्ति. डी० नं० 6-8-32, आरुणदलपेंट, 8थ लाइन सेंकड कास रोड़, गूंटूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 9906/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी गूंदूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

प्रकथ ला**र्च**. टी. **ए**न. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० आर०ये० सी०न० 135/84-85—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो सरपावरम काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हूं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. असके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में हास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वार्षित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (भ) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियां की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत्य अथा. उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— 1. श्री एम० सूयाराव श्रीर अन्य सरपावरम ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरकः)

 श्री एम० चक्रा राव, सरपावरम, कार्कानांडा तालूक, ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पार के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 50 सेंट्स, सरपावरम, काकीनाडा, ईस्ट गोवावरी जिला रजिस्ट्रीक्षत विलेख नं० 10518/83, झौर 10500/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

### प्रकप बाह्र .टी .एन .एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के स्थीन सुम्ता

#### भारत तरकार

### कार्याजय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (पिरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० आर० ये० सी० नं० 136/84-85→-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शेर इन सीनेमा थियेटर है, जो काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्य विस्नितियत उद्योग्य से उसते अन्तरण मिष्टित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया यथा है.---

- (क) अनुतर्भ ते हुए कियी बायुकी वाबस, उचस अभिनिवय के अभीन कार दोने के अन्त्रक के वाक्तिय में कभी कड़ने या उन्तर बुक्त में त्विया के बिए; जीर/या
- (था) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए ला, छिपाने में जुनिधा के लिए;

नत: अन, उन्त अधिनियम की भारा 269-य के नमुसर्क में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) श्रं। कि० वेंकट रायुष्ट्र भीर अग्य गाँधी नगर, काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इ० पार्वती श्रीर अन्य तीन केरआफ लक्ष्मी टाकीज, कार्की नाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यभाष्ट्रिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंबारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रमुख्त शब्दों बौर पदों का, वो स्वस्त् विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाविद्य हैं, बही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिवा गया हैं।

### अनुस्ची

विस्तीर्ण 0. 4. 3, शेर इन सीनेमा थियेट मैसर्स, लक्ष्मी टाकीज, काकीनाडा, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 10401, 10402 10403, और 10404/83 रजिस्ट्रोकर्ता विलेख अधिकारी काफीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक :- 13-7-84

मोहर 🗈

प्रस्थ नाइ. टी. एम. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विदाक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आरं० ये० सी० नं० 137/84-85-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव भूमि है जो कूकोडीमोली विलेज इस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीठापुरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उँचत बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्छ जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में मुविधा के निए।

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भी के॰ सूर्यनारायणा खेन्टी.
 पिता बाला कील्णा,
 10थ, वार्ड, पोठापुरम ।

(अन्सरक)

(2) श्री सीयच बूचे राजू भीर अन्य, स्टूबारपेटा, पीठापुरम, इस्ट गोदाबरी जिला।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी गावित द्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असमाची

भूमि विस्तीर्ण 17-49 एकड़ , पीठापुरम तालुका कूथुकोडीमोली विलेज, रिजस्ट्रोक्टल विलेख मं० 2606/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकोमाठा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13--7-84

प्ररूप आध्री. दी. एन्. एस्,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निदेश मं० आर० ये० मी० नं० 138/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कारीटीपाडू गूंट्र में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंट्र ्में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और बन्ति (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदबोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस जक्त अधिनियम को अभीन कार दोने को अन्तरका और वायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सृविधा को लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मों, मौं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्योक्तयों, अर्थातु:----

32-206 QI184

(1) यवज्ञेक्युटीव्ही आफिसर, श्रो सी० एच०, देवादानम र्था योंकटेरयरा स्वामी टेम्पल, गृंट्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० राधा कृष्णा मूर्ती सेकेटरी, आचोलाद्वा श्रो पोटीश्रीरामुल सेवक समाजेम, पोटो श्री रामूलूनगर, गूंटूर 🕕

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथंकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- .क) इस स्<del>च</del>नाके राजपत्र में प्रकाशन की सारी<del>ख</del> से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षां उप्तत मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भिम, बिस्तीर्ण 1 एकड्, 48 सेंटीमीटर, कारीटीपाड विलेज, गुंटर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 8851/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी गृंटर ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84

THE PERSON NAMED IN COLUMN

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 13 ज्लाई 1984

निदेश मं० आर० ये० मी० नं० 139/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/- स्पए से अधिक है

श्रीण जिसकी सं भूमि है, जो नूझविड स्थित है (श्रीण इसमे उपायक अनुसूची में श्रीण पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नूझविड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान नवस्थण 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रितिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफाल से एसे दरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्यंदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवाध के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरन्निस्तित इंग्रक्तियों, अधीत :-- (1) श्रा एस० सूर्यनारायणारात्र, रामस्तागृंडम,

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवासा वल्सानंगः, वाई श्री इनुगंठीवेटा राजा सुधाकर, नूझविड पीस्ट, कृष्णा जिला ।

.(अन्नरिनो)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड , 76 मेंटीमीटर, ग्रौर 3696 चौ० फूट, शेष्ठ , रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 3057/83, रजिस्-ट्रोकर्ता अधिकारी नूझविड, ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी • सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

### प्रकष नाहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1984

निदेश में० आर० ये० संा० नं० 140/84-85---यतः मुझे, त्म० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उस्ति बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो नुझविष्ठ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नूझविष्ठ में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवस्वर 1983 की

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विख्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिशत से उधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्रे सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रो० के० रत्नाकुमारी पति नागभूसनम, न्सविड ।

(अन्तरक)

(2) श्रो आर० बूजो वेंकटा सूर्यम्मा, पति वेंकटरत्नमा राव, नूझविड ।

(अन्तरितः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूत्रीकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुखना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहुस्ताअरी के पास लिखित में वियोग सकरी।

स्वव्यक्तिरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्नर निधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, यहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा विकासण है।

#### मम्स्यी

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़ , 08 पेंट, नूझविट, क्रुण्णा जिला, रजिस्ट्रेक्किन विलेख नं० 3083 /83. रजिस्ट्रेकिर्ना अधिकारी नूझविड ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 -7-84

महिर्ध

### इक्य बार्ड . टी . एव . एस , -----

# बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म् (1) के मुभीन सुमना

#### भारत सरकार

### कार्यासम्, सहायक आयुक्तर आयुक्त ([नरीक्षण]

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० नं०361/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं घर है, जो चीक्कडपल्लो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वों क्यं सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्यं संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम् पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संहुर्य किसी बाब की बावस, इक्ट्र विवृत्तिस्म के बधीन कर दोने के अन्तरक के बासित्व में कमी कड़ने ना उससे क्यने ने सुविधा के बिए; बरि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगरिसयों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने से स्विभा के लिए;

जतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् :---  श्री साम्बू सांग पिता आडे सोंग, निम्बोली आड्डा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्री पी० कृष्णा राव पिता लक्ष्मीनरसीमहाराव,
 डी० नं० 1-1-261/15,
 चीवकडपल्ली,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्वीक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंसे।

स्वव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पवाँका, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा वसा है।

#### अम्सूची

घर संपर्ता चीक्कडपल्ली, हैदराबाद घर नं० 1-1-261/ 15, विस्तीण 253 चौ० गज बिल्टप एरीया 100 चौ० फ्ट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5906/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी हैदराबाद।

> पम० जेगन मोहन सक्ष्म अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

भोहर 🖫

प्रस्य बाह् . टी . एन . एस . .....

. बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकारु

कार्पालय, सहायक अंग्रिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश मं० आर०ये० सी० न०362/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात । उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० घर है, जो चाक्कडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अतिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर 1983

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (प्रम्तरकों) और मन्तरिक्षी (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उका यन्तरण निख्या में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियत्र के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीप्रितियम, या धन कर श्रीप्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविशा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—-

(1) श्रो साम्बू सींग पिता आडे सींग, निम्बोलय आइडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राजमनी पित विस्वनाथ गाँड, डी० नं० 1-1-26/15, चीक्कडपत्ली, हैदराबाद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करसा हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप : 4-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के वास लिक्ति में किए जा सकेगे।

स्वस्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, वो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

घर सम्पत्ति ्नं० 1-1-261/15, विस्तोणं 220 चौ० गज, श्रार 10 चौ० फूट, रिजस्ट्राक्ट्रत निलेख, 5797/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

(एम० जेगन मोहन) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-84 मोहर : प्ररूप नाइं.दी.एन.एस.------

मायकर मिश्रिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर०ये० सी० नं० 363/83-85---यतः • मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स में भर्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० घर है, जो चे लेकिडपलर्जा है दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अणुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विजन है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रितौ (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित व बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी जाये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या असत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के निष्ट ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकित अकितमों, अधितः— (1) श्री साम्बू सींग पिता पिता आडे सीग, निम्बोली आड्डा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जो, नरसीम्हा रेड्डी पिता येलरेड्डो,
 घर नं० 1-2-261/15,
 चीक्कडपलली,
 हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्ट कार्यशाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन की जबिध मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की सामीस से 30 दिन की जब्धि, को भी जबिध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

#### ---

घर संपत्ति 1-1-261/15 चाक्कडपिल्ले, हैदराबाद, विस्तीर्ण 200 ची० गज प्लीथं येरीया 100 ची० फूट रिजस्ट्रीकर्ता अविलेख नं०, 5907/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी हैदराबोद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 13-7-84 मोहर :

# प्रकथ काई. टी. एन. ६त. "

# नायकर गिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीत स्वात

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर०ये० सी० नं०364/84-85--यनः मुझे ,एम० जेगन मोहन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, वह विश्वात करने चा कारक है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो मासाबटन्क हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप मे वर्णित है ), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रांतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह बितवत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निविद्य से बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निविद्य से बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त जिम्मिविद्य से बन्तरण से कि प्रति नहीं कि या गया है:---

- (भ) अन्तपुण से हुप्दं किसी आव की वाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; बीर/भा
- (त) लोमी किसी कार ए जिल्ली अने ता अन्य अधिनयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रमोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, जिलाने वें सविधा के लिए;

बतः बब उक्त विभिनियम की भाग 269-ग को वन्तरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रांसयद हासोमा पिता सयद यासान श्रीर अन्य, वेगम बाजार हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री समयहाणन पिता समय मोहोंमद इक्बाल णकील, घर नं० 4-59/5, विकासनगर, दीलसूखनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

न्द्र सष्ट् शृष्ता वारी करके पृत्रानिक् सम्मरित के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नवीं या दरतम्बन्धी महिन्तकों पूर बूचना की तानीज से 30 दिन की नवीं , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कहा भावितयों में से किमी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए भासकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रमुख बच्चों भीत स्वी का, की उनक्ष व्योधनियम्, के मध्याम् 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

खोलो जमीन, विस्तीर्ण 1000 चौ० गज ग्रौर 180 चौ० फूट, प्लाट परोया मिसाबटन्क, हैदराबाद, रजिस्ट्रोकृत विलेख, नं० 5776/83, रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाक्ष

दिनांक . 13-7-84

मोहर:

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, ल्ह्यायक आमकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निदेश मं० आर० ये० मो नं० 365/84-85--यनः मक्को, एम० जेगन मोहन ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रुट. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है. जो नेहरूनगर, मा साबटेक हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णकप मे बर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया द्रितफल निम्नलिखित उद्बंदिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी अपरने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आम्लियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्थिया के लिए,

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, बी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्ननिश्चित स्वयित्यों, अर्थात् क्ष्यान (1) श्री गयद अञ्चल खादर .
 19-15-74/1/3,
 बहादूरपूरा,
 हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री सयद रसीद मोही मदिनेत, 10-5-32/2, अहमद नगर 1 स्टलाइन, हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भगसुधी

धर सम्पत्ति विस्तीर्ण 380 ची० गज, भूमि ग्रौर 150 ची० फूट प्लाय परोया, नेहरूनगर, मा साबंद्द्द्य, हैरदराबाद रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 5603/83, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी हैदरावाद ।

> एम्० जेगन मोह्न सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक .- 13-7-84

महिर:

प्ररूप आहे.टी.एन.एस्, =======

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यीलय, खहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1984

निर्डेण सं० प्रार० ये० सी नं०366/84-85--यतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी में भूमि है, जो भुरवावाडी, निजामाबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारों का कार्यालय में निजामा-बाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवस्तर 1983

कां प्वांवित संपत्ति के अभिन्न बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिल्ति में वास्त्विक क्ष्म से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उक्त जिथिन नियम के अभीन कर दोनेके मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपन अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 33—206 GI[84

(1) श्री गनेशदास पिता नारायण दास, भ्रौर भ्रन्य 7--2--185, मारवाडो गूल्ली, निजामाबाद,

(ग्रन्तरक)

(2) शोमती शांताबाई पति लक्ष्मीचंद ग्रौर ग्रन्य 6-20-52, गुरवावाडी, निजामाब्यद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथोंक्त संपरिष के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लास में किए आ सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वस संस्थि

खुली जमीन, 4, 5, 6, 7, गुरबावाडी, निजामाबाद, विस्तीर्ण 866.66 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1677/83, रजिस्ट्रीकृती श्रिधकारो निजामाबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ऋष्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13--7-1984

मोहर:

प्रश्लेप आर्द्धः थी . एन . एस . -----

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश, श्राप्त ये० सी नं०367/84-85--यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इक के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का आहरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबट श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैराताबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उत्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः चे हिंगू;

जतः शव, अक्त जीधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ा— (1) श्री एम० रामावेत्री पति एम० ए० राजू,
 2-2-647/273/ए'
 बागग्राम्बरपेट,
 हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमती व्ही, सत्यावती पति व्हीं यस राजू, 23, जीव श्राईव ईव 1स्ट फीज, बालानगर, हैदराबाद-37।

.(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना पारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त राम्पील के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्स्य म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उनक विश्वनियम, के बच्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस् अध्याय में विया गया हैं।

#### रन संची

्लाट नं० 44, यस नं० 116/3, 4, 120, 121 श्रीर 122, खैरताबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ,2994/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद ।

दिनांक : 13-7-1984

भोहर:

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रार०ये० भी० नं० 368/84 85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० घर है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्या में बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैरताबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्थ से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ध्रपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमें ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन् किसी नाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के ज्योन कर देने के मृत्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ब्रीड/वा
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब,, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ३—-- (1) श्रीमती रानी एल भरला देवो, हैदराबाद, ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती कुमार सुलताना, 12-1-934, हैदराबाद,

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्भ किसी अन्य स्थावत द्यारा अधोह स्ताक्षरी के याक लिक्सिस में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्यो

घर नं० 12-1-934, खेरसाबाद, हैदराबाद विस्तीण, 153 चौ० गज भूमि गज श्रीर 700 चौ० प्ट प्लिथ एरिया रिजिस्ट्रीकृत विचेख नं० 3129/83, राजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहत सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाकः :-13-7-84

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-------बायुकर अर्देभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रोमेन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84 निर्देण सं० श्चार० यें० सी० न० 369/84-85--यतः मुझे, एम० जेंगन माहन ,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो अभजनगंज, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विद्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकार्रे) और अंतरिती (अंतिरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त मंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण संहर्ष फिली बाय को बन्तरा उचक वॉथिनियन के वधीन कर दोने के जन्तरक के वाजित्य में कमी करने वा अध्वे व्यन में वृत्या के के लिए; वॉर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, असत विधिनयम की भारा 269-य के अनुतरण मी, मी असत अधिनियम् की भारा 269-य की उपभागः (1) के अधीनः, निम्नलिखित स्पक्तियों, अभीतः—  श्री कृष्णन लाल पिता लोकमान्य सिंग ग्रीर भन्य 13-1-522, दिलसुखनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

(2) श्री गोविंदलाल श्रीझा पिता बधीनारायण श्रीझा, 4-4-51, सिकन्दराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्योंक्त संपत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित.-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### नगुलुची

घर सम्पत्ति मत्गी नं० 15-9-409, श्रफजलगंज हैदरा-बाद, विस्तीर्ण 33.33 चौ० गज० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5999/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84 मोहर :- भूकप् आहें . टी. एन्. एस ......

# नायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुभीन सूचना

#### शास्त्र व्यक्तु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 84

निदेश स० ग्रार० ये० मोमें न० 370/84-85--पतः मुझे एम० जंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको मं० घर है, जो भूरादनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुस्की में ग्रार पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ध्रीधकारों के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांग 19 नवम्बर 1983

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई हैंकसी शाय की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कार देंगे के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री कलीलूलाह,10-5-29, भासाबटन्क,हैवराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री मीर फक्क आली,12-2-54, मूरादनगर,हैयराबाद,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### गगुसुची

घर नं 12-2-54, मूरादनगर, हैदराबाद, रिजस्ट्री-इत विलेख नं 2990/83, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खेरताबाद,

> एम० जेगन मोहन संक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैवराबाद

दिनांक :-13-7-83

मोहर 🛭

प्ररूप आहें, टी. एन. एस्. 🗸 - 🧸

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउँ भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत बुरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद, दिनांक 15 जुन 1984

निदेश स० श्रार०प० सी० न० श्राई० य० सी/प्रक्रिक० 37-ईई/184-85---यनः मुझे एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-क से अधिक है

ग्रीप जिसेको सं० आफिस न० 161 न० से 163 फस्ट फलोंग्रर बाबखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद श्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है). रिजिस्ट्रीकर्नी श्रीधकारी के कार्यालय ग्राई ए० सी० ग्रिक्व रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक ग्रामस्त

को पूत्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आम की नावत, उनके ब्रिप्तियम से स्थीन कर दोने के जन्तरक के ब्रियित्य में कमी करने वा उससे ब्यूने में ब्रुटिया के विष्; ब्राहर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 (1) भैसर्म बाबूखान कन्स्ट्रवणन 5-9-58/1/15, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० मीतामनो 203, मातृश्री स्नापार्थमेटस हैदरगृहा हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### गमस ची

कार्यालय न० 161, 162 श्रीर 163 प्रथम तत्र, बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1142 ची० पूट, ब्राडक्य य० सी० श्राविब, रेंज का रजिस्ट्रेगन नं० 254.

> एम० जेंगन मोहन. सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद,

दिनांक :-- 13-7-84 गोहर ध प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेण स० ग्रार० य० मो० न० ग्राई० य ० सी०/
ग्रिनिवः/37-ईई/2/84-85--गतः मुन्ने, पम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित वाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फलेट न० 602, पद 6थ फ्लोग्नर ग्राफ अक्षप्तर टावर्स हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राई० य० सो० ग्रिविव रेंज हैराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक अगस्त 1983

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उस्वेख्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्त्विक का स्वार्थ हैं:---

- (क) अस्तरण से हुई फिली जाग की शावत सकतः अभिनियंत्र के सभीण कर दोने के अन्तरक की वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा मुख्या शहर रहा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धूम या जून्य आस्तिवीं जो, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिकियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकियम, या धूमकर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया बाना शाहिए था, क्याने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

(1) मैसर्स ग्रवि कन्स्ट्रक्शनस 102, ग्रकबर्स टावरी, न्यू मलकपेट हैदराबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) द्वा० मोहामद शफीक,15-8-921/6,मलकपेट,हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

# नगुसुची

फ्लैट न० 602 , 6थ फ्लोर न्यू मलकपेट, हैदराबाद ग्रकबर टावर्स, विस्तीर्ण 1166 चौ० फूट, ग्राई० य० मी० ग्रक्षिय० में रिजिस्ट्रेशन नं० 260

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रप्तिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84 मोहर :

# प्रकृषाच्या थी. एम्. एस्.। ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यौलय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश स० ग्रार० प० सी० न० ग्राई० प० सी०/ग्रक्ती/ 37-ईई/3/84-85---ग्रत. मुझे ,एम जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको स० पर्लंट न० 102 इनफेंट फ्लोर ग्राफ अकसर टावर्स मलकपेट, हैदराबाट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्रोकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय ई० प० मी०ग्रक्वी० रेंज, हैदराबाट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीनी नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक रूप से किश्व नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सृष्टिभा के सिद्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्वित्ता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—— (1) मैसर्स बो० कन्स्ट्रकशनस 102, ग्रकबर टावर्स , न्यू मालकपेट, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोह० बाजीद हूणन, ग्रोल्ड मालकपेट, हैदराबाद ।

(अ-तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया ही।

# मन्सूची

फ्लैट न० 102 , प्रथमतल ब्लाक, 'ए' प्रकबर टावर्स मलकपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1250 चौ० फूट, प्रोपरती डिजाईन दी एग्रीमेंट सेल रजिस्ट्रडें इन धाई० य० सी० प्रक्वां० रेंज हैदराबाद रजिस्ट्री न० 261 ।

> एम० जेगन मोह्न सक्षम ग्रिधिकारी यहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रेज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84

मोहर ध

# प्ररूप जार्ड, टी. एन. एस. ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मगा।

#### भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैपराबाद, दिनांक 15 जुन 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/ 37/ईई/4-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परचात** 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रत. से अ**धिक ह**ै

ग्रौर जिसको सं० आफिस नं० 302, तीन मंजला बाबू-खान इस्टेट, बसीरवाग, हैदरावाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्हो-कर्ता श्रधिकारं। के कार्यालय, आई०ए० सं१० अविष० रेंज, हैदराबाध में भारतोय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक 19 ग्रगस्त 1983

का पूर्वोक्त संपृत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति को उचित बाजार मल्य. उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रीतमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक भूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं**हर्ष किसी** आयं की वागत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (सा) एोसी किसी अराय था किसी धन या अन्य अरास्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रथत नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त कथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत , निम्नसिसित व्यक्तियों , कर्थांट :---34-206 GI|84

The state of the s (1) मैं सर्स बाब्खाम कन्स्ट्रकशनस् 5-9-58/1-15, बसोरबाग, हैदराबाद ।

(अस्तरकः)

(2) श्री मोहामद आ मानहाज आ हासन, 16-10-185/21भ्रोल्ड मलकपेट हैवराबाद।

(अन्तरितो)

को यह स्वाना आरो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारील क्षे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील रां 30 दिन की अवधि, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति खुवारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्रुची

कार्यामय नं० 302, तीसरा मजला, बाब्खान इस्टेट, बसारबाग, हैदराबाद, विस्तार्ण 3229, चौ० फुट, आई० ए० सा० आफिस अक्कि रेंज में रजिस्देशन नं० 272 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक : 15-6-84

मोहर :

### प्रकप आहें. की, एन, एस,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूच्ना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निवेश सं० आर० ऐ० सी० नं० आर० आई ए० सी०/
अिक्स /37 ईई/5→-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
बायकर अिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उकत अिथिनियम' कहा गया है। की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य
25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 001 थि० है, जो ग्राऊ एलोर मडफोर्ट आपार्टमेंट्स हैदरबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० अविकथ रेंज, हैदरावाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्ममान वितरफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रति-कल निम्निलिन्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सविधा के लिए:

जतः जरू उक्त जीभिनियम की भारा 269-म की जन्मरण मीं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्त इनाव्हेशन विरुडर्स 142/सि० पेंडरपोस्ट, रोड, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती के० कोमाल, 638 /र्सा, वियत्त्र एल० टाऊनशीप, हैदराबाद-32 ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्संप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### जन्स्यी

फ्लैट नं० 001, बि॰ ग्राऊंड फ्लोर मडफोटं अपार्टमेंटस, 211 मड पाटं, सिंकवराबाद, विस्तीर्ण 1050 चौ॰ फुट, आई॰ ए॰ सी॰ अक्वी रेंज, हैवराबाद का रजिस्ट्रेशन मं० 272 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

दिनांक :- 15-6-84

मोहर :

प्रक्ष भा<u>ष्</u> ही<sub>ः</sub> पुत्र<sub>ः</sub> पुष्<sub>ः</sub>-----

भायकर भाषि त्रियम्, 1961 (1961 का 43) की धाउा 269-म् (1) के स्थीन स्थान

#### मारत स्डम्बड

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सो नं० ग्राई० ए० सी० /अस्वि० 37-ईई/ 6--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिमकी सं० एक० नं० 201-बी० दूसरा मंजला मछ फोर्ट आपार्टमेंटस, सिकदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० /अक्वि० रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

को प्रविश्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास धरने का कारण है कि यथापृशेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, असके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण निश्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उसत अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; भीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं: किया क्या भा या किया चाना चाहिए था, जिलाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त विधिनियम् की भाषा 269-व के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स इनावेशन विल्डर्स 142/सी, पेंडरशास्ट रीड़, सिकदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री० के० रामनाथन, 1→1-10-105, अभोक नगर , हैसराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उनेक सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाशोंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पायीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पयों का, को उक्त व्योधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्सूची

फ्लैट नं० 201,बी० दूसरा मंजल, मडपार्ट अपार्टमेंटस्, सिकदराबाद, विस्तीर्ण 1080 चौ० फुट, आई० ए०सी० अक्टि रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रेशन नं० 274 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84

मोहरु

# प्रस्य नार्ह, दी. एन, एस. ------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सुचना

#### भारत बडकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 15 जून 1984

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० श्राई० ए० सी०/अस्वि०/ 37- ई ई/7—यत: भुझे, एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० नं० 104 बाँ०, प्रथम तल मडफोर्ट आपार्टमेंटस, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है ), रजिस्ट्रांकती अधि-कारा के कार्यास्त्य, आई० ए० सी० अक्वि, रेंज हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान जिनोक अगस्त 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित वाजार भूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निचित में आस्तिवक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुर्घ किसी बाय की वायत, जम्ह अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वृषने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग भी अनुसरण भाँ, भाँ,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (३) कृ अधीन निम्नतिश्वित स्थानित्यमें, स्थाद ध—- शा जो संकरन,
 26/सी० सांती हास्पीटल कम्पाऊंड,
 वेस्ट मारेडपतला,
 सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स इनोवेशन बिल्डर्स 142 सा. पेंडरघास्ट रोड्, सिकदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में पे किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुथा है।

#### अन्स्ची

प्लैंट नं० 104बी०, प्रथम तल, मडकोर्ट अपार्टमेंट्स्, सिंकदराबाद, विस्तोर्ण 980 चौ० फुट, आई० ए० सी० अक्वि रेंज, हैदराबाद का रिजस्ट्रोणन न० 274।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकःरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, टैवराबाद

दिनांबः :- 15-6-84

- मोहर :

# प्रकृप मार्च . टरे एन् . एस . -----

# नावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के निधीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15जून 84

निदेण सं० आर० ए० सी०नं०आई० ए०सी०/अक्षि०/ 37 ईई/8--थनः सुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

जिसकी सं० एफ० नं० 102 बी० प्रथम तल धौर जो मडकोर्ट अपार्टमटस, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्ति, रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

का पूर्वों कर। संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम् के स्थमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके एर्यमान प्रतिफल सं, एस एर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नुचने में सुनिधा के लिए; स्ट्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ध— (1) भैसर्स इनोबेशन बिल्डर्स 142- सी०, पेंडरथास्ट रोड़, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० एस० एस० सूर्यनारायणा पी० नं०, श्रीनिवासा कालोगी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेषु :---

- (क) इस स्थान के राजप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविष् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविष, वो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

पलैट नं 102वी, प्रथम मङ्फोर्ट अपार्टमेंटस्. मिक्तदराबाद, विस्तीर्ण 980 चौ० फुट, आई० ए० सी० अक्वि रेंज, हैदराबाद का रिजस्ट्रेणन नं 275।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 15-6-84

मोहर 🕃

प्ररूप आई., टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 84 निदेश सं० आर्० ए० सी०नं० आई० ए० मी०/अक्बि/ 37-ईई/9--यन: मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार ज्व्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिनकी मं० एफ० नं० 239 डी० ब्लाल है, जो जीती-शिशासा आपार्टमेंटम् पंचागृटटा, हैदराबाद से स्थित है (और इससे उपावड अनुसूर्व, में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस् इती अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्वि रैंज, हैदराबाद में भारतीय जीतस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिगांक अगस्त 84

को पूर्वोक्त संपरित के उपित गाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित गाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियत उद्योध्य से उक्त अन्तरण किथित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबस, उक्स जिमितियम के अभीत कर दोते के अन्तरक के कायित्व में कामी करते या उससे दणने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स विरगो यन्स्ट्रक्शनस्,
 6-1-1063 वं ा०/3, राजभवन रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० नारायणा डी० ब्लाक फ्लैट नं० 239, शांतीणि हारा आपार्टमेंटस्, पंजागूट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित्यद्भ के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्स्वी

फ्लैंट नं० 239 डी० ब्लाक, कांतोशिकारा आपार्ट-मेंटम्, रंआगुट्टा, हैदराबाद विस्तीर्ण 864 घी० फुट आई० ए० मी० अभिन रेंज, हैदराबाद का रजिस्ट्रेणन नं० 2931

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक **आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिदांग : 15-6-**84** 

मोहर:

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

् \_ हैदराबाद,दिनांक 15 जून 83

निदेशसं० आर० ए० मी० नं० आई०ए० सी०/अक्वि/ 37 ईई/10 ——यनः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिनिशी मं० एफ० नं० एं -2 वृत्या मंजिला है, सोनी बिल्डर्प डीभामानगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबस अनुभूची में और पूर्ण क्या ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिरारी के जपालिय, आई० ए० मी० अक्वि रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीजरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उसमें अपने में स्विभा के निष्; वरि/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस, 192? (1922 का 11) या उसत अधिनियस, या धनकार अधिनियस, या धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के निए:

कतः अब, अकत जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गों, भौं अकत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निस्निजिबित व्यक्तियों, जर्मात् रू~~ (1) गैंसर्स मोनी बिल्डर्स नं० 3-6-389, हीमायतनगर, टैदराबाद।

(अन्तरक्)

(2) श्री चित्रेमान वाला मोहमद एफ० नं० ए-2, दूसपा मंजला, 3-6-389, मोनी बिल्डर्स हीमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुई।

जक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाया;
- (स) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिताबह्य किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जम अध्याय में दिया गमा है।

# अनु**स्**ची

पर्लंट नं० ए-2, दूसरा मंजला, मोनी बिल्डर्स ३- ६-339, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1555 चौं० पूट 4, आई० ए० मी०/ अक्वि रंग ा राजिस्ट्रेयन नं० 284

> एम० जेगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर खायुक्त (निरीक्षण) अर्जे १ रेज, हैदराबाद

दिनां ः 15~6-84

मोहर 🤋

प्रस्प भाद ं.टी.एन.एस. ------

भाग्रकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### बारत बरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवरावाद, दिनांक 15 जून 84

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० /अिमव/37 ईई/11---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

काश्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं एफ नं 1 है, जो 1-2-524, है तथा जो, दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अकिव रेंज, हैदराबाद में भारतोय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान हित्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अनुने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृता निम्निलिवत उद्देश्य से उक्त उन्तरण निचित में बास्तीयक अप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या था किया चाना चाहिए चा, डिमाने यें मृदिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शनस् 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्री सी० एत० नारायणा. ऊडपेट, अनकापस्ली, जिला विशाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रों कत सम्पृतित के अर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बबत सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कौर्द भी लाखेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस्र्ं सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्यों सौर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

पर्नेट नं ०-1, विस्तीर्ण 1200 नौ० फुट ग्राउंड फ्लोर 1-2-524, दोमलगृडा, हैदराबाद, आई० ए० सो० अस्नि रेंज, रजिस्ट्रेशन नं० 288, ।

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **आगुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक :- 15-6-8**4** मोहर ध

# प्रकृप काही, टी. एन. एस.------

नागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुबना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०/अविष/37 ईई/12---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 17, और 18 हैं, जो रंगाराजा-टावर्स हैदरांब से में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाकार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत से बिधक है और बंतरक (बंतरका) और बन्तरिली (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससं अचने में सविधा के लिए,
- (क) एंती किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्रभा वाहिए था कियाने में सुविधा की सिए;

जत्तः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

35--206GI|84

(1) मैसर्स लक्ष्मी बिल्डर्स, 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्रो पो० रामूलू, इस्माइलखानपेट, मेदक जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

सकत् सम्पत्ति की वर्षत् की सम्बन्ध् में कोई' भी बाक्षेष् 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को बी क्विंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनत विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया। भूवा है।

#### मन्त्री

ब्लाक नं० 17, और 18, रंगराजा टावर्स सद्दफाबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 621 चौ० फुट और 431 चौ० फुट रिजस्ट्री नं० 290 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 15#6-84

मोहर:-

# श्कन बाई . टी. एन . एस . ------

ें भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदरायाद

हैवरायाव, विनांक 13 जुलाई 84

निदेश सं० आई० ए० सी० /अस्वि/37ईई/13---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी संव्यूनीट नंव 5 और 4, है बसीरबाग, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अ.ई० ए० सो० अक्यि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, एसे स्व्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नचिमित अद्देशिय से एका अन्तरण निज्जित से शास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विध-नियम के वधीन कर वेने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आयं या किसी धन या कर्ण लेक्सियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः सम, उक्त अधिनियमं काँ धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन जिस्सित स्योक्तियाँ, अर्थीतः :---- (1) मैसर्स रोयल बिल्डर्स जगदीश मार्केट चीराग आली, लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रफीया जफफर आर॰ श्री समय अनू जफफर, घर नं॰ 3-6-220, हीमायसनगर, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायनाहिया कारता हुए।

े 'डक्त सम्परित'के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वीश्वाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूर्णना के राजपत्र को प्रकाशन की शारीक ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यग है।

#### अनुसूची

यूनीट नं० 5, और 4, दूसरा मजला, 5-9-30/21, से 25, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीण 255 चौ० फुट और 255 चौ० फुट र्रिफ्ट्रेशन नं० 292 और 293।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13~ 7-84

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-------

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुल ई 1984

निदेश सं० आई० य० सी०/ अक्ति 37 ईई/14—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके परचात् उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ नं० 1 है, जो 5-9-216 चीराग अली लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आह ए सी० अक्वि हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकत्न, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से क्रिंशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/वर
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिद्धा!

इतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण को, जी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधी म, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीतः — (1) मैसर्स टावक्तन बिल्डर्स नारागआलो लेन, हैदराबाध।

(अन्तर्म)

(2) श्री मोहोंमद पाशा कादरी, बाक्स नं० 381, सोदी आरबिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अच्य आस्तियः 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपस्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त विश्वीतयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

### नगुसूची

प्लैट नं० 1, 5-9-216, चीराग आली लेन, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीर्कण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनां<del>क</del> : 13-7-84

मोहर:

# वर्षेष् भाषी, जी, वन्, एत,------

कांबकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० य० सी०/अक्ति 37 ईई/15—-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी कां, यह विस्वास कारने का कारण है कि स्थावेर सम्पत्ति, जिस्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं. 547 है, जो रानीगज, सिकंदराबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० य० सी० अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर

को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देव श्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी अन्य की बायत, कन्छ वीधनियम् के जुधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कमी करने या उससे व्यूने में स्वीवधा के सिए; बहुंट/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अस्य कारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अव, अकत विधिनियम की बाच 269-ण के अनुतरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व उपभाराः (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स 5~4~86 से 92 एम० जी० रोड सिकंदराबाद।

(अन्स रक)

(2) मैसर्स रंगा फाइनान्स और इनव्हेस्टमेंट प्रा० लि० 6-3-890, सोमाजीगूडा, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

को सह सूचना जारी करके प्वाक्त सम्पत्ति के . वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की जनभिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वास, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### वग्स्पी

आफिस नं० 547, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 266 चौ० फूट, रजिस्ट्रेशन नं० 295

> एम**ः जेगन मोहन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिमांक : 13~7-1984

मोहर :

प्रकल काइ.टी.एन्.एड.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के धर्मीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई० य० सी०/म्रक्वी०/37 ईई/16—म्रत: मुम्ने, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संब्धाफिस नंव 642 है, जो रानी गंज सिकदराबाव में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रक्वी हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाव की. बाबता, उपल् ज्यापितियम के बधीन कर बेने के बस्तरक के वादित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना शाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकदराबाद।

(मन्तरक)

श्री एम० सुब्बा राव प्रेमीसेस नं० 642, 5-4-86
 से 92, रानीगंज, सिकचराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्धन के जिल् कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
  45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामीस से 30 विन की सर्वीध, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

म्राफिस नं० 642 छटवा मजला, 5-4-86से 92, रानीगंज, सिंकदराबाब, विस्तीर्ण 266 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 296।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैवराबा द

तारीख: 13-7-1984

मोहर : :

प्रका बार्ड. दी. इन. एस. -------

भारत 269-क (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/अक्वी०/37-ईई/17-प्रतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ब्राफिस नं 643 है, जो रानीगं ज सिकदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० ग्रक्वी, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रीधन, तारीख सितम्बर 1983

की प्वेंक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल, निम्निलिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत्, उक्त किंधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा में सिए;

1. मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम०जी० रोड, सिंकदराबाद।

(मन्तरक)

2. मैसर्स मेडूरी कपसीफीमेस प्र॰ लि॰, 16-9-831/3, मलकपेट, हैवराबाद।

(ग्रन्तंरिती)

को यह सूचना चारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्थन की 'कियः' कार्यवाहियों करता हुं:

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीय ,---

- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वृत्तियां जो भी वृत्तियों में से किसी क्येंसित वृत्तारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की ठारीन से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितवपुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सर्वें ने ।

#### वनसंची

कार्येलिय नं ० ६४3, छटवा मजला, 5-4-86से 92, रानीगंज सिकदरासाय, विस्तीर्ण 266 चौ पूट, रजिस्ट्रेशन स्-297।

> एमं न्जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हुँद्राबाव

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🖫

ः प्ररूप बार्द् .दी.एन्.एसं.------

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैवराबाद

🍛 हैदराबाद, दिनांक. 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्की/37-ईई/18---यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त मिनियम कहा गया है), की भारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिषक है

मौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 630, 631 है, जो रानीगंज सिंकदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय माई० ए० सीं०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सिंतम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; बीपु/बा
- शिं एंसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य बास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या अन-कर अधिनियस, या अन-कर अधिनियस, या अन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किसा भाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

 मैसर्स बाबूखान विल्डिंग्स,
 5-4-86 से 92, रानी गंज, सिकदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कोणा विद्यावंती श्रीर के० सधसारानी, 162, वासविनगर, सिंकदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारला हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन की व्यक्तियां तत्त्वस्थानिक की तारीय वें
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत
  क्यित्वस्यों में से किसी क्यक्ति वृवारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीत डें 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोत्त्वाकरी के पास निवास में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# बन्त्जी

कार्यालय नं० 631 भौर 630, 5-4-86 से 92, रानीगज, सिकदराबाद, विस्तीर्ण 349 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 299 भौर 300।

> एम० जेगन मोहन , र सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कर क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, नर्यात् :---

, .,.**तारीख: 13-7-1984** 

मोहरु:

# प्ररूप नाहाँ. टी. एन्. एव.-----

श्रायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैक्दाबाव

हैवराबाद, दिमांक 13 जुलाई, 1984

निर्देण सं० आई०ए० सी०/एक्वी०/37-ईई/19-- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरो 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रा. से बाधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 है, जो सिकन्वराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एक्वी० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 मैससं इनोबेशन बिडल्डर्स 142/सी०, पेडरधास्ट, रोड, सिकंदराबाद।

(भन्तरक)

2. श्रीमती के० टी० श्रजाहम, 166 सीख रोड, सिकंदरा-बाद।

(भ्रग्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप 🖅

- (क) इस सचना के राजपत्र में पकाशन की हारीश से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानित यो में से किसी स्थानित द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी व गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### वनसर्वी

प्लैट नं० 203, ए०, दूसरा मंजला, मडफोर्ट ग्रपॉर्टमेंट्स, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1080 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 303 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद्भ

विनांक : 13-7-84

मोह्र 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन संचना

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० मी/ एक्की/ 37-ईई/20---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्वपिन, जिमका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० एफ० नं० बी०-56 है, जो सीवम्बर बाजार. हैकराबाद में स्थित है (श्रांर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्बी, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 सितम्बर 83 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रक कल निम्निलिखत उद्देश से उकत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कालत नहीं किया गया है;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरका के दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सुविध्य के निष्ण: कीर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अभीत् :--- 36-20601/84

 (1) मैसर्स भारत कन्स्ट्रक्रणनस कं० 15-1-503, मिकंदराबाद बाजार, हैवराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्री ध्राणोक कुमार जैन,
 फ्लैट नं० बी-56,
 15-1~503, सिकंदराबाद बाजार,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्स सच्यात्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-56, खीवम्बर विजार, हैदराबाद विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रिजस्ट्रेगन नं० 309 ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर:

# प्रकार बाई. टी. एन. ए**वा.----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कार 269-च (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

ंनदेण संव आई० ए० सं://एववी०/37 ईई/21--यतः शक्षे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चाल् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 250-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसका सं० एक० नं० 201 है, जो मालकपेट, हैसराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूर्वा में श्रीर एकं रूप से विणत है), रिजस्ट्रे कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यी, हैसराबाद में भारतीय रिजर्ट्ट करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांका सितस्वर 83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मून्य से कम के रश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मून्य, उसके रण्यमान पितफल सं, गोर्थ र रूपमान पितफल सं पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एशे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निन्नितिखित अद्वेश्य से उब्दा अन्तरण निस्तिय में दास्तिबक रूप से दक्षित नहीं जिल्हा गया है :---

- (क) संस्थरण के हाई कि.सी अप को वाचन वक्त कर्माण्याम को प्रची १ फन गाम को सन्तर्थ को दामिस्य , मी कामी चारने या असमें बचने में स्विधा को निस्तर भौर/या
- (क) एसी विस्ती कार या किसी क्ष्म वा अन्य वारितवी की किन्हीं भारुपिय आमकार अधिनियस, 1900 (1922 का 11) या उपल अभिनियम, या चत कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषतार्थ अपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषतार्थ अपनियम विद्यार अवस्ट नहीं किया गया था या जिला कारा धाहिए था, कियाने मी क्षिपा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः, निस्तिनिश्चितं व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं सर्भ आबि कन्स्ट्रक्णनस अक्षप्रय टावर्स, न्यू मलक्षेट, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अध्दुल जध्बार.
 16-11-597, गड्डो अन्तारम,
 हैदराबाद ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में आहि भी माक्षपः=ः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्रांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध श्रीय में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविध्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र को प्रकाशन की सारीक के 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हितवस्थ किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधोष्ट्रताक्षरी को पास लिखित को किस जा सकोंगे।

स्पक्तकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है कही पर्य होगा जो उस अध्याप में दिया स्वाह ।

Saint.

फ्नैट नं० 201, दूसरी मंजिल, अन्वर टॉयर्स, मलकपेट, हैवराबाय, जिसीर्ण 1280 ची० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 314

> एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रासुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदशबाद

सारी**ख** : 13-7-1984

मोहर :ं

# श्रुक्त वार्षः, टी. *एव*ं, एत्,------

अध्यक्ष र व्यक्तियान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के सभीन स्पना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निवेश सं अर्ड ए० सो०/एक्बी/37 ईई/22--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त कांधिनियम' कहा गवा है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी एफ० नं० 204 है, जो मालक्ष्पेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसून्। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्सी, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ब्रे अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिकल से, एसे इध्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पत्रा गया प्रतिकक्त निम्निसिंग उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त लिंध-नियम के अथीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा हो सिए;

जतः जब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात् ध⊶ (1) मैसर्स आबि कन्स्ट्रक्शनस अक्षयर टावर्स न्यू मालकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) स्री रोयाज् अहमद, 16-3-921, चेंचलगूडा, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पृष्कित सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सन्द सम्पारत के मर्बम् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप . ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे लिए क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विम को भीतर उत्तर स्थावर संपन्ति के हिन्दि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकीय।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में पंरक्षीयत हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। क्या है।

# **मन्स्**ची

फ्लैट मं० 204, दूसरा मजला ब्लाक नं०ए० अकबर टांबर्स, मलकपेट, हैदराबाद, बिस्तोर्ण 1180 चौ० फुट, रजिस्-ट्रेशन नं० 315 है।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रापिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोंक: 13-7-84

मोहर 🛭

# मुक्य नार्थः हो . एवं . एवं . -----

अभयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, निांक 13 ज्लाई 1984

निवेश सं० आई० ए० मा०/एक्बी/37 ईई/23---यतः मुझे एम जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आहण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका बिश्व बाबार मृत्व 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1002 ग्रीर 1001, है जो बसारवाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय आई ए० सी० एक्वी हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वेक्ति रम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिति (अतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कुप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृष्टिधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसा अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिंद्;

चतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् ः— (1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रनेयान, 5-9-58, बसीरवाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जो० श्रोनिवासा राव ग्रांर श्रोमतो जो० विजयालक्ष्मी राव, 3-5-1091/15/1, नोयार वाई एम० सो० ए०, नारायणगूडा, हैदरावाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना भारी करके पूर्विक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सेवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 1002 ग्रीर 1001, दसवाँ मंजला, बाबू-खान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1103 चौ० फुट, रजिस्ट्रेणन न० 316 ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

# प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्बी/37 ईई/24--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० आफिस नं० 1003 भीर 1004 है तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूर्घा में स्थार पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, एक्बां० में हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर 1983

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अश्वरितियों) के शोच ऐसे मन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न किंति उद्देश्य से स्वतः सम्परण निवित में वास्त-विक कर से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली भाग की बावत व्यवस्य प्रधि-विवय के प्रशीत कर देने के अन्तरक के वायत्व में कशी करने या उसने वचने में सुविधा के विद्या वीद/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निस्तित्वित अस्वित्यों, वर्षात अल्ल (1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रम्शन, 5-9-58,बसोरवाग, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी स्मोता पाहाके ग्रीर अविनास पाहाड़े, 3-5-141, यडन बांग. हैकराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उवत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिश में किये जा सर्कोंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमा अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# वन्सूची

कार्यालय नं० 1003 श्रीर 1004, बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैवराबाद विस्तोर्ण 1058 श्रीर 1022 चौ० फूट रजिस्ट्रेशन नं० 318 श्रीर 319 ,

> ्म० जेगन मोहन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराधाद

विनांक : 13-7-1984

मो**हर** 🤞

# प्रकृष् बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के जुभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एस्वी०/37 ईई/25—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका उचित भाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

म्रॉर जिसको सं० आफिस नं० 148 है, तथा जो बसे।रवाग, हैदराबाद में स्थित है म्रौर इससे उपावद्ध अनुसूचो में भ्रौर पूर्ण एप से विजत है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सा० एक्बी० हैदराबाद में रिजस्ट्रोंकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन ब्लिंक सिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य सं उक्त अन्तरण निस्तिष्त के पर से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिषयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयंकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, पा धन-कर विधिनयम, पिन्न के विधिनयम, पा धन-कर विधिनयम, पिन्न के स्थित विधिन विधिन

अतः अर्बा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रें, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-वकी उपधारा (1) क्रें अपी ं़ निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रकशन 5→9~58, त्रसोरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्रोमंती ललीता मेहता 821 ब्लाक पी० न्यू आलीपूर कलकता -53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को मर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवस्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस-बच्च किसी जन्य स्पित्त द्वारा अभोहस्तादारी के पास निकास में किए जा सकते ।

स्पृष्टिकरण् :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर का, जो उभत् विश्वितम के वध्याय 20 के में परिभाषित हैं, पक्षी अर्थ होगा की उन्हें सुध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रची

कार्यालय नं० 148 बाबूखान इस्टेट बसीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 291 ची० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 320।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग, हैदराबाद

तारोख: 13-7-1984

मांहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### HINN MARIE

कायिक्तिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्बी०/37 ईई/26→-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. में अधिक है

और जिसको सं काटेज नं 9, है तथा जो पदमारावनर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्णक्ष से विणित है ), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्याक्षय, आई० ए० सो० एक्बा० हैद्रराबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निमित्र में अस्तिक अप से कथित नहीं कितन गना है .--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी सारते या पहले असा मां असिका के जिल्ला जीर/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अजत अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्धिरती द्यार प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना अधीद्वप था, रिश्वा वें स्थिमा है जिया।

भता। सम समत अधिनियम की भार 260-म की अध्ययका में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) में अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैससं कुमार कन्स्ट्रक्शन की ।
 6-1-131/132,
 पदमारावनगर, हैदरावाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्रा विसाभु5भाई जगजाबन दास पटेल, पोसनेटभान, सेंकड फ्लोर, तिलक रोड, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थितियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस इं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर मम्पत्ति में हिनवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिकित में किए आ सकों।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

### अमुस्ची

काटेज नं, 9पदमारावनेगर हैदराबाद विस्तोर्ण 2033 चौ० फुट रजिस्ट्रेशन नं० 321 ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनांक - 13-7-84

महरः

# प्रकृष् नाह्रै.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4324/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रह. सं अभिक हैं

ग्रीर जिसकी से पर्लंट ने 2, पहली मंजिल, सी टी एस है

नं 6379 ग्रीर 6380 विलेज कोले कल्याण, कालोना,
बम्बई-29 में स्णित हैं (ग्रीर इससे ज्याबद अनुस्ची में ग्रीर
पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कायालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करमें
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का
पन्यह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल कि निम्निलिखत उन्वदेश से उकत अन्तरण लिखत में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विभिनिष्त के अभीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; कोर/या
- (च) ऐसी किसी साथ या किसी भन या अन्य आरितयां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में महिथा के निया,

बतः गव, उक्त कॉशीनयम भी धारा 269-ग को अम्परण हो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) मैसर्स ब्लू डायमण्ड कन्स्ट्रवणन्स कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती आयणा मुना श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सकोंगे।

स्वस्वीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

#### क्षत्र स्था

पर्लंट नं० 2, पहुली मजिल, सी० टो० एस० नं० 6379 ग्रीर 6380 जिलेश कोले कन्याण, कालीना, बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई०~3/37 ईई०/1598/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बद्र

**तारीख** : 13-7-1984

मोहर ह

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th July 1984

No. A-32014 | 1 | 82-Admn.II.—In supersession of this office notification of even number dated 11-3-1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to the upgraded posts of Superintendent (DP) (Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200) a regular basis in the office of Union Public Service Commission with effect from 5-4-1982 until further orders :-

- 1. Shri M. M. Sharma
- 2. Shri Jagdish Lal
- 3, Smt. D. J. Lalwani
- 4. Smt. Raj Sethi
- 5. Miss Sudarshan Handa
- 6. Shri R. R. Bhardwai.

This issues with the approval of Union Public Service Commission vide their letter No. F. 4|28 (1)|82-AUIV dated

VIJAY BHALLA Section Officer Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS

#### LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 30th July 1984

No. 2|7|81-EST.—In continuation of this office Notification of even number dated the 9th March, 1984, the adhoc appointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assistant Professor of Hindi in the LBS National Academy of Administration Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4-8-1984 (forenoon) or till regularizations with effect from 4-8-1984 (forenoon) larisation, whichever is earlier.

A. K. DAS, Dy. Director

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTINGATION

New Delhi, the 3rd August 1984

No. A|19036|15|79|AD.V.—On superannuation, Shri M. N. Mathur, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Sepcial Unit, New Delhi relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police, CBI with effect from the afternoon of 31st July, 1984.

No. A-19017/2/84-AD.V.-Shri Kali Charan, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in CBI with effect from the forenoon of 28th July, 1984 until further orders,

### The 6th August 1984

No. A-19035|4|79-AD.V.—Shri Tilak Raj, relinquished the charge of Office Superintendent Central Bureau of Investiga-tion, New Delhi with effect from the afternoon of 31st July. 1984, on superannuation,

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

### DIRECTORATE GENERAL, CRPF New Delhi-110003, the 30th July 1984

No. D.I.30|83-Estt.I.—The services of the following CRPF Deputy Superintendents of Police are placed at the disposal of Govt. of Assam, on deputation basis from the dates as indicated against each :--

. Shri T. M. Baxla---19-7-84 (AN) 2. Shri Daryal D'Sena-19-7-84 (AN).

37---206G#84

- 3. Shri 1, S. Sandhu-14-7-84 (AN).
- 4. Shri G. C. Mili-9-7-84 (AN)
- 5. Shri Kasam Khan-16-7-84 (AN).

#### The 31st July 1984

No. D.I.34|83-ESTT.—On his repatriation from Assam Police, Shri Shamsher Singh Sandhu, Dy. S. P. has reported in 44 Bn., CRPF on 17-7-1984 (FN).

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 2nd August 1984

No. 10|13|84-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jit Singh, an officer of Grade IV of the Central Secretariat Official Language Service, to the post of Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 30th June, 1984 till the post is filled up on regular basis.

> V. S. VERMA Registrar General, India

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-3, the 4th August 1984

No. E-29020[6]83-GA.I.—The President is pleased to appoint Shri P. N. Panchal substantively as Asstt. Inspector General (Fire) in the Central Industrial Security Force w.e.f. 20-8-1981.

> ANANDARAM Director General

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 28th June 1984

No. N-77-N|38|S .- The General Manager, Currency Note Press, is pleased to appoint Shri M. L. Sonawane, Sectional Officer, Currency Note Press as Purchase Officer for a period of 3 years from 2nd June 1981 to 1st June 1984 on regular deputation basis.

> S. D. IDGUNJI General Manager

#### COMMITTEE ON CHANGE IN FINANCIAL YEAR

New Delhi, the 3rd August 1984

No. CCFY-2(2)-A|84.—Consequent on his transfer from the Office of the Comptroller & Auditor General of I New Delhi, Shri H. R. Sharma, Stenographer Grade 'B' been appointed as Private Secretary in the scale of Rs. 775-1200 in the Committee On Change In Financial Year with effect from the afternoon of 1st August, 1984 and until further orders.

No. CCFY-2(4)-A|84,—Consequent on transfer from the Winding Up Cell of the Eighth Finance Commission. Shri J. P. Misra, Superintendent has been appointed as Administrative-Cum-Accounts Officer in the Committee On Change In Financial Year in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the forenoon of 1st July, 1984 and until further orders.

> A. R. SHIRALI Member Secretary

----

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) **GUJARAT**

Ahmadabad-380001, the 20th July 1984

No. Est.(A)/GD/3(39)/960—The Accountant General (Audit), Gujurat, Ahm-libid is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat, at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each, untilfurther orders .-

# \*S/Shri

D/ MILL I		
1. B.Vijaykumaran	25-6-84 FN	Ahmedabad
2. P.N. Purohit	25-6-84 FN	Ahmedabad
3. P.N. Pandya	25 <b>-</b> 6-84 AN	Rajkot
4. K.K. Shettigar	25-6-84 FN	Ahmedabad
5. M.M. Vaishnav	25-6-84 AN	Rajkot
6. M.K. Mehta	25-6-84 FN	Ahmedabad
7. V.M. Jadeja	25-6-84 AN	Rajkot

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No. 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

(Sd.) ILLIGIBLE

Sr.Dy. Accountant General (Admn).

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

#### THE CONTROLLER GENERAL OF OFFICE DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 28th July 1984

No. AN-I|1419|4|Vol.I.—Shri V. P. Jain, has been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from 1st October, 1981.

This Department's earlier notification bearing No. AN-I 1419 | 4 | Vol. I. dt. 29-9-82 (1982) is hereby cancelled.

#### The 31st July 1984

No. AN III | 2603 | 84.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints Shri T. G. Venkatasubramanlan, Permanent Section officer (Accounts) and Officiating Accounts officer serving in the office of the C.G.D.A. New Delhi as Accounts officer in a substantive capacity with effect from 1st April, 1982.

> V. S. JAFA Addl. C.G.D.A.

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcuatta, the 27th July 1984

No. 37 G 84.—Shrl K. M. Sampath, offg. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) voluntarily retired from service with effect from 14th April, 1984 (AN).

> V. K. MEHTA Director Estt.

# MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION DEPARTMENT OF LABOUR

DIRFCTORATE GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 28th July 1984

No 7(2)84-Adm.I[11338.-Shri S. Bhattacharjee, a permanent Superintendent, is promoted to officiale in the post of Assistant Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 1-6-84 (F.N.) vice Shri A. M. Ghosh who retired from service on superannuation with effect from 31-5-84 (A.N.).

> (Sd.) ILLIGIBLE Director General of Mines Safety

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 31st July 1984

### (IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 9|6|82-Admn(G)|6098.—The President is pleased to appoint the following Controllers of Imports and Exports (Group B'-Non-CSS) in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade-III of the Central Trade Service (Assistant Chief Controller of Imports and Exports) in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 with effect from 18-6-1984 (FN) :-

Shri A. K. Noormohamed
 Shri S. K. Prasad

Smt. Sashi Balasubramanian

Shri P. Bala krishnan

Shri M. Balagangadharan

Shri S. Rajan

Shri A. K. Taneja

9. Shri A. K. Haneja 9. Shri V. K. Gupta 10. Shri S. K. Bhattacharya 11. Shri T. R. Sasidharan 12. Shri Francis Antony

13.

14.

Shri R. S. Singhbal
Shri P. Ganesan (SC)
Shri D. K. Bhattacharya
Shri Mukesh Bhatnagar 16.

17. Shri O. P. Gehlaut
18. Shri S. K. Mazumdar (SC)
19. Shri G. S. Jakhere (ST)
20. Shri S. S. Rana (ST)

Shri Mahesh Chander (SC) Shri Samuel Hanoda (ST).

M. L. JAYANT Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Import & Exports

### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 31st July 1984

No. 5529B|A-19012(1-SG)|83|19A.—Shri Subhasish Ghosh is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India in an initial nay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 30-6-84 until further orders.

> A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

#### Calcutta-16, the 28th July 1984

No. 5244B|A-19012(4-RNA|84-19B,-Shri R. N. Aorawal, Sr. Tech. Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ER-40-12001- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th May, 1984, until further orders.

> A. KUSHART Director (Personnel), Geological Survey of India

#### INDIAN BUREAU OF MINES

#### Nagpur the 3rd August 1984

No. A. 19012(198) 84-Estt .A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. M. Jaiswal, Officiating Superintendent, Indian Bureau of Mincs has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mincs with effect from the afternoon of 27th July, 1984.

No. A. 19012 (196) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. M. Patki, Officiating Senior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July, 1984.

No. A-19012 (197) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shrimati H. C. Deshpande, officiating Scnior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July, 1984.

#### The 4th August 1984

No. A-19012 (202) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. V. Tambhekar, officiating Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post; of Assistant Administratic Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 30th July, 1984.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

# ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta, the 16th July 1984

No. 4-201/84||Estt.—Shri S. K. Bhattacharyya, Rescarch Associate (Physical) in the Anthropological Survey of India, is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Physical) Group-B (Gazetted) at the North East Regional Office, Shillong in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st May, 1984 until further orders.

A. K. DAS GUPTA Administrative Officer.

### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 4th August 1984

No. F. 20(C-14)-94|76-A.1 (Estt).—On the recommendation of Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Nav Ratan Singh Tempy. Asstt. Archivist Gr. I (Genl.) as Archivist (General) (Group B' Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi on regular temporary basis with effect from 31st July 1984, until further orders.

(\$d.) ILLIGIBLE Director of Archives Government of India.

## ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, the 10th August 1984

No. F. 9-1/82-Estt/14454.—Shri A. K. Poddar, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650—1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 9th July, 1984 (FN) until further orders.

A. K. MANDAL Scnior Administrative Officer Zoological Survey of India.

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 2nd August 1984

F. No. A. 12025/31/78-AITH & PH/Admn.f/PH(CDi.).—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Dutta, to the post of Assistant Professor of Occupational Health in All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in the substantive capacity with effect from the 13.3.1982.

NARAIN SINGH Dy. Director Admn. (N)

# MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110001, the 10th July 1984

No. A.19012|82|84-Estt.—Shri Sham Lal Jhanb. Stenographer Grade 'C' of the CSSS cadre of the Ministry of Industry (Deptt. of Industrial Development), has been appointed, on his temporary transfer on deputation, to the post of Cost Accountant, a Group 'B' (Gazetted) post in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in this Directorate, with effect from the 30th June, 1984 (After-noon).

V. LAKSHMI RATAN Chief Director

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 24th July 1984

No. Ref. PA|80(10)|82-R-III|1392.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri N. K. Prabhakaran, permanent Asstt. Security Officer and officiating Asstt. Security Officer (S|G) in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1984 until further orders.

B. C. PAL Dy. Estt. Officer

Bombay-400 085, the 2nd August 1984

No. S/1937/Estt.II/3777.—Shri Poongavanath Sukumaran relinquished charge of the post of Asstt. Personal Officer on 19.4.1984 FN consequent on voluntary retirement.

R. C. KOTIANKAR Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 18th July 1984

No. CED|A|2(7)|4960.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Enerby, hereby appoints Shri S. R. Rediz, Selection Grade Clerk, Construction & Services Group as Assistant Personal Officer on adhoc basis in Construction & Services Group, DAE, Bombay with effect from the forenoon of 7.7.84 to 18.8.84 (AN), vice Shri M. Venugopalan proceeded to attend a training course.

B. V. THATTE Administrative Officer

#### NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 20th July 1984

No. NPB[3(283)]83-Estt.I[6812.—Director (Engineering), Nucleur Power Board, Bombay hereby appoints Shri V. B.

Vyaparl, Assistant Accounts Officer of this Board as Accounts Officer-II in this Board in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forencon of May 23, 1984 to the afternoon of June 22, 1984 vice Shri R. G. Masurkar, A.O. II proceeded on leave.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 30th July 1984

No. AMD-51|28|83-Pen.—Consequent upon his voluntary retirement from Government Service Shri G. P. Sharma, a permanent Surveyor and officiating Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the Forenoon of May 1, 1984.

Sd. Elligible Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st July 1984

No. Ref. 05012|Feb. 84|3041.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Rajendra Prasad Gupta, Scienti-Assistant 'B' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same plant w.c.f. the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. Rcf. 05012|Feb.84|3042.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Rajendra Prasad Gupta, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same plant w.e.f. the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. Ref. 05012 R7 OP 3043.—Chief Executive. Heavy Water Projects, appoints Shri Revana Doraiswamy, Assistant Security Officer, Heavy Water Project (Manuguru) to officiate as Security Officer in the same project w.e.f. May 19, 1984 (FN) to June 19, 1984 (AN) vice Shri V. K. Hiremath, Security Officer granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bingilors, the July 23 1984

No. 020/3(031)/84 Director ISRO SATELLITE CENTRE is piece I to appoint the undermentioned persons to posts and

with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:

Sl. No. Name S/Shri/Kui	Date	
1. K. Usha	Sci/Engr'SB'	21-1-1984
2. J. Subbalakshmy	Sci/Engr'SB'	23-1-1984
3. P. V. Krishna Kumar	Sci/Engr-'SB'	27-1-1984
4. R. V. Bharati	Sci/Engr-'SB'	13-2-1984
5. S. Mohan	Sci/Engr-'SB'	15-2-1984

#### The 30th July 1984

No. 020/3 (061)/84: Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to accept the resignations from the services of following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each.

Sl. No. Name	Designation	Date
I. Shri. N.S. Kumar	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
2. Shri. T. Vasudevan	Sci/Eugr-'SB	20-7-1984
3. Shri: N.Thangam	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
4. Shri. L.G. Harisha	Scl/Engr-'SB'	16-7-1984

H.S. RAMADAS Administrative Officer-II

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st July 1984

No. A.35018|6|79-EI.—In continuation of this Office Notification No. A.35018|6|79-EI, dated the 1.9.83 the President is pleased to sanction continuation of deputation of Shri K. K. Nagar, an Officer of the Intelligence Bureau to the post of Assistant Director of Civil Aviation Security (Pay scale Rs. 1200—1800 plus Rs. 300|- Special Pay per month) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for the period from 20.7.1984 to 31.10.1984,

#### The 23rd July 1984

No. A.32013/13/82-EI In continuation of this Office Notification No. A 32013/13/82-EI dated the 18 July, 1983 9-8-83 & 22-6-84 the President is pleased to continue the adhece appointment of the following officers in the grade of Director of Air Routes & Aerodromes/Director of Aerodromes for the period indicated against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever, is earlier.

Names		Period	
	1. Shri. Prem Nath	1-6-84 to 30-11-84	
	2. Shri.S.H.Sontakke	1-6-84to30-11-84	
	3. Shri, George Lakra	1-6-84 to 30-11-84	

#### The 31st July, 1984

No. A. 32013/1/84-EC——The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. taking over the urge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

SI. Name No.	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1 2	3	4	5
I. S. Majumdar	ACS, Delh	ACS, Delhi	29-6-84
2. A,K, Goswami	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	2-6-81
3. L.D. Khera	ACS, Delhi	ACS Dehi	1-6-84
4. M.S. Nair	ACS, Trivandrum	ACS, Trichy	30-6-84
5. J.S. Sandhu	CATC, Allahabad	ACS, Delhi	7-6-8↓
6. G. Muthulingam	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-684
7. M.C. Antani	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
8. M.L. Chopra	DGCA, New Delhi	ACS, Delhi	4-6-84 (AN)
9. S.B. Chakraborty	ACS, Lucknow	ACS, Jaipur	30-6-84
10. B.S. Gusain	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	8-6-84 (AN)

1 2	3	4	, 5
S/Shii  11. S.N. Bhagwat  12. J.S. Augustus  13. V.V. Patankar  14. K.P. Swamy  15. A.K. Banerjee  16. S.K. Das  17. L.S. Govila  18. D.K. Chowdhury  19. V.I. Ramamurthy  20. B.N. Sarkar  21. A.N. Biswas	ACS, Bombay ACS, Madras ACS, Bombay ACS, Bombay ACS, Bombay ACS, Calcutta ACS, Bhubaneswar ACS, Calcutta ACS, Trivandrum ACS, Silchar ACS, Calcutta	ACS, Bombey ACS, Madras ACS, Bombay ACS, Bombay ACS, Calcutta ACS, Bhubaneswar ACS, Delhi ACS, Calcutta ACS, Madras ACS, Calcutta ACS, Calcutta	2-6-84 5-6-84 2-6-84 2-6-84 2-6-84 1-6-84 2-6-84 30-6-84 28-6-84 1-7-84 (AN)

## The 1st August 1984

No. A.32013|1|83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director of Air Safety (Operations) to the post of Director of Training & Licensing at Headquarters on a regular basis wth effect from 30-7-1984 (FN) and until further orders.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

#### New Delhi-110066, the 20th July 1984

No. A-38013/1/84-EA.—Shri J. L. Kapur, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director Civil Aviation Department, Delhi retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superamulation.

No. A-38013|1|84-EA.—Shri D. N. Gupta, Controller of Aeroromes, Office of the Contoller of Aerodromes, Lucknow retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

No. A238013|1|83-E.A.—Shri Gurumukh Singh, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Civil Aviation Depart-

ment, Delhi retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation.

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 30th July 1984

No. 1/20/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. H. Khemchandani, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch the periods mentioned below, against short-term vacancies on adhoc basis, and as local arrangements:—

- (1) From 11-7-83 to 25-7-83.
- (2) From 7-11-83 to 26-11-83.
- (3) From 12-12-83 to 28-1-84.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

## OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

# Bombay 40002, the 28th July 1984

No. St.1/84-85.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944 the name and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the court under Section 9 of the Central Excises and Sait Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:——

#### J~-COURT CASES

		Statement f	or the quarter ending 31st	March, 1984			
Sl. No.			ess	The provisions of t contravened	<del>-</del>	The amount of penalty imposed	
1 2		,	3	4	5	5	
I. Shri D.H.	. Vora	26 Jansukh Kasturba Kandivali Bombay-6	Road, (b) t (West), (c) t	Under Section 9(1)(1) Under Section 9(1) ( Under Section 9(1) (	bb) Rs. 7500/- ot	of fine of i/d to suffer 3	
2. Shri R.P.	Shethwala	204 Jai Jala Building, Wadala R Bombay-3	oad,	do	·do		
3. Shri T.G.	.N. Menon	Terminal Caltex Inc Bombay r to be now in Calgas Co. Ltd. a	fia Ltd, eported working Bottling	Inder Section 9(1)(i	Total amou Rs. 27000/- months R.I.	or i/d six	
		II-DEI	PARTMENTAL ADJUDI	CATIONS			
SI. No.	Name of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder confavened	-	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated	Amount of the fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act	
- 1	2	3	4	5	6	7	
~ /			NIL-	<del></del>			

#### The 4th August 1984

- F. No. II|3E(a)2|77-Pt.II.—Shri B. G. Ghadiyar, Selection Grade Inspector has on promotion assumed charge as Super-intendent, Group 'B' in Bombay Central Excise Collecto-rate-I with effect from 6-7-84 Forenoon.
- F. No. II.3E(a)2|77-Pt.II.—Shri D. B. Joshi, Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay-I Central Excise Collectorate, has voluntarily retired 1-7-84.

H. M. SINGH Collector of Central Excise Bombay-I

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd August 1984

No. A-19012 1011 82-Estt.V.--Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. K. Sen, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-1-1983.

> MEENAKSHI ARORA Under Secretary. Central Water Commission

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st July 1984

No. 1(278|69-ECIX.-Shri Y. P. Popli, Architect of Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-7-1984 (AN).

No. 33/7/82-EC.IX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri Sukhbir Singh, a nominee of the U.P.S.C., against temporary post of Assistant Director of Horticulture. in General Central Service (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200 in the Directorate of Horticulture, CPWD. New Delhi. with effect from 21-6-84 (AN) until orders.

2. Shrì Singh is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Director of Horticulture.

3. His initial pay will be fixed according to Rules.

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of AdminisHtration

New Delhi, the 31st July 1984

No. 30|29|83-ECL-The President is pleased to the following Assistant Engineers (Civil) in the Central Public Works Department to officiate on ad-hoc basis, further orders, as Executive Engineers (Civil) in the Department with effect from the dates shown against their names :-

1. B. L. Sharma—14-6-84, 2. P. S. Rao—5-7-84.

3. H. D. Bardhan-23-6-84,

4. C. B. Goel-20-6-84. 5. Jagdish Lal-4-6-84.

O. P. Tyagi-II-13-6-84.

P. Pallani (SC)—30-6-84.

NANAK SINGH Dy. Director of Administration.

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 2nd August 1984

No. 22/4/83-Adm, I(B)-The Chairman, Contral Electricity Authority hereby appoints the following TA/Supervisor, to the grade of EAD/AE of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. the date noted against each:---

Sl. No. Name & Designation	Date of appointment as EAD
S/Shri	
1. V.K. Anand, TA	10-7-1984
2, B.P. Sharma, Supervisor	10-7-1984
3. Balbir Singh, Supervisor	10-7-1984
4. J.K. Bhaskar, Supervisor	11-7-1984(AN)
5. R.C. Tandon, Supervisor	11-7-1984 (AN)
	737 715

B.M. LALL Under Secy

# INDIAN RAILWAYS

# CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 31st July 1984

No. GMA/GS/8(Admn.)—The following officiating Class-II officers who are holding lien in Class-III on this Administration are confirmed in Class-II Scale in the Cadre of Personnel Department of C.L.W. Administration against the permanent post noted against each, with effect from the date shown against each:-

SI. Name and Present No. Designation of the officers  1 2		Permt. post against which confirmed	Date from which confirmed	Vacanc / against which confirmed
		3	<b>'</b> 4	5
1.′Shri	D.N. Chatterjee Offig, SPO(A).	Asstt. Personnal Officer-II (Class-II)	1-1-83 (FN)	Against the vacancy of Sri S. Lakshmanan retired from Railway service.
2. Shri K.K. Mondal offg. APO(II).		Asstt. Wolfare Officer (Class-II)	4-3-83 (FN)	Against the vacancy of Shri P.C. Gnosh absorbed permanently in J.S. (Class-I).

A. A. HATTANGADI General Manager,

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAN OF COMPANIES

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Lucknow Power Rick-show Company Private Limited.

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1381|PS|CP|3749.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Lucknow Power Rick-Shaw Company Private Limited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Geetanjali Investments Private Limited.

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1564 PS|CP|3750.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. GEETANJALI INVESTMENTS PRIVATE LIMITED, GWALIOR unless cause is shown to the contrary will be struck off the regster and the said company will be dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Divya Indutries Private Limited, Gwalior

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1563|PS|CP|3751.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Divya Industries Privat eLimited, Gwallor unless cause is shown to the contrary, will be stuck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. The Dewas Senior Transport Services Privated Limited.

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 753|PC|CP|3752.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M's. The Dewas Senior Transport Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior,

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Vivek Savings & Finance Company Private Limited.

Patna, the 31st July 1984

No. (1174)-560|2636.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Vivek Savings & Finance Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar Patna-1,

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Scethakkathi Marine Industries Pvt. Ltd.

Madras-600 006, the 1st August 1984

No. DN|5905|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three month from the date hereof the name of M/s. Seethakkatti Marine Industries Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras.

(1) Mrs. Shobha Ram Hemlani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Savitri Mulchand Jaswani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4286|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 601, Building No. 2, Unit 'S', Sundernagar, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered in the office of the Registering Officer

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, Building No. 2, Unit 'S', Sundernagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1637|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. Pravinchandra B. Bhojani.

(Transferor)

(2) Smt. Tarulata M. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4252|84-85.--Whereas. I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 32, Plot No. 66, Carodia Nagar, New Vasant
Apartment, hatkopai (F) Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—38—206GI 84 (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 32, Plot No. 66, Garodia Nagar, New Vasant Aparlment, Ghatkopar (W), Bombay-77.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR,III|37EE|1634|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal;

(1) Mrs. Sheth Enterprises.

(2) Rashnti Ramesh Sawant,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4144|84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000]-and bearing No.

Flat No. 431, Shalini, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatkopur Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 431, Shalini, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR. HI[37EE]1597]83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Shri Vidyanandan Madhawan.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Parasmal J. Barmar.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.HI 37EE 4162 84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 33, Building No. C. Munish Vijay Cooperative Hsg.
Soc. Ltd., Vasai Chembur, Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the competent Authority Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market valuue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 33, Building No. C, Munish Vijay Cooperative Hsg. Soc. Ltd., Vasai Chembur, Bombay-74.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE||1650|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunpersons, namely :---

Date: 13-7-1984

(1) Shri Ajaykumar Pacheriwala.

(Transferor)

(2) Mls. Kapoor Family Trust.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4230|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Flat No. 106, 1st floor, 'C' Wing Veena Nagar, Malad (W). Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressious used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, 'C' Wing, Veena Nagar, Malad (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1607 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-7-1984

FORM ITNS NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M|s. Expel Process Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Conwud Arts.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EE]4272[84-85.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000]- and bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 119 and 120, 1st floor, New Satguru Nanik Industrial Estate, 498, Western Express Highway, Goreguon,

Bombay-400063.

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in

the Office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 119 and 120, 1st floor, New Satguru Nanik Industrial Estate, 498, Western Express Highway, Goregaon, Bombay-400063.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.IU/37EF/1584/83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRÌ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Competent Authority Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-7-1984

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt, Sunanda Y. Khatavkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K. Cherian Vaidyan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4256|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 9, Vakola Pankaj Cooperative Housing Society, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscours arising from the transfer; east/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 9, Vakola Pankaj Cooperative Housing Society, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III/37EE/1644/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Ravin Kumar Kantilal Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nipun Jashwantlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III|37FE|4201|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Shop No. 15, Malad Jagruti Premises Cooperative Housing Society Ltd., first floor, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 15, Malad Jagruti Premises Cooperative Housing Society Ltd., first floor, Malad (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1583-83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

> Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 1.okhit Co-op. Hsg. Soct. I.td. 2nd il. Flat No. 85, Ghatkoper (East), Bombay 400 077.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at situated at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Radhabea Madhavji Thakkar.

(Transferor)

(2) Nainaben Devii Katira.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lokhit Co-cop. Hsg. Soct. Ltd. 2nd fl. Flat No. 85, Ghatkopar (East), Bombay 400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. ARIV]37EE[1611]83-84

dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Thomas D'Lima.

(Transferor)

(2) Mls. Allvin Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4262|84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

CTS No. 537, Hissa No. 186, 186-1, 1A & 1B, Village Valnai, situated at Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the

agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Malad ,Bombay.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—39—206GI|84

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 13-7-1984

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

CTS No. 537, Hissa No. 186, 186-1, 1A & 1B Village-Valnai, Malad, Bombay.

The agreement has been register:) with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1636 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

(1) Smt. Sigabai N. Bhojwani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Popri. N. Motwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1168|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. A-28, 5th fl. Navabharat Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the

agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-28, 5th fl. Navabharat Apartments Co-op. Hag. Soc. Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74,
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|1656|83-84 dt, 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

#### (1) Shri Kanyalal K. Bhagtani

(Transferor)

(2) Mis. Kapoor Family Trust

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4231|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvements because the said Act') have reason to believe that the improvements of the said Act. mic vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, E-Wing, 'Veena Nagar', Malad (W),

Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, E-Wing, Bldg. 'Veena Nagar', Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1632 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS--

(1) M|s Rahul Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2722|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop. No. 3, Krishna Kuteer, Factory Lane, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

situated at Bombay

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Vasant Veniram Trivedi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Krishna Kutecr, Factory Lane, L.T. Road, Borivii (West), Bombay-400 092,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2722|83-84 dt. 23-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

#### FORM UTNS----

(1) M(s. Pushpa D. Matharu.

(2) Mr. Kanwar Bhan Malik,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th July 1984

Ref. No. AR II|37FF|9108|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.906/\* and bearing

Unit No. 217[E. 2nd h.o., Hind Saturashor: Industrial Estate, Andheri Kurta Road, Andheri (E). Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-11-1983

for an apparent consideration threft. It is than the for market value of the aforesing property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market, as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ver, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Mıs. Neclam Kapil & Shri Om Prakash Malik

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 217/B. 2nd floor, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400 059. The Agreement has been registered by the Competent Authority under Serial No. AR.II|37-EE|9108|83-84 on 12th 1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range-II,
Bombay

Date: 17-7-1984.

Seal ;

(1) Shri Kailashnath. H. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messers Vijay Kumar Jain HUF. and Ashok Kumar Jain HUF.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

No. Ref. No. AR.11/37EE/8692/83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Unit No. 46, Sarvodya Industrial Estate, Mahakali Caves Rd., Chakala, Andheri Bombay-93.

situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on

25th November, 1983 for an apparent consideration

and/gr

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 46, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves

Authority, Bombay vide serial No. AR-II|37EE|8692|83-84 Date 25-11-1983.

Road, Chakala, Andheri (E) Bombay-93.

The Agreement has been registered by

### (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

the Competent

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-7-1984.

Scal:

(1) Shree Shreemal Builders

(Transferor)

(2) Narendra Madaurajji Gemawat Suresh Madaurajji Gemawat Mohankumari M. Gemawat

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8637|83-84 Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Kamal Kunj, Dhobighat Lane, Jayprakash Rd. Andheri (West) Bombay 58, situated at Andheri (West)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Andheri

(West) Bombay-58,

on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kamal Kunj, Dhobighat Lane, Jayprakash Rd., Andheri (West), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority under serial No. AR-II|37EE|8637|83-84 dated 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-7-1984.

(1) M/s. Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Jubeir Abdul Hamid Dhopawker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE[8503[83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 304, Habib Park, Opp. Jogeshwari Station (West)

Bombay-400 102. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule general hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exced is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be raide in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, Habib Park Co-op. Housing Society, Opp. Jogeshwari Station (West), Bombay-400 102.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8503/83-84. dated 3-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 13-7-1984.

Soal:

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.W/37FF/9135/83-84-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000] and bearing

Flat No. 502, Kasita Apartments, CTS 1030 Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15 11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- The facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—40—2060II84

(1) Mr. Vooy Kumai Mehia.

(Transferor)

(2) Mrs. Theresa Gotting

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property asay be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No 502 Kavita Apartments, CTS No. 1030. Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9135|83-84, dated 15-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984

9671 -

(1) M|s. Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs Carmine Castelino

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8586|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000i-and bearing

Flat No. 505, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri, (East), Bombay-400069

situated at Andheri (East)

(and more fully descirbed in the schedule panered hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay, on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 505, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR.H[37EF[8586]83-84 dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984.

(1) Shii Laxini Industrial Estate.

(Transferor)

(2) Graphic Paper Converters.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 8788 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Industrial Shed No. G on the Ground floor of Bldg. No. 23. Shri Laxmi Industrial Estate, Off Vira Desai Road, Oshiwara Rd., Andheri (West). Bombay-400 058.

situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

registered under section 269AB of and the agreement is

the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. G on the Ground floor of Bldg. No. 23 known as Shri Laxmi Industrial Estate. Off. Vira Desai Road, Oshiwara Road, Andheri (West). Bombay 400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8788|83-84. dated 28--11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR,II]37EF[3792]83-84,—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2 Bandra Co.operative Housing Society, Summer Breeze, Road No. 15 TPS III. Bandra, Bombay-400 050,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961

in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) factitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nadir Frachsbaw Turel.

(Translero)

(2) Mrs. Nargish Hormusji Mistry, Mrs. Roshan Farrokh Daruwalla. Mrs. Siloo Khushru Ghadiati,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2. The Bandra Co.operative Housing Society, Summer Breeze, Road No. 15, T. P.S. IJI, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bobay under No. AR II.37EF3792|83-84, dated 27-11-1983.

LAXMANDAS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-7-1984

SenJ :

### (1) Mg Ashr'h Development Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-H, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE<sub>1</sub>9103|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No. Flat No. 2'Chetna' 142/143 Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058 situated at

(and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred

and the agreement is regime ad under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in A.; office of the Competent Authority

at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the excisideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inocme arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(2) Mr. Chandan ahas Chandrabhan P. Swaroop. (Transferee)

(4) Versova Chella Premises Co.operative Housing See, Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 'Chetna' 142/143 Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9103|83-84 dated 15-11-1983.

LAXMANDAS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Ishwaridevi Thakurdas Dudeja

(Transferor)

(2) Shri Kiran Prabhudas Mandavia

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3794[83-84,--Whereas, 1,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable training and the said Act of the sai property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

Flat No. 9, Kamal Kunj Building, North of Irla Nala, JVPD Scheme, Bombay-49, situated at JVPD Scheme, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-dix Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bornbay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used b(rein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Kamal Kunj Building, North of Irla Nala, JVPD Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3794|83-84 dated 28-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-7-1984

Sen1:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II|37FE|8604|83-84.-Whereas. I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1, Beach Apartment, Versova Road, Andheri (West) Bombay -400 061 situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority registered under section 269AB of

at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Dr. Rumi Fardun Beramje Mrs. Di Inavaz Khoshroo Kelawala Mrs. Rehnas Aspi Bilimorai and Miss Farnaz Kaikhosrw Jehan

(Transferor)

(2) Shri Ashok Shrinivash Naidu and Smt. Vanja Ashok Naidu

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHFDULE

Shop No. 1, Beach Aparlment, Plot No. 25, Versova Road Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bernhay under No. ARJIJ37FF/8604/83-84, date. the Competent 17-11-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 7-7-1984

Scal: -

(1) Me. Puthp., Waltin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Carl Keelor

(Transferes)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. AR.[I]37EE[3774[83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No. Fiat No. 3, 'Kanti Apartments' Bandra, Bombay-50

situated at Bandra

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreemen is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other used's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Grzette.

FXPLANATION: The terms and expressions used betom as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 12th floor in 'B' Wing of 'Kanti Apartments' Mount Mary Road, Bandia, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II|37EE.3774[83-84] dated 25-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-7-1984

(1) Smt. Annie D'Silva

(Transferor)

(2) Shri Dnyanesh Shankarrao Hemmady Smt. Leena Dnyanesh Hemmady,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (3) Transferces

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II]37EE]3706]83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 7, 2nd floor in Smruti, Bhatte Sadan Co. operative Housing Society Ltd. at Plot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-400 052 situated at Khar.

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at BOMBAY on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—206G184

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor in Smruti, Bhatte Sadan Co. operative Housing Society Ltd., at Flot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.3706|83-84 dated 10-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-If
Bombay

Dated: 7-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8611|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Industrial Shed No. 56, Phase No. III, Shivshakti Industrial Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay 400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

in the Office of the Competent Authority

nt Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any tooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Ms. Shivshakti Builders.

(Transferor)

(2) M|s, Shakti Engg. & Dye-Casting.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 56, Phase No. III, Shivshakti Industrial Estate, Mrol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East) Bombay-400 059, and the agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE. 8611|83-84 dated, 14-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay.

Date: 5-7-1984

Scal:

(1) Mis Nigman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Barghese Paul Thekkekara.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8668|83-84---Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West) situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

at Bombay on 21-11-1983,

at Bombay on 21-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Ver-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay nnder No. ARII 37EE. 8668 83-84, deteil 21-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3723 83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing

Flat No. 9, Vrindavan, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54, situated at Santacruz (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (e) facilitating the reduction or vasionttt(aaaaaoooooo of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Nandini Sureshchandra Kekre

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Chandra Vasantrai Mehta Mrs. Sudha Suresh Chandra Mehta,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Vrindavan, Tagore Rd., Santacruz (West), Bom-Bay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent. Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3723|83-84 dated 14-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1984

#### FORM ITNS-----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8490A|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 10, 'Aditya Apartments', Old Nagardas R. Andheii (East), Bombay, situated at Andheri (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Gopal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Radharani R. Tandon and Sunil R. Tandon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, 'B' Wing of 'Aditya Apartments' Old Nagardas Rd, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|8490A|83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Rombay

Date: 7-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Kusum B. Gandhi.

(Transferor)

(2) Bhavesh Vinodrai Doshi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No.AR.II|37EE[9101|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 13 the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 6, 3rd floor Manish Darshan, Rajendra Kripa Co-op, Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (East).

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor so pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Building No. 4 Manish Darshan, Rajendra Kripa Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (East). Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unler No. AR.II 37EE 9101 8384, dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3703 83 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-

and bearing Flat No. 15, Murli Govind Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 427, 15th Road, Khar, Bombay-400052 situated at Khar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Mr. Biharilal T. Bajaj Mr. Jagidhs T. Bajaj

(Transferor)

(2) Shri Vijai N. Razeja Mrs. Duru No. Raheja.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this not'ce in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, Murli Govind Co-operative Housing Society Ltd. Flot No. 427, 15th Road, khar Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3703|83-84 dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-7-1984

Scal:

(1) Giriharilal T. Harisinghani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Mohammed Ali.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3756|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 4. Mahim Merry Niketan Co.operative Housing Society Ltd., Mahim Bombay-16

Society Ltd., Mahim Bombay-16 situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 1st floor Mahim Merry Co.operative Housing Society Ltd., at Wania Wadi F.P. No. 689, Mahim Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3756|83-84 dt. 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-7-1984

(1) Nahar Singh & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Sudarshan Anandji Rasputra.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-11|37EE|8805|83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop No. 8 on ground floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova', Andheri (West), Bombay-400 061. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at BOMBAY on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|8805|83-84, dated 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42....2063184

Date: 13-7-1984

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mis Paramont Packaging Industris.

(Transferor)

(2) M's Bentley Textiles Inds. Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8620|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

A fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Unit No. 103, Kanchan Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Mohili Village Bombay 400 072 situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parter has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 103, Kanchan Industrial Estate Andheri Kurla Road, Mohili Village, Bombay-400072.

The agreement has been registered by the Competent

Authority Bombay under serial No. AR.II 37EE 8620 83-84 dt. 29-11-1983,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Chamanlal Kaul

(1) Smt. Shantibal S. Jain

(Transferor)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8800|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1102 on 11th floor in 'Everest' at Jay Prakash Road

Versova, Bombay-400061 situted at versova

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1102, on 11th floor in 'Everest', at Jay Prakash Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority under No. AR.II|37EE|8800|83-84, dated 28-11-83.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Deto: 11-7-1984

Scal:

(Person in occupation of the property)

#### FORM ITNS

(1) Khemchand B. Kotharl Karta of Khemchand B. Kothari HUF

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Bandu N. Pamadi & Smt. Vijaya B. Pomadi

(3) Ms Vijay Construction Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8792|83-84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 307. 'B' Wing, Panchsheel, Mathurdas Vasanji Rd. Andheri (East), Bombay-400 069, situated at Andheri (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1914. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 'B' Wing, 3rd floor 'Panchsheel' Mathurdas

Vasanji Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II]37EE[8792]83-84 dated 29-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

19799

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9144|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 502 5th floor, Talati Apartment, Near Irla Bridge, SV Road, Andheri (West). Bombay-400 058, situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl R. M. Jham & Smt. P. M. Nasta

(Transferor)

(2) Shri Swati Bharat Dalal

(Transferee)

(3) M/s. Seiko Deelopyments

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502 5th floor, Talati Apartment, Near Irla Bridge, SV Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9144|83-84 dated 17-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984

(1) M/s. K. J. Builders.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandlal Gopaldes Tolani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3773|8384.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 1, Ground floor, Plot No. 376 at the junction of 16th and 33rd Road, TPS III, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Asi, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. floor, Plot No. 376 at the Junction of 16th and 33rd Road, T.P.S. III, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|3773|83-84 dated 24-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 17-7-1984

(1) Smt. Sushila Niranjan Tapiawala Shri Niranjan Ratilal Tapiawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahadeo Ramchandra Kadam Mrs. Malati Mahadeo Kadam.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8678|83-84.—Whereas, L. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 303, Anupam, 3rd floor Dadabhai Cross Lane No.2 Versova Road, Andheri (West) Bombay 400 058 (and more fully described in the Schedule annexed berefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, Anupam, 3rd floor, Dadabhai Cross Lane No. 2 Versova Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. II|37EE|8678|8384 dated 25-11-1983

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS ----

(1) Shri Chatrumal Aritmal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purshotam C. Manwani (2) Manohar C. Manwani.

(Transferge)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3834|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg., Plot No. 605, 15th Road, Khar, Bombay-400,052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-11-1983,

at nombay on 28-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg. Plot No. 605, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II|37EE|3834|8384, dated 28-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Nirmal Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Esmail Abdulhusein Kathawala Mr. Abbas H. Patel & Mr. Anthony X.P.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.H[37FF[8667]83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000)- and bearing Flat No. 611, Everest Building, Jayprakash Narayan Road,

Versova, Andheri (West), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideralion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any iscome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

43-206GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 611 Everest building, Jayprakash Narayan Road.

Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8667|83-84, dated 22-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-198-1

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8651|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. B-48, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd., Four Bunglow, S. V. Road, Versova, Andheri, Bombay-58 situated at Andheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishin Pessumal Japani.

(Transferor)

(2) Shri Narsing Gagandas Sachanandani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. C. N. Karamchandani,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-48, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd. Four Bunglow, J. P. Road, Versova, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8651|83-84, dt. 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mr. C. P. Dhanani.

(Transferor)

(2) Mrs. Durga L. Deepchandani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9099|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 17, A-Wing Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

andior

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, A-Wing Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|9099|83-84, dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vipul Manharlal Sajanwala & Smt. Saryu Vipul Sanjanwala.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8608|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 12 1st floor, Rokadia Niketan, Mouje Mogra Parsi Panchayat Rd. Andheri (East), Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor of Rokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F of Monja Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomba under No. AR-JI|37EE|8608|83-84, dated 1-11-1983.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Dr. Manoj Ghelubhai Patel.

(Transferor)

(2) M/s Golden Tobacco Company Ltd.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.11|37EE|3708|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 202 Vishal Apartments, Janki Kutir, Bombay-54

situated at Juhu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Vishal Apartments, Janki Kutir, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3708|83-84 dated 12-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for which dight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1984

(1) Shri Shabbir Fakhruddin.

(Transferor)

(2) M|s. Sycon.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|8705|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable respectively having a fall reason to believe that the immovable respectively having a fall reason to believe that the immovable respectively having a fall respectively. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Industrial Unit No. L Phase No. 8, Laxmi Industrial Estate on Block 'E' Village Oshivara, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. L, Phase No. 8 of the Industrial area of Laxmi Industrial Estate on Block 'E' Survey No. 41, Village Oshivara, Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 8705 83-84, dated 26-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Mls. Kanti Builders.

(Transferor)

(2) Ramniklal D. Mehta. Tarala R. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR, II 37EE 3666 83-84. -- Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 101, 1st floor, Amit Apartment Wing A Dadabhai Cross Road No. 3 Vile Parle (West), Bombay-56 situated at Vile Parle (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beleive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Amit Apartment, Wing A Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under social No. AR-JI 37EE 3666 83-84, dt. 1-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-7-1984 Seal:

Mr. Avtarsingh A. Arora and (1) Ramchand G. Chabria.

(3) Transferee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mazda Exports & Machineries Pvt. Ltd.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce) (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AR.II 37EE 8530 83-84.—Whereas, J,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Indl. Unit No. 114. Shivai Industrial Estate Sakinaka, Andheri Kurla Roid, Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule Total Competence of the Industrial Estate Sakinaka,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 114, Shivai Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Road, Bombey 400 059.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11|37EE|8530|83-84, dated 8-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Nabi Raham Ibrahim,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8534|83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and 'bearing

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 501, 5th floor, Bandivli Habib Park Co-op. Housing Society Ltd. Bandivli, Jogeshwari (West) and

situated at Bombay-400 012

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44--206GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Bandivli, Habib Park Co-op. Housing Society Ltd., Bandivli, Jogeshwari (West) Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8534|83-84, dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.-II|37EE|8454|83-84.—Whereas I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 4, 6th floor in Thackers Apartments, 203, C.D. Barfiwala Marg. Andheri (West), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Nimi sh. K. Patel and Miss Neena K. Patel

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh M. Kapadia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within to period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 6th floor in Thackers Apartments, 203, C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8454|83-84 dated 1-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1984 Seal:

(1) Zakaria Aghadi Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Shriram Shricharan Yadav.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR. II 37EE 8808 83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Shop No. 1, Bldg, 'J' Zakaria Aghadi Nagar, Gulmonar
Garden, Yari Road, Versova,
situated at Bombay-60

Sully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have heason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

"(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg. 'J' Ground floor Zakaria Aghadi Nagar Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400 060. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8808|83-84 dt, 19-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-7-1984

Seaf :

#### FORM I.T.N.S.

(1) Tulsi ani Builders & Textiles Pvt. Ltd. (Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh C. Dodani & Sangita R. Dodani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

AR. 11|37EE|8558|83-84.-Whereas, I, No. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 604 in Trivoli Towers, Ptot No. 22 Near April Ghar Co. op. Hsg. Society Off J.P. Road, Andheri (West)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 604 in Tivoli Towers, Plot No. 22 Near Apria Ghar Co, op. Housing Society Off J.P. Road, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|8558|83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8463|83-84,---Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 12B, 5th floor, Plot No. 5, S. No. 287, Andheri (West), Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Quid Johar Burhanuddin Saheb.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar S. Jain P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12B, 5th floor, Sub Plot No. 1 of Plot No. 5, S. No. 287, Andheri (West) Bombay 400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|8463|83-84 dated 2-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3702|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 32, Bldg. No. 'A' Cozihom Co. operative Housing Society Ltd. 251 Pali Hill Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Firdaus Jehan Das Chunu Khan.
(Transferor)

(2) Mrs. Neetu Pratap Tejsinghani,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro verty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor Building No. 'A' Cozihorn Co. op. Housing Society Ltd., 251, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Component Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3702|83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-7-1984

#### FORM ITNS-

(1) Mis. Indico Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Francis X'vior Atsrio.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

No. AR-II[37EE]9151|83-84.--Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 101, 1st floor in Bldg., B-2 at Sahar
Village, Vidyadini Co.operative Housing Society, Andheri
(East), situated at Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Flat No. 101, 1st floor, in Bldg, B-2 at Sahar Village, Vidyadini Co.operative Housing Society Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|9151|83-84, dated 15-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-7-1984

(1) Jaswantrai Damodardas Sanghavi.

(Transferor)

(2) Ranjit Jamnadas Kanakia. Jamnadas Atmaram Kanakiu. Mrs, Hina Ranjit Kanakia,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR, II|37EE|8695|83-84 --- Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

Flat No. 213, Jumbo Darshan Co. operative Hsg. Soc. Ltd. Western Express Highway, Opp Gold Spot Factory Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pulsuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely ;---

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 213, Building No. F2, Efi Jumbo Darshan Co. operative Housing Society Ltd. Western Express Highway. Opp. Gold Spot Factory, Andheri (East), Bombay-405 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/8695/83-84, dated 24-11-1983,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date . 11-7-1984 Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. ROMBAY

Bombay, the 13th July 1984

No. AR, II|37EE|5705|83-84.—Whereas LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 203 'C' Block, Sameer Co. operative Housing Soc.
Ltd. Seven Bunglows, J.P. Road, Andheri (West),
situated at Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferrand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :- 45-206GI[84

(1) M1. Abdul Razaque Mohamedali Meeran. (Transferor)

(2) Mrs. Mecnakshi N. Shetty.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 'C' Block, Sameer Co. operative Housing Society, Seven Bunglows, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|5705|83-84, dated 14-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Pushpa Hassanand Jajani & Shri Hassanand L. Rajani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharati Rupchand Wadhwani,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

AR. II|37EE|9106|83-84.—Whereas I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 301-A, Manish Nagar, Plot 25 & 26, Off J.P. Road, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301-A, Manish Nagar, Plot No. 25 & 26 Off. J. P. Road, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|9106|83..84 dated 11-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Narendra Bhatia.

(2) Smt. Varsha Dhaval Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3707|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 5, Bussa Apartments, Santacruz (W), Bombay-

400 054

situated at Santacruz (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Bussa Apartments, State Transport Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3707|83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-7-1984

(1) Mis. Shivshakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tristar Engineers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

AR-H|37EE|8618|83-84.--Whereas No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Industrial Shed No. III, Shivashakti Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (E) Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983, for an apparent considerable with the contraction of the competent considerable with the contraction of the the contraction

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. III Shivshakti Industrial Estate S. No. 79 H. No. 15, S. No. 80 H. No. 1, of Narol Village, Off. Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.  $\Pi[37EE][8618]83-84$ , dated 18-11-1983. the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1984

(1) M/s. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) () Mr. Ratnakar L.S Shetty.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR. II 37EE 8613 3-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Flat No. 50, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61

situated at Andherl (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 502, 5th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8613|83-84 dated 17-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

FORM No. I.T.N.S.---

I.T.N.S.——— (1) Horizon Construction Co. Pvt. Itd.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mr. & Mrs. Burjor Hormusji Bajina.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR II|37EE|8484|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 502 in Kohinoor B. Jogeshari (W) Near Hanjer Cinema, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502 in Kohinoor B. Jogeshwati (West) Near Hanjer Cinema, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|8484|83-84, dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Vishanbay Khemchand Mehrotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunder Dayaram Sajnani, and Smt. Ishwaribai Dayaram Sajnani.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II|3582|83-84.-Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing

City Survey No. E 769, Bandra, T.P.S. III, situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2855 80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 19-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Prem R. Lalwani,

(Transferor)

(2) Murari Kishindas Dhingereja.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. Π|37ΕΕ|3716|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Woodland Apartment, Final Plot No. 577, TPS III, Mahim, Bombay-400 016

situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Woodland Apartment, Final Plot No. 577, TPS III. Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3718|83-84 dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of htis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1984

(1) Smt. Sohini Mahendra Shah,

(Transferor)

(2) Deepak Kumar Shantilal Badiani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8578|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 10, 11-A, Dawood Baug Road, CTS No. 94, Andheri (West), Bombay.

situated at Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 11-A Dawood Baug Road, CTS No. 94 Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8578|83-84 dated, 13-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—46—206GI 84

Date: 5-7-1984

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3731|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 1, F. P. No. 688 TPS III, Wanjawadi, Off L. J.
Road, situated at Mahlm, Bombay-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983,

at Bombay on 17-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Alisaheb Abdulrahim Gave & Ibrahim, Abdul Rahim Gave, Najmunisa Abdul Rahim Gave & Sabirabi Abdul Rahim Gave

(Transferor)

(2) Mohamed Anis Son of Habib Qureshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, FP No. 688 TPS III, Wanjawadi, Off L. J. Road, Mahim, Bombay 400 016.

Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE,3731|83-84 dated 17-11-1983, The agreement has been registered by the

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-7-1984

#### (1) M/s. Shivshakti Builders

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8467|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Industrial Shed No. 61 Phase III, Shivahakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (S) and situated at Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Ahmedunissa Mohmaed Ahmed Kallan (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 61, Phase III, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59, and

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE. 8467|83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IIH|37EE|3800|83-84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 13, 3rd floor, 74 Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanjibhai Ramjibhai Panchal.

(2) Smt. Rekha Satishbhai Shah Shri Satishbhai Arvindbhai Shah (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, 74, Saraswati Rond, Santacruz (West), Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3800 8384, dated 29 11 1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Mrs. Savitri Hiralal Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Jayant N. Dixit.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.Π|37EE|8489|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. Flat No. 5, 1st floor, Bdlg No. 5, Manish Darshan, Shar Pipe Lanc Road, Off. Andheri Kurla Road, Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor Building No. 5, Manish Darshan Sahar Pipe Line Road Off Andheri Kurla Rd, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR|II|37EE|8489|8384, dated 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Mrs. Kokila B. Kandhari

(Transferor)

(2) Mr. Behram M. Deboo

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8477|83-84,---Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing
Flat No. B-601, Tulsiani Complex, 4 Bunglows, Versova, Andhari (West), Rombay.

dheri (West), Bombay.

situated at Andheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-11-983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-601, Tulsiani Complex, 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8477|83-84 dated, 12-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Nemchand Bharnal Gutka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjan Avalram Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3691|83-84.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 17, Rishiraj Co-operative Housing Society Ltd., 'Rajarshi', Podar St., Santacruz (West), Bombay 400 054. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 17, Rishi raj Co-operative Housing Society Ltd., 'Rajarshi', Podar Street, Santacruz (West), Bombay 4000 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II 37EE 3691 83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984

Soal :

(1) M|s Sanghavi Constructions

(2) Chhotalal Chaturbuj Shah

& Pushpa Chhotalal Shah

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3673 83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. G|3 A-Wing, S. No. 218 H. No. 4, Vile Parle (West)

Bombay-56.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arking from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. G/3 Ground floor, A-Wing, Survey No. 218, Hissa No. 4, Vide Parle (West) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE, 3673|83-84 dt. 1-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II|3597|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 21. GS Road, Andheri (East) S. No. 50 A (Part), 50 B (Part) CS No. 121 of Vile Parle Village, Taluka Andheri situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratilal Maganlal Parikh

(Transferor)

(2) Shri Shirin Mulla Taherali Patanwala

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S-1968/79 and registered with the Sub-Registrar, Bombay.

I.AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II[3583(G)]83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. CTS No. E|361, Plot No. 356, Linking Road, Khar situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bombay on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (\*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S|Shri R. R. Karnik,

M. R. Karnik, C. R. Karnik, V. R. Karnik, P. R. Karnik and R. R. Karnik.

(Transferor)

(2) Ram-Janaki Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. R. Dave, Smt. Sushila R. Dave.

Shri A, S, Valdya.
 Shri R. S. Rao.
 Dr. P. D. Madhok.

5. Miss Lina Naik. 6. Shri P. R. Karnik. 7. Shri M. R. Karnik. 8. Shri R. R. Karnik.

Shri A. R. Karnik. 9. Shri P. N. Majumdar.

Mrs. L. Majumdar,
10. Shri N. C. Karnik,
Shri U. C. Karnik,
11. Shri R. R. Karnik,
12. Mrs. C. R. Mehta,
13. Shri T. M. Naik,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 990/78 and registered on 9-11-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Eastern Bank Trustee & Executor Co. (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jawahar Nagar Social Welfare Society.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-II|37G|3584|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 129 Hissa No. 3, 5, 11 & 12, S. No. 143, Hissa No. 2, 4, 5, 6 & 3 S. No. 314 Hissa No. 6, 10 & 13 S. No. 315 H. No. 3, CTS No. 72, 80, 81, 82, 84, 86 & 93 at Khar(E) Vilage Bandra, Taluka Andheri, Bombay

situated at Andheri (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-395[83 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8593|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. B14[507, Apna Ghar, Unit No. 9 Co-operative housing Society Ltd. Oshtwaru, Off. J. P. Rond, Andheri (West), Bombay-58 situated at Audheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sunita R. Jotwani

(Transferor)

(2) Smt. Aarti J. Vaswani Kum. Latika R. Jotwani

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows of be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-14|507, Apna Ghar, Unit No. 9, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058,

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Bombay

Date: 5-7-1984

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Capt. Kiran Vittal Bolan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Syed Zarina Dlo Syed Mir Husnull Nach

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II(37EE|8794|83-84,-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the memerical Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 48 'B' Bldg. Andhri Guru Chhaya Co.op. Housing Soc. Ltd. Manish Nagar, Four Bunglows, Andhri (W), Bombay situated at Andhri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 48. 4th floor Building 'B' Andheri Guru Chhaya Co-operative Housing Society Ltd., Manish Nagar, Four Bungloys, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]8794[83-84, dated 29-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Chouhan and Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Mohd, Yusuf A. Karim Khoakr and Mrs. Khurunissa,

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1 2nd floor, Sajid Tower, 58-59 Mogra Village S. V. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given for that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Sajid Tower, 58-59 Mogra Village, S. V. Road, Andherl (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8675|83-84 dated 23-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984

(1) M/s. Rathod & Parmar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

(2) Shri Kashyap Chandulal Shah and Smt. Dhruti K. Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3736|83-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shri Amita Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 141-E, Play Ground Road, Vile Parle (East) Bombay-400057 situated at Vile Parle (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforespid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shri Amita Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 141-E, Play Ground Road, Vile Parle (East) Bombay400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|83-84 dt. 14-11-1983.

**LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-7-1984

(1) M[s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gunvantlal J. Dagli, Mrs. Arvindaben G. Dagli.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3771|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

F.P. No. 147, TPS No. V, Vilc Parle (East), Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057, situated, at Vile Parle (East)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1983 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (East), Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3771|83-84 dated 24-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

Scal :

FORM ITNS----

(1) Mr. Santosh Kumar Tiwari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulioj Roopraj Mehta and Mio Sumitra Guliaj Mehta,

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II]37FF[8498]83-84,---Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Flat No. C-42, 3rd floor at Plot No. 26, Our Home Society Sahkar Nagar, J. F. Road, Antheri (West) Bombay, signated at Andheri (West).

Sankir Nagar, J. P. Road, Antheri (West) Bombay, situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the represent in registered under section 269AB of the Incorporatix Act. 1961, in the office of the Competent Authority of Bombay on 4-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid paper 17, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evision of the hability of the transferor to may max in for the said Act, in respect of any income prising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—206G1|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-42, 3rd floor at Plot No. 26, Our Home Society Sahakor Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay.

The tagreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II[37EE]8498[83-84 dated 4-11-1983,

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 5-7-1984

RM ITNS--- (1) Thakkar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khimji Bhojabhai Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3802|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 4, Dharam Prem Apartments, 75 Nehru Road Vile Paile (East), Bombay-400057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Dharam Prem Apartments, CTS No. 1354-A and 1354-All to 12 at 75-Nehru Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057, and the agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II 37EE 38002 83-84 dt. 29-11-1983,

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984 -

Scal:

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant Timbak Mohidekar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II[37FE]3683[83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and hearing No.

and bearing No. F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (Fast), Bombay-57.

situated at Vile Parle (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F.P. No. 147, TPS No. V. Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombuy-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3683|83-84 dated 4-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 5-7-1984

(1) Shri Prabhakar S. Roa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Usman Ahmad Chashmawala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3769|83-84.-Wherens, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 7 at Bandra Lourdes Haven Cooperative Society Ltd., Plot 647-648 Jn. of Ambedkar Road, 30th Road, Bandra, Bombay-400050.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Rombay or 22.11,1982 Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such manfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) L) any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3769 83-84 dated

Shop No. 7 at Bandra Lourdes Haven Cooperative Society 1.td., Plot 647-648 In. of Ambedkar Road, 30th Road.
The agreement has been registered by the Competent

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income urking from the transfer.

LAXMANDAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 12-8-1984

22-11-1983.

#### FORM ITNS---

(1) Shri Quied Johar Burhanuddin Saheb.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Satya Wanti Shadilal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUESTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9040/83-84.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 11A, 5th floor, Plot No. 5, Survey No. 283 Andheri (W) Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred and but agreement in registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fatt market vaule of the aforesaid property and I have reason to oblive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent torselveness therefore by make than fifteen per as a market property therefore by make than fifteen per as a market property to be described for such that the consideration for such a market as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reserve. A continuous of the transfero to pure few order the said Act, in respect of any vaccine wissue from the master; andler
- (b) facilitating the concealment of any maone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act, to the following persons, namely the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11A, 5th floor, Plot No. 5, Survey No. 283 Andheri (W), Bombay-49,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H[37EF[9040]83-84 dated 11-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Balchand Harkishandas Chellani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Dulhanomal Rawtani

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II|37EE|3712|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000)- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. B|4, Neera Co-operative Housing Society, Plot No.

397, 15th Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. B|4, Neera Co-operative Housing Society, Plot No. 397, 15th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II|37EE|3712|83-84, 10-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
l'aspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1934

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Bhaskar Laxman Rane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayshree Hitesh Panikh and Mrs. Hina Jayant Kanani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37FE|8457|83-84.—Whereas, I, I AXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Shanti Sadan, 4th floor, flat No. 1 Teli Gali, Andheri (East)

Bombay-400069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of sav income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Shanti Sadan, 4th floor, Teli Gali CS No. 45, H. No. 2, Municipal 'K' Ward No. 2776 (20) Andheri (East) Bombay-400069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomoay under No. AR-H]37EE]8457[83-84 dated 1-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-far
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mle Nieto.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

Prop. of G. Salle.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3158|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Shop No. 10, Shalimar Building, Tagore Road, Santacruz (West), Rombey 400051

(West), Bombay-400051.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the C acial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period excites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10. Shalimar Puilding, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombzay under No. AR.II 37EE 3158 83-84 dated 5-12-1983.

> LAXMANDAS Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Sombay

Date : 5-7-1-181

Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Horizon Construction Co. Pvt. Ltd (Transferor)

(2) Shri T. G. Thakar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR, II | 37EE | 8496 | 83-84. -- Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 4, Kohinoor Building, C.T.S. No. 184, Bandivli Village, Jogeshwari (Wcst)<sub>3</sub>-Bombay-400060. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

vinage, Jogeshwari (West), Bombay-400060. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propagity and I have

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Kohlnoor Building, C.T.S. No. 184, Bandivli Village, Jogeshwari (West), Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8496|83-84, dated 3-11-1983.

**LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 5-7-1984 Seal:

49-206GI|84

(1) Mls. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mehrunissa Ansari, Mrs. Samana R. Adiecha and Mr. Ansari Ayaz.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8518|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 307, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri

(West) Bombay-400061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 307 on 3rd floor in Building Nirmal , Yari Road,, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8518|83-84 dated 6-11-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-7-1980

#### FORM I'INS-

(1) M|s. Shivshakti Bullders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Tanzeem Printers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8453|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

industrial shed No. 138, Phase III shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village Off Andheri Kurla Road,

Andheri (East), Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1983

formay on 30-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial shed No. 138, Phase III Shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59. The agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8453|83-84, dated 30-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984

Scal .

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Abhay Harischandra Shinde

(Transforce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2847|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 3-A, ground floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3-A, ground floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV[37EE]2847[83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiva Vishwanath Prabhu.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2846|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2 ground floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shiyaji Road, Dahisar (E), Bombay-68

situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, 'B' Wing Aditya Park Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV 37EE 2846 83-84 dt, 15-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Shri Yusuf Dawood Kapade.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Umar Sadruddin Kazi
 Mrs. Najmunissa Umer Kazi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-I,|37EE|1405|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. 104, Eternal Dosti Apartment, Nadkarni Marg,
Antop Hill, Wadala East, Bombay-400 037
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-11-1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, Eternal Dosti Apartment, Nadkarni Marg, Antop Hill, Wadala East, Bombay-400 037.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1314|83-84, dated 28-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. |5479.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Rs. 25,000|- and

bearing No. as per schedule situate at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Karmjit Kaur Woo Sohan Singh roo 370/7, Central Town, Jalandhar Mukhtiar-Khas of Jagjit Singh Soo Kesar Singh, 307, Lajpat Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- Shri Malkiet Singh Sjo Khushal Singh Rjo V, Sohal Jagir, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property house No. 11 (27 M-173 S. ft) situated in abadi Kingra and persons as mentioned in the registered, sale deed No. 5201 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 10: INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5480.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred tr as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- ad bearing

As per schedule situate at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Pirthi Pal Singh So Inder Singh V. Kingra, Teh. Jalandhar, through S. Att. Avtar Singh,

2 (Transferor)

(2) Shrimati Jaswinder Kaur Woo Joginder Singh 455-Opposite AIR, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property area 17 Mls 100 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4787 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1984.

Ceal :

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref.No.A.P. No. 5481.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhat

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 10-7-1984

Date : 10-7-1984 persons, namely:— 50—206GI 84 (1) Sho Kanash Chander So Lal Chand Mukhtiar Khas of Raj Bahadur So Hans Raj Rlo WT-314, Mohalla Kot, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Vinod Kumar Sjo Raj Bahadur (o WT-314 Basti Sheikh, Jalandbar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) \ny other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property house men 2 Kls, situated in Busti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4756 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JAI.ANDHAR
Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5482.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|

and bearing No. as per schedule situated at Kingra has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Avtar S.o Bhagwan Dass ()o Jalandhar Cantt, Mukhtiar-ai-am of Sohan Singh S|o Bhulla Singh R|o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ashwaoi Kumar, Vikas Kumar Ssjo Sardari Lal rjo 300, New Jawahar Nagar, falandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons of mentioned in the registered sale deed No. 4834 of Nov. 33 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. ØIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

#### FORM I.T.N.S.---

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5483.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No as per schedule situated at Maqsudpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

Jalandiar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sad! Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shanker Dass So Natha Singh through Sh. Anil Chopia care of Shishu Model School, Naya Bazar, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Devinder Kaur Wo Tara Singh & Parkash Kaur Do Hardiyal Singh to 267, Bhagat Singh Nagar, Jalandhar.
  (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property land 17 M-80 Sq. ft. situated in Village Maqsudpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5053 Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5484.—Whereas, J.

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ajit Singh Sjo Rattan Singh, Phagwara. Phagwara Partner of Pepsu Industries, (Transferor)
- (2) M<sub>I</sub>s. Ajanta Interprises, G. T. Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1758 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHÁR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

(1) Sn.i Bikram Lal Slo Kanshi Ram Dhir FORM ITNS --- --

Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5486.-Whereas, I, 1. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shii Kimti Lal Slo Duni Chand B-XII-60 Sarai Diwan, Japurthala.

(Transferee)

(3) As per S. No 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 226100 Nov. 1983 of the Registering Authority, Kamurihala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5487.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule shoated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more, than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and par
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rajwant Singh Sjo Dattar Singh rjo V. Garha Wahinda Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sham Masih Soo Khema Mal, roo V. Garha Wahinda Teh, Jalandhur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 13 Mls, situated in Gatha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4938 of Nov. 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5488.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto'), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chanchal Singh Slo Shri Bhan Singh Rlo Pili Kothi. Garha Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Bakhshish Singh Bhogal Slo Shri Wazir Singh and Shri Parminder Singh Slo Shri Satnam Singh Rlo 174 Defence Colony, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 16 Mis. 76 sft. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sule deed No. 5042 of November. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5489.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by those than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act,
   un respect of any income arising from the transfer;
   and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) San Tan Devi Dlo Shri Tek Chand Wlo Shri Hariwansh Lal Rlo 8-B, Shangan Nagar, Lucknow, through G.A. Duni Chand.

(Transferor)

(?) Shri Harpal Singh Sjo Shri Harbhajan Singh and SjShri Rajinder Pal Singh, Ramjit Singh, Jagit Singh Ssjo Shri Mohinder Singh Rlo V. Kazam Pur teh. Batala, Distt. Gurdas Pur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 363 Mls situated at Sodal Road, near Hagicha Thaprati. Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 5162 dated Movember, 1983 of the Pegistering Authority, Jalandhan

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11 7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### FORM ITNS----

(1) Shri Bakhtawar Singh Slo Shri Bhag Singh Rlo 180-Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

No. A.P. No. 5490 to 5493.—Whereas, I, J. L. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons namely:--

51-206G1 84

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (2) Shrimati Satwant Kaur Bassi Woo Shri Gurdip Singh and Smt. Kamaljit Kaur Wo Shri Jassu Singh Ro 2503 Sector 35-C. Chandigarb.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road near Khalsa College for Women, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5111 of dated November, 1983 and 5581, 5591 and 5619 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5494.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance appears: ing persons, namely :---

(1) Shri Bakhtawar Singh Slo Shri Bhag Singh Rlo 180, Civil Lines, Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Smt. Jagdish Kaur Wo Shri Kakhtawa Singh.

(Transferor)

(2) Shrimati Satwant Kaur Bassi Wo Shri Gurdip Singh and Smt. Kamaljit Kaur Wo Shri Jassu Singh Rio 2503 Sector 35-C, Chandigach.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road, near Khalsa College for women, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 5144 of dated November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> I. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. Nos. 5495, 5496 & 5497.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (15 c. 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Maninder Pal Singh S|o Shri Bakhtawar Singh R|o 180 Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Satwant Kaur Bassi Wlo Shri Gurdip Singh and Smt. Kamaljit Kaur Wlo Shri Jassu Singh Rlo 2503 Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road, near Khalsa College for Women, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5582, 5592 and 5618 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5498.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereot) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Jasbir Kaur Wo Shri Harbhajan Singh Ro Tagore Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal So Shri Sansar Chand Ro EH-149, Shantipura, Ladowali Road, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at near Tagore Nagar, Jalandhar persons as mentioned in the registered sale deed No. 4935 of November, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-7-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5499.—Whereas, I, J.L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Jasbir Kaur Wlo Shri Harbhajan Singh Rlo Tagore Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari Wo Shri Chaman Lal Ro EH-149, Shantipura, Ladowali Road, JalanJhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at near Tagore Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4751 of November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5500.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Joginder Singh S|o Dr. Captain Faqir Singh R|o 582, Sector 10-D, Chandigarh now R|o S-248, Indl. area Jalandhar self & Mukhtiar-am of Smt. Gurbachan Kaur D|o Shri Faqir Singh (W|o Shri Bhupinder Singh R|o 538, Model Town, Jalandhar and Smt. Satinder Kaur D|o Faqir Singh (W|o Shri Gurdarshan Singh)
   Kaur D|o Faqir Singh (W|o Shri Gurdarshan Singh)
   Kaur D|o BXX-537 Gurdwara Mai Nand Kaur Road, Civil Lines, Ludhiana.
- (Transferor)
  (2) Shri Lakhvinder Pal Singh So Sh. Didar Singh Ro 2247, Mohalla Makdoom Pura, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property Kothi (portion) S-248 situated in Indl. Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5000 of November. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhav, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5485.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Phagwara in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Pepsu Industries, Phagwara through Smt. Naranjan Kaur Wd|o Shri Rattan Singh Partner of Industries.
- (2) Associated Industries (India)

(Transferee)

(Transferor)

52 Industries Aarea, Phagwara,

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1757 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2360 of January, 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5501.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding (8s. 25,000)- and bearing No. No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Office of the Registering Officer Faridkot on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dinesh Kumar So Shri Mani Lal Ro Fauji Road, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) S|Shri Atma Singh, Ajaib Singh & Sadhu Singh Ss|o Shri Wazir Singh R|o Fauji Road, Satluj Automobiles, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated on Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3419 dated November, 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5502.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:52-206GI|84

(1) Smt. Hansa D|o Shri Munni Lal R|o Fauji Road, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh So Shri Wazir Singh Rjo Fauji Road, Sutlej Automobiles, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3421 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandbar

Date: 24-7-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5503.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the uforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rekha
 Do Shri Munni Lal
 Ro Fauji Road, Kot Kapura
 Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Sadhu Singh Sio Shri Wazir Singh Fauji Road, Sutlej Automobilies, Kotkapura Distt, Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning \*\* given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3424 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-7-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5504.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any 'income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Shri Munni Lal Rlo Fauli Road. Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

 Shri Atma Singh
 Sho Shri Wazir Singh
 Road, Sutlej Automobiles, Kot Kapura Distt. Faridkot,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person whom he undersigned knows

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation:—The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons s mentioned in the registered sale deed No. 3426 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-7-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Subimal Krishna Datta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rakesh Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 66|84-85|Sl. 888|I.A.C.|Acq.R-I|Cal,-Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

12 C, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred, when the Recipitation Act. 1808 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at C. A., Cal. on 5-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

All that flat No. 2 B, Urbashi Apartments at 12C, Camac Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Vide serial No. C. A. 66 Dt. 5-11-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 11-7-1984

FORM No. I.T.N.S.

(1) Mrs. Georgina Lakshman

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs .Usha Bahl & John Rebert Peterson

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I. CALCUITA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 71]84-85|SI. 889|IAC.|Acq.R-I|Cal.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

17, situated at Camac Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 8 C, on 8th floor, 'MONALISA' at premises No. 17, Camae Street Calcutta. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range -I. Calcutta vide Sl. No. 71 dt. 8-11-83.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984 Seul :

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjit Exports Private Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 73|84-85|Sl. 890|I.A.C. Acq. R-I|Cal.-

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing No. 75-C, situated at Park Street, Calcutta. (Flat No. 2/2, 2nd Floor)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that Flat No. 2/2 on Second Floor of Premises No. 75-C, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 73 Dt. 11-11-83

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 11-7-1984

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sheoprashad Surendrakumar Private Ltd.

### GOVERNMENT OF INDIA

### \_\_\_\_\_

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 74|84-85|Sl. 891|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.---Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rajendra Vardhman Plot No. 4 situated at Roop Ngr., Delhi and bearing

No. 75 C, situated at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at C. A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 2 ton second Floor at Premises No. 75 C, Park Street, Cal. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 74 Dt. 11-11-83.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 11-7-1984

(1) Anima Sarkar

(2) Mr. K. C. Yap & Mr. Allen Yap.

(Trasnferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 75|84-85|SI. 892 I.A.C.|Acq.R-I|Cal,--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 4, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, Calcutta on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 8 B, on the 8th floor of Embassy Apartment Building at 4 Shakespears Sarani, Calcutta-700071. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I. Calcutta vide Si. No. 75 dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection  $(\hat{h})$  of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-7-1984

(1) Bijay Kumar Surana

(Trasnferor)

(2) Smt. Kanta Agarwal & M's. Ashok Tubes

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 76|84-85|Sl. 893 .IA.C|Acq.R-I|Cal,-Where-S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 26, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta-17. has been transferred under the Registrations Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Imlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

53-206 GT 84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein Ra are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No 'B' on the 6th Floor and a covered car parking space at premises No. 26 Shakespeare Sarani, Calcutta-17. Registered before the Computent Authority, I.A.C., Acq-AR-I, Calcutta vide Sl. No. 76 dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984 Seal :

(1) Smt. Satyabala Dassi

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Durga Prosad Newar

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period or

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

able property, within 45 days from the date of

publication of this notice in the Official Gazette.

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. TR-7|84-85|Sl. 894 I.A.C.|Acg.R-I|Cal,---Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

No. 7, situated at Ram Kumar Rakshit Lane, Calcutta-700007.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at R.A., Calcutta on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-

whichever period expires later;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

All that old three storeyed building on a land of 1 Cottah 7 Chittacks 15 sft at premises No. 7, Ram Kumar Rakshit Lane, Calcutta-7000 07, Registered before the R.A. Calcutta vide Deed No. I-11140 dt 8-11-83.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition kange-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date : 11-7-1981

(1) Purba Bharati Sambaya Abasan Ltd.

(Trasnferor)

(2) Smt. Arati Bose.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF 'THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. TR-21|84-85|Sl. 895 I.A.C|Acq.R-1|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20 A & 20 B, situated at Convent Road, Calcutta-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Cal. on 25-11-83

at 5.R.A., Can. On 25-11-65 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

All that three storyed building on an area of 3K-12 Ch. at 20 A & 20 B, Convent Road, Calcutta-14. Registered before the Sub-Registrar of Assurances. Calcutta vide deed No. I-11881 dt. 25-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

(1) Shri Santosh Kumar Dam and others.

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bijoy Laxmi Singhania.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 82[84-85[Sl. 896 J.A.C.]Acq.R-I]Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 61, situated at Park Street, Cal-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A. Cal, on 19-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Recilifating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Suit No. 23, Ambassador Apartment, 61, Park Street, Calcutta-16. Registered before Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Calcutta vide Sl. No. 82 Dt. 19-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date ; 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.Λ. 78|84-85|Sl. 897 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.— Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. 7|1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at C.A., Cal on 15-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Pari Enterprises.
- (2) Smt. Ratan Devi Daga and Shri Manoj Daga.

(Trasnferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 1 A at 1st Floor at Premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Calcutta, vide S1. No. 78 Dt. 15-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 11-7-1984

(1) M|s. Pari Enterprises.

(Trasnferor)

(2) Shri Pradip Jain

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 68|84-85|Sl. 898 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7/1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A. Calcutta on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration is such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 4A, at 4th Floor at premises No. 7|1 A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 68 Dt. 7-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-7-1984

### FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Pari Enterprises.

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil Kumar Sethia

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 69j84-85jSl. 899 LA.C. Acq.R-1jCal.-

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 7|1 A. situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at C.A. Cal. on 8-11-83

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 5C at 5th Floor at premises No. 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 69, Dt. 8-11-83.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ; 11-7 1984

(1) M s. Pari Enterprises.

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khemchand Sethia

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 70|84-85|Sl. 900 LA.C.|Acq.R-I|Cal.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 7|1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A., Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. 5 A at 5th Floor at premises No. 7|1 A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 70 dt. 8-11-83.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ...

Date: 11-7-1984

Seal ;

### FORM ITNS----

(1) Messers Pari Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt, Usha Jain.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE. CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Rcf. No. C.A.67|84-85|Sl.901|1.A.C.|Acq.R-J|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 711A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at C.A. Calcutta on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4B, at 4th Floor, at premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17, Registered before the C.A., I.A.C. Acq. R-I, Cal. Vide Serial No. 67 Dt. 7.11.83.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—206 GI/84

Date: 11.7.84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.JAC(Aqc.)|2433 Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing House No. 739 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 7.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Kanwar Wlo Shri Narendra Nath Kanwar Rlo Plot No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)

(2) Shri Jhammumal Kriplani Slo Shri Budhmal Kriplani Rlo No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30-days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2547 dated 7.11.83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

### FORM ITNS ----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISION RANGE, JAIPUR

laipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. [AC(Acq.)]2434 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing House No. 739 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt, Sumitra Kanwar Wo Shri Narendra Nath Kanwar Rlo House No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Smt. Barkha Wo Jhammumal Kriplani Ro House
   (2) No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion in House No. 739, situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2548 dated 7.11.83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE, **JAIPUR** 

Jaipur, the 18th July 1984

Raj. IAC (Acq.) 2435 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing House No. 739, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Sumitra Kanwar Wlo Shri Narendra Kanwar, Ro House No. 739, Adarsh Nagar Jaipur (Transferor)
- (2) Smt. Parwati Devi, Widow of Shri Budhmal Kriplani, House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said · immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2561 dated 8.11.83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18.7.1984

Senl:

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj., IAC (Acq.) 2436 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
House No. 739, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Competent Authority

at Jaipur on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :---

- (1) Smt. Sumitra Kanwar, Wo Shri Narendra Kanwar Rlo House No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Kumari Monica Dio Shri Jhammumal Kriplani Through Father House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2560 dated 8-11-83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

îeal :

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Prabhudayal So Shri Narayan Ji Vaish Khandelwal, Rlo Plot No. C-7, Arjunlal Sethi Colony, Jaipur

(2) Smt. Bhagwati Devi, Wjo Shri Ramnarayan Rjo Delhi Gate, Aimer. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. A-2|3 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2437 Whereas, I,

in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of any of the interestal persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. A-2|3 situated at Yudhisthra Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by he Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2535 dated 7.11.83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date : 18.7.1984

NOTITE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISION RANGE,

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2438 Whereas, I, MOHAN SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. A-2|3 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prabhu Dayal So Shri Narayan Ji Vaish Khandelwal Ro Plot No. C-7, Arjunlal Sethi Colony, Jaipur

(Transferor) Rumswaroop

(2) Shii Madanlal Khandelwal Slo Shri Khandelwal Rlo Ramgani, Ajmer

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. A-2[3, situated at Yudhishtra Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2533 dated 7.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

(Transferee)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vijay Singh Mathuria S|o Shi Jagdish Prasad Mathuria R'o 2-A JP Colony near Tonk Phatak

(1) Shri Ramswroop Slo Shri Rewarmal Agarwal, Rlo

Pratupgarh District-Alwar

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2439 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Plot No. 2 A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Jaipur on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 2-A situated in J.P. Colony, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2668 dated 25.11.83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18.7.1984

(1) Thakur Shri Bharat Singh Slo Late Shri Devi Singh, Rlo Chomu House, Jaipur (Transferor)

(Tangeror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4F INCOME: (2) Shri Umesh Chandra Mathur Slo Shri M. L. Mathur Rlo B-8. Pariyahan Marg, Chomu House, Jaipur. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2440 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market viaue exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 19.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. B-8 situated at Parivahan Marg, Chomu house Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Jaipur vide Registration No. 2649 dated 19.11.83

MOHAN SINGH Competent Authorics Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tox Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
55—206 Gl<sub>184</sub>

Date: 18.7.1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. [IAC (Acq.)]2441 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

House No. B-145A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer

a; Jaipur on 25.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under, the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Natoin Mathur Slo Shri Shyam Narayan Rlo House No. 145, Mangal Marg, Babu Nagar Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Krishan Dass Malpani Sjo Shri Dwarka das Malpani Rjo Film Colony, Chauta Rasta, Jaipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-145A situated at Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2673 dated 25.11.83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Rej. $[1AC(Aeq.)]^2442$  Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair narket value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. Land situated at Udaipui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Regisering Officer

at Udaipur on 14.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vishnu Lal Sio Shri Navneet lal ji Paneri, Rio Duiga Nuisery Road, Udaipur,

(Transferor)

(2) 1. Shri Bansilal Slo Shri Harnarayan Ji Paliwal. 2. Shri Mohinder Singh Slo Shri Jagat Singh Bedi. 3. Smt Kaushalya Dushtar Wlo Shri Roopchand Pahuja. 4. Smt. Vijavlakshmi Wlo Shri Rameshchandra ji. 5. Smt. Surendra Kumari Wlo Shri Govind Swaroop 6. Smt. Santosh Kumari Wlo Shri Rameshwar Kumari Wlo Shri Rameshwar Kumar Resident of Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Araji No. 980 Area 11 Biswa situated in Girwa-Tehsil of Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 2560 dated 14.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Inipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2443 Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 16 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Regisering Officer

at Sriganganagar on 18-11-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Niranjan Das Sjo Shri Parmanand Arers, 16 Third Block, old Abadi, Sriganganagar (Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Wo Sohanlal, 16 Third Block, Old Abadi, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House No. 16 Third Block situated in Purani Abadi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Sriganganagar vide Registration No. 2585 dated 18-11-83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont namely:--

Date: 18.7.1984

### FORM ITNS----

- 10) Shii Niranjan Das So Shii Parmanand Arora, 16 Third Block, old Abadi, Sriganganagar.
  - (Transferor)
- (2) Shri Sohanlal So Shri Rola Ram Rajput, 16 Third Block, old Abadi Sriganganagar.

## (Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.|IAC (Acq.)|2444 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

House No. 16 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Office of the Registering Officer at Stiganganagar on 18-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Portion of House No. 16 Third Block situated in Purani Abadi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed tegistered by the Sub-Registrar, Sriganganagar vide Registration No. 2586 dated18.11.83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

### Shri Mansukhlal So Shri Bardichandji Dhanmandi, Udaipur,

(Transferor)

(2) Shri Purshottam lal Sjo Shri Mohan lal Ji, Plot No. 1175 Hiranmagri, Udaipur (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2445 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Plot 1175 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 14.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1175 situated in Sector No. 11, Hiranmagri, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 2589 dated 14.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 18-7-1984

---- w -----

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE. JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj|IAC|(Acq.)|2446,--Whereas, I,

MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/und bearing

No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Jodhpur on 18.11.83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Singh (1) Shri Dharmveer Singh Slo Shri Virendra Raiput R'o Rohit District-Pali

(Transferor)

(2) Shri Vijay Menon Slo Shri Rajan Menon Dharam Narayan Ka hatta, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

### THE SCHEDULE

Portion of House Property situated in P.W.D. Colony, Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3364 dated 18-11-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tua Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref No. Raj. IAC (Acq.) 2447.—Whereas, 1,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Jaipur on 18-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; aud /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Shri Dharamveer Singh Slo Shii Virendra Singh Rajput, Rlo Rohit, District-Pali (Transferor)
- (2) Kumari Vijaylakshmi Do U.P.R. Menon, Dharamnarayan ka hatta, Jodhpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House property situated in P.W.D. Colony Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur Registration No. 3365 dated 18.11.83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE. JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Rai. IAC(Acq.) 2448.—Whereas. I. MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000 - and bearing No. House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---56-206 GI 84

(1) Shri Dharamveer Singh Slo Shri Veerendra Singh Rajput Rlo Rohit, District Pali.

(Transferor)

(2) Smt. Nalini R. Menon Wo P.R.S. Menon, Dharam narayan ka Hatta, Jodhpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House property situated in P.W.D., Colony. Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3366 dated 18-11-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range Jaipur

Date: 18-7-84

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj[IAC(Acq.)|2440,-Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri Land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 29--11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Meettalal, Shri Jagdish Chandra, Shri Chimanlal Slo Shri Bhanwarlal Ji Mali and Smt. Ganga Bai Wio late Shri Bhanwailal, Udaipur.

(2) 1. Shri Ramesh Kumar Slo Chatarsal.

Shri Kamesh Kumar Sjo Chatarsal.
 Shri Mahendra Kumar Sjo Shri Chatarsal.
 Shri Jagdish Lal Sjo Shri Gopilal
 Shri Nandlal Sjo Shri Lal Chand
 Shri Bhanwarlal Sjo Shri Heeralal
 Smt. Ratan Devi Wjo Shri Mohan Lal
 Shri Nurandra Kumar Slo Shri Manailal

7. Shri Nurendra Kumar Sjo Shri Mangilal 8. Shri Ganpatlal Sjo Shri Nandlul 9. Smt. Kusumlata Wjo Shri Suresh Kumar 10. Shri Balji Bhai Sjo Shri Narainji. 11. Shri Merulal Sjo Shri Modilal 12. Shri Baikumar Sjo Shri Loymilal

12. Shri Rajkumar So Shri Laxmilal

12. Shri Kalkullar Slo Shri Laxinia 13. Shri Sohan Lal Slo Shri Khemraj 14. Smt. Durgadevi Wlo Shri Giriraj 15. Shri Sajjanmalji Slo Shri Manakchand 16. Smt. Laxini Devi Wlo Shri Kalilafji, 17. Shri Moti Kumar Slo Shri Shyamsunder, and

18. Shti Bhanwarlal Slo Shri Chogalal

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land No. 1057 and 1058 Area 1 bigha 3 biswas situated in Unipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide Registration No. 2714 dated 29-11-83,

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 18-7-84

### FORM I.T.N.S .---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No Raj. IAC(Acq),2450,--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing Shop No. 112 situated at Jaipur tand more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jajpur on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the teduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Uchal Bai Wo late Shri Hot Chand, Shri Kishanchander, Teju Mol Slo Shri Hot Chand Rlo Plot No. 332 Jawahar Nagar, Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar Sjo Shri Kishan Chand Ro Plot 172, Sindhi Colony. Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 112, situated at Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2583 dated 10-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-84.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mohan Lal Sio Shri Hazarilal Ji Goyal Rio Goyal Bhawan langer ka Balaji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Manak Chand S.o Hazari lal ji R[o Goyal Bhawan langer Ka Balaji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.[IAC (Acq.)]2451, --Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

House Property situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 25-11-1983

for an appagent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely (--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 3768, situated at cward House gangori Bazar Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2664 dated 25-11-83.

MOHAN SINGH-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. [IAC(Acq.)]2452.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 20 1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Singh S|o Shri Laxmi Narain Singh, Smt. Shanti Devi W|o Shri Ram Singh R|o Bhagwan Bhawan Jatt ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Narain Khandelwal Sjo Shri Chhotulal Rjo No. 7 Sikar House, Jajour.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Shop No. 20|1, situated at Chand Pole Bazar Near Chotichouper, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2596 dated 14-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-84.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.[IAC(Acq.)]2453.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

and bearing Plot No. 20/1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Singh So Shri Laxmi Narain Singh and Smt. Shanti Devi Wo Shri Ram Singh & Others Bhagwan Bhawan, C.B. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Anandi Devi Wo Shri Vijay Narain Khandelwal Ro Talu Ka Bhawan Mishra Rajaji Ka Rasta C.B. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 Portion in Shop No. 2011, situated at Chand pole Bazar, near Chotichupar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2595 dated 14-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Iuspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Jaiput

Date: 18-7-84

(1) Shri Gainchand Santoshkumar and Subashchandra Gupta Sons of Shri Ramgopal Gupta, 1173, Ganjipura, Jabalpur,

(2) Shri Phoolchand Seth So Shri Kanheyalal Seth and Smt. Sashiprabha Seth of South Milangani, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4871.—Whereas, I. V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

1172 situated at Ganjipura, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on November 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

### THE SCHEDULE

House bearing No. 1172, Ganjipura, Jabalpur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6th July 1984

(1) Manorama Dandekar Wo Shri Govind Ganesh Dhandekar, Shantinagar, Raipur.

(Transferor)

(2) Master Manojkumar Mittal (Minor) So of Shri Mhadevlal Mittal (Agarwal), resident of Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.Bpl|4872.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Two storeyed building situated at Samadhan Building, Shanker Nagar, Raipur

Shanker Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two storeyed building namely Samadhan situated in Shantinagar, Raipur.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAI.

Date: 6th July 1984

FORM ITNS -----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4873.—Whereas, I, V, K. BARAN-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Two storeyed building situated at Shantinagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

57--206GI[84]

- (1) Smt. Manorama Dandekar Wlo Shri Govind Ganesh Dandekar Resident of Shuntinagar, Raopur. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Agarwal So R. G. Agarwal, resident of Samadan Building, Raipur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two storeyed building is situated in Shantinagar (Part) at Ralpur.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6th July 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn[Bpl]4874.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land situated at Moja Sedikhedi, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Shri Dhirendrakumar Slo Shri Kabulchand Garg, Resident of Modahapara.

(Transferor)

(2) Shri Opeshkumar S|o Shri Kavarlal Gupta R|o 75|11 Patelnagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Mojakhedi, situated at Raipur. This is the immovable property the descriptions of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floer, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6th July 1984

(1) Shri Direndrakumar So Kaboolchand Garg, and others, Resident of Modahapara, Raipur.

(TransferOF)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushilabai Wo Late Dharmprakash Gupta, Resident of Ludhiana, Punjab. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4875.—Whereas, J, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Moja Sedikhedi, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land in Moja Sedikhedi, situated at Raipur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4876.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Kh. No. 386 in part situated at Moja Serikhedi, Ruipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ruipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Direndra Kumar So Kabool Chand Garg & others, Resident of Modahapara, Raipur.
- (2) Smt. Anita W|o Rakesh Kumar Gupta, Resident of Ludbiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land in K. No. 386, situated in Moja Modahapara (part), Raipur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

(1) Shri Lalitkumar Soo Shirati Master, resident of Mangeli, Dist. Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. T. Lal So D. J. Lal, Resident of Magarpara, Bilaspur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4877.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500|- and bearing

Land in Tifra, Dist. Bilaspur K. No. 621 situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 621, Tifra, situated at Bilaspur. This is the immovable property, the details of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

(1) Pitambar Prasad So Shri Shivprasad Pathak Resident of Gopal Ganj, Sagar.

(Transferor)

(2) Smt. Gayatri Yadav Wo Shri Laxminarain Yadav, resident of Parkota Ward, Sagar.

(Transferee)

NOTICE\* UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn[Bpl|4878.--Whereas, I, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot in K. No. 499|18 situated at Vrindavan Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 499|18, situated in Vrindavan Ward, Sagar. This is the immovable property, the details of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4879.---Whereas, I, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 499|8 situated at Vrindavan Ward, Sagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pitambar Prasad S|o Shri Shivprasad Pathak, Resident of Gopalganj Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Santoshkumar Sjo Shri Chhotelal Juin Resident of Bariaghat, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 499|8 is situated in Vrindavan Ward, Sagar. This is an immovable property, the description of which is given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ith Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Suit. Bhagwati Bai Wo Shri Parmanand Choubey Village Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal So Shyamji Bhai Patel, Gujrati. Resident of Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4880.—Whereas, 1, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000- and bearing

Rs. 25,000- and bearing Land in Kh. No. 37|1 & 37|2 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kh. No. 37/1 & 37/2, situated in Guru Govindsingh Ward, Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shrimati Bhagwatibai Wo Parmanand Choubey Resident of Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) New Ganesh Saw Mill, Sagar, Prop. Hiralal So Shyamji Bhai Patel, Ro Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4881.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Kh. No. 37 1, 37 2 situated at Guru Govind Singh Ward, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58---206 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land in Kh. No. 37/1, 37/2, situated in Govindsingh Ward, Sagar. This is an immovable property, the descriptions of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhoral, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4882.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing land at Moja Dumartalay, Raipur situated at Raipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of canolier with the spicet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harlomprakash Soo Hukumchand vagairah Sitabadi, Nagpur now at Raipur.

(Transferor)

(2) Santoshkumar Soo Sampatlal Kotari Shankernagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building and godown situated at Moja Dumartalay, Raipur. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4883.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

and bearing
Land No. 221 situated at Tilimaphi, Dist. Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by see issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dev Hanumanji Sarvajanik Nyas Vrindavan, Sagar through Mahant Harbhajandas disciple Premdas Vrindavan Bhag, Sagar.

  (Transferor)
- (2) Vrindavan Dham Grih Nirman Sahkari Samstha Bada Bazar, Sagar, through Shri Prakash Vadia Soo Ramprasad Vadia, Sagar.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabre property, within 45 days from the date of puol cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at No. 221 Village Tilimaphi, Tah. Sagar is situated. The description of the immovable property has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4884.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land No. 230 situated at Tilimaphi Village. Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dev Hanumanji Sarvajanik Nyas Vrindavan Bhag Sagar, through Mahant Harbajandas, disciple Premdas Vrindavan, Sagar,

(Transferor)

(2) Sagar Krishi Grah Nirman Sahkari Samstha Marya-dit Mohan Ward, Sagar, through Shri Ravishanker Nathuram Mishra, Mohan Nagar Ward, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 230 situated in village Tilimaphi, Dist. Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T.T. Nagar, Bhopal Competent Authority

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn[Bpl]4885.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Khasra No. 189 situated at Village Tilimaphi, Tah. Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mahant Hari Bhajam Das disciple Mahant Premdas Mahachetkar Shri Hanumanji Sarvajanik Nyas, Vrindavan Bhag, Sagar Trust No. S|252.

(Transferor)

(2) Sangam Grah Nirman Sahkari Samiti Maryadit Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Khasra No. 189, situated in Village Tilimaphi, Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4886.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Land in Kh. No. 8/2 and 9/3 situated at village Tejpur Gadbadi, Tah, and Dist. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Laxminarain S|o Govind Khati, Bijalpur, Indore.

(Transferor)

(2) Ahilyamata Sewak Sangh Grih Nirman Sahkart Samstha Maryadit, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khasra No. 8|2 and 9|3, situated in village Tejpur Gadbadi. Tah, and District Indore. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)
Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4887.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plots situated at Raipura xillage, Tah. Shahnagar, Panna Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in aspect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Sharma,

(Transferor)

(2) Shri Raghu Hari Dalmia (HUF) 4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 512|2, 513, 517, 518, 526|1 527|3, 527|4 528|8 in K. No. 596 in village Raipura Tahsil Shahnagar, Dist. Panna. The property is immovable the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

(1) Smt. Shanti Sharma, Panna

(Transferor)

(2) Shri Ajai Hari Dalmia, 4 Sindhi House, New Delhi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI. (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4888,—Whereas, I.

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot Nos. 509, 510, 511, 512|3, 518|3, 519, 520 526|1,

situated at Raipura village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 509, 510, & 511, 512|3, 518|3, 519, 520 526 1 in village Raipura, Tansil Shahanagar, District Panns. This is the immovable property, the descriptions of which have been given in the Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 12-7-1984

(1) Smt. Shanti Sharma. Panna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4889.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable market value exceeding Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land in Plot Nos. 514|- 532|3, 533|3 in Khata No. 596 in village Raipura Tahsil, Shahanagar situated at Dist. Panna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at New Dehli in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-**59---2**06G[[\$1

(2) Shri Yadu Hari Dalmia, HUF, 4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 514, 532|3, 533|3 in Khata No. 596 in Village Raipura Tah. Shahanagar, Dist. Panna. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rang 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1981

Sen1;

(1) Shrimati Shanti Sharma, Panna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4890.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing land in Plot Nos. 512|1, 518|1, 527|1, 527|2, 532|2, 533|1 situated at Village Shahanagar, Dist. Panna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri M. H. Dalmia, HUF, A. H. Dalmia, HUF, R. H. Dalmia HUF, Shri Y. H. Dalmia, 4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 512 1, 518 2, 527 1, 527 2, 532 2, 533 1 in village Raipura Tahsil Shahanagar, Dist. Panna. This is the immovable property, the descriptions of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 12-7-1984

### FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4891.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

House at Adhartal, Jabalpur situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Hind Cooperative Housing Society Ltd., President Shri Rajesh Agarwal, 173, Sarafa Ward, Jabalpur.

(Transferor

(2) Shri Yogendra Bhargava, So Shrichand Bhargava, 11 M.I.G., Anand Nagar, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing Corporation No. 182 1 of Adhartal Jabalpur with land appartment thereto. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G. duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhonal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4892.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. House in Plot No. 49 in part situated at Gupteshwar Ward, Jahalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Maya Mukerji
 Wlo Shri R. Mukerji, through general attorney R. Mukerji
 Slo Late Shri Hari Sadhan Mukerji, Type 5 Bungalow, Telecom Factory Town, Shri Deonar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Purushottamlal Bhalla S|o Shri Lala Deşhmitra Bhalla, Nagpur Road, Premnagar, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Diversion Plot No. 49 in part H. No. 1160|B|B|A situated at Gupteshwar Road, Jabalpur. This is the immovable property the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Reng -4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4893.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 62 and building thereon situated at Indore Vikas Pradikaran Scheme No. 31, Sarvodaya Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Lis been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Canada Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Poonamdevi W|o Vishandas, Indrapuri Colony, H. No. 323, Indore.

(Transferor)

(2) Sadhu Vasvani Cooperative Housing Society Maryudit, Indore through President Shri Udhavdas, Slo Tulsidas Munjwani, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 62 and the building thereon in Indore Vikas Prodikaran Scheme No. 31, situated in Sarvodayanagar, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4894.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. 3-72 and the building thereon situated at Sarrodaya Nagar, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parmanand Slo Shri Lakmichandii, through general attorney Shri Shankerlal Slo Nevarchandramji, resident of B-58, B. K. Sindhi Colony, Gali No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) Sadhu Vasvani Cooperative Housing Society Maryadit 367|368 Sadhu Vasvani Indore, through President Shri Udhavdas Manjwani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-72 and the building thereon situated in Sarvodaya Nagar. Indore.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4895.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

M. No. 40 situated at South Hatipala Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suleman Slo Rasul Baksh and Abdul Rahman Slo Sulemanji Resident of 40, Hatipala Road, Indore.

(Transferor)

(2) Farookh and Co., 40, South Hatipala Road, Indore, through partner Mohd. Haroon Slo of Mohd. Farookh, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a pernod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing No. 40, is situated in South Hatipala Road. Indore.

V. K. BARANWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Buildin"
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|4896,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

House No. 174B situated at Sangam Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on November ,1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Rambabu Nannulal Sharma, 7, Bhonsle Ki Goth, Naya Bazar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Hemlata Wlo Shri Madanlalji Sharma, Rlo H. No. 44, Main Street, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 174B, situated in Sangamnagar, Indore.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4897.—Whereas, I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

H. No. 174B part situated at Sangam Nagar, Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said-instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—60—206GJ[84]

Shri Rambabu Nannulal Sharma,
 Bhonsle ki Goth, Naya Bazar,
 Gwalior.

(Transferor)

 Shri Madanlal Kasturechandji Sharma, 44 Main Street, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 174 B, situated in Sangam Nagar Colony, Indore.

B. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4898.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. 174 and building thereon situated at Jawahar Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I.-Shri Manmohan So Madhav Rao Munshi,
  - 2. Arvind Kumar
  - 23. Shyam Kumar S|o Madhavrao Munshi
     4. Manorama Bai W|o Madhavrao Munshi, resident of 294|2, Jawahar Marg, Indore.
     (Transferor)
- (2) Shri Kejar Hussain Soo Saifudinji, Resident of 311, Doulatganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building on Plot No. 724, part situated in Jawahar Marg, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4899.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Plot No. 210 B. N. 55 situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Neemuch on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Kamal Kumar, 2. Narendrakumar So Bhojraji Jain, Agarwal, Neemuch-2 through general autorney Ashokkumar So Bhojraji Jain Agarwal, Neemuch-2 (M.P.) (Transferor)
- (2) Shri Krishna Avtar Soo Shri Ramkishanji Goyal, Resident of Neemuch Contonment.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used hereit as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 210-55 Neemuch-2 is located in Neemuch. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4900.—Whereas, I, V K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 45, south portion B. No. 55 situated at Necmuch-2.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Neemuch on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sh. Messers Kamalkumar Narendrakumar Slo Bhojrai Jain Agarwal Neemuch cantonment through general autorney Shri Bhoraj Jain, Neemuch contonment. (Transferor)
- (2) Shri Satyanarain So Shri Shivkaran Agarwal, Neemuch cantonment.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House in plot No. 45, south portion, B. No. 55 situated in cemuch-2. This is the immovable property the descrip-Neemuch-2. tion of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority . Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

#### FORM I.T.N.S.—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4901.—Whereas, I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 47, northern Part Bunglow No. 55 situated at Neemuch Cant. Neemuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on November 1983

an apparent consideration which is l**ess** than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Kamal kumar,

2. Narendrakumar Slo Bhojrajiji Jain Agarwal, Neemuch Cant, through General Autorney, Shri Ashok Kumar So Bhojrajji Jain Agarwal, Neemuch Cant.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash So Shivkaranji Agarwal, Neemuch Cant. Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning we given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Plot No. 45 in northern Part, Bunglow No. 55, Neemuch Cant. located at Neemuch. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopel.

Seal: Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4902.—Whereas, I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land K. No. 97|1|1|94, 96 situated at Village Choti

Khargone Tah, Maheshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maheshwar, in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nathusingh So Bhuvanisingh Village Ghargaon Tch. Maheshwar.

(Transferoi)

(2) Shri Sanauddin So Vazir Khan, Village Karodia, Teh. Maheshwar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 97/1/1/94, 96 village Choti Khargone situated at Maheshwar. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

#### FORM ITNS -----

### (1) Shri Jaipaldas So Santramji Bajaj, 24, Choti Gwal Toli, Indore.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Smt. Gitabai Woo Rajaramji Bajaj, Shri Dhanraj Soo Rajaramji Bajaj, Resident of 8/2. Usha ganj, Chavui, Indore.

Indore. (Trunsferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to t

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC | Acqn | Bpl | 4903.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot No. 47 and the building situated at Indore Vikas

Pradhikaran Yojna No. 47, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to be love that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:—

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 128 and the building thereon situated at Indore Vikas Pradikaran Yojna No. 47, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

 Shri Ramchandra Kumavat So Dhulji H. No. 8 Kalalseri, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Jugalkishore Medatwal Slo Kanhuiya'alji, Smt. Kanchanbai Medatwal Wlo Jugalkishoreji, Pavvara Chowk, Ujjain.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn[Bpl]4904.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
H. No. M. No. 4|1233|3 N. No. 8 situated at Shankaracharya Marg Gali No. 6 Kalaseri, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Ujjain in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 4 1233 3, New No. 8, Shankaracharya Marg, Gali No. 6, Kalalseri situated at Ujjain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4905.--Wherens, 1, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Open land with dilapudated building situated at Mandsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mandsur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weaks-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—206GI[84]

(1) The Mandsur Electric Supply Co., Ltd. Mandsur through Shri Sajjanlal Slo Rakhabchandji Bhinda, Director, Mandsur.

(Transferor)

(2) Smt. Kathija Bai Do Shri Haji Fida Hussain, Husband Mujjugar Hussain, Resident of Mandsur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land in Mandsur. This is the immobable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopai, the 12th July 1984

Ref. No. iAC|Acqn|Bpl|4906,---Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Land in Khandhar situated at Ward No. 17, Municipal

Committee No. I in part, Mandsur. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Mandsur in November 1983

In Mandshi in November 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Mandsor Electric Supply Co. Ltd., Mandsur through Sajjanlai Sio Kakhabehandji Bhinda, Director, Mandsut.

(Transferor)

(2) Sri Kudbudin Slo Mujafar Hussain, Resident of Mandsur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land in Khandhar No. 17 (Ward), Municipal Committee No. 1 in part at Mandsur,

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhepal.

Date: 12-7-1984

#### FORM I.T.N.S.----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4907.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 54 I.D.A. H. No. G.G. 1. situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rughavendra Krishnacharya, through general Attorney Shri Prakash Kanhaiyalal Gupta,
 Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain Slo Gaosingh Rajavat, Rlo 330, Nandanagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

H. N. G.G. 1., I.D.A. 54, situated at Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhepal.

Date: 12-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4908.--Whereas, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House and Plot No. 138|2 situated at Daudpura, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at Burhanpur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- · (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Avtarm Kewalram Sindhi Smt. Iswarbhai Do Shri Awatram Sindhi, Resident of Daudpura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath Slo Tikamdas Shah, Rlo Gujrati Mod, (Mod), Rajpura, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the vaid immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House in Plot No. 138/2 Block No. 13, Daudpura, Burhanpur. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4909.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/4 and bearing

Land No. 200|1 situated at Village Lalbagh, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukumsingh Slo Daulatsingh Thakur. Rlo Shah Bazar, Tah, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Gundhinagar Co-operative Housing Society Ltd., Bahadarpur Road, Burhanpur, Through President Shri Madhubhai Alias Chandubhai Patel, Rlo Chouk Bazar, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Khan No. 200[1, Village Lalbagh at Burhanpur. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

(1) Shri Abdul Majid So Gulkhaji, Saroni, Saronipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Noori Wo Shri Fakhruddin So Abde Aliji, T.I.T. Road, Ratlam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4910.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 283 situated at Kasba Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ratlam in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- .(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kh. No. 283 land situated at Ratlam. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-section (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 12-7-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4911.-Whereas, J. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|<sub>3</sub> and bearing Land in Kh. 257|3 situated at Kasht Kabja Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other masts which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

- (1) Shri Laxminarain Slo Bhaguji, Mohalla Khatipura, Anand Colony, Ratlam. (Transferor)
- (2) M|s Pokherna Bros., Chandni Chowk, Rathrough Shri Shantilal Sio Ratanlal Pokharna, Chandni Chowk, Ratlam, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land in H. No. 257|3 situated at Kasht Kabja Ratlam. This is the immovable property, the description of which has been gvien in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhoosa

Date : 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MAP.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4912,---Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing Plot No. 267 situated at Anupnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1983

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, is
   respect of any iscome arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha Wo Jayram Katwani, Ro 142, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Sankarshan Prasad So Shri Kulpatiramji, Resident of Navratanbhag, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are relefined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 267, Anoop Nagar, Indore situated at Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M|s S. N. Sunderson & Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delni.

(Transferon)

(2) Shri Sudhir Kumar Jain Sio Shri Sunderlal Jain.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4913.—Whereas. 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and

bearing No.

Plot situated at Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni,

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopai

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—206GI[84]

Date: 12-7-1984.

- (1) M S. N. Sunderson and Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Chandraprabha Wo Shri Subashchand, Jhanda Bazar, Katni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4914. Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piot measuring 3000 sq. ftfl located in Rana Pratap Ward, Katni.

> V. K. BARANWAL Competent Authorny Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn.|Bpl.|4915.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.

Plot situated at Kaini

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Katni on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M/s S. N. Sunderson & Company.
Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rishab Baidh Soo Shri Bhagwandas Baidh, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Rana Pratap Ward, situated Katni.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Fldor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984.

(1) Ms. S. N. Sunderson & Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.

(2) Shri Laxmiprasad Shukla So Gayaprasad Shukla, Katni

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-'SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4916.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No plot situated at Katni at Katni on November, 1983

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat situated at Rana Pratap Ward, Katni.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotti Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 12-7-1984.

(1) Ms Sunderson & Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.

(2) Shri Sudhir Kumar Jain So Sunderlal Jain, Jhanda Bazar, Katni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn |Bpl.|4917.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Katni on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ofpresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PEXPLANATION:—The terms add expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot at Rana Ward situated at Katni.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|491.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 1/1555 in part situated at Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Ujlain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kum. Pnkibai Do Ramdevji Agarwal, Dada Bhai Nauroji Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kailushnarain, 2. Rameshchandra, 3. Rajendrakumar, 4. Sanjaikumar and Manojkumar Sons of Shri Badriprasadji Joshi, Sethinagar "Ujjain.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1 1555 in part situated at Kantal Ujjain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4918.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 61|3 situated at Vir Savarkar Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Yashwant Chuncker, 37, Devi Ahilya Marg, Indore.

  (Transferor)
- (2) 1. Shri Mohd., 2. Gulam and 3. Hanif Slo Yusuf Rlo 10 Siyagani, Indore. (Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEFLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kacha house No. 61/3 situated in Vir Savarkar Market, Indore,

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984.

#### FORM ITNS-----

\_\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

Ref. RAC No. 107/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on November, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any insense arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income Oŧ any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by its Managine pariner S. t. B. Lakshmi, Dasapalli Hills, Vizag. (Transferor)

(2) Smt. Dr. K. Manjula Vani wo K. V. G. K. Tilak, D. No. 15 12-7, Krishnanagar, Vijag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in Visakhapatnam Municipal Corporation area, Maharanipet Ward, admeasuring 1100 sft. registered by the S.R.O. Vizag, vide document No. 12939 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 10-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 108|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—63—206 GI[84]

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by its Managing Partner Sri B. Prabhakat Kumar (GPA) Dasapalli Hills, Vizag.

(2) Sri D. Venkata Sastry, Plot No. 42, T.P.T. Colony, Visakhapatnam. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet, Vizag admeasuring 1300 sft., registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13127/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 109|84-85.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Vizag (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by GPA Holder Sri B. Prabhakat Kumar Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Vepa Krishna Murthy, Maharanipet Ward, Block No. 7, T.S. No. 135, Near Coastal Battery Junction, Visakhapatnam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet Vizag admeasuring 1100 sft. registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13128/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons pages?

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 110 84-85 .-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
No. Site situated at Vizag

(and more fully described in tht Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreeat Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other much which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Y. Rama Rao, and Other, D. No. 32-1-207/1, Allipuram, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri B. R. Mittal, Slo B. Ram Mittal, D. No. 31-31-17, Saibaba Street, Vizag-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 690 sq. yds. situated at Visakhapatnam Market Ward, Block No. 1, T.S. No. 2A-1, registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13378|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

Seel :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER , OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 111 84-85 .- Whereas, I,

RAC. No. 111384-55.—whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Maharanipet Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by Sri B. Prabhat Kumar, (GPA) Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Smt. Kokilavanj, Wło. Dr. S. Srinivas Guru Prasad, Gollaprolu, E. G. Dt.,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipeta Ward, Block No. 7, admeasuring 1100 sft., registered by the S.R.O., Vizag document No. 12938 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 112/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M.s. Paramount Construction, Rep. by Sri B. Prabhat Kumar, (GPA) Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Smt. Vepa Rajyalakshmi, Wo. Rama Murthy, Prince Apartments, Coastal Battery Junction, Maharanipeta, Visakhapatnam-530002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet Ward, Visakhapatnam admeasuring 1100 sft., registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 13129[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 113|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Atchanna, Slo. Guranna, 14th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt.,

(Transferor)

(2) Sri K. Chandramma, Wo. Guranna, 14th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Bhimavaram admessuring 386 sq. yds. of land and 1316 eft., plinth registered by the S.R.O., Bhimavaram vide document No. 3707/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 114|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated at 5th Line Chandramoulinagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri M. Manavallayya, So. Varadaraja Naidu, Chandramoulinagar,

 Smt. P. Venkataratnamma, Wlo. Dr. P. Bhagavannarayana, D. No 4-1-43, Ramannapet , Guntur

(Trasnferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at 5th Line, Chandramoulinagar, Guntur admeasuring 792 sq. yds. of land and 1890 sft. of plinth area registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9451|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC No. 115/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Kakinada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. M. Puttamma and Other, Turlapallivari Veedhi Kakinada.
  - (Transferor)
- Sri R, Sriramachandra Visweswara Rao, H. No. 49-33 A, Seethammadhara, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Kakinada bearing D. No. 2-59-2 admeasuring 347 sq yds, of land and 893 sft., plinth registered by the S.R.O. Kakinada vide document No. 10045[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984.

#### FORM ITNS ----

(1) Sri P. Srirama Mutthy slo Pullaiah, Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri K. Venkata Radha Krishna Murthy and Other, D-No. 11-25-274, 11th Ward, Vijayawada.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref., No. RAC. No. 116(84-85,—Whereas, I., M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

House situated at Vijayawada

PART 111-590. 11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the olice of the Registering Officer

at Vijayawada on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—64—206GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6789[83]

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC No. 117/84-85.-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Krishnalanka, VJA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sa d Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin: persons, namely :-

(1) Sri K. Subba Rao and Others, Driverpet, Kr shnalanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. M. Choodamani, woo Rama Rao, Krishnaagraharam, Krishnalanka, Vijayawada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 47-27-35 A, Krishna Lanka, Vijayawada admeasuring 112 sq yds, of land area and 892 sft. first floor area and 762 sft., second floor registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6883/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A1)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. No. 118/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Land at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority

at Vijayawada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. L. Nirmala, wio Venkateswara Rao, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Mandadi Udaykumar, s|o Subbaiah, P. V. Raju Veedhi, Ramanagaram, Vijayawada-3,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land admeasuring 40 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7054[83].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 12-7-1984.

Seal ;

# MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC 119/84-85,---Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN.

19974

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable moperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Patamata Vijoyawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Vijayawada on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Aut. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Snit. J5. Lakshmi Thirupathamma, woo, Narasimharao, Patamatalanka, Vijayawada. (Transferor)
- Smt. Ch. Vijaya Kumari w|o Satyanarayana, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of ths notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expres later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 cents at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7060183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

ta et i

#### FORM ITNS----

- (1) Sti V. Steentwasa Rao and other, Khammam.
  (Transferor)
- (2) Kirana & Jaggery Merchants Association, Rep. by Sri V. Nagabhushanam, President. Khammam, A.P.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 120|84-85.—Whereas, f, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land situated at Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khammam on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truely stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined a Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open plot admensuring 699 sq. yds. situated at Water Tank Road, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 2316, 4035, 3723|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984,

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. V. Nirmala Devi wlo Subrahmanyeswara, Vataprasad, Vijayawada,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961/(43 OF 1961)

(2) Sri Ch. Kameswara Rao, Vijayawada.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 121|83-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as 'he 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the period of the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 50 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S R.O., Vijayawada vide document No. 7125 83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderahad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1984,

#### (1) Sri M. Dashratha Reddy & Others, Pasalapalli, Karimnagar District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Srinivasa Par Boiled Rice & Oil Industries, Nallagonda, Karimuagar District.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 355|84-85.—Whereas, I, M., JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land situated at Nallagonda Karimnagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karimnagar on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the pionesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admensuring 5 acres situated at Nallagonda registered by the S.R.O., Karimnagar vide document No. 4026/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Flydcrabad, the 12th July 1984

RAC. No. 356|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'so'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Garrage situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd., Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. A. Venkata Rao, Plot No. 115, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Garrage No. 12 on the ground floor situetad at Saifabad Hyderabad admeasuring 263 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5608|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-12
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

#### FORM ITINS----

(i) Sri P. Anand,

(Transfe or)

Gowliguda, Hyderabad. (2) Sri L. Ramabhadraiah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 357/84-85.—Where I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 10 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Land situated at Yamunapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uppal on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 12 acres at Yamunapet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4290|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—65—206 GI|84

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 358|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Land situated at Ghatkesar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Sri P. Balaram, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. L. Saroja woo L. Ramabhadraiah, Ghatkesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres situated at Ghatkesar, registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4291|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

(1) Sri V. Srecramulu so V. Rangaiah, Tripurantakam.

(Transferor)

(2) Sri D. Ramulu so Lakshmiah, H. No. 19-3-423, Jehanuma, Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 359184-85,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. House situated at Kothapet R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1908) in the at Uppal on 11[83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House situated at Kothapet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4137/83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 360|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-novable property, having a fau market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land, situated at Marredpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds one apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M: Srinivas & Others, Kavediguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Shobana Cooperative Housing Society Ltd., 9-2-605, Regiontal Bazar, Secunderabod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 20 gimtas, situated at Marrepally, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally document No. 2020[83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax . Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 122/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2695 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Mian fitteen per come of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity streed in the will instrument of pransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which our but to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. G. Laxmi Thirupathamma woo Sri G. Narasimharao, Patamatalanka, Vijayawada, Krishna Dt. (Transferor)

(2) Sri D. Rambabu and Other, Vijayawada Krishna Dt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7055 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12 7-1984.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. UAC. No. 123/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Patamata, Vijayawada

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be never that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lavu Nirmala wlo Shri L. Venkateswara Rao, Vijayawada.

(2) Shri D. Sambasiva Rao and Other, Vijayawada. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 4 cents situated at Patamata. Vijayawada registered by the S.R.Q., Vijayawada vide document No. 7053[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 124|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Howe situated at Chirals.

House situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri V. Venkata Subba Rao and Others, Chirala.

(2) Shri Chunduru Ramachandra Rao S|o Shri Ramakoti, Chirala, Prakasam Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Chirala admeasuring 284 sq. yds. of land area and 1105 sft., plinth area and 450 plinth area in 1st floor registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 4215 83;

M. JEGAN MOHAN

Comp.tent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 125|84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN, Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House situated at Gudur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ch. Subbamma Wo Shri Radha Reddy, Ayyavaripalem, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Smt, V. Padmavathamma Wlo Shri Dasaratharami Reddy, Raja Vecchi, Gudur, Nellore Dt.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property situated at Illavari veedhi, Gudur, Nellorc Dt., admeasuring 168 sq. yds. of land area and 864 and 288 sft., plinth area registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1614 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984 Seal:

### FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sripathi Subbalah Setty Slo Shri Venkata Subbalah, Nellore.

(Transferor)

(2) Shri N. Ramakrishnaiah and Others, Balajinagar, Nellore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 126|84-85.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable results are the said Act'), have reason to believe that the immovable results are the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Land situated at Bit-II (v). Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ha the Official Gazette or a period of 30 days from the sawice of statics on the respective parasses. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres, 16 cents situated at Bit-II village, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 6054 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (N.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---66-206 GT 84

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 127/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Land situated at Nellore
(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as nerved to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sripathi Venkata Subbaiah Slo Shri Subbaiah Setty, Kukundapuram, Navabpet, Nellore.

(Transferor)

(2) Shri P. Chenchu Reddy and Others, 16-1829, Srinivasaagraharam, Nellore-524 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres, 8 cents situated at Bit-II village, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide documen No. 6053|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC, No. 128|84-85.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Land situated at Kakinada Tq., Ramanayyapeta (V)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

(16 of 1908) in the Registering Omcer at Kakinada on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri S. Krishna Slo Shri S. Satyam, Kakinada,

(Transferor)

(2) Ms. Dhanalaxmi Modern Rice Mill, Rep. by hri Satteppanaidu, Managing partner, Plot No. 22, Industrial Estate. Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 1504 sq. yds. situated at Ramanayyaneta Village. Kakinada Tq., E.G.Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 9499 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 129|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No. Land situated at Billampalli (v)

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nuzvid on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (1) Sri Bobba Nageswara Rao and Others, Billanapalli, Nuzvid Tq., Krishna Dt., (Transferor)
- (2) Krishna District Scheduled Castes Co-operative Society, Rep. by Sri D.S.N.V. Ptasad, Executive Officer, Machilipatnam, Krishna Dt., (1 mansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever parlod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (A) incilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 66-50 acres situated at Billanapalli, uzvid Taluq, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Nuzvid Taluq, Krishna Dt., registered by the Nuzvid vide document No. 3067, 3068, 3001 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANY COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref., No. RAC. 130|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, situated at Beemuropatnam, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri V. Butchi Venkata Seshagiri Rao and Other. S. Kota, Vizianagaram Dt. (Transferor)
- (2) Sri Seetharama Associates, Rep. by its Managing Partner Sri Y. Vivekananda, Slo Y. Szetharama Murthy, C.B.M. Compound Visakhapatnam, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
   property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 17-49 acres situated at Gandhinagarum village, Bheemunipatnam, Taluk, Vizag District registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 12562[83].

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
suspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

# FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 131|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Nursapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Vundavalli Hemasundara Gandhi, Narsapuram, W.G. Dt.,

(Transferor)

(2) Sri Pethani Venkanna & Co., 11th Ward, Palakollu, W.G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at D. No. 10-7-10, admeasuring 1130 sft., plinth area and 303 sq. yds. of land area registered by the S.R.O., Eluru vide document Nos. 6100, 6318, 6320, 6206|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

Seal ;

### FORM TINS----

(1) Smt. G. Peranima & Others, Jonnathali Post, Chilakaluripet Tq

(Transferor)

(2) Sri K. Srinivasa Rao, Director, Amaravathi Textiles (P) Ltd., Chilakaluripet, Guntur Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 132|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Land situated at Martoor village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Martoor on 11 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the maid Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 acres 91½ cents situated at Martur village Addanki Taluk, Prakasam Dt., registered by the S.R.O., Martoor vide document No. 2349, 2343, 2364, 2355|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ретзопя, папиоку:-

Date: 13-7-1984

dlo

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

samma, Gandhianagaram, Suryaraopeta,

(1) Smt. K. Venkataratnamma,

(2) Smt. Y. Jayalaxmi and Others, D. No. 13-1-23, Suryaraopeta Kakinada

(Transferees)

Ramatula-

Kakinada. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 133|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Ramanayyapet village, Kakinada Tq (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1332 sq. yds. situated at Ramanayya-peta village, Kakinada Taluk, E.G.Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10102|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM ITNS----

(1) Sri Kegava Rao, (b. Atchuthatamaigh, Dil-sukhmagar, Bhavannagar Hyderabad,

(Transferor)

(2) Dr. Annam Peda Pulla Rao, sjo Anjajah, 7th Line, Arundalpet, Guntur.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th Jels 1984

Ref. No. RAC, 134(84-85 --- Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. House situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any more ve or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---67 -206GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

House property bearing D. No. 6-8-32 situated at Arundalpet 8th Line. 2nd cross Road, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9906,83

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

(1) Sir M. S. Suryarao and others, Sarpavaram, East Godavari Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Muddana Chakra Rao, Sarpayaram Kakinada Tq., E.G. Dt.,

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 135/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to tes the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land sifuated at Sarpavaram Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 50 cents situated at Sarpavaram, Kakinada Tq., East Godavari Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10518 and 10500]83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 12-7-1984

### FORM ITNS -

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri B. Venkata Bayudu and Others, Gandhinagaram, Kakinada.

# (2) Smt. E. Parvathi, 2. Sri E. Subbao Rao, 3. Sri P. Bhaskara Rao and Smt. P. Sujatha, so Laxmi Talkies, KAKINADA,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 136|84-85, -Whetens, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Share in Cinema Theatre Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

0-4-3 share in Cinema Theatre named M/s. Lakshmi Talkies, Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document Nos. 10401, 10402, 10403 and 10404/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 137/84-85. -- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>5</sub>, 25,000|- and bearing

Land situated at Kuthukudumilli East G. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pithapuram in 11|83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri K. Suryanarayana Steshti, s o Balakrishna, 10th Ward, Pithapuram,

(Transferou)

(2) Sri Ch. Butchiraju and Others. Stuwartpeta, Pithapuram, F.G Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 17-49 acres situated at Pithapuram, Taluk Kuthukudimilli village registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 2602[83].

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS----

(1) Lxecutive Officer, Sri Ch. Devadanam, Sri Venhateswara Swamy Temple, Guntur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. Radha Krishna Murthy, Secretary Akhilandrasri Pottiramulu Sevak Samajam, Pottisriramulunagar, Guntur. (Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, Hadrabad (A.P.)
Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 158,84-85.—Whereas I, M.2 JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269ll of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Koritipadu Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

ns per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Lund squated at Nuzvid

Registering Officer at Guntur in 11]83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the cust scalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 48 cents situated at Koritipadu village, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8851|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref., No. RAC. No. 139/84-85.-Whereas, I.M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
No. Land situated at Nuzvid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Regitsering Officer at at Nuzvid on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) S. Suryanarayana Rao, Ramannagudem.

(Transferor)

(2) Sri Srinivasa Concerns, Rep. by Sri Inuganti Ven-kata Raja Sudhakar, Nuzvid, Post Krishna Distt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 76 cents and shed admeasuring 3696 sft. k., registered by the S.R.O., Nuzvid vide document No. 3057|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Aange, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS-

(1) Sri Kadiyala Ratna Kumari woo Nagabhushanam, Nuzvid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Bujji Venkata Surayamma, wo Venkatarama Rao, Nuzvid.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 140/84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. Land situated at Nuzvid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регаода, варосту :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 08 cents situated at Nuzvid, Krishna Dt., registered by the S.R.O.. Nuzvid vide document No. 3083 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

₩atc: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 361/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House, situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 11|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that MOHAN

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

11 Sri Sambas Singh, Sto Shri Oede Singh, Nimosaladus, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Krishna Rao, s|o Lakshminarasimha Rao, D. No. 1-1-261|15, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Chikkadpally bearing H. No. 1-1-261 15 (Portion) admeasuring 253 sq. yds, and buildup area 100 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5906 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 362|84-85.—Whereas. I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

68-206 GI|84

(1) Sri Samboo Singh, slo Oode Singh, NimboliaddSe, Hyderabad.

(Transferor)
(2) Sri K. Rajamani, w/o Viswanath Gowd,

Sri K. Rajamani, wlo Viswanath Gowd,
 D. No. 1-1-261|15, Chikkadpally, Hyderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property portion bearing No. 1-1-261|15 admeasuring 220 sq. yds. and 100 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5797|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 363|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

- (4) facilitating the reduction or elasion of the Habitiv of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and Air
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Samboo Singh, slo Oode Singh, Nimboliadda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Narasimha Reddy, s/o Yellareddy, H. No. 1-2-261/15, Chikkadpally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FYPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House portion 1-1-261/15, situated at Chikkadpally, Hyderabad admeasuring 200 sq. yds. and plinth area 100 sft, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5907 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 364|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing

Land situated at Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the breathest Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Syed Hashim, sjo Syed Yaseen & Other, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Hussain, slo Syed Md. Iqbal Shakeel, H. No. 4-59|5, Vikasnagar, Dilsuknagar, Hydecabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same transing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 1000 sq. yds. and 180 sft., plinth area Masab Tank, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5776 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Data: 13-7-1984

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 365/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Nehrunagar Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to neliove that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Syed Abdul Khader, 19-1-574|1|3, Bahadurpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Rasheed Mohinddin, 10-5-32|2, Ahmednagar, 1st line, Hyderabad. (Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property admeasuring 380 sq. yds. of land and 150 sft. plinth area situated at Nehrunagar, Masabtank, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5603183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Date: 13-7-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 366|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Gurbayadi Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Nizamabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ganesh Das, slo Narayan Das and Others, 7-2-185, Marvadigalli, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Bai, woo Luxmichand, and Others, 6-20-52, Gurbavadi, Nizamabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plots No. 4, 5, 6, 7, situated at Gurbavadi, Nizamabad admeasuring 866.66 sq. yds. registered by the S.R.O., Nizamabad vide document No. 4677/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naticly:—

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

#### Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. M. JEGAN MOHAN No. 367|84-85.—Whereas, I. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot, situated at Khairatabad, Hyderabad and morefully described in the schedule annexed hereto has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Rama Devi, wo M. A. Raju, 2-2-647|273|A. Bagh Amberpet, Hyderabad. (Transferor)

(2) Smt. V. Satyavathi, wo V. S. Raju, 23, G.I.E., 1st Phase, Balanagar, Hyderabad-37.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 44 in S. Nos. 116|3, 4, 120, 121 and 122 situated at Khairatabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2994|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

(1) Smf. Rani L. Sarala Devi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Qamar Sultana, 12-1-934. Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 368 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

House situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11|83

ior an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 12-1-934 situated at Khairatabad, Hyderabad admeasuring 153 sq. yds. of land and 700 sft., plinth registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 3129|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. 369|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rev. 25,000]- and bearing No. House situated at Afzalgun, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) Sri Kishanial, so Lokmanya Singh and Others, 13-1-522, Dilawargunj, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Govindial Ozha, slo Badrinarayan Ozha, 4-4-51, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said image. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property Mulgi No. 15-9-409 situated at Afzalgunj, Hyderabad admeasuring 33.33 sq. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5999|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 370|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Muradnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Kalcelullah, 10-5-29, Masabtank, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Mir Faroos, Ali, 12-2-54, Muradhagar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlighted:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 12-2-54, situated at Muradnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Kairatabad vide document No. 2990|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Scal:

69-206GI 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 A3 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

APQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

Ref. No. RAC. No. IAC ACQ 37-EE 1.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-und bearing No.

and bearing No.
Office No. 161 to 163 in 1st floor of Babu Khan Estate, situated at Basharabach, Hudarabad

Office No. 161 to 163 in 1st floor of Babu Khan Estate, situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Hyderabad on 8|83

I.A.C. Acq. Hyderabad on 8|83 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Babu Khan Constructions, 5-9-58|1|15, Basheerbagh, Hydraebad.

(Transferor)

(2) Snit. P. Sitamani, Rlo 203, Mattusti Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office No. 161, 162 and 163 in 1st floor of Babu Khan Estates, Basheerbagh, Hyderabad (Area 1142 sft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 254 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 15-6-1984 Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|2.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 602 in 6th floor of Akbar Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Competent Authority at 1.A.C., Acquisition Range. Hyderabad in Aug/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ms. Abi Constructions, 102, Akbar Towers, New Mankpet, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Dr. Mohd. Shaseeq, 16-8-921/6, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 602 in 6th floor at New Malakpet, Hyderabad Akbar Towers admeasuring '1166 sft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 260 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 15-6-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (46 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) MJs. Aabi Constructions. 102, Akbar Towers, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd, Wajid Hussain, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOMISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

PAC. No. IAC|ACQ|37-EE|3.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 102 in 1st floor of Akbar Tower

situated at Malakpet Hyd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at IAC, Acq. Range, Hyderabad on 8|83 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as afreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said finmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102 in 1st floor of Block 'A' Akbar Towers, Malakpet, Hyderabad (Area 1250 eft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 261 in the month of August, 1983.)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s-Babu Khan Constructions, 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderebad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Minhaj Ar Hasan, 16-10-185|21, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|4.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office No. 302 in 3rd floor of Babu Khan Estate, situated at Bashirbagh, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at I.A.C., Acq. Hyd. on 8|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 302 in 3rd floor of Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad (area 3229 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 262 in the month of August, 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|5.-Whereas, I

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the income as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') as the 'said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F. No. 001 B in Ground floor situated at Mud Fort

Apartments, Hyd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C., Acq. Hyd. on 8/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(r) ractitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957);

(2) Ms. Innovation Builders, 142 C Penderghast Rd., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Komala, 638 C, BHEL Township, Hyderabad-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 001 B in Ground floor, Mudfort, Apartments, 211 Mud Fort Secunderabad (Area 1050 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., acquisition Range, Hyderabad under registration No. 272 in the month of August, 1983)

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-6-1984

(1) M/s Innovation Builders, 142/C, Prenderghast Rd., Secundershad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri K. Ramanathan, 1-10-105 Ashoknagar Hyderahad.

#### GOVERNMENT OF INDIA

## \_\_\_\_

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ITYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE|6.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing.

No. F. No. 201-B in 2nd floor of Mud Fort Apartments, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq., Hederabad on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201-B in 2nd floor of Mudfort Apartments, Secunderabad (Area 1080 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 274 in the month of August, 1983)

M. JFGAN MOHAN Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 16th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|7.—Whereas, I, M. GEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 104-B in floor of Mud Fort Apartments

situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad, August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing, persons, namely :-

(1) Sri G. Sankaran 26|C, Shanti Hospital Compound West Merredpally, secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Innovation Builders, 142-C Penderghast Road Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104-B in 1st floor of mudfort Apartments, Secunderabad (area 980 sft.,).

(Property as decribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 274 in the month of August, 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux Acquisition Rang Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|8.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. F. 102-B, 1st floor of Mud Fort

situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Resistration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering

Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad, on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--70-206GI]84

(1) M/s. Innovation Builders, 142-C Penderghast Rd. Secunderabad.

(2) Sri V.S.S. Suryanarayana, P. No. 38, Srinivasa Colony, Near Sonjeevareddynagar, Hyderabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102-B in 1st floor of Mud Fort, Apartments Secunderabad (Area 980 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 275 in the month of August, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|9.—Whereas, I,
M. IEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
Immovable property having a fair market value
Exceeding Rs. 25,000|- and bearing
F. No. 239 D-Block, Kanthisikhara Punjagutta, Hyd. Apart.,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
as per deed registered under the Indian Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at
I.A.C., Acq. Range, Hyd 8|83 for an apparent consideration
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. Or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey:—

 M|s. Virgo Constructions, 6-1-1063|B|3, Raj Bhavan Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri R. Narayanan, D-Block Flat No. 239, Kanthisikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 239 in D-Block, Kanthisikhara Complex, Punjagutta, Hyderabad (Area 846 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 283 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 16th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE|10.—Whereas, I, M. GEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. F. No. A-2 in 2nd floor of Sony Builders, Himayathnagar,

Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq., Hyderabad, August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:— (1) Ms. Sony Builders, No. 3-6-389. Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Suleman Vali Mohammed F. No. A-2, 2nd floor 3-6-389, Sony Builders, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. A-2 in 2nd floor of Sony Builders, 3-6-389, Himayathnagar Hyderabad (Area 1555 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 284 in the month of August. 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

Geal:

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|11.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

F. No. 1, situated at 1-2-524 Domalguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (1608 of 1908) in the office

of the Registering
Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. L. Narayana, Woodpet. Anakapalli. Visakhapatnam Dist.,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Ground floor of 1-2-524, Domalguda, Hyderabad (Area 1200 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition, Hyderabad under Registration No. 288 in the month of September, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1984.

.....

(1) M/s. Lakshmi Builders. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P, Ramulu, Ismailkhanpet, Medak Distt., Hyderabad.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. JAC|ACQ|37-EE|12.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 17 and 18 situated at Rangaraja Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad, on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act ? respect of any income arming from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office Block Nos. 17 and 18 at Rangaraja Towers, Saifabad Hyderabad (Area 621 sft., and 431 sft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 289 and 290 in the month of September, 1984).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-7-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE-|13.--Whreas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Unit No. 5 & 4 at Bashirbagh Hyderabad, situated at Hyd., (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC. Acq. Hyderabad, on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Royal Builders, R|3, Jagdish Market, Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Rafi Zaffar and Mr. Syed Abu Zaffar R.o. H. No. 3-6-229, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 5 and 4 in 2nd floor of 5-9-30|21 to 25, Bashirbagh Hyderabad (Area 255 sft., and 255 sft.,) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Hyderabad under registration Nos. 292 and 293 of Sept. 1983).

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 13-7-1984.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### M|s. Tawakkal Builders, Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Pasha Quadri, Box. No. 381, Soudi Arabia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|14.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F. No. 1 situated at 5-9-216 Chiragali Lane, Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad on September, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 in 5-9-216 Chirag-ali-lane, Hyderabad (Area 1400 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 294 of Sept., 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 1AC|ACQ|37-EE|15.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,080/and bearing

Office No. 547, situated at Rangunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAO, Acq. Hyd. on 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mis. Babu Khan Builders,
 5-4-86 to 92 M. G. Road,
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Ranga Finance & Investment (P) Ltd., 6-3-890, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferce)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space No. 547 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad (area 266 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the offic of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 295 in the month of Sept. 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. IAC|ACQ|37EE|16.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

Office No. 642, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been unsferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

the office of the Registering Officer of LC. Acq. Hyd. on 9/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ratties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (e) tochitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act is
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— \* 71—206C184

- (4) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92. Ranigunj. Secunderabad
- (2) Sri M. Subba Rao, Premises No. 642 in 5-4-86 to 92. Ranigunj, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office No. 642 in 6th floor of 5-4-86 to 92. Rangunj, Sec'bad (area 266 fts).

Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C.. Acquisition Range, Hyderalad under registratimon No. 296 of Sept. 1983.).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

No. RAC No. IAC|ACQ|37EE|17.—Wherens, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Office No. 643, situated at Ranigar). Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lutteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Meduri Capaciforms Pvt., Ltd. 16-9-831|3, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space No. 643 in 6th floor of 5-4-86 to 92, Ranigunj Secunderabad (area 266 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad under registeration No. 297 of Sept. 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGF, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Fef. No. IAC|ASQ|37EE|18.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and, bearing

Office No. 631, 630, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Ms. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kotha Vidyanti and K. Sandhya Rani, 162, Vasavinagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act.

hall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 631 630 in 5-4-85 to 92 Ranigunj, Secunderhad (area 349 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registers in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabac under registration No. 299 of Sept, 1983).

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

(1) M/s. Innovation Builder 142/C. Penderaghast Rd.

(2) Smt. K. T. Abraham,

166 Sikh Road, Secunderabad,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

: = := --

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

RAC No. IAC|ACQ|37EE|19.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 203 situated at Sec bad

(and there fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at IAC, Acq. Hyd. on 9[83]

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fricen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not feen truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersugned...-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichwer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Flat No. 203 A in 2nd floor of Mudfort Apartments, Secunderabad (area 1080 sft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registeration No. 303 of Sept., 1983),

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Ass\*t. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

FORM ITNS .....

ER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-EAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ONFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

RAC No. IAC|ACQ|37EE|20.--Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. F. No. B-56 situated at Siddiambar Bazar Hyd

(and more fully described in the Schedule amered hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that whe consideration for such transfer as agreed to between the

parties was not been truly stated in the said instrument of unasfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evision of the liability the transferor to pay has under the raid Act, in respect of any meome arising from the transfer; andior

confidential the concealment of any focome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Veulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

sections, in pursuance of Section 260C of the kind by initiate proceedings for the acquisition of the perty by the issue of this notice under sub-secection 269D of the said Act, to the following (1) M/s Bharat Construction Co.. 15-1-503, Siddiamour Bazat, Hyderabad.

(Transferce)

(2) Sci Asbok Kumar Jain, Plat No. 13-56, in 15-1-503, Sytaiambar Razar, Hyderabad.

Obsections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were resided arrained. whichever period expires later;

the hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAMILYNATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B 56 in Siddiambar Bazar, Hyderabad (aera 900 sft.)

(Property 9, described in the agreement to sale registered in the office of the LAC... Acquisition Range, Hyderabad nuclei right ation No. 309 of Sept. 1983)

M. JEGAN MOHAN Competent Authority It, peeting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderahad (AP)

Date: 13-7-1984.

Saul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, HYDERABAD

Bombay, the 13th July 1984

No. RAC No. IAC(ACQ'37EE|21, --Whoreas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000; and bearing

bearing No. Flat No. 33, 31d fl. Deo Apartment No. F. No. 201 situated at Malakpet Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9.83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mls. Aabi Constructions, Ak New Malakpet, Hyderabad.
- (2) Mr. Abdul Jabbar, 16-11-597. Hyderabad.

Objections. if any, to the acquisition of the say may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within 2 period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201 in 2nd floor of Akhar Towers, Malakpet, Hyderabad (area 1280 sft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Hyderacounder registration No. 314 of Sept. 1983)

M. JEGAN MOMAN Comprised Authority Inspecting Assit. Commission for the Income talk Acquisition Rev. H. Ju. and (A.P.)

Date: 13-7-1984.

(1) M's Aabi Constructions, Akbar Towers, New Malakpet Hyderabad.

(Transferor)

SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Riaz Ahmed, 16-3-921. Chenchalguda Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,

"HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

No. RAC IAC|ACQ|37EE|22.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Authority under Section 269B of being the Competent the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

F. No. 204, situated at Akbar Towers Malaknet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred.

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq, Hyd. on 9(83)

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as beforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

> han fifteen per cent of such apparent consideration the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said nt of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

litating the concealment of any income or any or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for of the Indian Income-tax Act, 1922 922) or the said Act, or the Wealth-tax ' (27 of 1957);

> ance of Section 269C of the s be issue of this notice under .69D of the said Act, to the follow

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in 2nd floor of Biock 'A', Akbar Towers, Malakpet, Hyderabad (area 1180 sft.)

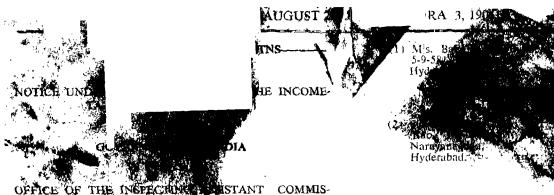
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Hyderabad under registeration No. 315 in the month of Sept., 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

Scal2:





STONE

Hyderabad (A.P.), 13th July 1983

No. RAC No. IAC ACO 37EF 23.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and buring

No. Office No. 1002 & 1001, siduated at Bashirbagh, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9.93 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the furties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; audior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of may be made in writing to the underlying

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette of a period of 30 Jays from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 1002 and 1001 in 10th sloors f Babu Estate, Bashirbagh Fstate, Hyderabad (Area 1103 sft.)

(Property as described in the agreement to sale register in the office of the LAC. Acquisition Range, Hyderaba under registration Nos. 316 and 317 of Sept. 1983)

M. Inspecting Assistant Commission Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely : -

13-7-1984